

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं 0 2 5]

नई विस्ली, शनिबार, जून 18, 1983 (क्येष्ठ 28, 1905)

No. 25]

NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 18, 1983 (JYAISTHA 28, 1905)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Patt in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III--खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायात्रयों, नियन्त्रक और महाते बापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 6 मई 1983

सं० ए० 11016/1/83-प्रणा०-III—-राष्ट्रपति द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में निम्निलिखित महायकों को प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट अविध के लिए प्रथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर अनभाग अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है:—

| ऋम | नाम | पवोन्नति की | ग्रवधि |
|-----|-----|-------------|--------|
| सं० | | | |

सर्वे श्री:

राज कुमार
 1-5-83 से 25-5-83 तक

गुरदास
 गुरदास

4. भगवती चरण 26-3-83 से 27-5-83 तक

5. एस० के० बंसल 1-5-83 से 28-5-83 तक

सं० ए० 110.16/1/83-प्रशा०-III—संघ लोक सेवा आयोग के निस्तिलिखित अनुभाग अधिकारियों के राष्ट्रपति 1—116G1/83 (11393)

द्वारा प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट श्रव्यधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में डेस्क अधिकारी के पद पर कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है:---

क्र० नाम अवधि सं०

1. श्री कृष्ण कुमार

1-5-83 से 25-5-83 तक

2. श्री एन० एम० ए ल० भटनागर 26-3-83 से 4-4-83 तक तथा 6-4-83 से 31-5-83 सर

3. श्रीके०पी० अय्यर

18-4-83 से 31-5-83 तक

उपर्युक्त श्रधिकारी कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग के का० ज्ञां० सं० 12/1/74 सी० एस० (1), दिनांक 11 दिसम्बर, 1975 की शर्तों के अनुसार २० 75/- प्र०मा० की दर से विशेष वेतन प्राप्त करेंगे।

य० रा० गांधी श्रवर संचिव (प्रशा०*)* संघुलोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय का० एवं प्र० सु० विभाग केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो नई दिल्ली, दिनांक 24 मई 1983

सं० एत०/2/70-प्रणासन-5—प्रस्यावर्तन हो जीने पर, तिमिलनाडु पुलिस से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में प्रतिनियवत, श्री एन० एल० रामनाथन, पुलिस उपाधीक्षक की सेवाएं, दिनांक 30 अप्रैल, 1983 के पूर्वाह्न से तिमिलनाडु सरकार को सौंप दी गईं।

सं० ए०/19036/6/83-प्रशा०-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुत्रिय महानिरीक्षक/विशेष पुलिस स्थापना एतव्द्वारा केरल राज्य पुलिस के पुलिस निरीक्षक श्री एस० सोमशेखरन नायर को दिनांक 30 अप्रैल, 1983 के पूर्वा हु से ग्रगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में प्रतिनियुक्ति पर स्थानापन्न पुलिस उपाधीक्षक के रूप में नियकत नरते हैं।

सं० ए-20024/2/83-प्रणा०-5—निर्देशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, एवं पुलिस महा निरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना एतद्दारा श्री महन्द्र प्रताप सिंह को दिनांक 30 अप्रैल 1983 के पूर्वाह्न से सहायक लोक अभियोजक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के रूप में नियुक्त करते हैं।

केन्द्रीय न्याय वैद्यक विज्ञान प्रयोगशाला दिनांक 28 मई 1983

सं० 1-27/81-सी० एफ० एस० एल०/4517—कोद्रीय अन्वेषण ब्यूरो की अधिसूचना संख्या 1-27/81-सी० एफ० एस० एन० केन्द्रीय न्याय वैद्यक विज्ञान प्रयोगणाला के दिनांक 22-9-1982 के कम में राष्ट्रपति, केन्द्रीय न्याय वैद्यक प्रयोगणाला के वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक डा० एस० के० लहरी (झूठ अभिज्ञापक) को 19-2-83 (पूर्वाह्र) रे सी० बी० आई० नई दिल्ली, को केन्द्रीय न्याय वैद्यक विज्ञान प्रयोगणाला में वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी-II (झूठ अभिज्ञापक) के पद पर तक्य आधार पर 30-6-83 तक और या पद के स्थायी रूप से भरने तक, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

आर० एस० नागपाल प्रशासनिक अधिकारी, सी० बी० आई०

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन श्रकादमी मसूरी, दिनांक 6 मई 1983

सं० 2/7/81-स्थापना—कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग (गृह मंत्रालय), नई दिल्ली के अधिसूचना सं० 13019 3/78-प्रशिष्ण दिनांक 17 मार्च, 1982 में आंशिक संशोधन करते हुए, श्रीमती मंजुलिना सिंह, हिन्दी अनुदेशक, ने लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अलादमी, मसूरी में दिनांक 1 जनवरी, 1982 (पूर्वाह्र) से सहायक प्राचार्य, हिन्दी का पद भार ग्रहण कर लिया है।

ए० के॰ दास उप निदेशक

महानिदेशालय, कें ० रि० पु० बल नई विल्ली, विनांक 21 मई 1983

सं० डी० 1-17 / 81-स्था०-I—-श्री एस० पी० सिंह, क्रम्पडेंट (सहायक निदेशक (ट्रेनिंग) II, म'हानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल भारत पर्यटन विकास निगम लि० में जनरल मैनेजर (विजिलैंस) की प्रतिनियक्ति के कारण दिनांक 26-4-83 (अपराह्न) को श्रपने कार्यभार से विमुक्त हो गये हैं।

> ए० के० सूरी सहायक निदेशक (स्थापना)

भारत के महारजिस्ट्रारका कार्यालय नई दिल्ली-110011, दिनांक 25 मई 1983

सं० 10/29/80-प्रणा०-1----राष्ट्रपति, निम्निलिखत अधिकारियों को उनके नामों के सामने दिणत कार्यालयों में तारीख 31 अगस्त, 1983 तक की और अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरे जाएं, जो भी भ्रविध पहले हो, प्रतिनियुक्ति पर पूर्णतः अस्थायी रूप संतदर्थ आधार पर सहायक निदेशक (आंकड़े संसाधन) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं:---

| करते | हैं: | | |
|------|-----------------|-----------------------|-----------|
| ऋम | कर्मचारी का नाम | कार्यालय जहां कार्यरत | विहित |
| सं० | | ₹ | मुख्यालय |
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| | सर्व श्री | | <u> </u> |
| 1. | ओ०पी० आहुजा | भारत के महारजिस्ट्रार | नई दिल्ली |
| | - | का कार्यालय, नई | |
| | | दिल्ली | |
| 2. | एस० आर० गर्ग | भारत के महारजिस्ट्रार | नई दिल्ली |
| | | का कार्यालय, नई | |
| | | विल् ली । | |
| 3. | के० बी० रोहतगी | भारत के महारजिस्ट्रार | नई दिल्ली |
| | | का कार्यालय, नई | |
| | | विरुली । | |
| 4. | पी० एन० बवेजा | भारत के महारजिस्ट्रार | नई दिल्ली |
| | | का कार्यालय, नई | |
| | | दिल्ली । | |
| 5. | आर० एन० पोंगुर- | | |
| | लेकर | निदेशक, महाराष्ट्र । | बम्बई |
| 6. | ए० वी० बल्लिनाय | • | मद्रास |
| | | निदेशक, तमिलनाडु । | |
| 7. | जी० डी० अग्रवाल | जनगणना कार्य | जयपुर |
| | | निदेशक, राजस्थान । | |
| 8. | जी०सी० मिश्र | जनगणना कार्य निदेशक, | पटना |
| | _ | बिहार _् । | |
| 9. | एम० एम० ए० बेग | - | लखनऊ |
| | | उत्तरप्रदेश। | |
| 10. | वी॰ एम॰ पटेल | जनगणना कार्य निदेशक | अहमदाबाद |
| | | गुजरात । | |

| 1 | 2 | 3 | 4 |
|---------------|----------------------------|--|--------------|
| सर्वश्री | | | |
| 11ए० | जी० ओक | जनगणना कार्य निदेशक <i>,</i> मध्य प्रदेश । | भोपाल |
| 12 आर रेवा | | जनगणना कार्य निदेशक, कर्णाटक । | बंगलौर |
| | ्रसी० शर्मा • सी० शर्मा | भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय, नई दिल्ली । | नई दिल्ली |
| 14. एन० | के० भटनागर | भारत के महारजिस्टार का कार्यालय, नई दिल्ली । | नई दिल्ली |
| 15. के० | बी० लखनपाल | जनगणना कार्य निदेशक, संघ राज्य क्षेत्र,चण्डीगढ़ । | चण्डीगढ़ |
| 16. एन० | के० पुरोहित | जनगणना कार्य निवेशक, राजस्थान। | जयपुर |
| 17. चि० | पी० सी० राव | जनगणना कार्य निदेशक, आंध्र प्रदेश। | हैकराबाद |
| 18. कें ० व | के० शर्मा | जनगणना कार्य निदेशक, आंध्र प्रदेश । | हैदराबाद |
| 19. স্থাঁ০ | पी० चटर्जी | जनगणना कार्य निदेशक, पश्चिम बंगाल । | कलकत्ता |
| 20. एस० | जयशंकर | जनगणना कार्य निदेशक, केरल। | त्रिवेन्द्रम |
| 21. ए० ए | र्स० ढिल्लन | जनगणना कार्य निदेशक, गुजरात । | अहमदाबाद |
| 22. पी॰ | के० रौत | जनगणना कार्य निदेशक, उड़ीसा । | भुवनेश्वर |
| 23. जे०१ | योमस मकाडो | जनगणना काय निदेशक, महाराष्ट्रः । | बम्बई |

सं 0 1 1/1 1/82-प्रणा 0-1—-राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महारजिस्ट्रार के कार्यालय के अन्वेषक (सामाजिक अध्ययन) श्रो एम ० विद्यासागर को मध्य प्रदेश, भोपाल में जनगणना कार्यालय में तारीख 30 अप्रेल, 1983 के पूर्वाह्म से एक वर्ष से अनिधिक अविधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अविधि पहले हो, तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक, जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्रा विद्यासागर का मुख्यालय भोपाल में होगा।

पी० पद्मनाभ भारत के महारजिस्ट्रार

वित्त आयोग

नई दिल्ली, विनांक 23 मई 1983

सं० 8 वि० आ० 2 (32)-ए/82---सरकारी उद्यम कार्यालय, नई दिल्ली से स्थानान्तरण होने पर केन्द्रीय सिंब- वालय आणुलिपिक सेवा के ग्रेड "ख" आणुलिपिक श्री चमन लाल को 11 मई, 1983 के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक ह० 650--1040 के वेतनमान में आठवें वित्त आयोग में अणुलिपिक ग्रेड "ख" नियुक्त किया गया है।

> मुखवासी लाल माथुर अवर सचिव

भारतीय लेखातया लेखापरीक्षा विभाग भारत के नियन्त्रक-महा लेखापरीक्षक का कार्यालय

नई दिल्लो-110002, दिनांक 21 मई 1983

सं० वा०ले० प० I/64-70—महालेखाकार कर्नाटक, बंगलौर के कार्यातय में कार्यरत श्री एम० एम० रामा राव, लेबाररोक्षा अधिकारो (अपोज्यिक) अपनी अधिवार्षिता आयु प्राप्त करने पर 31-3-83 (आराह्म) ने सरकारी मेवा से सेवा-निवृत्त हो गए।

> एम० ए० सोमेश्वर राव संयुक्त निदेशक (वाणिज्यिक)

कार्यालय निदेशक, लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व नई विल्लो, दिनांक 15 मार्च 1983

संक कार आर संव अणासन-11/गार एक वोर यूर-265/1467—केन्द्रीय सिविल से वा (अस्थायी सेवा) नियमावली, 1965 के नियम 5 के उप नियम (1) का अनुसरण करते हुए श्री बीर एसर मिनहास लेखा परोक्षक की संवाए, समाप्त करने का एक नोटिस जिन तारीख को नोटिस नामा रिक्या प्रया, या दिया गया जैया भी मामता हो उस तारीख से एक माह की अवधि की समाप्ति पर जारी किया गयाथा। डाक-प्राधिकार द्वारा बिना सुपूर्वगी के नोटिस दिनांक 30-12-1982 को इस टिप्पण के साथ ''लेने से इंकार दिल्ली वापिस कर दो" वापिस कर दिया था।

अब श्री बो॰ एम॰ मिनहास को पूर्व नोटिस देने की तारीख 30-12-82 को ध्यान में रखते हुए अबोहस्ताक्षरी एतद्-द्वारा श्री बी॰ एप॰ मिनहास को सेवाएं दिनाँ । 30-12-1982 को तारीख से एक माह को अबिंद को समाप्ति पर दिनांक 29-1-83 (पूर्वाह्म) से समाप्त की जाती हैं।

> (ह०) अपठनीय संयुक्त निदेशक, लेखा परीक्षा

स्धान :-नई दिल्ली दिनौंक 25-3-83 सेवा में

> श्री बी॰ एस॰ मिनहास, भतपूर्व लेखापरीक्षक, गाँव तथा डा॰ मुरादपुर नारयेल, बारास्ता बुल हीवल जिला होशियारपुर (पंजाब) ।

रक्षा लेखा विभाग कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक नई, दिल्लो, दिनांक 30 मई, 1983

सं० प्रशा० | 1 1 | 2606 | 83-1 — निम्निलिखित लेखा ग्राधिकारी, वार्धक्य निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर, प्रत्येक के समक्ष दर्शायी गईतारीखों के श्रपराह्म से पेंगन स्थापना को अन्तरित कर दिए गए :——

| क्र म सं० | नाम रोस्टर सं० सहित | | | येड | तारीख जिस से पेंशन स्थापना को अंतरित किये गये | संगठन |
|-------------------------|----------------------------------|----|---|---------------------------|---|--|
| 1 | 2 | | | 3 | 4 | 5 |
| , | रावंश्री | | | | | |
| 1. | ओ मप्रकाश कपूर (पी०/254) | | • | स्थायी लेखा अधिकारी | 31-10-82 | रक्षा लेखा नियंत्रक, उत्तरी कमान, जम्म् |
| 2. | एम० आर० बालासुन्दरम (पी०/17) | • | | तथैव | 3 1-0 1-8 3 | रक्षा लेखा नियन्त्रक, दक्षिणी कमान, पूना |
| 3. | विद्यासागर (पी०/336) . | • | | तथैय | 31-01-83 | रक्षा लेखा नियन्त्रक (अन्य रैंक) उत्तर, मेरठ |
| 4. | जसवन्त सिंह (पी०/195) | • | | तथ ै व | 31-01-83 | त थव - |
| 5. | एस० डी० शर्मा (पीं०/147) | • | • | - - तथैव | 31-01-83 | रक्षा लेखा नियन्त्रक (वायु सेना) देहरादून । |
| 6. | पी० के० नाराग्रण स्वामी (पी०/157 | ') | | तथ ैव - | 31-01-83 | रक्षा लेखा नियन्त्रक (अफसर) पुणे |
| 7. | टी० एस० वेंकटरामन (ओ०/184) | • | • | स्थानापन्त लेखा अधिकारी | 31-01-83 | रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) दक्षिण, मद्रास |
| 8. | के० सी० डोले (पी०/199) | , | | स्थायी लेखा अधिकारी | 31-01-83 | तथौव |
| 9. | कें० एल० शर्मा (ओ०/83) | • | • | स्थानापन्त लेखा प्रधिकारी | 31-01-83 | रक्षा लंखा नियन्त्रक (मुख्यालय) नई दिल्ली |
| 1'0. | के० बी० नष्टराजन (ओ०/82) | | | तथैब | 31-01-83 | लेखा नियन्त्रक (फैक्टरीज) कलकत्ता |
| 11. | गम० सी॰ सर्वज्ञ (पी०/328) | | | स्थायी लेखा अधिकारी | 31-01-83 | लेखा नियन्त्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता |
| 1 2. | के० वी० कास्तिकेयन (पी०/13) | | • | तथ ेव - | 31-01-82 | रक्षा लखा नियन्द्रक (नौसैना) बम्बई |
| 13. | पी॰ अन्नाजी राव (पी॰/160) | | ٠ | - - तथेव' | 28-02-83 | रक्षा लेखा नियन्त्रक (अन्य रैंक) दक्षिण मद्रास |
| 14. | डी० के० मुखर्जी (ओ०/394) | | | स्थानापन्त लेखा अधिकारी | 28-02-83 | कलकत्ता |
| 15. | आर० सुक्राह्मणियन (पी०/163) | | • | स्थायी लेखा अधिकारी | 28-02-83 | - -तर्थव |
| 16. | वी० पी० भगत (पी०/112) | | , | तथैव | 28-02-83 | रक्षा लेखा नियन्त्रक (वायु सेना) देहरादून |

| 1 2 | | | | |
|-------------------------------------|----------------------|-------------------------------|---------------------------------|--|
| _ | | 3 | 4 | 5 |
| सर्वश्री | | | | |
| 17. के० बी० लाहिरी (पी०/130) | | स्थाई लेखा प्रधिकारी | 28-02-83 | रक्षा लेखा नियन्त्रण (वायु- सेना) देहरादून |
| 18. आर० एल० बोहरा | * | _ _ तथेंव | 31-3-83 | त थैव |
| 19. आर०पी० मेहता (ओ०/532) | • . | स्थानापन्न लेखा अधिकारी | 31-3-83 | ——तथै म —— |
| 20. सन्तोखसिंह (पी०/47) | | स्यायी लेखा अधिकारी | 31-3-83 | रक्षा लेखा नियन्त्रक (पेंशन) इलाहाबाद |
| 21. जी० विष्वनाथन (पी०/164) | | तथै य - | 31-3-83 | रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर) पूना |
| 22. नित्यानन्द चक्रवर्सी (ओ०/33 | 0) | स्थानापन्न लेखा अधिकारी | 31-3-83 | लेखा नियन्त्रक (फैंक्ट्रीज) कलकत्ता |
| 23. आर० के० मर्मा (ओ०/79) | | तथैव | 31-3-38 | रक्षा लेखा नियन्त्रक (अन्य रैंक) उत्तर, मेरठ |
| 24. एन० एन० गोंसा ई (ओ०/702) | • • • • | तथैव | 31-3-83 | रक्षा लेखा नियन्त्रक (अन्य रैंक) उत्तर, मेरठ |
| 25. सी० एल० चोपड़ा (ओ०/400) | • | तथैय | 31-3-83 | रक्षा लेखा नियन्त्रक पश्चिमी कमान, चंडीगढ़ |
| 26. सत्य देव शर्मा (पीं०/141) | | स्थायी लेखा ग्राधिकारी | 28-2-83 | − –तथैव − – |
| 27. वी०एस० तिखा (पी०/90) . | . , | —−त धैव- | 28-2-83 | —−त थैय —— |
| 28. एस० पी० गौतम (ओ०/408) | | स्थानापन्न लेखा अधिकारी | 31-3-83 | तथाँव |
| 29. के० आर० वेंकटरामन (भ्रो०/64) | | स्थानापन्न लेखा अधिकारी | 28-2-83 | रक्षा लेखा नियन्त्रक (अन्य रैंक) मध्य. नागपुर |
| "रक्षा लेखा महानियन्त्रक, निम् | नलिखित लेखा श्रिधि | ाकारी की मृत्यु, खेद के साथ अ | । धिसूचित करते हैं ∶- | |
| क० नाम रोस्टर सं० सहिस | ग्रेड | मृत्यु की तारीख | संख्या बल से निकार | नने संगठन |
| सं० | | | की तारीख | |
| सर्वश्री | <u></u> | | . | |
| 1. चेरियन जचारिया | स्थानापन्न लेखा अ | धिकारी 9-3-83 | 10-3-83 | रक्षा लेखा नियन्त्रक |
| (ओ॰/7৪) | | | (पूर्वाह्म) | (नौसेना) बम्बई |

ए० के० घोष रक्षालेखाउप महानियन्द्रक (प्रशा०)

रक्षा मंत्रालय

भारतीय आर्डनेन्स फैक्टरियां सेवा आर्डनेन्स फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता-16, 25 मई, 1983

शुद्धि-पत्न

मं० 1297/ए/जी—सर्वश्री ओ ०पी० मेहरोत्रा, और ए० के० दाम, महा प्रबन्धक, (ए.प.० जो०)/डी० डी० जी० ओ० एफ.० स्तर—II, की नियुक्ति के सम्बन्ध में ओ० एफ.० बोर्ड, गजट अधिसूचना संख्या 47/जी०/81, दिनांक 2-12-81 में निम्न-निखित संशोधन किया जाता है:——

वास्ते--पहर्ला नवम्बर, 1981

पढ़ा जाये:--दूसरी नवम्बर, 1981।

सं० 23/जी०/83--राष्ट्रपति महोदय, ने श्री एन० डी० जोगा, स्यानापन्त डी० ए० डो० जो०ओ० एफ० (स्थामी टी० एस० ओ०/ए० एम०), का आई० ओ० एफ० एस० से त्यागपत विनांक 17 जनवरी, 1982 (पूर्वाह्म) अर्थात् उत्तर प्रदेश, डेबलपमेंट सिस्टम कार्पेरिशन लिमिटेड, लखनऊ में उनके स्थायी समावेशन की तारीख में स्वीकार किया।

वी० के० मेहता निदेशक/स्थापना

कारखाना सलाह सेवाऔर श्रम विज्ञान केन्द्र, महा निदेशालय

बम्बई, दिनांक 19 मई 1983

सं० 5/3/82-स्थापना—महानिदेशक, कारखाना सलाह सेवा श्रम विज्ञान केन्द्र, बम्बई, निम्नलिखित अधिकारियों को स्थायी रूप में अपर सहायक निदेशक (गोदी सुरक्षा) के पद पर उनके सामने दर्शाई गयी तारीख से इस कारखाना सलाह सेवा और श्रम विज्ञान महानिदेशालय, में नियुक्त करते हैं।

श्री ए० सी० कार०

7-12-81

श्री के० नरसिंहम्

31-12-81

डा० एस० एस० रामस्वामी महानिदेशक वरणिज्य मंत्रा त्य

मुख्यनियन्त्रक, आयात एवं निर्यात का कार्यानय नई दिल्ली, दिनांक 21 मई, 1983 आयात एवं निर्यात व्यापार नियन्त्रण, (स्थापना)

सं० 6/1062/74-प्रशासन 'राज/3008—सेवा निवृत्ति की आयु होने पर इस कार्यालय के श्री के० एल० दूबे, किनष्ठः विश्लेषक को 30 अप्रैल, 1983 के दोपहर बाद से सरकारी सेवा से निवृत्त होने की अनुमति दी गई है।

दिनांक 23 मई, 1983

सं० 6/1385/82-प्रशासन 'राज'/3923---श्री वी० के० भाटिया, केन्द्रोय मचिवालय सेवा के ग्रेड़-IV के अधिकारी तथा इस कार्यालय के नियन्त्रक, आयात एवं निर्यात का 21-4-1983 को देहान्त हो गया।

> वी० के० मेहता उप मुख्य नियन्त्रक, आयात एवं नियति कृते मुख्य नियन्त्रक, आयात एवं नियति

उद्योग मंत्रालय

औद्योगिक विकास विभाग विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 30 मई, 1983

सं० 12(447)/64-प्रशा०(राज०)—राष्ट्रपति, विकास आयुक्त (ल० उ०) कार्यालय, नई दिल्ली के उप निवेशक (ओ० प्र० एवं० प्रशि०) श्री एन० एस० नायर को एफ० आर० 56 (के) के अन्तर्गत 31 मई, 1983 के अपराह्म से सरकारी सेवा में स्वेष्ठा से सेवा निवृत्त होने की अनुमति प्रदान करते हैं।

सी० सी० राय उप निदेशक (प्रशासन)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय (प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 21 मई, 1983

सं प्र-6/247(514)—-बम्बई स्थित निरीक्षण निदेशक के कार्यालय में स्थाई सहायक निरीक्षण अधिकारी (धातु) श्री आर० सम्पय, केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम, 48 ए की शर्तों के अनुसार दिनांक 7 मई, 1983 के अपराह्म से स्वेच्छा से सर्कारी सेवा से निवृत्त हो गये हैं।

दिनांक 24 मई 1983

सं० प्र०-6/247(428) — राष्ट्रपति, निरीक्षण निदेशक वर्णपुर के कार्यालय के सहायक निरीक्षण अधिकारी (धातु-रसायन) श्री बी० एल० रे को दिनांक 28 अप्रैंल 1983 पूर्वाह्म से वर्णपुर निरीक्षणालय के अधीन निरीक्षण उप-निदेशक (धातु) दुर्गापुर के कार्यालय में तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक निरीक्षण (धातुरसायन) (भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप "ए" धातुरसायन शाखा के ग्रेड-III) के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री रे ने दिनांक 27-4-83 के अपराह्म से सहायक निरीक्षण अधिकारी (धातु-रसायन) बर्णपुर के पद का कार्य भार छोड़ दिया तथा दिनांक 28-4-1983 के पूर्वाह्म मे बुर्गापुर में सहायक निरीक्षण निदेशक (धातु-रसायन) के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

> एस॰ एल॰ कपूर, उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात और खान मंत्रालय (खान विभाग)

भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 23 म**ई** 1983

सं० 4679 बी/19012(4-जे० एस० बी०)/82-19बी०— भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी महायक (ब्रिलिंग) श्री जसवीर सिंह बावा को ष्ट्रिलर के रूप में उसी विभाग में बेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40 -1200 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 23 मार्च, 1983 के पूर्वाह्म से नियुक्त किया जा रहा है।

दिनांक 27 मई 1983

सं० 4792 बी०/ए०-19012 (के०पी०णी०)/8219ए० --श्री के० पी० गौनम को प्रशासनिक अधिकारी के रूप में भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण में बेतन नियमानुसार -650-30-740-35-810-द०रो०-35-880-40-1000-द्व०रो०-740-1200 क० के बेतनमान में, अस्थाई क्षमता आगामी आदेश होने तक 5-5-83 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

एस० के० **मुखर्जी** महा निदेशक

भारतीय खान अयूरो

नागपुर, विनांक 23 मई 1983

सं० ए०-19011(110)/75 : स्था० ए०--अत्यंत खेद के साथ सूचित किया जाता है कि श्री ए०पी० देऊस्कर, उप खनिज अर्थणास्त्री (आसूचना) का दिनांक 15 मार्च 1983 के पूर्वाह्न में सड़क दुर्घटना के कारण दुखद निधन हो गया। अतएब भारतीय खान ब्यूरो के अधिकारियों की सूची में से उनका नाम निकाल दिया गया है।

सं० ए०-19012(161)/82-स्था० ए०-~विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर श्री के० नागराज, स्थायी वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भू-विज्ञान), भारतीय खान ब्यूरो को इस विभाग में सहायक खनन भू-विज्ञानी, ग्रुप "बी" के पद पर, 29 अप्रैल 1983 (अपराह्म) से आगामी आदेश तक स्थानापन्न रूप में पदोन्नति प्रदान की गई है।

सं० ए०-19012(171)/83-स्था० ए० — विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर श्रीमती एम०एन० गायक-वाड, स्थानापन्न वरिष्ठ तकनीकी सहायक (अ०प्र०) को भारतीय खान ब्यूरो में स्थानापन्न रूप में सहायक अनुसंधान अधिकारी (अयस्क प्रसाधन) के पद पर दिनांक 29 अप्रैल 1983 (पूर्वाह्न) से पदोन्नति प्रदान की गई है।

सं० ए०-19012(167)/83-स्था० ए० — विभागीय पदोन्नित समिति की सिफारिण पर श्री एस० कृष्णमुर्ती, स्थायी वरिष्ठ तकनीकी सहायक (खनन अभियंता/चयन श्रेणी) को दिनांक 27-4-1983 के पूर्वीह्न से आगामी आदेण होने तक भारतीय खान ब्यूरो में वर्ग "ब" के पद में स्थानापन्न सहायक खनन अभियंता के रूप में पदोन्नित प्रदान की जाती है।

सं० ए०-19012(170)/83-स्था० ए० ——विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिण पर श्री वाय० के० शमी, स्थानापन्न वरिष्ठ तकनीकी सहायक (अ०प्र०) को भाद्रतीय खान ब्यूरो में स्थानापन्न रूप में सहायक अनुसंधान अधिकारी (अयस्क प्रसाधन) के पद पर दिनांक 29 अप्रैल 1983 (पूर्वाह्म) से पदोन्नति प्रदान की गई है।

दिनांक 28 मई 1983

सं० ए०→19012(162)/82-स्था०ए० ——विभागीय पदोन्नित समिति की सिफारिश पर श्री डी०एस० करकरे, स्थायी यरिष्ठ तकनीकी सहायक (भू-विज्ञान), भारतीय खान ब्यूरो को इस विभाग में सहायक खनन भू-विज्ञानी, ग्रुप "बी", के पद पर, 29 अप्रैल 1983 (अपराह्न) से आगामी आदेश तक स्थानापन्न रूप में पदोन्नित प्रदान की गई है।

य०च० मिश्र, कार्यालय अध्यक्ष, भारतीय खान ब्यूरो

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

देहरादून-248001, दिनांक 23 मई 1983

सं० मी०-5954/718ए० — इस कार्यालय की दिनांक 19 मार्च, 1983 की अधिमूचना संख्या सी०-5928/718-ए के अन्तर्गत अधिमूचित श्री ए० बी० सरकार, स्थापना एवं लेखा अधिकारी, सं० 102 (पी० एल० ओ०) मुद्रण वर्ग (पू०स०) कलिकाता की तदर्थ नियुक्ति, श्री जी०सी० अङ्डी, स्थापना एवं लेखा अधिकारी द्वारा छुट्टी बढ़ाने के फलस्वरूप उनके स्थान पर, दिनांक 15-2-83 से 1-4-83 तक की अवधि के लिए और बढ़ाई जाती है।

सं० मी०-5955/718-ए० — श्री आर० एन० णर्मा, स्थानापन्न अधीक्षक, महासर्वेक्षक का कार्यालय दिनांक 31-3-83 (अपराह्म) से स्थापना एवं लेखा अधिकारी (सा०सि० सेवा ग्रुप ''बी'') के पद पर 840-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपए के वेतनमान में पश्चिमोत्तर सर्किल कार्यालय, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, चण्डीगढ़ में तद्दर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किए जाते हैं।

सं० सी०-5956/707 — निम्निलिखित अधिकारी भारतीय सर्वेक्षण विभाग में अधिकारी सर्वेक्षक (ग्रुप ''बी'' पद) के पद पर 650-30-740-35-810-द० री०-35-880-40 1000- द० रो०-40-1200 रुपए के वेतनमान में प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से स्थानापन्न रूप में पूर्ण तथा तदर्थ अनिन्तम आधार पर नियुक्त किए जाते हैं :---

| ऋ०सं० नाम और पदनाम | यूनिट/कार्यालय | तारीख |
|---|---|-------------------------------------|
| श्री योगेण्वर दयाल, सर्वेक्षक सिले० ग्रेड | सं० 47 पार्टी (स०प्र०सं०) हैदराबाद- 1 | 27- 1- 83 (पूर्वाह ् न) |
| श्री हीरा मणि, सर्वेक्षक सिले० ग्रेड | मं०44 पार्टी (म०स०) इन्दौर । | 21-2-83 (पूर्वाह _् न) |

जी० सी० अग्रवाल मेजर जनरल भारत के महासर्वेक्षक (नियुक्ति प्राधिकारी)

आकाशवाणी

मंगलूर-575004, दिनांक 25 मई 1983 केन्द्रीय सिविल अस्थाई सेवा नियम 1965 के द्वारा जारी की गई सेवा समापन सुचना।

पत्नांक एम०ए०एन०-21(155)/83-एस०/7110 — केन्द्रीय सिविल सेवा, (अस्थायी सेवा) नियम 1965 के नियम-5 के उपनियम-1 के अनुसरण में मैं एस०आर० पावन मूर्ति, केन्द्र अभियंता, आकाशवाणी, मंगलूर, श्री के० अबूबकर, तकनीं गियन, आकाशवाणी, मंगलूर (ब्रह्मावर) को यह

सूचना देता हूं कि उनकी सेवाएं इस सूचना के भारत के राजपत्न में प्रकाशन होने के दिनांक से एक महीने के समापन के बाद समाप्त होगा।

> एस० आर० पावन मूर्ति, केन्द्र अभियंता,

परमाणु उर्जा विभाग मद्रास परमाणु विद्युत् परियोजना कुलपाक्कम-603102, दिलांक 25 मई 1983

सं० एम० ए० पी० पी०/आई (9)/82 भर्ती—सहायक कार्मिक अधिकारी के नियुक्ति के चयन हेतु, श्री आर० ताण्डवकृष्णन् एक स्थाई प्रवरण ऋम निपिक, मद्रास परमाणु विद्युत् परियोजना कल्पाक्कम को अस्थाई रुप से सहायक कार्मिक अधिकारी के पद दिनांक 30 अप्रैल 1983 मध्यान्ह से नियुक्त किया जाता है।

टी० रामानुजम, प्रणासनिक अधिकारी

(परमाणु खानिज प्रभाग)

हैदराबाद-500016, दिनांक 24 मई 1983

सं० प०खा०प्र०-16/3/82-भेती ।—परमाणु उर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्द्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के स्थायी वरिष्ठ आशुलिपिक, श्री ओ० भार्थन को उसी प्रभाग में श्री पी०ओ० करुणाकरण, सहायक कार्मिक अधिकारी, जिन्हें प्रशिक्षण के लिए प्रतिनियुक्त किया गया है, के स्थान पर 2 मई, 1983 के पूर्वीह न से लेकर अगले आदेश होने तक तदर्थ रूप से स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

टी० डी० घाडगे वरिष्ठ प्रशासन व लेखा अधिकारी

नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना

डाक-न० प० वि० प० कालोनी-दिनांक 30 मई 1983

क्र० न० प० वि० प०/प्रशा०/ 1 (167)/83-एस०-प्रतिनियुक्त की अविध समाप्त होने पर, महानियन्त्रक रक्षा
लेखा कार्यालय के अनुभाग अधिकारी श्री एम० एम० गर्मा
जो नरीरा परमाणु विद्युत् परियोजना में प्रतिनियुक्ति पर
सहायक लेखा अधिकारी के पद पर कार्यरत थे, ने मई 16,
1983 के पूर्वीन्ह में अपने पूर्व विभाग को प्रत्यावर्तन पर
अपने पद का कार्यभार छोड़ विया।

आर० के० बाली, प्रणासन अधिकारी-Ili

तारापुर परमाणु बिजलीघर

टी०ए०पी०पी० ठाणे, विनांक 20 मई, 1983 सं० टी० ए०पी०एस०/1/18(3)/77-आर०—मुख्य अधी- क्षक, तारापुर परमाणु बिजलीघर, परमाणु खानिज प्रभाग में स्थायी आशुलिपिक और स्थानापन्न वरिष्ठ आशुलिपिक श्री डी० सुरेन्द्रन को 10 मई, 1083 की पूर्वाह्म से अगले आवेगों तक के लिए तारापुर परमाणु बिजलीबर में सहायक प्रशासनिक अधिकारी के ग्रेड में (रु० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960) में एक अधिकारी के रूप में स्थामा- पन्न तौर पर नियुक्त करते हैं।

द० वि० मरक्के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र कलपक्कम, विनांक 13 मई, 1983

सं० आर० आर० सी०/ए० 32023/1/77-आर०/7126—
रिएक्टर अनुसंघान केन्द्र के निदेशक, अनुसंधान केन्द्र की विनांक 25-1-83 की समसंख्यक अधिसूचना के क्रम में, मन्नास परमाणु विद्युत परियोजना के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र के स्थानापन्न प्रवरण श्रेणी लिपिक श्री वाडिवेल वेम्बियन की उसी केन्द्र में तबर्थ आधार पर सहायक प्रशासन-अधिकारी के पद पर स्थानापन्न कप से की गई पवोन्नति की अवधि को 13-2-83 से 28-4-83 तक तक बढाते हैं।

एस० वेंकटरामन प्रशासन अधिकारी

पर्यटन तथा नागर विमानन मंत्रालय भारत मौसम विज्ञान विभाग नई दिल्ली-3, दिनांक 31 मई, 1983

सं० ए० 38019/1/77-ई०(1)—भारत मौसम विज्ञान विभाग के निम्नलिखित अधिकारी, अपने नामों के सामने दी गई तारीख को वार्धक्य आयु पर पहुंचने पर सरकारी सेवा से नियस हो गए।

| क्र० सं० | नाम | पवनास | दिनांक जिसको अधिकारी ने नि वृत्तन आयुप्राप्त |
|-------------|-----------------|------------------------|--|
| 1 | 2 | 3 | <u>्रकी</u> 4 |
| | सर्वश्री | | |
| 1. ಕ | ो० बी० वार्दाजन | सहायक मौसम विज्ञानी | 31-3-83 |
| 2. Ų | च०एल० चऋवर्ती | बही | वही |
| 3. Q | ० के० दास | वही | वही |

| 1 | 2 | | 3 | 4 |
|--------------|-----------------------|--------|------------------------|---------|
| 4. पी | ० एस० नायर | • | सहायक मौसम विज्ञानी | 31-3-83 |
| 5. के | ० सुरुद्रम (सेवा वृति | द्ध की | | |
| (| समाप्ति पर) | | वही | वही |
| 6. \$ | शरदास . | | —मही— - | वही |
| 7. ए | न० क्रुष्णामृति | | बही | 30-4-83 |
| | ार ० के ० दास | | वही | वही |
| | ० थानिकाचलन | | वही | वही |

के० मुखर्जी मौसम विज्ञानी (स्थापना) इ.ते मौसम विज्ञान के महानिदेशक

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 30 मई, 1983

सं 1/453/83-स्था०—विदेश संवार सेवा के महानिदेश कर एतद्दारा श्री रा० प्र० राय केन्द्रीय आरक्षित पुलिस बल के उप निरीक्षक को प्रतिनियुक्ति के आधार पर दिनांक 30 मार्च, 1983 के पूर्वाह्म से आगामी आदेशों तक मुख्यालय बम्बई में स्थानापन्न रूप से सुरक्षा अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

पा० कि० गोविन्द नायर निवेशक (प्रशा०) इते महानिवेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, विनांक 23 मई, 1983

सं० ए० 32014/7/82-ई०सी०—महानिवेशक नातर विमान्तन ने निम्नलिखित सहायक तकनीकी अधिकारियों की तदर्थ नियुक्ति और आगे दिनांक 30-6-1983 तक की अदिध के लिए अथवा पदों के नियमित आधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, जारी रखने की स्वीकृति दी हैं :—

| ऋ० सं० | नाम |
|-----------|-----------------------|
| | |
| 1. श्री | । एच० आर० कुन्दरा |
| 2. श्री | । एम० सी० डे० भौमिक |
| 3. श्री | ाबी० के० भसीन |
| 4. श्री | । एस० रामास्यामी |
| | । एस० एन० सेन गुप्ला |
| | ा ए० सी० दत्ता |
| | एम० एन० धसमाना |
| 8. ए | ४० एन० अधिकारी |
| 9. ર્જા | र एस० एन० आयंगर |

| ऋ ०सं० | नाम | ऋ० सं० | नास |
|---------------|------------------------|----------|----------------------------------|
| 10. श्री | आर० एस० रंधावा | 57. প্রী | कि० के० सक्सेना |
| 11. श्री | मी० सी० कुलश्रेष्ठ | 58. श्री | ो बी० डी० बंगाली |
| 12 श्री | विशवन्त दत्ता | 59. श्री | रिन० जायरामन |
| 13. श्री | हरिपाद घोष | 60. श्री | ो पी० एस० सगारा |
| 14. श्री | जोगधन रस्तोगी | 61. श्री | ो विष्वम्भर लाल |
| 15. श्री | पी० टी० गुजराती | 62. श्री | । ए० के० अभयंकर |
| 16. श्री | के० के० शान्धिल्य | 63. প্র | ो अरविन्दर सिंह |
| 17. श्री | एस० एस० कांग | 64. গ্ৰ | ो एम० के० परदेसी |
| 18. श्री | एच० एस० दुआ | 65. প্র | ो जोग िन्द र पाल सिंह |
| 19. श्री | करन सागर देवनाथ | 66. श्री | ो एम० एल० सैनी |
| 20. श्री | एम० वी० नम्बार | 67. න් | ो एन० डी० कपूर |
| 21. श्री | योगेण कुमार कौणिक | 68. শ্ব | 🕇 एल० आर० सचक्षेव |
| 22. श्री | गोपाल मिश्रा | 69. ਐ | ो जे० आर० सेठी |
| 23. श्री | रामशरण सिंह सोटा | 70. শ্ব | ो के० बी० जी० राव |
| 24. श्री | कें० के० गंडोन्ना | 71. র্গ | ो लक्ष्मण राम |
| 2.5. श्री | के० एल० भाटिया | 72. প্র | ो पी० एम० गुप्ता |
| 26. श्री | एम० के० गुप्ता | 73. গ | ो सी० एस० प्रसाद |
| 27. श्री | के० एम० सूर्यनारायण | 74. গ্ৰ | ो प्रीतपाल सिंह जौली |
| 28. श्री | के० वेंकटरमन | 75. % | । वीट सिंह |
| 29 श्री | ए० एम० गुप्ता | 76. ਐ | ो जे० एस० ढिल्लों |
| 30े श्री | नाग नारायण सिंह | 77. শ্ব | ो के० के० भनोट |
| 31. श्री | ए० एन० परांजपे | 78. প্র | ो के० सी० वर्मा |
| 32. श्री | एम० एम० चक्रवर्ती | 79. 왕 | ो वी० वी० क्रुष्णामूर्ति |
| 33.श्री | एम० एस० चौहान | 80. র্প | ो एम० डीं० घोर |
| 34. राम | नाथ | 81. র্প | ो के० के० श्रीमाली |
| 35 श्री | डी० एस० जागीरवार | 82. প্র | ो एस० सी० गोपीनाथ |
| 36. श्री | जगजीत सिंह | 83. র্প | ो एस० बी० पिल्लै |
| 37. श्री | वी० एस० खुम्मानः | 84. 최 | ो पी० एस० शेखन |
| 38. श्री | के० सी० गोस्यामी | 85. শ্ব | ो वी० आर० के० शर्मा |
| 39. श्री | पी० के० कार्कारया | 86. র্প | ो एम० सी० शर्मा |
| 4 0. श्री | अमलेन्दु दत्त | 87. র্ম | ो बी० एस० नन्दा |
| 41. श्री | ्डी० के० तनेजा | 88. র্ম | ो सी० जे० म्रादेशी |
| 4.2. श्री | एच० सी० सचदेव | 89. র্থ | ो एस० सी० वसा |
| 43. श्री | हरकिशन सिंह भाटिया | 90. শ্ব | ो एस० आर० कालिया |
| ॅ44. श्री | एम० के० नरसिम्हा आयंगर | 91. শ্ৰ | ी के० एस० तावर |
| 45. श्री | एम० ए० एस० प्रकाश राव | 92. র্গ | ी ई०के० बी० बाबू |
| 46. श्री | ए० एन० भाटिया | | ी एन० वेंकटरामन |
| 47. श्री | मोहम्मद मंजूर अली | | ी टी० के० घोषाल |
| 4.8. श्री | श्री एस० पी० ढल | 95. 최 | ी भोजराज |
| 49. श्री | जी० डी० दुवे | | ी के० एल० बजाज |
| 50. শ্রী | एस० एन० गुप्ता | | ो जगन सिंह |
| 51. श्री | कें० के० नम्बूदरी | | ी पी० किशन |
| 5 2. স্পী | हरभजन सिंह | | ी एम एस० वा रियर |
| 53. श्री | टी० एस० धन्ना | | ो एस० वी० सुब्बाराव |
| 54. श्री | रूप नरायण मेहता | | ो के० अंजनयुसु |
| | पी० के० सरकार | 102 শ্ব | ो एम० पूरन चन्द्र राव |
| 56 औ | जी० एन० साहा | | ो एस० कृष्णन |

| क्र०सं० | नाम |
|-----------|------------------------|
| 104 श्री | रमेश चन्द्र |
| 105. श्री | यू० के० याद व |
| 106. श्री | मृष्मय मलिक |
| 107. শ্বী | पी० विश्वनाथन् |
| 108. श्री | बी० एस० जुजुहा |
| 109 श्री | ए० श्रीनिवासन |
| | । पी० के० के० नायर |
| 111. श्री | सी० के० डे० |
| | टी० एस० नायर |
| | वी० श्रीनिवासन |
| | एस० डी० कुलकर्णी |
| | ओंकार सिंह |
| | डी० एल० एन० मूर्ति |
| | पी० वी० राव |
| | भो० पी० खुराना |
| | एम० एस० मोतवानी |
| | ए० एस० बोलके |
| | ए० वी० सेनगुप्सा |
| | डी० के० गुप्ता |
| | अविनाश चन्द्र |
| | के० पी० जार्ज |
| | जे० एस० सैब |
| | आर० के० बर्मा |
| | ए० वी० कुलकर्णी |
| | एन तुलसी रमन |
| | ए० एस० कालेर |
| | स्वर्ण सिंह |
| | एच० एस० धालीवाल |
| | जे० के० नाय |
| | सी० एम० गैरोला |
| | आर० के० देशपाण्डे - |
| | आर० औ० रगुआल |
| | एस० के० एन पिल्ली |
| | एम० टी० रजनी |
| | ए० के० नारंग |
| 139. श्री | के० वी० वर्वे |

ओ० पी० अग्रवाल सहायक निदेशक प्रशासन कृते महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई, 1983

सं० ए०-38013/1/83-ई०ए०—श्रेतीय निदेशक, मद्रास के कार्यालय के श्री एम० एन० के० मनन, वरिष्ठ विमान क्षेत्र अधिकारी निर्वेतन आयु प्राप्त कर लेने पर दिनांक 30-4-83 से सरकारी संवा से निवृक्त हो गये हैं।

दिनांक 25 मई, 1983

सं० ए०-32014/2/82-ई०सी० (खण्ड्रंIII)---महानिदेशक नागर विमानन ने नागर विमानन विभाग के श्री जी० एस० बागड़े संचार सहायक को विनाक 10 दिसम्बर, 1982 (पूर्वाह्र) से छः मास की अवधि के लिए इ० 650-1200 के वेतनमान में सहायक संचार अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है तथा वैमानिक संचार स्टेशन बंगलौर में तैनात किया है।

ओ० पी० अग्रवाल सहायक निवेशक, प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 23 मई, 1983

सं० ए० 32014/3/83-ई०एस०—महानिवेशक नागर विमानन ने श्री डी० एस० धुर्वे, भंडार सहायक की भंडार अधिकारी (समूह "ख" पद) के पद पर की गई तदर्थ नियुक्ति को सामान्य गतीं पर आगे 9-7-83 तक की अवधि के लिए या पद के नियमित आधार पर भरे जाने तकः इनमें से जो भी पहले हो, जारी रखने की स्वीकृति प्रधान की है।

जे० सी० गर्ग सहायक निदेशक प्रशासन

निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय सीमा शुल्क व केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नई विल्ली, दिनांक 21 मई, 1983

सी० सं० 1041/41/83/12/83-श्री वाई०एल० मिलक ने, जो पहले केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालय दिल्ली में सहायक समाहर्ता के पद पर कार्यरत थे, राजस्य विभाग के दिनांक 26-4-83 के आदेश सं० 73/83 के (फा० सं० ए० 22012/23/83-प्रशा० II) द्वारा स्थानान्तरित होने पर, निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय, सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के नई विल्ली स्थित मुख्य कार्यालय में, दिनांक 2-5-83 (पूर्वाह्न) से, सहायक निदेशक (सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क) युप "क" के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सी० सं० 1046/39/83 [सं० 13/83]—श्री के. एस० एस० षावला ने, जो पहले निवारक संकार्य निदेशालय, दिल्ली में निरीक्षण अधिकारी मुण "ख" के पद पर कार्यरत थे निवेशालय के दिनांक 27-4-83 के पत्र सी० सं० 1041/50/82 के अनुसार दिनांक 30-4-83 के (अपराह्म) से निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय, सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के नयी बिल्ली स्थित मुख्यालय में निरीक्षण अधिकारी भूप "ख" के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सी० सं० 1041/40/83 [सं० 14/83]—श्री एस० सी० सिबल ने, जो पहले नयी दिल्ली स्थित प्रशिक्षण निदेशालय, सीमा शुरूक एवं केन्द्रीय उत्पादन शुरूक में, केन्द्रीय उत्पादन शुरूक सूप 'ख'' के अधीक्षक के पद पर कार्यरत थे, निदेशालय के दिनांक 27-4-83 के पत्र सं० 1041/

50/82 के अनुसरण में निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निर्देशालय, सीमा शुरु के केन्द्रीय उत्पाचन शुरुक के नयी विरुत्ती रिषत मुख्यालय में दिनांक 2-5-83 (पूर्वाह्म) से निरीक्षण अधिकारी, गुप "ख" के पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनॉक 24 मई 1983

सं० 15/83—श्री एम० एल० बेरी ने, जो पहले सहायक सहायक नारकोटिक्स आयुक्त के पद पर कार्यरत थे, राजस्व विभाग के दिनांक 6—12—82 के आदेश सं० 207/82 (फा० सं० ए०—32012/8/82—प्रशां० II) द्वारा अपीलीय अधिकरण सीमा गुल्क, उत्पादन गुल्क व स्वर्ण नियंत्रक, दिल्ली स्थित न्यायपीठ में स्थानांतरण होने पर, विनांक 9—5—83 (प्रवाह्न) से निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निवेशालय, सीमा व केन्द्रीय उत्पादन गुल्क, नसी दिल्ली में कनिष्ठ विभागीय प्रतिनिधि, गुप "क" के पद का कार्यभार संभाल लिया।

बं० चं० रस्तोगी, निरीक्षण निवेशक

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 31 मई 1983

सं० 3 (डी० ए०)/28/82-प्रणा० छः/स्था० छः/---केण्द्रीय सिविल सेवा (अस्थायी सेवा) नियम 1965 के नियम 5 के उप- नियम (I) के अनुसरण में मैं, आर० बी० णाह, सिवव, केन्द्रीय जल आयोग एतद्द्वारा श्री मोहम्मद आसिफ अभिकस्य सहायक को सूचित करता हूं कि इस अधिसूचना के भारत के राजपत में प्रकाशन हो जाने तारीख से एक माह की अविध समाप्त होने की तारीख से उनकी सेवाएं समाप्त हो जायेगी।

आर० बी० शाह, सचिव केन्द्रीय जल आयोग

नई विल्ली, दिनांक 23 मई 1983

सं० ए०-19012/1029-83-स्था०-पांच--अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग एतद्द्वारा श्री सतीण कुमार अरोड़ा, अभिकल्प सहायक को अतिरिक्त सहायक देशक/सहायक अभि-यंता (इजि०) के पद पर पूर्णतया अस्थाई और तदर्थ आधार पर रू० 650-30-740-35-810-दं रो०-35-880-40-1000-दं रो०-40-1200 के वेतनमान में 30 अप्रैल, 1983 के पूर्वाल से एक वर्ष के लिए अथवा इस पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 27 मई 1983

सं० ए०-19012/910/81-स्था०-पाच--विभागीय पदोन्नित समिति (समूह-ख) की सिफारिश पर अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, श्री एस० सी० मिश्र जो इस समय केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजी-नियर के पद पर स्थानान्पन रूप में तदर्थ आधार पर कार्य कर

रहे हैं, को उसी पव पर रु० 650-30-740-35-810- द० रो०-35-880-40-1000—द० रो०-40-1200 के वेतन-मान में नियमित आधार पर 1-3-1982 की पूर्वाह्म से अन्य आदेश होने तक नियुक्त करते हैं।

2. श्री एस० सी० मिश्र, केखीय जल आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में उपर्युक्त तारीख से दो वर्ष के लिए परिवीक्षा पर रहेंगे।

सं० ए०-19012/1030/83-स्था०-पांच, --अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग एतव्द्वारा श्री विनोद चन्द्र गुप्ता, अभिकल्प सहायक को रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 20-5-83 की पूर्वाह्म से एक वर्ष के लिए अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्णतया अस्थायी एवं तवर्थ आधार पर अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर (यांन्निकी) के ग्रेड में स्थानापरन रूप से नियुक्त करते हैं।

राजा राम अरबिंद, अवर सर्विव केन्द्रीय जल आयोग

विधि, स्थाय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रिजस्ट्रार का कार्यालय

कोज्बीन, विनांक 30 ग्रप्रैल 1983

सं० 963 /लिक्ब/560(4)/आर-2773/83—यतः पैनीयर चिटफण्ड प्राइवेट लिमिटेड लिक्विडेशन में जिसका रिजस्ट्री-इत कार्यालय विवेष्द्रम में है, का समापन किया जा रहा है। और यत: अघोहस्ताक्षरित यह विश्वास करने का युक्त युक्त हैतुक रखता है कि कोई समापन कार्य नहीं रहा है और यह कि स्टेटमेंटस आफ एकार्डेटस समापक द्वारा दिये जाने के लिए अपे-कित है/छह कमवती मास के लिए नहीं दी गई है।

अतः श्रव कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा (4) के उपबन्धों के अनुसरण में एतद्वारा सूचित किया जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर पैनियर चिट-फण्ड प्राइवेट लिमिटेड कि (लिक्यिडेक्सन में) का नाम धींच इसके प्रतिकूल हैं तुक दिंगत नहीं किया जाता है तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कोंच्बीन, दिनांक 2 मई 1983

सं० 427/लिकिन/560(4) आर० 2776/83---यतः हाणि वि० एम० सैयद मीहम्मद रावुधर एण्ड संस प्राइवेट लिमिटेड (लिकिवडेशन में) जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय कान्जि-रापल्ली में है, का समापन किया जा रहा है और यतः अधोहस्ताक्ष-रित, यह विश्वास करने का युक्ति-युक्ति हैतुक रखता है कि कोई समापम कार्य नहीं है / रहा है और यह कि स्टेट्समेंट आफ एकाउन्ट्स समापक द्वारा विये जाने के लिए अपेकित है छह कम-वती मास के लिए नहीं दी गई है।

अतः भ्रम कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा (4) के उपबन्धों के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि इस तारीख से तीन मास के भ्रवसान पर हाजि वि० एम० सैन्यद मोहम्मद रावुर्यर एण्ड संस प्राइवेट लिमिटेड (लिक्बीडेशन में) का नाम यही इसके प्रतिकूल हेतुक वर्शित नहीं किया जाता है तो रजिस्टर से काट विया जाएगा और कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

के० पस्चापकेशन कम्पनियीं का रजिस्ट्रार केरल ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं अकबर नाविर ट्रैवल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में)

बम्बई, दिनांक 23 मई, 1983

सं० 647/19969/560(3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतवृद्धारा यह सूचना वी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर अकबर नाविर ट्रैक्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृल कारण दिंगत न किया गया हो तो रजिस्टर से काट दिया जाए गा और उकत कम्पनी विघटित कर वी जाएगी।

ओम प्रकाश जैन, कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार, महाराष्ट्र, बम्बई । कम्पनी अधिनियम, 1956 और श्री राम लक्ष्मण मिल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मब्रास, दिनांक 25 मई, 1983

सं० 2496/560/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह यह सूचना दी जाती र कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर श्री रामलक्ष्मण मिल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण विधात न किया गया तो रिजस्टर से कांट विया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और नई इण्डिया ट्रेंडिंग कम्पनी लिमिटेड के विषय में ।

मद्रास, दिनांक 25 मई, 1983

सं० 1850/560/82— कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूधना दी जाती है कि नई इंडिया ट्रेडिंग कम्पनी लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

जे० के० रमणी कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 मई 1983

निदेश सं० एम० 802/82/एक्यू०/मंसूरी—अतः मुझे, विवेक बनर्जी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन स्थम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं कृषि भूमि है तथा जो कुआन वाला देहरादून में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मंसूरी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 14 सितम्बर 1982

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्त्रष्ट प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रति-फल निस्निलिखित उद्विश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आयुकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अस्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिंखत व्यक्तियों, जर्थात् ध—

(1) श्री मुल्कराज बन्ना एवं पुत्रगण चन्त्र भारत भूषण बन्ना, व जगत भूषण बन्ना निवासी निरंजन पुर जिला देहराधून ।

(अन्तरक)

(2) मैं ० शकुन्त पेपर्स प्रा० लि० डी० 1/11 अशोक विहार-II दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मित्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूत्रना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध्या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूत्रना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अश्रोहस्ताक्षरी के पास सिकिस में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विषा गया है।

अनुसूची

कृषि भृमि स्थित कुआनवाला जिला देहरादून ।

बिवेक बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज कानपूर

तारीख : 4-5-1983

प्ररूप नाई. टी. एन., एस्.,------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर दिनांक 29 अप्रेल 1983

निदेश सं० सी० आर०-62/36317/82-83/एक्वी०/बी०---अतः मुझे मंजु माधवन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूठ. से अधिक है

और जिसकी सं० पुराना 2 नया 2103 है तथा जो ओल्ड मण्डी पेट तुमकूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तुमकूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नं० 3733/82-83 तारीख 15 नवस्वर, 1982

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिकत उद्वेश्य से उसते अन्तरण निम्निलिकत में वास्तविक रूप से श्रीयत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रक्रियम के प्रधीन कर देने के ग्रस्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; बॉर/या
- (ख) ऐसी किसी आय .या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा मिंधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्रीमती एच० विणालासि के०/आफ श्री टी० एस० मल्लिकार्जुनय्या, सोमेश्वरा एक्स्टेन्शन, तुमकूर ।

(अन्तरक)

(2) श्री सी० एमं० शिवानन्द, पुत्र सी० आर० मक्लप्पा, गांधी नगर, तुमकूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी क् से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्ल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं वर्ष होगा जो उस अभ्याय में विया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2733/82-83 ता० 15-1119-82)। सभी संपत्ति जिसकी सं० 2103 (पुराना नं० 2-1799), ओल्ड मंडीपेट, तुमक्र ।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 29-4-1983

प्रकृष काह . टो . एन . एस . ------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

भारत श्रुकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, विनांक 12 मई 1983

निवेश सं० सी० आर०-62/35957/82-83/एक्वी०/बी---अतः मुझे, मंजू माधवन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उर्जित बाजार मूस्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 1561 है, तथा जो वनशंकरी-1, स्टेज II, क्लाक, बंगलूर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बसवन गुडी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीम 1843/82-83 तारीख 1 सितम्बर 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का चन्त्रह प्रतिचात से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकाँ) और अंतरिती (अंदरितां) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय प्राया गया प्रतिक्ति, निम्नलिखित उद्योग्य से उन्त कन्तरण लिकित में वास्तियक क्या से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के सायित्व में कमी करने या उससे ब्बने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन वा अन्य आस्तियों की, चिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

जतः जब, उक्त जिभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भ्रों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री एम० अभिमन्यु राध न'० 1561 बनगंकरी, I स्टेज, II ब्लाक, बंगलूर-50 ।

(अन्तरक)

(2) श्री जी० हरिश्चम्द्र और श्रीमती जी० लक्ष्मी, न'० 791, 5 ब्लाक, राजाजी नगर, बंगलूर-10।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी कड़के पूर्वों कर सम्मृतित के अर्थन के हिन्छ कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:----

- (क) इस स्वामा के राजपन में प्रकाशन की तारी व रें 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाम की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबकूथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पक्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भया है।

अनुसुची

> मंजु माघवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 12-5-1983

प्ररूप माई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण.) अर्ज रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 3 मई 1983

निर्देश सं० सी० आर०-62/36670/82-83/एक्वी०/बी— यतः मृष्टो, मंजू माधंवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 398 है, तथा जो बेस्ट आफ कनकपुर रोड़ 7 ब्लाक, जयनगर, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1644/82-83 2 सित्तम्बर, 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथन नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

3-116GI/83

(1) श्री के० एस० कुष्णप्पा,
 नं० 124,
 इन्फन्ट्री रोड,
 बॅगलूर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एम ं ए० वनीता, नं० 296, ईस्ट सर्कल रोड, बी० वी० पुरम् बेंगलूर-4 ।

(अन्तरिती)

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---को यह सूचना पारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया गुरू करता हू ।

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस स् 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अशाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

(दस्तावेज सं० 1644/82-83 ता० 2-9-82) । सभी संपत्ति जिसकी सं० 398 VII ब्लाक, वेस्ट आफ कनकपुर रोड, जयनगर, बेंगलूर-11 ।

मंजू माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनांक: 3-5-1983

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्ज रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 11 मई 1983

निदेश सं० नीटिस नं० 35972/82-83--- यतः मुझे, मंजू माधवन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है।

श्रीर जिसका सं० 589 है, तथा जो 80 फीट रोड II ब्लाक राजाजी नगर, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अमुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, राजाजी नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13 सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम् की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-- (1) श्रीमती एम० एल० लिला,
 59/1, 80 फीट रोड,
 II ब्लाक, राजाजीनगर,
 बेंगलूर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अकरोझ फातिमा, 46/1, श्रीराम मंदिर रोड, बसवनगुडी, बेंगलुर-4 ।

(अन्तरिती)

को. यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त कब्दों और पढ़ों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 2345/82-83 ता० 12-9-82) । सब संपत्ति है जिसका सं० 589 जो 80 फीट रोड, II ब्लाक, राजाजी नगर, बेंगलूर में स्थित है ।

> मंजू माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 11-5-1983

प्रकृप वार्ड . टी. एन. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंक्टलूर

बेंगलूर, दिनांक 12 मई 1983

निदेश सं० नोटिस नं० 36097/82-83---अतः मुझे, मंजू माधवन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 3/15 है, तथा जो डा० बी० आर० अम्बेडकर रोड, डिवीजन नं० 48, सिविल स्टेशन बेंग्लूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1982

को पूर्वेक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य., उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिसित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, अवस विभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे ब्चने में सुविवा के जिए; भौर/या
- (क) ऐसी किसी थाय या किसी धन या अन्य जारितयों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए

कतः जब, उक्त जीभीनियम की भारा 269-ण के जगृतर्ण माँ, माँ उक्त अभिनियम की भारा 269-ल की उपधारा (1) के अभीन, निम्नीलिकत व्यक्तियों, अभीत्:— (1) श्री एम० ए० लतीफ और कुछ लोग नं० 7, मालिका मंजिल, कलासिपालगम एक्स्टेन्शन, बेंगलूर-2 ।

(अन्तरक)

(2) श्री सयद नूर महमद, नं० 5/2, चिन्नस्थामी मुदलियार, रोड, तास्कर टाऊन, बेंगलूर-51।

(अस्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के वर्षन के सिष् कार्यवाहियों करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ए---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के से 45 दिन की जबिंध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों के व्यक्तियों में से किती व्यक्ति व्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की लारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पक्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, श्रो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 का में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1879/82-83 ता० सितम्बर, 82)। सब संपत्ति है जिसका सं० 3/15, जो जा० बी० आर० अम्बेडकर रोड, डिबीजन नं० 48, सिविल स्टेशन बगलूर में स्थित है ।

> मंजू माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगसूर

तारीख : 12-5-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

कायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 12 मई 1983

निवेश सं० नोटिस नं० 35932/82-83---अतः मुझे मंजू माध्यन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुट से अधिक है

'और जिसकी सं० सर्वे संक 108, 106/7, 106/4, 107/4 और 106/5 है तथा जो गारागेंदूर विलेज, सोमवारपेट तालुक, कोडगु में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यलय, सोमवारपेट में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22 सितम्बर, 1982 को पूर्वोक्त सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मूर्भ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरमान प्रतिफल से एसे इद्यमान प्रतिफल के पन्सह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच के एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्लित में वास्तविक रूप से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उवल अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---- (1) श्री काविरा अप्पय्या सन आफ देवय्या, सोमवारपेठ टाऊन, कोडगु बिस्ट्राक्ट ।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० वी० मोइडू, सन आफ महमूद हाजी, विराजपेठ कोडगु, श्रीमती नेफीसा वैक आफ श्री इज्ञाहीम सुटिकोप्पा, कोडगु ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्वत संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिराबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पद्धीकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भन्स्ची

(दस्तावेज सं० 663/82-83 ता० 22-9-82) । सब संपत्ति है जिसका सं० सर्वे सं० 108, 106/7, 106/4, 106/6, 107/4, और 106/5 जो गारागदूर विलेज सोमनार्पेठ तालुक, कोडगू में स्थित है ।

मंजू मा**धवन** सक्षम प्राधिकारी सहायक् आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 12-5-1983

प्ररूप बाइरें. टीं. एम. एस्.-----

जायकर अि. भिनियम, 1961 (1961 का 43) की भा<u>रा</u> 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 12 मई 1983

निर्देश सं० नोटिस नं० 36072/82-83--यतः मुझे, मंजु माधवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थावर संवित्त जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रा. सं अधिक है

और जिसकी सं० 253/ए हैं, तथा जो II स्टेज, इन्विरानगर बेंगलूर-58 में स्थित हैं (और इससे उपबाद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिवा-जीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन नारिख 6-9-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती, (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :~~

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त औध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हु---

- (1) श्री के एस राजे सा
- (2) श्री के० एस० जगन्नासा और श्री के० एस० नश्रोन्द्रनाथ कीलार भें रहते है।

(अन्तरक)

(2) श्री जी० श्रार० लक्ष्मीनारायन्न नं 394, सी० एम० एच० रोड II स्टेज, इंदिरानगर, बंगलूर-38

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्छ अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिशा गया है।

जनुसूची

(दस्तावेज सं 1926/82-83 तार्० 6-9-82) सब सम्पत्ति है जिसका सं० $253/\phi$ ० जो H स्टेज, इन्दिरा-नगर, बेंगलूर में स्थित है।

मंजु माधवन मक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर ।

तारीख: 12-5-83

प्रकप काइ. टी. एन. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का क3) की धारा 269-भ (1) के अधीन सृचना

भारत सुरुकार

कार्यासय, सहायक सायकर सामुक्त (निर्देशका)

अर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 2 मई 1983

निर्देश सं० नोटिय नं० 36063/82-83--यतः मुझे, मंज् माधवन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परणात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित याजार मून्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 23/2 है, तथा जो रिचमंड रोड, बेंगलूर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वेणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिवाजीनगर में रिजस्ट्रीकरण अधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-9-1982

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके स्थमान प्रतिफल से, एमे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरल (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बोच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसते अन्तरण जिल्हित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में म्बिभा के लिए;

बृत: जब, उबत अधिनियम की भारा 269-व के जनुक्रण में, में, उबत अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अभीत् :--

(1) श्रीमती सुशीला मेरी आलबुकरक जी० पी० ए० होल्डर श्री लूयीस झागान्स 21/12, एम० जी० रोड, बेंगलूर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शाज हनीफ
 3205, अचिगेट
 लसकर मोहल्ला,
 मैसूर-1

(अन्तरिती)

का यह सूचना कारी करके पृत्रांक्त संपृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 4.5 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवां कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 1822/82-83 ता० 20-9-82) सब सम्पत्ति है जिसका सं० 23/2 जो रिचमंड रोड, बेंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर ।

तारीख: 2-5-83

माहर:

प्रकृप नार्षं,दी.एन.एस.,-------

काग्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 3 मई, 1983

निर्देश सं० नोटिस नं० 62/36074/82-83-यतः मुझे, मंजु माधवत,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त बोधनियम' कहा गया हैं), की गरा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का आरण हैं कि स्वावर सम्पद्धि, विश्वास उद्भित वाचार मृस्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं कि नं 4 में विभाग पुराना नं 7 है, तथा जो देवीस रोड, रिचरडस टाउन, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिवाजीनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, ता० सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वायमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वायमान प्रतिकल से, एसे द्वायमान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अन्त-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्वोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप में किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गर्या था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अक्ष, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः :-- (1) श्री एस० गणेश राव और कुछ लोग नं० 63, जी०नं० 10 स्ट्रीट अलसूर, बेंगलूर

(अन्तरक)

(2) श्री एम० अहमद हुगेन नं० 14-15, बोर वैंक रोड बेनसूत टाउन, बेंगलूर-46

(अन्तरिती)

कार्यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां भूरू करता हुं।

उनत् धम्मतित के धर्मन के सम्बन्ध में कोई भी बासोप:---

- (क) इस स्थान के राजपण में अकासन की तारीज से 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ध किसी कव्य भ्यक्ति इवारा क्योहस्ताक्षरी के पास् सिसिस में किए या सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1924/82-83 ता० सितम्बर 1982) सम्पत्ति है जिसका सं० 4 में विभाग (पुराना मं० 7) जो देवीस रोड, रिचरडस टाउन बेंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगसुर ।

तारीख: 3-5-1983

मोह्नर 🙏

प्ररूप काई. टी. एन. एस. -----

कायकर अधिनिय्म, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर,दिनांक 4 मई 1983

निर्देश सं० नोटिस नं० 35930/82-83—स्रतः मुझे, मंजू माध्यन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हो

और जिसकी सं० 394 है, तथा जो IX कास I ब्लाक जयनगर बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय जयनगर में रिजस्ट्रीकर्रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 16-9-1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्ममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कामी कारने या उससे अपने में सुविधा के लिए; अर्रि, अर्थ
- (ख) ऐसी किसी क्षाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय कायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1.957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री के० हुम्मा राष केयर आफ श्री बी० वेंकटाचलय्या सूरज ट्रेडिंग कम्पनी गीता रोड, राबर्टसनपुट के० जो० एफ० 563122

(अन्तरक)

(2) श्रो के० प्रच० रमेश
 394/73, IX कास
 1 ब्लांक, जयनगर, बंगलूर-II

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपरित के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

ज़क्त सम्परित की अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवीध था तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसो व्यक्ति दृशरा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्पन्दीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नुसाह ।

अनुसूची

(यस्तावेज सं० 2045/82-83 तारीख 16-9-82) सब सम्पत्ति है जिसका सं० 394 जो IX क्रास, 1 ब्लाक, जयनगर बेंगलूर-11

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर।

तारीख: 4-5-83

प्ररूप आइं. टी. एन. एसं. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर वंगलूर,दिनांक 12 मई 1983

निर्देश सं० सी० आर०/62/36206/82-83/अक्वी/बी---यत, मुझे, मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत् अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से लिधिक है

और जिसकी सं० नं० 237, 238/2, और 238/1 है, जो बाडगा बणगल ग्राम अम्मली नाड, दक्षिण कोडगु में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वीराजपेट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 379/82-83 30-9-82

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए एक्टीरा की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि गथानवींकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिकं है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से इर्ड किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के न्या: और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः यत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नृतिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

4-116GI/83

(1) श्रीमती मुखनाड भाचय्या अक्कव्वा वाईफ/आफ लेट एम० डी० माचय्या होलमाला एस्टेट पोलीबेट्टा एस्टेट कोडगु

(अन्तरक)

(2) श्री मुरुवनाड एम० गणपति सन आफ लेट एम० डी० माचय्या होलमाला एस्टेट पोलीबेट्टा, कोडगु

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिका गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 379/82-83 तारीख 30-9-82)
सभी संपत्ति जिसका सर्वे नं० है।
237-5.87 एकर
238/2-4.68 ,,
238/1-8.11 ,,
बाडगा-वणगला ग्राम
अम्मती नाड, दक्षिण कोडगु

मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्र्जन रेंज, बंगलूर

तारीख 12-5-83 मोहर: प्रारूप आह. टी. एन. एस . -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 12 मई, 1983 निर्देश सं० नोटिस सं० 35931/82-83--यतः, मुझे, मंजु माधवन,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित याचार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० नं० 1679-ए 1 टी० एस० नं० (2) है, तथा जो कसबा बजार, विलेज मंगलूर सिटी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मंगलूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-9-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित्त में वास्तिविक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बादत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे दचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए।

अतः अब, उन्त अधिनियम की भारा 269-ग को, अनुसरण मों, मों, उन्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभित् :---

- 1. (1) श्री बी० श्रीनिवासा राव
 - (2) श्री मनमोहन राव
 - (3) श्री बी० नागराज राव
 - (4) श्री बी० श्रीहरी राव
 - (5) श्री बी० किशोरकुमार अशोकनगर, मंगलूर-575006

(अन्तरक)

2 मैसर्स सेंट्रल अरेकानट मारकेटिंग और प्रासेसिंग कोआपरेटिव लिमिटेड, सहकारी महल, बन्दर, मंगलूर—575001 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धिकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ं अनुसूची

(यस्तावेण सं० 428/82-83 ता० 23-9-82) सब सम्पत्ति है जिसका सं० आर० एस० नं० 179-ए 1 (टी० एस० नं० 13-2) जो कसबा बजार त्रिलेज, मंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, वंगलूर ।

तारीख: 12-5-83

प्ररूप बाइ : टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बेंगलूर बेंगलूर, दिनांक 12 मई 193

निर्देश सं॰ नोटिस नं॰ 35954/82-83--यतः मुझे, मंजु, माधवन,

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसरें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- एत. से अधिक है

और जिसकी सं० पुराना नं०-3 नया नं० 58 है, तथा जो कनकापुरा रोड, बसवनगुडी बेंगलूर-4 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वसवनगुडी में रजिस्ट्रीकरण में अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 10-9-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मूम्में यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर जिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर जिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के सिए।

अतः अन्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ल की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री सी० आनन्दा राव नं० 58, कनकापुरा रोड बसवनगुडी, बेंगसूर--4

(अन्तरक)

(2) श्री आर० रंगनाथ सन आफ श्री के० रामिलनाम नं० 70, हेघ० बी० समाजा रोड असंवनगुडी, बेंगलूर-4

(अन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पृथींकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यथाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस. स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृस्ची

(दस्तावेज सं॰ 1996/82-83 ता॰ 10-9-82) सब सम्पत्ति है जिसका सं॰ 58 और 58/1 में विभाग जो कनकपुरा रोड, यसवनगुडी, बेंगलूर-4 में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारीः सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज, बेंगलूर ।

तारीच : 12-5-83

मोहर 🖫

प्ररूप० आई० टी० एन० पुम०- ----

आयकर ग्रधिनियन, 1961 (1961 का 43) की घारा 289-व (1) के ग्रधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर बेंगलूर, दिनांक 12 मई 1983

निर्देश सं० नोटिस नं० 36108/82-83--यतः मुझे, मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे सं० 631 ब्लाक सं० 39 है, तथा जो हारोहल्ली विलेज, वाराणा होबली मैसूर तालुक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मैसूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1982

को पूर्वोक्न सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान अतिफल है लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान अतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरित हैं जिए तय पाया गया प्रतिफल, निश्नलिखित उद्देश से अक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक छप से कथित नहीं किया थया है अ

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री वेंकटप्पा सन/आफ मल्लप्पा डी०नं० 1712, 1 क्रास चिक्कावोक्कलिगेरी, मंडी मोहल्ला मैसूर

(अन्तरक)

(2) श्री रेवेरेंड फादर एम० ग्रेगोरियस, अशोका रोड, लसकर मोहल्ला, मैसुर

(अन्तरिती)

को यह सूचका जारी करके पूर्वीका सम्बन्ध के अजैन के निरु कार्यक्रिकी स्थान है।

उक्त सम्मति के प्रमंत के तम्बन्ध ने की भा प्राक्षेत :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि में जिस के अविधि में जिस कि भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 446/82-83 तारीख 30-9-82) सब सम्पत्ति है जिसका मर्वे सं० 631 जो हारोहल्ली विलेज, बासाना होबली मसूर तालुक

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज्, बेंगलूर ।

तारीख: 12-5-83

मोह्यर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.--

आक्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 12 मई 1983

निर्देश सं० सी० आर० 62/37552/82-83/अक्वी/बी० — यतः, मुझे, मंजु माधवन,

श्रीयकर श्रिष्ठित्यमः, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिष्ठित्यम' कहा गया है), की धारा 269 ज के अभीत सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृश्य 25,000-रुपए से श्रिष्ठक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 440, 441/2, 414/11, 438/2 और 437 है, तथा जो बाडगा ग्राम, दक्षिण कोडगु में स्थित है और हिन से उगावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री-कृती अधिकारों के कार्यात्रय नाडिकेरी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, ता० 21/82-83 13-9-82 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीचत बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए कन्तरित का गई है और मुझे यह विश्वास करने का सारण के कि उगपूर्वोक्त मंपित कः उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्राधक है और अन्तरिक (अन्तरिक) भीर अन्तरिती (अन्तरितियो) के दीच ऐसे अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियो) के दीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नालिएवर उद्देश्य से उच्न अन्तरण दिखित म वास्ति विक रूप से क्षिण नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण से तुई किसी आय की बाबत उक्त शक्ति-नियम के श्रशीन कर देने के श्रम्बरक के बाविस्त में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; शीर/मा
 - (ख) -एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री बी० एम० माचय्या सन आफ लेट मुह्प्पा बाडग्गा ग्राम कुट्टा दक्षिण कोडगु

(अन्तरक)

(2) श्री बी० एम० उत्तप्पा सन आफ लेट मुह्प्पा पालपाने एस्टेट बाडगा ग्राम कुट्टा, दक्षिण कोडगु।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सुम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजधा मा प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अर्थाध था तत्सम्बन्धी व्याक्तयों पर सूचना वही नामी से १६ दिन का अर्थाध, जो भी अविध बाद मो समाप्त हांती हों. के भीतर पूर्वोक्त व्याक्तयों में संकिसी कार्क्त हवारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 चिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवड्स किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 21/82-83 ता० 13-9-82) राभी संपत्ति जिसका सर्वे नं० है 440, 441/2, 414/11, 438 और 437 बाडगा ग्राम, कुट्टा, दक्षिण कोडगु

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 12-5-83

प्ररूपः बार्डः दीः एत् 'एतः .----

भायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भार 269-थ (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-

बंगलूर, दिनांक 16 मई 1983 निर्वेश सं० नोटिस नं 62/36104/82-83--यतः, मुझे, मंजु माधवन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्ण 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे सं० 71 पुराना नं० 62 है, तथा जो भीमाकुप्पे, केंगेरी होब्ली बेंगलूर सौत तालुक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय बेंगलूर सौत तालुक में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22-9-1982

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वदेश से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुइ किसी जाय की वाबत, उक्त जिपिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हां भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीसिक्तिस व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्रो तिम्मय्या भीमकुप्पे, केंगेरी होब्ली बेंगलुर सौत तालुक

(अन्तरक)

(2) श्री रामदास एम० कामत नं० 25, ओकलीपुरम बेंगलूर-21

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन् के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा; अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्पक्तीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीभीनयम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में दिवा गया है।

सनसर्ची

(दस्तावेज सं० 3710/82-83 ता० 22-9-82) सब सम्पत्ति है जिसका सर्वे सं० 71 (पुराना सं० 62) जो भीमकुष्पे केगेरी होब्ली बेंगलूर सौत तालुक में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज; बेंगलूर ।

तारी**ख** : 12-5-83

मोहुरु 🕄

प्ररूप नाहै । दी । एन् । एस , ----

भाग्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-मु (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कायालिय, धहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, विनांक 12 मई 1983

निर्वेश सं० सी० आर० 62/36042/82-83/अक्वी/ की०--यत: मुझे मंजु माधवन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्यचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन स्थाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मार्थे 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 78/10 है, तथा जो 3 कास 2 ब्लाक, जय नगर बेंगलूर में स्थित है (और इसमे उपाबन अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सारीखा 1-9-82

को पूर्विकत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रितिप्रम के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उत्तक दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रशिक्षक , निम्निजिस्त उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिस्ति के बास्तिविक स्प से किश्स नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाम की वायत, जक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी भन या जन्य जारितयों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः--- (1) श्रीमती बी० गंगंम्मा वाईफ आफ बी० ग्रास्ट्य अलीयास महूरप्पा नं. 78, 3 कास, कनकनपालया, बेंगलूर

(अस्तरक)

(2) श्री एम० वेंकटस्वामी सन आफ मुनिवेंकटप्पा स्टेट वेंक आफ मैसूर वेंगलूर शाखा वेंगलूर-9

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षोप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत स्थाकतयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबद्द्रभ किसी अन्य व्यक्ति य्वास अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थलकीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाधित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 1854/82-83 ता० 1-9-1982) सब सम्पत्ति है, जिसका संख्या 78/10, 3 कास, 2 ब्लाक जयनगर, बेंगलूर-2

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर ।

तारीख: 12-5-83

प्ररूप आई. टी. एनं. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-घ (1) के अधीन मुदना

· भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आधुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 3 मई 1983

निर्देश सं० नोटिस नं० 36013/82-83--यत, मुझे, मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क. से अधिक है

और जिसकी सं० 4 (पुराना सं० 7) है, तथा जो दिविस रोड रिचरडस टाउन, वेंगलूर में स्थित है (और इस से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिवाजीनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 1908 का 16) के अधीन ता० सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीं) के बीच एमें अपत्र म के लिए त्य पाया गया प्रतिफल निम्निजिस्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिस्ति में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाधितय में कभी करने या उनमें करने में श्रीतभा के लिए। और/सा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धम या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया सा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) एम० गणेश राव और दो लोग नं० 63, जी० नं० 10 स्ट्रीट अल्सुर, बेंगलूर-8

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सलीमा महमूद जानू नं० 22/1, विविधानी रोड रिचरडस टाउन बेंगलूर-5

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन को अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1 25/82-83 ता० सितम्बर 82) सब सम्पत्ति है जिसका सं० 7 पुराना सं० 7 जो देवीस रोड़ रिचरडस टाउन बेंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर ।

तारीख: 3-5-83

भोहर:

प्ररूप बाई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 मई 1983

निवेश सं० आर० ए० सी० 183/83-84-- यतः, मुझे, एम० जेगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 6-1-104 है, जो पद्माराव नगर है, सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उषित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्म्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की, अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री नारायणा रावचुग, 6-1-104, पद्माराव नगर, सिकन्दराबाद ।

(अन्तरक)

 (2) श्री एम० मानिक राव और अन्य, बी० एघ० ई०एल०, रामचन्द्रापुरम, हैदराबाद ।
 6-1-104, पद्माराव नगर सिकन्दराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से -45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों ट्रॉ से किसी व्यक्ति स्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्काकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह1, वहीं अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया ह2।

वनसूची

घर नं० 6-1-104 पद्माराव नगर, सिकन्दराबाद में विस्तीर्ण 1400 चतुर गज रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6431/82 रजिस्ट्रीकता अधिकारी, हैवराबाद ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रर्जन रेंज, हैदराझाद

तारीख: 13-5-1983

प्रकार वार्षः द<u>ी. एन . एस . .</u>

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के मुधीन सुप्ता

भारत सरकार

कर्यालय, सहायक भायकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 मई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी॰ 184/82-83—यतः, मुझें एम० जेगन मोहन,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 16-7-436 है, तथा जो आजामपुरा, हैवराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद धनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आजामपुरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त बन्तरण लिखित में भास्त्रिक रूप से क्रिभृत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों की, िवन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या अन-कर अभिनियम, या अन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री खुरशीय बेगम और अन्य, जीव पीव एव मोहम्मद हमीदुद्दीन खान, 16-7-436, आजामपुरा, हैदराबाय ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शोबादेव पति माहावीर प्रसाव और 2 अन्य, 21-1-311, रिकाब गंज, हैवराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रांकत सम्मितिह है अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोर्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के शास जिस्ता में किए जा सकरी।

स्वव्हीकरणः --इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उवस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 16-7-436, विस्तीर्ण 1671 चतुर गज, आजामपुरा, हैवराबाद में रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3022/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, आजामपुरा ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

सा**रीख**: 13-5-1983

प्ररूप बार्ड.टी. एन. एस्. ------

जायकर जीधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के जधीन सुबना

भारत तरकार

कार्बालय, सहायक भायकर भायकः (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाव

हैदराबाद, दिनांक 13 मई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० 185/82-83---यतः, मुझें एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269 के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 3-6-493, 493/ए है, तथा जो हिमायत नगर, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकृर्ता अधिकारी के कार्यालय, चक्काडपल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1982

(1908 का 16) के अधान, ताराख सितम्बर, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह , विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पढ़ प्रतिकृत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाबिस्व में कनी करने या उद्युक्त बचने में सुविधा के सिए; बॉर्ट/या
 - (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नृहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुन्यिधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध--- (1) श्रीमती एम० मनोरमा देव और अन्य, 3-6-493, हिमायत नगर, हैवराबाव ।

(अन्तरक)

(2) मै॰ पटेंल इंजीनियरिंग कम्पनी लिमिटेंड, बी॰ बी॰ एस॰ रेड्डी, 5-9-30/1/17, बशीर बाग, हैश्रराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सुबना जारी करके पूर्वोक्त संपर्टित के अर्थन के हिन्छ कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुस्ची

घर नं० 3-6-493 और 493/ए, विस्तीर्ण चतुर गज हिमायत नगर, हैदराबाद रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 921/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

तारीख: 13-5-1983

मोहरु 🗈

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-घ (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 13 मई 1983

निर्वेश सं० आर० ए० सी० नं० 186/83-84---यतः मर्हो, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पृश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 174, 176 है, जो बोल्लारम लरसा-पुर तालुक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्मालय नरसापुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1982

1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रसिफ्त के लिए अन्तरित की नई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि संथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से,, ऐसे रूपमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के नीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती टी० चन्द्राम्मा, श्री टी० प्रभाकर रेड्डी, बोल्लारम विलेज, नरसापेर तालुक, भेदक जिल्ला।

(अन्तरक)

(2) मै॰ एस॰ एस॰ सदरन फार्मेट्स (प्रा॰) लि॰, 1-120, तारनाका, सिकन्दराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास तिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

सुखी जमीन विस्तीर्ण 10 एकर्स सर्वे नं० 174, 176 बोल्लमार गांव नरसापुर तालुक मेदक जिला रजिस्ट्रीकृत, विलेख नं० 1425/83 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, नरसापुर।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैक्राबाद

तारीख : 13-5-1983

प्ररूप आर्द. टी. एन. एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबादे, दिनांक 13 मई 1983

निवेश सं० आर० ए० सी० 187/83-84--अतः मुझें, एम० जगन मोहन,

आयकर आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन है, तथा जो अल्लापुर गाँव रंगारेडडी जिल्ला स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में ऑर पूर्णरूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रंगारेड्डी जिला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्यों से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकता, अधीत :——

(1) श्रीमती गोदावरी बाई और अन्य, जीव पीव एव श्री प्रकाश दाराक, बेगम बाजार, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) मैं० हरी कोआपरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड, बी० एस० भास्कर राव, अशोक नगर, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय भें दिया गमा है।

मन्स्ची

जमीन सर्वे नं० 29, विस्तीर्ण 3 एकर्स 32 गुंटास, अल्लापुर गांव, राजेंद्र नगर, तालुक, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7009/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, रंगारेडी जिला ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13-5-1983

मोहर∎

मुक्य बार्षः .टी..एम्..एस्..-----

जाक्कर स्थितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के जधीन सुचना

धारत बरकार

कार्यान्य, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 मई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० 188/83-84—अतः मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख से अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, बिसका उचित् बाजार मृत्यु 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० घर है, तथा जो गांधी नगर, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चिक्काड-पल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1982

को पूर्वों कर सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर सम्पर्त का उचित बाजार बूल्य उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्ताइ प्रतिखत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिश्वत उद्वर्ध से उक्त अन्तरण लिश्वित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शायत उमत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया वाना वाहिए था, स्थिनने के मृतिया के लिए;

अतः अब उक्त अधिनिमम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभाग (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— श्री पी० लक्ष्माय्या,
 पिता पी० वेंकाय्या,
 सी-30,
 ए-11-541 (1-1-541),
 बाकारम,
 हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री बी० क्रुष्णामूर्ति, पिता यादागिरी, 1-1-385/31, गांधी नगर, हैदराबाद

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृत्रोंकत सम्पृत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा,
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में पकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्तव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्छ विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिवा क्या है।

अनुसूची

घर गांधी नगर, हैदराबाद विस्तीर्ण 936 चतुर गज रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 870/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चिक्काडपल्ली

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रदराबाद

तारीख: 13-5-1983

प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस्.------आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 मई 1983

निवेश सं० आर० ए० सी० 189/83-84—अतः मुझे, एम० जगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जि्सका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० शेंड नं० 164 है, तथा जो जीडिमेटला, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेडिचेल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1982

- को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और ऐसे अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:----
 - (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
 - (क) ऐसी किसी आय वा किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, खिपाने में सुविधा के लिए;

(1) ए० पी० इंडस्ट्रीयल इन्फ्रास्ट्रकचर कारपोरेणन लिमिटेंड, 5-9758/बी, 6 मंजिल, परिश्रमा भवन, फेते मैदान रोड, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) मैं० बालाजी पेपर प्रोडक्ट्स, डी०-164, 3 फोस "ए० डी० ए०", जी०डिं० मेटला, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यगाहियां करता हुं।

उस्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही !!

वन्स्ची

गंड नं० 164 विस्तीर्ण 0.33 सेंट्स, 3 फेज, इंडस्ट्रीयल डेवलपमेंट एरिया जीडीमेटला रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4418/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, मेडचेल ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :—

तारीख: 13-5-1983

मोहर 🖟

प्रखप माई० टी• एन• एस•--

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के भंधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक गायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 मई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० 190/83-84—अतः मुर्झे, एम० जगन मोहन;

धायकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा बया है); की धारा 26% के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थातर सम्बत्ति, जियहा उचित्र वाजार मूख्य 25,000/-,क० से अधिक है

और जिसकी सं० 5-3-497/1 है, तथा जो रिसाला अब्दुल्ला, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त समाति के उचित बाजार मूस्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की नई है घोर मुसे यह विश्वास करने का का रण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत्त से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत से मिलक है खोर मन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित छरेश्य के उचत अन्तरण लिखित में बास्तविक अप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण संदुई जिसी आप का बाबत, सक्त अधिनियम क अधीत कर देने के अस्तरक के वायित्व में इसी करने या सससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/पा
- (ख) ऐसी किसा आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायंकर भिवित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर भिवित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा शंकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा, छिएनों में सुविधा के सिए;

श्रता अब, उपत ग्रधिनियम की घाटा 269ना के प्रवृतरण में, में, उपत ग्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बन्नीय, निक्तिविधित व्यक्तिमों भवीत् :-- श्री एम० राधिका,
 पिता एम० हरी दर्शन,
 गारिडियन : एम० सुवर्ना,
 16-11-18/19,
 मालकपेट,
 हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री भगवान लाल, पिता मेग राज, 5-2-687, रिसाला अब्दुल्ला, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

डक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षप :--

- (क) इस मूचना के राज्यक्ष में प्रकाशन की तारी खासे 45 विन की अविधास सरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी साथ 30 दिन की धवित, को भी भवित बाद में समाप्त होती हो, के मीतर प्रॉवन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सुचना के राजपत में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन के मीतर उनत स्थावर सम्मत्ति में हितबद किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, ममोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

श्ववदीकरण।--इसम प्रयुक्त शक्दों भीर पदों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क वरिषाचित है, वही धवं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 5-3-497/1, रिसाला अब्दुल्ला, विस्तीर्ण 150 चतुर गज रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6517/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षय प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैटराबाद

तारीख: 13-5-1983

मोहुरु 🐠

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, विनांक 13 मई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० 191/83-84-- श्रतः मुझे, एम० जगन मोहन आयकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम श्रीधकारी को यह जिश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. में बिधक है और जिसकी सं० नं० 6 ए है, तथा जो जिल्लारेह्री गूडा, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे श्रव्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तयिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारस्तीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियन, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् हे----

(1) मैं० एन० वनसीमल इण्डिया,
 पार्टनर : प्रकाश धरमदास हरजानी,
 681/बी०/2/8/74,
 रोड न० 12,
 बजारा हिल्स,
 हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री रिवन्द्रा नारायण अस्ताना, 41-55/3 आर० टी०, संजीवा रेड्डी नगर, हैवराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्मक्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

प्लाट नं० 6-ए और 6 बी० विस्तींण 40 चतुर गज सर्वे नं० 127 येस्लारेड्डी गूडा, अमीरपेट, हैदराबाद रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 6454/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज, हैदराबाद

सारीब : 13-5-1983

प्रसूप बार्च .टी.एन्.एस . -----

नायकर विधिनियसं, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के न्धीन सूचना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैधराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 मई 1983

निवेश सं० आर० ए० सी० 192/83-84—अतः, मुझें, एम० जगन मोहन

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च में अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/रा. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो बर्गार भाग, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर, 1982

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का मन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कक निम्नलिखित उद्देश्य से सकत अन्तरण सिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (का) जन्तरण से हुए किसी नाम की वाबत, उक्त जीपनिम्म के अभीन कर दोने के बन्तरक के वामित्य में कमी करने या उससे ब्यने में सृविधा के लिए; और/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए?

जतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के जनुसरण् जो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) की अधीन, निम्नसिचित व्यक्तियों, अधीत् ∷— (1) श्रीमती लीला देवी, पति टी० नारायणारेड्डी, 3-4-457, नारायणगूडा, हैस्राबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ए० रामालक्ष्मी, पती राजेंसनर राघ, पवरपेटा, येलूर, वेस्ट गोदावरी जिला ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना बारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यशाहियां शुरू करता हुं।

बक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथीं कर अधिकतयों में से किसी स्थित दुवारा;
- (क्ष) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

अनुसूची

प्लाट नं ० 1006 मुनिसिपलनं ० 5-9-59, बशीर भाग, हैदराबाद, विस्तीण 1020 चतुर फीट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 6381/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० अगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 13-5-1983

मोहरु 🖫

प्रथप बाई • टी • एन • एवं •----

आयक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज, हैवराबाद हैदराबाद, दिनांक 13 मई 1983

निवेश सं० आर० ए० सी० 193/83-84- यतः, मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिरवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/ रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो शाजाहान अपार्टमेंटस हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाणद्ध श्रनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, कैराताबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्स संपरित के उणित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उणित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भागकी बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; औरु/या
- (ख) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियाँ, अधीत् कि

(1) मैं० शाजाहान अपार्टमेंट्स, 6-2-974, कैराताबाद, हैवराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अखिला कुद्धस, पति डा० मेंक ए० कुद्धुस, 8-3-1007, श्रीनगर कालोनी, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)_

का यह सूचना चारी करके पूर्वों कर सम्मृतित के अर्थन के सिए कार्यनाहिया करता हुं। उक्त सम्मृतित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हु--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्मृतितयों में से किसी स्पृतित ब्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितनकृथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पान लिचित में किए था सकोंगे।

स्वष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

ममुस्ची

प्लाट नं० 606, 6 मंजिल में और गारेज नं० 15 गाजाहान भ्रपार्टमेंट्स मुनिसिपल नं० 6/2/974, कैराताबाब, हैदराबाद रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6665/82 और 6666/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, कैराताबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 13-5-1983

मोहर 🖫

प्ररूप बाहुँ, टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 मई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० 194/83-84-- ग्रतः मुझे, एम० जगन मोहन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० जमीन है, तथा जो अत्तावाली, रंगारेड्डी जिला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेंडचेल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1982

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उाचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रसिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ए से अंतरण के लिए तय भाषा गया प्रति-फल निम्निसिसित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की नावत्, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) मै० अत्तापाल्ली फारस प्राइवेट लिमिटेड, 23, लाल बहादुर स्टेडियम, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एम० भान्माती पति रधुनाया राव, प्लाटनं० 57, श्रीनगर कालोनी, येलारेड्डी गुडा, हैवराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोष्टस्ताक्षरी के पास लिखित में दिये जा सर्कांगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियन के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में वियागया है।

अनुसूची

जमीन विस्तींण 6 एकर्स 31 गुंटास, अत्तावाल्लि गांव मेंडचेल तालुक, रंगारेड्डी जिला रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4765/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, मेंडचेल ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)

को अधीन, निम्नलिचित व्यक्तियाँ, अर्थात् :---

तारी**ख**: 13-5-1983

भाहर :

प्ररूप आधै.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 13 मई 1983

निवेश सं० आर० ए० सी० 195/83-84--अतः, मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं जमीन है, तथा जो हफीज पेटगांव, आर ज्यार जिला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध धनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रंगारेड्डी जिला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के उदयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके उदयमान प्रतिफल से एसे उदयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रातिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तान्त्र से हुई किसी आय कौ बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भाररतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री एन० लाराहारी, पिता वीरा मल्लाय्या, 1-55 हफीअपेट गांच, राजेंन्द्र नगर तालुक, आर० आर० जिला ।

(अन्तरक)

 (2) श्री मोहम्मद मजहारुल हक और अन्य, 10-3-12/डी, हुमायूं नगर, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **स से**45 विन की अविधि या तत्सं बंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी कर
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीस से 45 विने के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पव्यक्तिरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृस्ची

जमीन सर्वे नं० 82, विस्तीर्ण 2 एकर्स 29 गुंठास हाफीज पेट गांव, राजेन्द्र नगर तालुक रंगारेड्डी जिला राजिस्ट्री-कृत विलेख नं० 7520/82 राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी रंगारेड्डी जिला ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 13-5-1983

प्रकल आई न टी. एन. एस.-----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 मई 1983

निदेश सं० आर० ए॰ सी० 196/83-84--श्रतः, मुझे, एम० जगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं जिमीन है, तथा जो मादान्नापाल्लीशेषाधाद तालुक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्या में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आर अार जिला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उचित काजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे गह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (इ) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए।

अतः अधः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अधीत् ः--- (1) श्रीमती कांता देवी,23-8-42,वेगम बाजारहैवराबाद ।

(अन्सरक)

(2) श्री एम० तुलजाराम,14-9-833,लोवर धूलपेट,हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन अंगूर भाग के सात सर्वे नं० 77 मदनापल्लीगांव, मोषाबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7568/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, रंगारेड्की जिला (विस्तीण 6 एकर्स 21 गुंटास)।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीखा : 13-5-1983

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-व (1) के अधीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 11 मई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 150/83-84--- प्रतः, मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है

और जिसकी सं० ——हैं, तथा जो मुगीराबाद, हैदराबाद में स्थिति है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपित्त के उिचत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उिचत बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी अग्र की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविभा के सिए;

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिलत व्यित्सियों, अर्थात् :-- (1) मै॰ भाग्या नगर स्टूडियोस प्राइवेट लि॰, 1-1-79, आर॰ टी॰ सी॰ कॉस रोड्स, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री के० रंगा प्रसाद राव, 3-6-312/1, हैदरगूडा, हैदराबाद

(अन्तरिती)

क्ये यह सूचना बारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप:--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के श्रीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धनेकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को इस अध्याय में किया गया है।

वन्स्ची

प्लाट नं० मुशीराबाद, हैयराबाद विस्तीर्ण 628 चतुर फीट रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 6818/82 रिजस्ट्रीकर्ता अधि- $\frac{\pi}{2}$ कारी, हैयराबाद ।

एम० अगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराखाब

तारीख : 11-5-1983

त्ररूप् बार्ड. टी. एन. एस. ----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष् (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सद्दायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाध, दिनांक 11 मई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 151/83-84--- प्रतः, मझे, एम० जगन मोहन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है, तथा जो मुशीराबाद, हैधराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1982

को पूर्वों क्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एमे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नितिस्त उद्वेष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वावत, उक्त अधिनिय्म के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए; और/या
- (था) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्वैत्रधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैं० भाग्या नगर स्टूडियोस प्राइवेट लिमिटेड, 1-1-79, आर० टी० सी० कॉस रोड्स, हैवराबाव ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती के० कमला देवी,
 पिता रागावाराव,
 3-6-312/1,
 हैदरगूडा,
 हैदरगूडा,

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, भी उक्त जिभिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० मुगीराबाद, हैदराबाद विस्तीर्ण 535 चतुर फीट रजिस्ट्रीकृत घिलेख नं० 6817/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 11-5-1983

प्ररूप आहे. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 मई 1983

सं० आर० ए० सी'० नं० 152/83-84.---म्रतः मुझे एम० जगन भोहन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो मुगीराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मैंसर्स भाग्यानगर स्टूडियोंस प्राइवेट लिमिटेड 1-1-79, आर० टी० सी० क्रॉस रोड, हैंदराबाद (अन्तरक)
- (2) श्री पी० प्रभाकर, 5-1-237/1, जामबाग, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्दध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अससची

प्लाट नं० मुरादाबाद, हैदराबाद में विस्तीर्ण 1170 चतुर फीट रजिस्स्ट्रोक्कत विलेख नं० 6538/82 रजिस्ट्रीकरर्ती अधिकारी हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम अघिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद,

तारीख : 11-5-1983

प्रकप बाइ .टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैंबराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 मई 1983

निर्देश सं० झार० ए० सी० नं० 153/83 84--- प्रतः मुझे, एम० जगन मोहन

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो मुशीराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय है दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1982,

को पूर्वो कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा कालए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हां भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या क्रिया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--

- (1) मैंसर्स भाग्यनगर स्टूडियोंस प्राइवेट लिमिटेड 1-1-79, आर० टी० सी० कासरोड हैदराबाद। (अन्तरक)
- (2) श्रीमतीकोमालारामास्वामी,पती एस०वी० रामास्वामी 1-1-79, आर० टी० सी० कासरोड हैदराबाद (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के तम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकित् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों ळा, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्ची

प्लाट मुशीराबाद, हैदराबाद में विस्तीर्ण 1170 बतुर फीट है रिजस्ट्रीशत विलेख सं० 6842/82 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हदराबाद,

तारीख: 11-5-1983

प्ररूप आई. टी. एम्. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 मई 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 154/83-84—यतः मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा, 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रः. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या प्लाट नं । है, जो मुक्षीराबाद हैदरा-बाद में स्थित है (और इससे छपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित् बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नुलिखित उद्वेषयों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किश्वत नहीं किया गया है :--

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/बा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट महीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :---

- मैससं भाष्यानगर बिस्डसं, बै० के० बी० रंगारेह्डी
 1-1-79 आर०टी०सी० कॉसरोड, बैवराबाद ।
- श्रीमती डी० ये० लक्ष्मी, पश्नी नारायनाराव, प्लाट नं० 93, तारानाका, हैदराबाध ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप: ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्दोकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों आहै. पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० एम० नं० 1-1-79, मुशीराबाद, हैयराबाद विस्तीर्ण 1170 चतुर फीट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6752/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैवराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम अधिकारी सहााक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराग्राद

तारीख: 11-5-1983

मोहार 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सूरकार

कार्यासय, सहायक नायकर नायक्तः (निर्देशिष)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 मई 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 155/83-84-यतः, मुझे, एम० जगन मोहन,

आगकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम्' कहा ग्या हो, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित् बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक ही

और जिसकी संख्यां प्लाट नं है, जो मुर्शाराबाद हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वो वित सम्पत्ति के उचित् बाजार मूल्य से कम के दूरमान्
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मूझे यह विद्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वो वित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पंत्रह
प्रतिशत अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अन्त्रित्वा) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्निलिखित उच्दोश्य सो उक्त अन्तरण लिखित
मों वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयु की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के निए;

अतः, अब., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- मैसर्स भाग्यानगर बिल्डर्स, बै० के० वी० रंगारेड्डी
 1-1-79, आर०टी०सी० कासरोड्स, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती साराला राती, पत्नी गणिकांत, 5-1-708, पुतलीबाली, हैदराबाद।

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर स्मारित् में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए था सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया

अनुसूची

प्लाट नं० 153 एम० नं० 1-1-79, मुशीराबाद, हैदराबाद विस्तीर्ण 25345 चतुर फीट रजिस्ट्रीकर्ता विलेख नं० 6770/ 82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज,हैदराबाद

तारीब: 11-5-1983

मोहर 🗓

प्ररूप आइ. टी. एन्. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-्ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 मई 1983

निर्देण मं० आर० ए० सी० नं० 156/83-84--यतः मुझे एम० जगन मोहन

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट के है, जो यूनिटी हौस, आबिद रोड, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1982

- को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ह है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है।
 - (क) मृत्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त अधिनियम के - अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के निए; औरु/या
 - (स) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में सुविधा के लिए,

 मैसर्स हिन्दुस्तान बिल्डर्स, यूनिटी हौस आबिद रोड, हैदराबाद।

(अन्तरक)

 श्री पी० रामाकिशना नं० 1, 4 मंजिल, यूनिटी हौस, आबिद, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुमूची

प्ललाट नं० 1 यूनिटी हौस में अबिड रोड, हैंदराबाद विस्तीर्ण 242 चतुर फीट रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 6445/82 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैंदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज़ हैंचराबाद

अतः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थात्:---

तारीख : 11-5-1983

मोहर 🔢

प्ररूप् आईं.टी.एन्.एस.-----

म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व(1) के भंदीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैवराबाव हैदराबाद, दिनांक 11 मई 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 157/83-84.--यतः मुझे एम० जगन मोहन

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर समाति, जिसका अचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट है , जो यूनिटी हौस, अबिद रोड़ हैं दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतिति (अन्तरितियाँ) के दोष एसे बन्तरण के लिए तय पाया पया प्रतिक कल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया ग्या है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दक्षीयत्व में कभी करनेया उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था सा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् !--

 मैसर्स, हिन्दुस्तान बिल्डर्स, यूनिटी होस, आबिच रोड, हैचराबाद।

(अन्तरक)

 श्री पी० रामाकृष्णा, नं० 2, 4 मंजिल, यूनिटी बिल्डिंग्स, आबिव रोड, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्ित के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेड्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की मामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पातृ लिसित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 2 यूनिटी होस में आबिद रोड हैदराबाद विस्तीणी 242 चतुर फीट रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 6446/82 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

सारीख: 11-5-1983

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 11 मई 1983

निर्देश सं० आर० ये० सी० नं० 158/83-84.—यतः, मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

अरेर जिसकी सं प्लाट है, जो यूनिटी हौस, अबिद रोड हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 सितम्बर 1982 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुक्ते यहविष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कें, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मैस्सरस हिन्दुस्थान बिलकरस, युनिटी हौस अबिद रोक, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री ये० पूरना चंद्राराव, नं० 4, 4 मंजिल, यूनिटी हौस अबिद रोड, हैंदराबाद । (अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ययाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

प्लाट नं० 4 यूनिटी हौस में अबिड रोड, हैंदराबाद विस्तीर्ण 242 चतुर फीट रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 6415/82 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैंदराबाद ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 11-5 1983

प्ररूप आई. टी. एन्. एस. - - - - --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आय्कर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, तारीख 11 मई 1983

निर्वेश सं० आर० ये०सी० नं० 159/83-84-यत मुझे: एम० जगन मोहन, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 ∕- रत. से अधिक हैं और जिसकी संख्या प्लाट है, जो यूनिटी हौस, अबिद रोड हैंदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक सितम्बर को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रसिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से., एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में

बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) में स्सरस हिन्दुस्तान बिलडरस, युनिटी हौस अबिद रोड, हैंदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० पी० नारासिंहाराव, नं0,7,4 मंजिल, यृनिटी होस , आबिद रोड हैदराबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यविहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्धों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

प्लाट नं० 7 यूनिटी हौस में अबिद रोड, हैदराबाद विस्तीर्ण 242 चतुर फीट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6404/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैंदराबाद

सारीख: 11-5-83

प्रकण बाहर् , टीं हु पुत्र , पुत्र ,-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैंबराबाद हैदराबाद , दिनाक 11 मई 1983 निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 160/83—84.——यतः मुझे, एम० जगन मोहन

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुक्त से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट है, जो यूनिटी हौस आबिव रोड, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितस्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मूल्य हे कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्धेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-बिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बायत, स्वतः अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसमें कचने में सुविधा के लिए; बरि/का
- (च) ऐसी किसी आय मा किसी धन या अस्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :--- 8—116GI/83

(1) मर्सस हिन्दुस्तान बिलडरस, यूनिटी हौस, आबिद रोड, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० पी० नारासिंहाराव, नं० 6, 4 मंजिला में, यूनिटी हौस, आबिद रोड, हैदराबाद । (अन्सरिती)

को यह सूचना बाद्री करके पूर्वोंक्स सम्पर्तत के वर्षन के निष् कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षपः ज

- (क) इस स्वाना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्वक्रीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भैर पर्दों का, जो उक्त जीभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हू वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया जया है।

अनुसूची

प्लाट नं 6 यूनिटी हौस, आबिद रोड, हैदराबाद विस्तीर्ण 242 चतुर फीट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 6405/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० **जग**न मोहन सक्षम प्राधिकारी स**हायक आयक**र आयुक्त (नि**रीक्षण**) अर्जन रेंज, हैदराबाद

सारीख: 11-5-1983

प्र**रूप आह**ै. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चाना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैंबराबाद

हैवराबाद, विनांक 11 मई 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 161/83-84-यत, मुझे, एम० जगन मोहन **गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे** इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रत. से अधिक हैं और जिसकी सं० प्लाट है, जो यूनिटी हौस आबिद रोड, हैदराबद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम (1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1982 को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के खरममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके धरयमान प्रतिफल से, एसे धरयमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में

> '(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबतः, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(स) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मैस्सरस हिन्दुस्तान बिलडर्स, यूनिटी हौस, अबिद रोड, हैवराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री ए० पूरना चंद्राराव, नं० 3, 4 मंजिला, यूनिटी हौस, आबिद रोड, हैदराबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवां का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में तथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं 3 यूनिटी हौस, आबिद रोड, हैदराबाद विस्तीर्ण 242 चतुर फीट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6414/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैवराबाव

तारीख : 11-5-1983

प्रकृष बाई • ही • एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के मधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यत्य, बहायक जायकर जायकतु (निरीक्ष)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

काग्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उचत अधिनियम' कहा ग्या है, की धारा 269 ख के अधीन स्क्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट है जो यूनिटी होस आबिद रोड, हैदराबाद में स्थित है और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 सतम्बर 1982

को पूर्वोक्त संपति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्त्रण लिखित में बास्तिब्क रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण तं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे ब्यने में सूब्रिया के िक्ए; आहर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, फिपाने में सुविधा के लिए;

अत् अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म् की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् ः— मैस्सरस हिन्दुस्तान बिलडर्स, यूनिटी हौस, आबिद रोड हदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० श्रीनिवास, 16/5 मेरी हास्टल, काकासीया मेडिकल, बरंगल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संगरित के अर्चन के सिष् एतत्त्तारा कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के पर्जन के संबंध में कोई भी बालेंग :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की वारीच से 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचनः की तामीस से 30 दिन की भवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर संपत्ति में
 हितबद्ध किसी ग्रम्थ व्यक्ति द्वारा, श्रवोहस्ताकरी
 के पास निश्चित पें किए जा सकेंगे।

स्रव्होक्तरण:---इसमें प्रमुक्त सन्दों और पहीं का जा उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस पन्तार ों दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 5 यूनिटी हौस, आबिद रोड, हैंदराबाद विस्तीर्ण 242 चतुर फीट रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 6398/82 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैंदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 11-5-1983

प्रस्पु आइ. टी. एन्. एस.,-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत तरकार

कार्याल्य, सहायक बायकर बायक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 मई 1983

निदेख सं० आर० ए० सी० नं० 163/83-84--यरः, मुझे, एम० जगन मोहन

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के स्थीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रह. से अधिक हैं।

और जिसकी संख्या प्लाट है, जो यूनिटी हौस आबिद रोड, हैदराबाद में स्थित है) और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्षय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1982

को पूर्वेदित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के श्रममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेदित सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके श्रममान प्रतिफल से, एसे श्रममान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाग गया प्रतिफल, निम्निविद्यत उद्वेदय से उदत बंतरण निचित्त में वास्तिक श्रम से किया गया है :----

- (क) बन्तरण से ष्टुर्क किसी जाय की बाबत, उक्त जिभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के सिए; बॉट्/या
- (श्वा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में., मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मैस्सरस हिन्दुस्तान बिलडर्स यूनिटी हौस, अंबिद रोड, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री लालचंद मूलचंद मीरचंदानी, 5-9-22/78, आवरश नगर, हैंदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाही सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

-

प्लाट नं० 24 यूनिटी हौस, आबिद रोड, हैंदराबाद विस्सीर्ण 242 चतुर फीट रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 6672/82 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैंदराबाद

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, हैंबराबाव

तारीख: 11-5-1983

प्रकृष आई. टी., एन., एस.,- - = =---

आयकर अ्भिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धाक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद दिनाक 11 मई 1983 सं० आर० ये० सी० नं० 164/83-84--यतः मुझे एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संव प्लाट हैं , जो यूनिटी हौस आबिद रोड, हदराबाद स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैंदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन 19 सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पृत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पृत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिद्यात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वोदय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, अकत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिशित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैस्सरस हिन्दूस्ता बिलडरस, आबिद रोड, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

2) लालचंद मूलचंद मीरचंदानी, 5-9-22/78 श्रुादर्श नगर, हैदराबाद ।

(अन्तरीप्ति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या सस्यन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के ग्रजपत्र में प्रकाशन की तारीस सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबदुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा तकोंगे।

स्थळीकरण: ---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पवा का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 23 यूनिटी हौस, आबिद रोड, हैदराबाद विस्तीर्ण 242 चतुर फीट रिजस्ट्रीकृत विशेक नं० 6671/82 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद ;

> एम० जगन मोहन सक्षम प्रधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैंदराबाद

तारी**ख** : 11-5-1983

प्रकृष कार्यु टी. एन्_य एक्ट ट-४--इस

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैंदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 मई 1983

सं० आर० ये० सी० नं० 165/83-84--यतः मुझे एम० जगन मोहन

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उपित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट है, जो यूनिटी हौस आबिद रोड, हैवराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1982 हैदराबाद

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृष्टे हैं और भूभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उजिल्ता बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के एसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्झ प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरगृ के लिए तथ् पाया गया अश्विफल निम्नृलिचित उद्वदेश से उक्त अन्तरण निम्नृलिचित उद्वदेश से उक्त अन्तरण निम्नृलिचित में सास्तिवक स्यू से किया गृहीं किया गृही है

- (क) अन्तरण वे हुई हिस्सी नाम की बाबत उक्त अधि-निवस के सुनीन कड़ दोने के बन्तरक के दावित्व में कनी कड़ने वा सबसे कुनने में सुनिया के सिए; और/सा
- (क) एसी किसी आय या किसी वन था अन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय भारकर किशिवसमें, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कुर सिर्मिनसमें, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती क्षारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए भा, कियाने में सुविधा के सिए;
- अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्पक्तियों, अधीत्:—

- मैसर्स, हिन्दुस्तान बिल्डर्स, आबिद रोड, हैदराबाद। अन्तरक)
- श्री बी० एम० मीरवंदानी, 5-9-78 आदर्श नगर, हैवराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त संपरिस के अर्जन के तिए। कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वर्वीथ, जो भी अवधि बाद के समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो उक्त अधिनियम् के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट सं० 9, यूनिट्री हौस, आबिद रोड, हैंबराबाद विस्तीर्ण 242 चतुर फीट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6499/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैबराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारी**ख**: 11-5-1983

मोहरु 🕄

प्ररूप. आर्ह. टी. एन. एस. ----नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 11 मई 1983

निर्देश सं० आर०ए० सी० नं० 166/83-84--यतः महो, एम० जगन मोहन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्धास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार 25,000/- रुत. से अधिक है^{*}

और जिसकी संख्या दफ्तर 20 -है, जो युनिटी हौस में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी आबिख रोड, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया वया है:--

- (क) अन्तरुण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स्र) एेसी किसी आय या किसी धन टा अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के सिए।

(1) मैस्सरस हिन्दुस्तान बिलंडरस, आबिद रोड, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री वी० एम० मीरचंदानी, 5-9-78 आदर्श नगर हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पच्छीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दफ्तर नं० 10 यूनिटी हौस, आबिद रोड, हैदराबाद विस्तीर्ण 242 चतुर फीट रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 6498/82 अधिकारी हैदराबाध ।

> एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज , हैवराबाद

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीखा : 11-5-1983

प्रकृप कार्च. टी. एव. एस. -----

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 मई 1983

निदेश संख्या आर० ए० सी० नं० 167/83-84.--यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियिम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या 5-8-42 है, जो फतेसुलतान लेन हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्णरूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 सितम्बर 1982

को पूर्वों क्त सम्मिति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंत्रका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्निलिखित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कियत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण संहुद किती नाय की वावह, अच्छे अधिनियंत के अधीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में करी करने या दससे वचने में सुविधा से दिए; और/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नितिबत् व्यक्तियों, अधीतः :— (1) मैसर्सं नंदानम भ्रपार्टमेंटस, 5-8-42 फतेसुलतान लेन, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री जी० रामाचंदर, 5-8-658, स्टेशन रोड, हैदराबाद।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपृत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध साद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्थळीकरणः — इस्में प्रयुक्त क्षन्यों और पदाँका, जो तकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं मर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्त्ची

प्लाट नं० ए० 201, मुनिसिफल नं० 5-8-42, फतेसुलतान लेन, हैदराबाद, बिस्तीर्ण 1104 चतुर फीट रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 6438/82 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदारायाद

तारीख: 11-5-1983

मोहर 🖫

प्ररूप आहर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाव

हैदराबाष, दिनांक 11 मई 1983

सं० भ्रार० ए० सी० नं० 168/83-84--यतः म्झे, एम० जोगन मोहन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 5-8-82 है, जो फतेसुलतान लेन हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1892

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूर्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भें सुविधा के सिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--9-116GI/83

(1) मैंसरस नंदानम अपार्टमेंटस, 5-8-42 फतेसुलतान हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एम० ए० खान आसिफनगर, हैंदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई आक्षेप, यदि हो तो :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जैं। भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिन्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० बी॰ 401/29 मुनिसिफल नं० 5~8-42, फतेसुलतान लेन, हैदराबाद, विस्तीणं 1104 चतुर फीट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6439/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ार्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-5-1983

माहार :

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर घायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 मई 1983

सं० आर० ए० सी० नं०169/83-84--यतः मुझ, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 खैं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा से अधिक है

और जिसकी संख्या 5-8-92 है, जो फतेसुलतान लेन हैंदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विज्ञत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैंदराबाद भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सिनम्बर 1982

कां पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्रयमान प्रतिफल से, एसे स्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों). और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उथत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में भृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

•अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसर्ष में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन. निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थित:—— (1) मैंसर्स नंदानेम अपार्टमेंटस, 5-8-42 फलेमुलतान लेन, हैंदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती के० अ़रूना पत्नि के० बातिनीडु, 5-4-405/ए० नामपल्ली ।

(अन्सरिती)

को यह सूचना पार्री कारके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हंू।

उक्त संम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा
 - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावार संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदो का, जो उनस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० सी'० 102/34 मुनिसिपल नं० 5-8-42, फलेसुलतान लेन, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1200 चुरु फीट रुजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6440/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराक्षाद

तारीख : 11-5-1983

मोहर ः

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 मई 1983

सं० आर० ए० सी० नं० 170/83-84--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 25,000/- का से अधिक है

और जिसकी सं० 5-8-92 है, जो फलेसुलतान लेन हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1982

का पूर्निक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल को पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उसमे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मों, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्निर्लिखत व्यक्तितयों, अर्थात :---

- (1) मैसर्स नंबानम अपार्टमेंटस, 5-8-42 फलेसुसतान लेन, हैदराबाद। (अन्तरक)
- (2) श्री के० विभीषना रेडडी, पिता के० हनुमंता-रेडडी, 5-5-731 कलीलवाडी, निजामाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उयत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ह¹।

अनुसूची

प्लाट नं० सी 804/78 मुनिसिपल नं० 5-8-42 फलेसुलतान लेन, हैदराबाद्ग, विस्तीर्ण 1000 चतुर फीट रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 6441/82 रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 11-5--1983.

प्ररूप जाई. टी. एन. एस. ------

शायकप अधिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के सधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 11 मई 1983

सं∘ आर० ये० सी० तं० 171/83∽84—यतः मुझे एम०

जगन मोहन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के श्रधीन सभन प्राधिकारी को, यह विश्वास करमें का कारण है कि स्वावर संपत्ति जिसका धिवत बाजार मूह्य 25,000/- दे से अधिक है

और जिसकी संख्या 5-8-42 है, जो फतेसुलतान लेन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकर्रा अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उषित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्ता लेखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनिश्चम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; आर/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी घन या अन्य ब्रास्तियों
 को, जिन्हें भारतीय धाय-कर प्रविनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
 प्रवोजनार्थ धन्तरिती ब्रारा प्रकट नहीं किया गया
 था या किया जाना चाहिए था, खिनाने में मुविधा
 के लिए।

ज्तः, अ्व, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के सधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— मैसर्स नंदानम अपार्टमेंट्स, 5-8-42 फतेसुलतान हैदराबाद ।

(अन्तरक)

2. वाल्लाभवास, नं० 4-4-2, सुलतान बाजार, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी क<u>रके पूर्वोक्त स</u>म्परित को अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहम्ताक्षरी, के पास लिसिस में किए जा सकरेंगे

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का ओ उन्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा ओ उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

ण्लाट नं 0.8403/31 मुनिसिपलनं 0.5-8-42, फतेसुलतान लेन हैदराबाद विस्तीणं 0.104 चतुर फीट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 0.6457/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारी**ख**: 11-5-1983

मोहर ;

प्ररूप आई. टी.एन.एस. ------आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 11 मई 1983

सं० आर० ए० सी० नं० 172/83-84--यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 5-8-92 है, जो फतेसुलतान लेन हैंदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप मे वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैंदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह जिस्सास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उत्तर अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अग, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अगुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—— 1. मैसर्स संदानम अपार्टमेंट्स, 5-8-92 फतेसुलतान लेन, हैंबराबाध।

(अन्तरक)

 श्रीमती एन० बी० दोमाडिया, घर नं० 5-2-976, एन० एस० रोड, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) ध्रस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य श्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० बी 304/38मुनिसिपल नं० 5-8-42,फतेसुलतान लेन, हैंदराबाद, विस्तीणं 1104 चतूर फीट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6458/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हदराबाद

तारीख: 11-5-1983

प्ररूप आहें. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-ए (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाव

हैदराबाद, दिनांक 11-5-83

सं० आर० ए० सी० नं० 173/83-84---यतः मुझे एम० जगन मोहन

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 5-9-82 है, जो फतेसुलतान लेन हैं दराबाद में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैं दराबाद में रिजर्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपान में मुनिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण क्रें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क्रों अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः :-- 1. मैंसर्स, नंदानम अपार्टमेंट्स, 5-9-42 फतेसुलसान लेन, हैवराबाद ।

(अन्तरक)

2. श्री अजय सी० सांगवी, एफ० नं० बी-301/25-3 मंजिल घर नं० 5-8-42, फत्सुलतान लेन, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में अन्य किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लाट नं . बी 301/25 म्युनिसिपल नं० 5-8-42, फरोसुलतान लेन, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1104 चतुर फीट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6459/82 रजिस्ट्रीकरण अधिकारी हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम अधिकारी ॄसहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

तारीख: 11-5-1983

महिर:

प्ररूप काई. टी. एन. एस. - - - - -

आयकर अभिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, स्हायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदरााद, दिनांक 11 मई 1983

सं० आर० ए० सी० नं० 174/83-84---यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 5-8-92 है, जो फतेसुलतान लेन हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हेदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिचित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबता, उक्त जिथिनियम् के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आयु या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922/का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्डित व्यक्तियों, अर्थात् क्रि मैसर्स नंदानम अपार्टमेंट्स, 5-8-42 फतेसुलतान लेन, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

2. श्री जीं अति शा, पिता चगनलाल शा, ईसामिया बाजार, हैवराबाव ।

.(अन्सरिवी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां श्रृह्ण करता हूं।

वनत् सम्पृतित् मों नर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहम्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकरि।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विशा गया है।

वनसूची

ण्लाट नं० बी-302/26 म्युनिसिपल नं० 5-9-92 फतेसुलतान लेन, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1104 चत्र फीट रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 6460/82 रिजस्ट्रीकृती अधिकारी हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 11-5-1983

प्ररूप आई. टी. एन्. एस: -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

है्दराबाद, दिनांक 11-5-83

सं० आर० ए० सी० नं० 175/83-84—यतः मुझे एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट है, जो फतेसुलतान लेन, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कृम के स्थमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विक्वास् करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फस, निक्नलितित उद्विष्य से उसत अन्तरण सिवित में अस्तिवृक्त रूप से कीधत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे क्वने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् :--- मैसर्स नंदानम अपार्टमेंट्स 5-8-92, फतेसुलतान लेन, हैदराबाब।

(अन्तरक)

श्रीमती डी० बिंदुक्षी, अरंडलपेट, गुंटूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

स्वत् सम्पत्ति के भर्णन के सम्बन्ध् में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं बु से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के नीतर पूर्वों कर, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर सम्पत्ति में हिंद- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थाकीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त, अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुरा है।

अनुसूची

प्लाट नं० बी० 203/23 एम० नं० 5-8-42, फतेसुलतान लेन, हैदराबाद में विस्तीर्ण 1104 चतुर फीट रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 6670/82 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयक आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवरा**बाद**

तारीख: 11-5-1983

मोहर 🗓

प्ररूप बाह[°]. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 में (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 11 मई 1983

सं० आर० ए० सी० नं० 176/83—84——यतः मुझे एम०, जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या प्लाट है, जो फतेसुलतान लेन, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम. 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सिततम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधते, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अन उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नस्तिष्ठित व्यक्तियों, अधीन् :--- मैसर्त मंतानम अपार्टमेंट्स 5-8-92, फतेसुलतान लेन, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. कुमारी कुसुमा कुमारी, 3-4-376/10112. लिगम- पाल्ली, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के िलए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की क्षामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अम्सूची

प्लाट नें॰ ए 102/2, एम॰ नं॰ 5-8-42, फतेसुलतान लेन, हैदराबाद में विस्तीर्ण 1104 चतुर फीट रिजस्ट्रीकृत विलेख नं॰ 6669/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद्ध

तारीख: 11-5-1983

प्रमूप क्षाइ°. टी. एम्. एसः —-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 11 मई 1983

सं० आर०ए०सी०नं० 177/83-84--यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारों कां, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- र मं अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट है, जो फतेसुलतान लेत, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1982

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित् बाजार मूल्य, उसके दृश्मान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रहें प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ् पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में नास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गर्या है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

जतः अष, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनूसरण मों, मों उपत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- मैं ५र्स नंदानम अपार्टमेंट्स 5--8--92, फनेसुलनान लेन, है ३ राबाद ।

(अन्तरकः)

 श्री संपतला जैंग, 5-7-579, नामपल्ली बाजार, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृष्यिकः सम्पत्ति के अर्धन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में अकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस पूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उका स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अस्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

प्लाट नं० बी० 404/32, एम० नं० 5-8-42, फतेसुलतान लेन, हैदराबाद में विस्तीर्ण 1104 चतुर फीट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6668/82 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक अध्यकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज, हैदराबाद

तारीख : 11-5-1983

शरूप बाई. टी. एन. एस. ------

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के बुधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैक्साबाद हैदराबाद, दिनांक 11 मई 1983

सं० आर० यें० सी० नं० 178/83-84---यतः मुझे एम० जगन मोहन

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के सभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने के कारण है कि स्वावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार सूख्य 25,000/ के. से अधिक है

और जिसकी में० प्लाट है, जो फतेभुलतान लेन हैदराबाद स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्णक्ष में वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय राजस्ट्रीकयण अधिनियम , 1908 (1908 का 16) के अधीन मिनम्बर 1982

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतिगती - (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्रास या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर श्रीक्षिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्ध भ्रम्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाड़िए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री काभिनेनी त्रिलंडरसः 4-1-1064 तिलक रोड हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जी० अनूरादा, पिता जी० नारायाना राव, 1-4-879/78, गांधीनगर, हैदराबाद । (अन्तरिती)

का यह स्थाना जारी करके पृथा कित सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति प्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सुकोंगे।

स्थव्दोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, तो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्स्ची

प्लाट नं० एम० नं० 1-8-556 हैवराबाद में विस्तीर्ण 950 चतुर फीट रजिस्ट्रीकृत विखेक नं० 6535/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैवराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 11-5-1983

प्ररूप् आई. टी. एन. एस. ----

नायुकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मृ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैंबराबाद हैंदराबाद, दिनांक 11 मई 1983 संब आरु एवं सी. नंव 179/83-84 — यत: मुझे, एमव जगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं ालाट है जो फतेमुलतान लेन हैदराबाद मों स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णक्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिदारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से केथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (था) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के शिए;

- (1) श्री महसद अबदुल खादर किंग कोटी हैदराबाद (अन्तरक)
- (2) श्रीमती राजानी गुप्ता, और अन्य, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के एजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे [1]

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुस्ची

प्लाट नं ० 36 एम नं ० यूनिटी हौल हैदराबाद में विस्तीण 346 चतुर फीट रजिस्ट्रीकृत विखेक नं ० 6642/82 रजिस्ट्री • कर्ता अधिकारी हैसराबाद ।

> एम०. जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-5-1983

मोहर:

जतः अब् उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेलिलित व्यक्तियों, अर्थात् :--

प्रकप बाई॰ टी॰ एन० एत०-----

भायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के भ्रष्टीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11-5-83

सं० आर० ए० मी० नं० 180/83—84——यनः मुझे, एम० ज़गन मोहन

भायकर श्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जकन श्रिष्ठिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के अधीन सक्षम श्रिष्ठिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाजार पूल्य 25,000/- इपये से अधिक है

- और जिसकी सं० 5-8-512 जब 518-4-47, अबिद रोड हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1982
- को पूर्वोकत सम्पत्ति के उचिन बाजार मूल्य में कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिगत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त्रीवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——
 - (क) प्रश्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रष्ठिः नियम के अधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/मा
 - (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम; 1957 (1957 का 27) के अयोजनावं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में भुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्रीमती पावती अगरवाल, पिता भारत कुमार, 21~1~
 773 से 775, पटेल मारकेट, पत्तरमट्टी, हैदराबाद।
 (अन्तरक)
- 2. डाक्टर अजमत आली खान, पिता इगरतआली खान घर नं० 386/स्पेशल बी०, आगापुरा, हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यहमूचनः बारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के प्रजीत के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

खनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आ**सेप**:=

- (क) इस सूबना के राजात्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (ख) इन सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा प्रधीहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शाप नं० 47, अबिडसं भाषिण मेंटर, चिराण आललेन हैदराबाद विस्तीर्ण 220 चतुर फीट रजिस्ट्रीकृत विलेख 6478/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षमप्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

सारीख: 11-5-1983

प्रमप आइं. टी एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा २५७-६ (1) के अधीन गुचनः

भा त सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदरावाद, दिनांक 11 मई 1933 निदेश सं० आर०ए०सी०नं० 181/83-84--यतः मुझे एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं चिरागआती लेन है, जो हैंदराबाद में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय (हैंदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1903 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) मन्तरण से हुई किसी अय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के ब्नारक के दायित्व में कभी करने या उसने बचने में मृत्रिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध—

- (1) डाक्टर हैदाग्राली कादरी, चिराग ग्राली लेन हैदराबाद। (अन्तरक)
- डाक्टर जाहीर इकबाल, पिता सैय्यद मुजीबुद्दीन मल्ले-पाल्ली, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्मित्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

ड कर्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं; वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

शाप न ० 4, काजानो अपार्टमेंट्स में विस्तीर्ण 276 चतुर फीट रजिस्ट्रीकृत विलेख न ० 6849/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 11-5-1983

मोहर 🔆

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयवार श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद दिनांक 11 मई 1983

सं० आर० ए० मी० नं० 182/83—84——यतः मुझे एम० जगन मोहन,

आयकर श्रिधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अभिनयम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपरित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाटनं ० है, जो मुशीराबाद, है दराबाद में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्विक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एोसे ब्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीज एोसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उड्देश्य से उन्त अन्तरण लिक्ति में जामजिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वन्तने में स्विभा के लिए; और/या
 - (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रसोधनार्थ अन्तरिती ध्वारा पकट वहीं किया गवा था या किया जाना काहिए था, चिपाने में मिना के लिए;

. अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण मो, मी, अवत अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निमालिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- मैसर्स भाष्यानगर विल्डर्स, बैठ केठ बीठ रंगारेड्डी
 1-1-79, आरठ्टी०सी० रोड्स, हैदराबाद।
 (अन्तरक)
- श्रीमती कॅ० सारास्त्रती, पिन के० रागावाराब, 3-6-312/1, हैदरगुडा, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्पाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं ० एम० नं ० 1—1—79, मुशीराबाद, हैदराबाद विस्तीर्ण 535 चसुर फीट, रॉजस्ट्रीकृत विलेख नं ० 6819/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन ं सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज, हैदराबाद

तारीख: 11-5-1983

प्ररूप आर्ड्, टी. एन. एस. ---आयकर ऑरिशनियम,, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-घ (1) के **अधी**न सू**च**ना

भारत स्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 19 मई 1983

निर्देश सं० आई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल/3637—अतः मुझ देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपीत्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि है, तथा जो ग्राम मालनपुर परगना गोहद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गोहद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 21-10-1982 को पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निसिखत उद्वेषस्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की सम्बद उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एमी किसी आय या किसी पन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गण था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अध , उक्त निधिनयम की भारा 269-ग के अनुसरण कों, में, उक्त श्रीभीनयम की भारा 269-ज की उपभारा (1) के अधीन, निम्नतिस्थित व्यक्तियों, अर्थात्:— श्री राम सिंह, महेन्द्र सिंह, पुत्र प्यारे लाल मु० रामकली वेवा तोताराम, मुकेण अंब० ण० नावा० पुत्र तोताराम नावा० संर० रामसिंह पुत्र प्यारेलाल निवासी मालनपुर परगना गोहद (म० प्र०)।

(अन्तरक)

2. श्री हरीण कुमार साहू पुत्र विषयनाथ सिंह 31-ए, नेपेन्सी रोड, बम्बई-6।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्योक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सासे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पृत्रों कत् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति खवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए आ सकोगे।

स्पष्टीक रण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हाँ, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हाँ।

अनुसूची

भूमि रकबा 1.025 है ऋेयर जो कि श्राम मालनपुर परगना गोहद में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षमप्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल गंगोती बिल्डिंग, चौधी मंजिल टी० टी० नगर, भोपाल

तारीख: 19-5-1983

श्रुक्षप् आहे, टी. एवं. एस्.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 19 मई 1983

निर्देश सं० आई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल/3638—-अतः मुझे देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्तर अधिनियमं' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि है, तथा जो ग्राम मालनपुर परगना गोहद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित

है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गोहद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 21-10-1982

को पूर्वोक्स संपित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रसिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में शास्त्री के स्व से क्रियन नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरक वे हुई विस्ती बाय की बाबत उथत किंध-नियम के अधीन कर बोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने रा रससे बचने में मृतिका के लिए; सीर/बा
- (क) एंबी किसी नाम या किसी धन या कन्य आस्तियों को., जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम , 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम , 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

कार: वाब, उपला अधिनियम, की भारा 269-ग के बनुबर्य में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 11—116 G1/83 श्री हुकुम सिंह पुत्र वारेलाल निवासी मालनपुर तहसील गोहद ।

(अन्तरक)

 ग्वालियर पौली पाइप्स लिमिटेड, 1, न्यू खेरापति कालोनी ग्वालियर द्वारा डायरेक्टर हरीण कुमार पुत श्री विण्वनाथ सिंह निवासी 31-ए-नेपे-मी रोड, बम्बई-6। (अन्तरिती)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वोक्त सम्मस्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध् बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाबन की तारी कर्स स् 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पटीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त श्रीपृतियम के अध्याय 20-क में परिभाषितः है, बही वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि रक्षवा 1-316 हैक्टर जो ग्राम भालनपुर तहसील गोहद में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल गंगोती बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टी० टी० नगर, भोपाल

तारीख: 19-5-1983

प्ररूप आहर्षे. टी. एन्. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 19 मई 1983

निदेश सं० आई० ए० सी/ अर्जन /भोपाल/3639~-अतः सुझे, दैवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि है, जो ग्राम मालनपुर परगना गोहद में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गोहद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन , 21-10-1982

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है जार मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्दोदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कुप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुः किसी आय की बाबत, उक्त अधिनिय्म के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) श्रीमती रामवती वेवा कलियान, धर्मवीर, लक्ष्मी नारायाण पुत्र कलियान, निवासी मालनपुर जिला भिण्ड (म० प्र०)

(अन्तरक)

(2) श्री काजल एक्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटेंड द्वारों डायरैक्टर हरिबाबू पुत्र विश्वनाथ सिंह निवासी 31-ए० नेपेन्सी रोड बस्बई -6।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हां।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समस्य होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मर्कों ।

स्थाकिरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि रकवा 2.100 हैक्टर जो कि ग्राम मालनपुर तह० गोहद में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल गंगोत्नी बिल्डिंग, चौथी मन्जिल, टी० टी० नगर, भोपाल

तारी**ख**: 19-5-1983

मोहर ः

प्ररूप आह्र. टी. एन. एस., ------

माथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनाक 19 मई 1933

निर्देश सं० आई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल/3640—अतः मुझे देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-. ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित जिसका उचित् बाजार मूल्य 25,000/- कि. से अधिक है

और जिसकी मंख्या भवन कमांक 80 है, तथा जो वार्ड कमांक 6 रामबाग, कालौनी शिन्देकी छावनी लक्ष्कर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सितम्बर 1982.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का कन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पावा णवा प्रतिक फल निम्नीनिवत उद्देषय से उचत बंतरण निवित्त में वास्तिक क्य से काँधत नहीं किया ग्या है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत छवत विधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए और/का
- (व) एसी किसी बाब या किसी धन वा बन्य वास्तिवों की, चिन्हों भारतीय जायकर मीधीनयज्ञ , 1922 (1922 का 11) या उक्त वृधिनियज्ञ , या धन- कर जीधीनयज्ञ , 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सूत्रिधा के सिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:-- 1. श्रीमती कमला देवी पत्नी श्री कुष्णदस शर्मा निवासी तारागंज लश्कर, खालियर।

(अन्तरक)

2. श्री जीवनदास खटौड़ पुत्र विट्ठलदास खटौड़ निवासी पारख जी का बाड़ा लग्कर, ग्वालियर (म० प्र०)।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारर करके पूर्वीक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से
 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भवन कमांक 80 वार्ड कमांक 6 स्थित रामवाग कालौनी, शिन्देकी छावनी लक्कर ग्वालियर (म०प्र०)।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक) अर्जन रेंज, भोपाल गंगोत्री बिस्डिंग, चौदी मंजिल टी० टी० नगर, भोपाल

तारी**ख**: 19-5-1983

मोहर 🗓

प्ररूप बाई.दी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-म (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निर्शेक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनाक 19 मई 1983

निर्देश संख्या आई० ए० सी० /अर्जन/भोपाल/3641—अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या सम्पत्ति नं ० नि० नम्बर 42/385 है, तथा जो लाला का बाजार लक्ष्कर ग्वालियर में स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 18 नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे धश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उव्देश्य से उक्त अंतरण लिखित बे बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) बन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, स्थृति :— प्रभूदास पुत्र निहाल चन्द निवासी लाला का बाजार, लश्कर ग्वालियर।

(अन्तरक)

 श्रीमती जानकी देवी पत्नी निहालचन्द निवासी लाला का बाजार, लश्कर ग्वालियर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भूजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

सम्पत्ति स्थित लाला का बाजार लक्ष्कर-प्यालियर नि० न० 42/385।

> वेवीप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल टी० टी० नगर भोपाल

तारी**ख**: 19 मई, 1983

महिरु 🖫

प्ररूप बाइरे. टी. एन. एस. +------

बायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के मुभीन सूचना

भारत सुरकारु

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 मई 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी० अर्जन /भोपाल/3586—यतः मझे देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्सास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि ख० नं० 382है, तथा जो ग्राम पिगडम्बर तह० महू में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय महू में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन , 21-9-1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल. निम्नलिखित उच्द श्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामिल्य में कभी अपने या उपने सबने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या कन्म कास्तिकों का जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) स्ते अक्षेपनार्थ अन्तिरती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुसिधा के लिए;

अतः नव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीसिंशत व्यक्तियों, अभीत् ः—

(1)श्री रतनलाल पिशा मांगीलालजी कुलमी, निवासी ग्राम राऊ तह० व जिला इंदौर

(अन्तरक)

(2) मेसर्स वैभव लेण्ड डेवलपमेन्ट कंपनी, भागीदार फर्म 24/5, लंध्मी बाई नगर, किला मैदान, इंदौर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत संपत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हैं।

जनत सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीत सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवपुध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात् लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्योकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहु अर्थ होगा जो उस अध्याय में विसा गसा है।

अनुसूची

भूमि खसरा नं० 382, ग्राम पिगडम्बर तह० महू जिला इंदौर में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल गंगोत्री विल्डिंग, चौयी मंजिल टी० टी० नगर, भोपाल

तारी**च** :-3-5-1983 मोहर: प्ररूप नाइ. दी. एन्. एस्. - - - - --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अजंन रेंज, भोपाल

भोपाल दिनांक 3 मई 1983

निर्देश सं० आई० ए० मी० /अर्जन/भोपाल/ 3587---यतः मुझे देवप्रिय पन्न

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट तंबर 363 है, तथा जो इंदौर विकास प्राधिकरण स्कीम नं० 44 में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय , इदौर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) कें अधीन, 18 सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह्म प्रतिग्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नितिश्वित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुर्द्ध िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आहे/या
- (स) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्ता अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विभा के लिए:

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिस्ति व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) श्री हरमेंदर सिंह पिता श्री संतोष सिंह होरा, निवासी पूनम कोआपरेटिव्ह हाउसिंग सोसायटी, 4/2, गंजी कंपाउंड, इंदौर

(अन्तरक)

(2) श्री इकबाल सिंह पिता श्री दर्शनसिंहजीं निवासी – 6 ए प्रेमनगर कालोनी, इंदौर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारीं करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ज अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

अनुसूची

प्लाट नं० 363, इंदौर विकास प्राधिकरण, स्कीम नंबर 44, इंदौर में स्थित है ।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल गंगोस्री बिल्डिंग, चौथी मन्जिल, टी० डी० नगर, भोपाल

तारीख : 3-5-1983

मोहर 🛭

प्ररूप आई० टी० एन० एस० अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन सुबना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 मई, 1983

निर्नेश मं० आई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/3588---श्रतः मुक्को देवप्रियपन्त

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट नम्बर 365 व उस पर बना हुआ गैरज, तथा जो खासीचला टैंक पर स्कीम नं० 44, इंबौर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन 16 सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दर्यमान प्रतिफल से एसे दर्यमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निखित के यस्तिक रूप से किया ग्या है:~~

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्तः अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

- श्री प्रकाश पिता श्री गुलाबराय रामचंद्रामी
 िवासी- मृ० नं० 70 लाडकाना नगर, इंदौर।
 (अन्तरक)
- श्री रवीन्द्र सिंह पिता श्री दर्शन सिंह निवासी-भ० नं० ६ ए प्रेम नगर इंटौर।

(अन्तरिती)

कौ यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के वर्जन के कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्सि के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नापील से 30 दिन की अविध अरे भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भौतर पृषांबल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बदारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

प्लाट नम्बर 365 व उस पर बना हुआ गैरेज, खाती वाला टैक, 'स्कीम नं ० 44 इंदौर में स्थित है ।

> देशप्रिय पन्त सक्ष म प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल टी० टी० नगर, भोपाल ।

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीष, निम्नीसिश्वस व्यक्तियों, अधीस्ः---

तारीख: 3 मई, 1983

प्ररूप, भार्द, दी, एन्, एस, -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्शेक्षण) अर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 मई 1983 आई० ए० सी०/अर्जन /भोपाल/3589---य

सं० आई० ए० सी०/अर्जन /भोपाल/3589---यत :मुझे देव प्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

अरेर जिसकी सं० प्लाट नंबर आर-356 व उसमें निर्मित ग्यारेज है, तथा जो इंदौर विकास प्राधिकरण योजना नंबर 44 (खातीवाला टैंक) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता, अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1982 को पूर्वीक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम केंद्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके एर्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) बंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, मुन्निसिश्वर स्थिताओं, सुर्भातः ३--

- (1) श्री नरेन्द्र कुमार खन्ना पिता श्री तेजमानजी खन्ना , निवासी -27, सियागंज इंदौर (अन्तरक)
- (2) श्री अवतार सिंह पिता दर्शन सिंह निवासी -- 6 ए० प्रेमनगर, इंदौर. (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नंबर आर-356 व उस पर निर्मित अपूर्ण ग्यारेज, इंदौर विकास प्राधिकरण की योजना क्रमांक 44 (खालीवाला टैंक) इन्दौर में स्थित है

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 4-5-1983

मोह्यर 🛭

प्ररूप आहु . टी . एन . एस . -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 26 मार्च 1983

सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3590—यतः मुझे देव प्रिय पन्त

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि सर्ये नं० 83, 84/2 है, तथा जो गलझने, धामनोद में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, धरमपुरी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिन, 2 सितम्बर 1982

को पूर्विकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्मलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखिल में सांस्तृतिक रूप से कियान नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरक से इन्हें किसी बाय करी बायत, छन्त बिधनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे ब्यने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--12-116GI/83

(1) श्री 1. बालू पिता नारायण 2. चम्पालाल पिता सीताराम 3. ओकार पिता सीताराम 4. दगड़ी बाई बि॰ तुलसीराम 5. भगवान पिता जगनाथ 6. नत्थू पिता जगनाथ 7. राधेश्याम पिता जगनाथ 9. गेंदा बाई बि॰ जगनाथ पाटीदार गुलक्करा पो० धामनोद

·(अन्तरक)

(2) मेसर्स शेलेन्द्र काटन जिनीत्ग एण्ड प्रेसित्ग फेक्टरी धामनोद जिला धार तरफें भागीदार शेलेन्द्र क्रुमार अग्रवाल इंदौर साउथ तुकोगंज, इंदौर. (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उबत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में को है भी काक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तरमंबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त स्थानित में से किसी व्यक्ति व्यक्ति हो।
- (श) इस सृपना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
 क्स लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीक रण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे नंबर 83, 84/2, गुलक्सरे, धामनोद में स्थित हैं ।

देवप्रिय पन्त सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 26-3-1983

मोहर 🖫

प्ररूप आह. टी. एन. एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपल, दिनांक 26 भन्नैल 1983

सं० आई० ए० सी० /अर्जन/भोपाल/3591---यतः मुझे देवप्रिय पन्त

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ह के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या भूमि ख० नं० 83 है, तथा जो गुलझरे धामनोद में स्थित है (और इससे उपाधक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, धरमपुरी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 2 सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिद्यत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ष्) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए

अतः अर्ब उकः। अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मूर्के, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन ,निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1)श्री रामेश्वर पिता कन्हैयालाल 2. मुरलीघर पिता रामेश्वर 3. विष्णु प्रसाद पिता रामेश्वर आदि, निवासी धामनोद, जिला धार.

(अन्तरक)

(2) श्री शेलन्द काटन जिनीन्ग धामरनोद, 4 साज्थ तुकीगंज, इंदौर

(अन्तरिती)

को यह सुधना जारी करके पूर्वोक्स सम्मिति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

भूमि खा नं 83 गुलक्षरे धामनोद में स्थित हैं।

वेवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 26-4-1983

प्ररूपः आर्डः टी. एनः एसः -----आयकर अधिनियमः, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष् (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण).

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनाक 4 मई 1983

सं० आई० ए० सी०/ अर्जन/भोपाल/ 3592—यतः मुझे देवप्रिय पन्त

भायकर भ्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि ख ० नं० 87/2 है, तथा जो ग्राम बिलावली में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देवास में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूप्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से, ऐसे रूप्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के जिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्कत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह— (1) श्री जगन्नाथ पिता चैनसिंह, निवासी ग्राम बिलावली,

(अन्तरक)

(2) श्री जगदीश पिता लक्ष्मणजी चौहान, निवासी-58 खारी बावड़ी, मोहल्ला देवास, (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तिस्यों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की टारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, को अभ्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि खा नंबर 87/2, ग्राम बिलावजी में स्थित है।

देवप्रिय पस्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 4-5-1983

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस.-----

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

क्सर्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निर्नेक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 मई 1983

सं० आई० ए० सी०/ अर्जन/भोपाल/ 3593——यतः मुझे देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि खं० नं० 87/2 है, तथा जो ग्राम बिलावली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देवास में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण से लिए तय गया गया प्रतिफल निम्निचित उद्वेष्य से उक्त अंतरण किवित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अनुसरण से हुई किसी आब की बाबत, उक्स बिधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भूषीत् ः— (1) श्री हिरासिंग 2. बापूर्सिंग पिता चैनसिंह निवासी--ग्राम बिलावली, तह० देवास ।

(अन्तरक)

(2) श्री जगदीश पिता लक्ष्मणजी निवासी--58, खारी बाबड़ी, तह० देवास । (अन्तरिती)

को गृह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति इ्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु , वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ख॰ नं॰ 87/2, ग्राम बिलावली तह॰ देवास में स्थित हैं ।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 4-5-1983

प्ररूप आहर्. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 26 अप्रैल, 1983

निर्देश सं० भ्राई०ए०मी०/अर्जन/भोषाल/३५९४---यतः मुझे देवप्रिय पन्त

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ख्र० नं० 87/2 है तथा जो ग्राम बिलावली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देवास में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य,, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निय्नलिखित व्यक्तियों, अर्थांह् ४-- मोहर:

- 1. श्री 1. जगन्नाथ
 - 2. हिरासिंग
 - 3 बापूर्सिह पिता चैनसिह

निवामी---ग्राम बिलावली, तहसील देवास ।

(अन्तरक)

 श्री जगदीश पिता लक्ष्मणजी चौहान निवासी—-58 खारी वावड़ी, मोहिल्ला देवास ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित मों किए जा सकींगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही कर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि ख॰ नम्बर 87/2, ग्राम बिलावली में स्थित है ।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीखा: 26-4-1983

प्ररूप नाइ.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) को अधीन सुभान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 मई 1983

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3595---अतः मुझे देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदयस करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या मकान नं० 120 है तथा जो बिहारीलाल मार्ग, (श्रीमालीवास) रतलाम में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वॉणत हैं) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय रतलाम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 6 सितम्बर 1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्बेद्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दामित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के निष्

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्दिलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :— श्री लक्ष्मीकान्त तिवेदी पिता श्री गनेशीलाल तिवेदी, निवासी~19 महारानी रोड़, इंदौर ।

(अन्तरक)

 श्रीमती रामप्यारी बाई 2. बासंती बाई पत्नी श्री मांगीलालजी, निवासी—120, बिहारीलाल मार्ग (श्रीमालीवास) रतलाम। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्दा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्याध्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नंबर 120, बिहारीलाल मार्ग (श्रीमालीवास) रतलाम में स्थित है।

> वेवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 4-5-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक,र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भीपाल, दिनांक 3 मई 1983

निर्देश सं० आई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल/3596—अतः वेवप्रिय पंत

भायकर प्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधितियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या ज्लाट नंबर 22 पर बना एक मकान है तथा जो बुरहानपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बरहानपुर, में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 22 सितम्बर 1982

को प्रांचित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य उसके रृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

- श्री ह।जी मोहम्मद सला उद्दीन वा मोहम्मद अलाउद्दीन उर्फ ओलिय। साहेब, निवासी—शानकाह बुरहानपुर । (अन्तरक)
- श्री बाब्भाई वा अम्बालाल पटल, निवासी—-रनोली, जिला बडौदा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बच्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

एक मंजिला पक्का मकान, न्लाक नंबर 31, प्लाट नंबर 22 वार्ड नं० 23 पर बना हुआ है। खानकाह बरहानपुर जिला बुरहान-पुर में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्स सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः---

तारीखा: 3-5-1983

मोहर ;

प्ररूप आई. टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 मई 1983

निर्देश सं० आई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल/3597—अतः मुझे देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 19'61 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या प्लाट, शीट नंबर 10, सर्वे नंबर 472, शीट नंबर 20/1 है, जो सदर बाजार, धमतरी में स्थित है (और इससे उपाबब अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, धमतरी में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 30-9-1982 को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंचह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति- कल निम्नलिसिन उच्च स्था में उकत अन्तरण निस्तित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उनत अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के रामित्व में कभी करने या उससे अपने में सुविभा के लिए; बार्डिया
 - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

श्री प्रताप कोठारी आत्मज गंग।राम
 बास मु० बास्ते जमनादाम पिता खीमजी
 मालिक खीमजी नागजी एण्ड कंपनी
 बम्बई हाल मुकाम मोटर स्टेन्ड वार्ड,
 धमतरी।

(अन्तरक)

 श्री किशोर कुमार पिता सुगनमल
 शांतिलाल पिता सुगनमल अज्ञान पालक वली पिता सुगनामल वल्द वसुमल जस्जा, मोटर वस स्टेन्ड वार्ड, धमतरी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवां क्त सम्पृत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सा से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जे भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मोरत में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्युष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, वा छच्छ अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट, शीट नंबर 10, सर्वे नंबर 472. शिट नंबर 20/1, सदर बाजार, धमतरी में स्थित हैं।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी निरीक्षक सहायक आयकर आयुक्त [अर्जन रेंज, भोपाल

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख: 4-5-1983

मोहरः

प्रकथ नाइ . टी . एन . एस . -----

नायक<u>र ज्रिप्तियम्, 1961 (1961 का 43) की</u> पारा 269-प (1) के अभीन सूचना

शारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन ऐंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 3 मई 1983

निर्देश संख्या आई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल/3598--अतः मुझे देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीव सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट, शीट नम्बर 10, सर्वे नंबर 572, शीट नंबर 20/1 है, तथा जो सदर बाजार धमतरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, धमत्तरी जिला रायपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर 1982

को पृषेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कल, निम्मलिचित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिचित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उच्कत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (श) ऐसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के हवोचनार्थ अन्तरिती वृवारा प्रकट नहीं किया गवा था वा किवा जाना चाहिए था स्थिनाने में सुविधा के लिए;

अतः लब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निणिति व्यक्तिमों, वर्धात् :--- शि प्रताप कोठारी पिता गंगाराम कोठारी निवासी—मकेश्वर पारा वार्ड धमसरी वास्ते खास मुखत्यार श्री जमनादास पिता खीमजी पार्टनर मैंसर्स खीमजी नागजी एंड कंपनी बम्बई हाल निवासी—सदर बाजार, धमतरी।

(अन्तरक)

 श्री भीमनदास पिता गेहीमल सिन्धी निवासी—रिसाईपारा, धमतरी ।

(अन्सरिती)

स्त्रे यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की अवधि या तत्सं वंधी व्यक्तियों पर स्वना की तासील से 30 दिन की अवित्र, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिचित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

जन्सूची

प्लाट, शीट नंबर 10, सर्वे नंबर 572, शीट नंबर 20/1, सदर बाजार, धमतरी में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल गंगोन्नी बिल्डिंग, चौथी मंजिल टी० टी० नगर, भोपाल

सारीख: 3-5-1983

प्ररूप आहें. दी. एन. एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 3 मई 1983

निर्वेश सं० आई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल/3599—-श्रतः मुझे वैवप्रिय पन्त

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जिवत बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या खुला प्लाट, खसरा तंबर 80/8 का टुकड़ा है, तथा जो ग्राम पिठियाझर तहसील, महासमुन्द में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, महासमुन्द में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिमितियम के अधीन कर देने के अंतरक कें दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य गास्तियों का), जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपानं में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नु लिखित व्यक्तियाँ, अधीतः—

- 1. श्री 1. गोवर्धन बल्द नारायण
 - राजकुंवर बंबा नारायण चन्द्राकर निवासी पठियाझर तहसील महासमुन्द ।

(अन्तरक)

2. श्री फर्म खेमराज नेमीचंद श्री श्रीमाल एंड कंपनी निवासी—-गांधी चौक महासमुन्द तहसील महासमुन्द जिला रायपुर ।

(अन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपर्ति के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

खुला प्लाट, खसरा नंबर 80/8, का टुकड़ा ग्राम पिठियाझर तहसील महासमुन्द जिला रायपुर में स्थित है।

> वेत्रप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, भोपाल गंगोती बिल्डिंग, चौथी मं जिल टी॰ टी॰ नगर, भोपाल

तारीख: 3-5-1983

प्ररूप आहे. टी. एन्. एस्.------

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बुधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 मई, 1983

निर्वेश सं० आई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल/3600---अतः मुझे देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- य के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि खं नंबर 80/8 का दुकड़ा खुला प्लाट है, तथा जो ग्राम पिठयाझर तहसील महासमुन्द में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, महासमुन्द में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, 3 सितम्बर, 1982

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सांपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजमार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिजाने में सुविधा के लिए।

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. श्री 1. गोंवर्धन वल्द नारायण
 - राजकुवर बेवा नारायण चन्द्राकर निवासी पठियाझर तहसील महासभुन्द जिला रायपुर ।

(अन्तरक)

2. फर्म खमराज नेमी बंद श्री श्रीपाल एंड कंपनी निवासी-गांधी चौक महासमुन्द जिला रायपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि खं० नंबर 80/8 का दुकड़ा, खुला प्लाट, ग्राम पिठियाझर तहसील महासमुन्द जिला रायपुर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, भौथीं मंजिल टीं० टीं० नगर, भोपाल

तारीख : 3-5-1983

भ्यम् आहे हो एक एक , ------

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीत सुचना

MILL TIME

कार्यालय सहायक जायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 3 मई 1983

निर्देश सं० आई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल/ 3601—-श्रतः मुझे, वेयप्रिय पन्त,

बावकर विश्विष्यन्त 1961 (1961 का 43) (किये इचर्में इसके पश्चाद् 'उक्त विभिन्नियम्' कहा पना है) की भाउा 269-क के बभीन सक्षम् प्राधिकारों को यह दिख्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. सं अधिक है

और जिसकी सं० भूमि खंसरा नं० 190/1 का भाग प्लाट नंबर 4 है, तथा जो पंड़री तराई, रायपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1982

को पृशांकत संपरित के उचित शाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिकल के सिए अन्तरित की गई है और मुम्हें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संवरित का उचित शाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिकल से, एसे ध्रयमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरितयों के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्वर्ष से उक्त अन्तरण निष्ठित में वास्तिषक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किथी नाम की बाबत, उक्त अभिनिय्त के अभीन कर दोने के बन्तरक के वायित्व में कभी कप्रने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सृत्रिभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निस्नुनित्धित व्यक्तियों, अधीत्ः--- श्री कृष्ण लाल भसीन बल्व सेवकराम भसीन, बंगलौर द्वारा मु० आम चन्द्र प्रकाश टंडन निवासी—कंकालीपारा, रायपूर ।

(अन्तरक)

2. श्री मंगल शाह बल्द अमरनाथ सोनी, निवासी कंकालीपारा, रायपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जनु के हिल्ए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन् को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित्र व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विम के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए का सकोंगे।

स्वच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

भूमि खं ० नंबर 190/1, का भाग प्लाट नंबर 4, मौजा पंड़री तराई, रायपुर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल गंगोद्गी बिल्डिंग, भोषी मंजिल टी टी॰ नगर, भोपाल

दिनांक: 3 मई, 1983-

मोह्यर 🗧

प्रकार आहे । ठी । एन । प्रन ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 3 मई 1983

निर्देश सं० आई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल/3602---श्रतः मुझे देवप्रिय पन्त,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रिक्षिट है

और जिसकी संख्या प्लाट नंबर 41, 40/2, 42 है, तथा जो मसानगंज, बिलासपुर में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बिलासपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 27 सितम्बर, 1982

को पूर्वा क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान पतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि युधापूर्वोक्त संपत्ति का उचित् बाजार मृत्य; उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रमह प्रतिशत से प्रमिक्त है पौर मन्तरक (प्रम्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से वृर् किसी अस्य की बाबत उत्तर अधिनियम के प्रधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने वा असे बचने में सुविचा के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अभ्य आहितयों को जिन्हें भारतीय धायकर श्रिष्ठित्यम, 1922 (192? का 11) या उन्त अक्रिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, श्रियाने में सुविधा के बिए।

अतः सम, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरम में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :-- श्री ई० रामेन्द्रराव आत्मज स्व० श्री ई० नागेरन्द्रराव निवासी; गोड़पारा बिलासपुर ।

(अन्सरक)

 श्री योगेश प्रताप सिंह आत्मज स्व० श्री चन्द्रभूषण सिंह निवासी—मसानगंज, बिलासपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए, कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप अ---

- (क) इस मूचना के राजपन्न में प्रकासन की तारीक से 45 दिन कीं अवधि वा तस्त्रकारणी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो की श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी अय्यित द्वादा;
- (अप) इस मूजना के राज्यक्ष में प्रकाशन की सारीआ १ 45 दिन के भीतद अक्स स्थायर सम्पत्ति में हित्तव के किसी अभ्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोष्ठक्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्धीकरण :—हसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

प्लाट नंबर 40/2, 41, 42, मसानगंज बिलासपुर में स्थित।

देवप्रिय पन्स सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल गंगोन्नी बिस्डिंग, चौथी मंजिल टी० टी० नगर, भोपाल

तारीख: 3 मई 1983

मोह्यर :

प्ररूप वाही. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वा

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक ackprime 3 मई 1983

निर्देश सं० आई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल/3603---यतः मुझे देवप्रिय पन्त,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पृश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गृया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि खंसरा नंबर 1374/1 है, तथा जो दुर्ग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुर्ग में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 29 सितम्बर, 1982

को पूर्वीक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत,, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने से सुविधा के सिष्; और/बा
- (क) एसी किसी आयं वा किसी धन सा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयं-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिन्धित व्यक्तियों, अर्थात् :--

श्री न्यास श्री लक्ष्मी नारायण महाराज किला
मंदिर दुर्ग द्वारा श्री विनोद कुमार अग्रवाल।
(अन्तरक)

श्री जगतपाल आत्मज हरनारायण सिंह,
 दुर्ग ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत संपृत्ति के बर्जन के बिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हि बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगी।

स्पष्टोकरण:-इतमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसके अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि खसरा नंबर 1374/1, दुर्ग में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल गंगोती बिल्डिंग, चौथी मंजिल टीं० टीं० नगर, भोपाल।

दिनांक 3 मई, 1983 मोहर ः। प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपास, दिनांक 4 मई 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन भोपाल/3604—यतः मुझे देवप्रिय पन्त,

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रुट. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि खंसरा नंबर 1373/1, 1374/1 है, तथा जो दुर्ग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुर्ग में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 29 सितम्बर, 1982

को पूर्विकत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वार्षित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ∷—— श्री न्यास श्री लक्ष्मी नारायण महाराज निवासी——िकला मंदिर दुर्ग द्वारा विनोद कुमार अग्रवाल ।

(अन्तरक)

 श्रीमती कमला बाईजी पत्नी श्री मश्रूलाल निवासी—-दुर्ग ।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की जबिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविश्व, जो भी अविश्व बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सक्तें।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मनसूची

भूमि खसरा नंबर 1373/1, 1374/1, पुर्ग में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्चन रेंज, भोपाल गंगोद्गी बिल्डिंग चौथी मंजिल टीं० टी० नगर, भोपाल

दिनांक: 4 मई 1983

मक्य वार्षः टी. एन. एस.--

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 मई 1983

निर्देश सं० आई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल/3605—अतः ्मुझे वेवप्रिय पन्त

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' महा यदा है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, वह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिवस्त उचित् वाचार मृन्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि खंसरा नंबर 1374/1 है, तथा जो बुर्ग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बुर्ग में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, 25 सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापृष्टीक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्थ से कृष्तृ मृहीं किया ग्वा है हि—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्ते बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या बस्य बास्तियों करो, जिन्हों भारतीय बायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बाँधनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

जतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाल् :--- श्री न्यास श्री लक्ष्मी नारायण महाराज किला मंदिर दुर्ग द्वारा प्रधान न्यास श्री विनोद अग्रवाल। (अन्तरक)

 श्री उस्मान गनी पिता मोहम्मव उमर दुर्ग ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त तस्पति के अर्थन के सम्बन्ध में काई भी बाक्षेपं:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अयिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत ध्रिक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उसते स्थावर संपत्ति में हित-वर्ध किसी अन्य व्यक्ति ह्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीक स्णः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभीनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह⁶।

मनून्यी

भूमि खसरा नंबर 1374/1, दुर्ग में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल गंगोली बिस्डिंग, चौथी मंजिल, टी॰ टी॰ नगर, भोपाल

दिनांक: 3 मई 1983

मोहर 🙄

प्ररूप मार्ड, टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 मई 1983

निर्देश मं० आई० ए० मी०/अर्जन/भोपाल/3606:--अत: मुझे देव प्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

आर जिसकी सं० प्लाट खसरा नंबर 438/29 एवम मकान। है, तथा जो पंडरी तराई जिला रायपुरी में

स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 3 सितम्बर, 1982

को प्वोंक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उव्योदय से उक्त अन्तरण निम्नित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की वावस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिकित व्यक्तियों, अधीत :---

- (1) श्री राम मनोहर लाल पिता राम स्वृह्य लाल मु॰ ग्राम श्री भजनलाल पिता राममनोहर लाल निवासी गांतिनगर, रायपुर (अन्तरक)
- (2) श्री अर्जन कुमार पिता नेमामल वगैरह निवासी----जवाहर नगर, रायपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों कर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति वृतारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया, गया है।

अम्सूची

प्लाट (खासरा नम्बर 438/29) एवं मकान पंडरी तराई, रायपुर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीखा : 3-5-1983

प्ररूप माई० टी॰ एन॰ एस॰-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा-269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत् सरुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 मई 1983

निर्देश सं. आई० ए० सीं०/अर्जन/भोपाल/3607---यतः, मुझे देवप्रिय पन्त भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उन्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 26)-ख के अधीन तक्षम प्राधिकारी की यह विषयात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका बचित बाबार भृत्य 25,000/- रु॰ से भिधिक जिसकी सं० मकान नंबर 2181 है तथा जो सुभाष नगर राईए टाउन वार्ड जेबलपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कार्यालय जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारोख सितम्बर 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार बुक्य से कम के बुश्यकान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रीक्त सम्पत्ति का **छचित बाजार** मुस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐते दृश्य प्रत प्रतिफल का पर्वह प्रतिवात से मधिक है और अन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरिती ·(भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पामा गयः प्रतिफल, निम्निसिबन उद्देश्य म उद्दत भ्रन्तरण लिखिन में बास्तवित रूप से कथित नदी किया गया है।---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी जन या अध्य आस्ति। को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्ररोजनार्थ अस्तरिती कारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविज्ञा के सिए

 श्रीमती विवेणी बाई वेवा प्रेम नारायण सक्मेना मकान नम्बर 2181, राईट टाउन जबलपुर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती गैंन कुमारी जोजे रबीशचन्द्र अग्रवाल. निवासी—-237 नेपियर टाउन, जबलपुर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोह भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचनाके राज्यत्व में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 दिन की घवधि, जो भी घवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति च्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिसित में किए जा सकोंगे।

स्वश्वीकरण : --इसमें प्रयुक्त सकतें और पदों का, यो उनते अधितयम के मध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, वो उन्न अध्याप में विया गया है।

अनुसूची

मकान नम्बर 2181, शीट नम्बर 153 सी, प्लाट नम्बर 500 का प्लाट नम्बर 71, मुभाय नगर,राईट टाउन वार्ड, जबलपुर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, भोपाल

मतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण म, में, उक्त अधिनियम की धारा 260-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:—

नारीखा: 6-5-1983

प्ररूप पाई • टी • एन • एस •----

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 6 म**ई** 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3608—-ग्रतः मझे, देवप्रिय पन्त,

भाय तर प्रजितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात (उपत प्रजितियम) कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रजीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- दं से प्रक्षिक है

और जिसकी सं० मकान नम्बर 844 ब्लाक नम्बर 3, प्लाट नम्बर 9 है तथा जो नार्थ सिविल लाइन्स, जबलपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूपने वर्णित है): रजिस्ट्री-न्ती अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1982

को पूर्वीक्स संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल सं, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निलिख में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) लम्बरण में दूर्झ किसी आग की वाक्च उक्च अधि-निसम ने प्रधीन कर देने के इस्तरक के दायित्व में कमी रुरो या उसने बचो में मुक्तिश के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किमो आय या किसी यन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर श्रीस्तियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीप्रतियम, या धन कर श्रीप्रतियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए बा, खिपान में सुविधा के लिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— श्री ई० पी० ओ० छुळले सुलेवान पिता स्व० श्री ओ० सो० पिन्टो मकान नम्बर 844 नार्थ सिविल लाइन्स, जबलपुर ।

(अन्तरक)

 कैथोलिक चर्च जो कि डियोसेसन कार्पोरेशन जबलपुर के नाम तथा प्रकार में इन कारपोरेटेड है द्वारा विणर्प थियोफेन ओ० पारेम पुत्र श्री चाकू निवासी— जबलपुर ।

(अन्तरिती)

को यह मूजना आरी करक पूर्वीका सम्पत्ति के धर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचन। के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य श्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षणी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--(वर्षे प्रयुक्त जन्दा भीर नदी का, जो उन्त प्रधिनयम के श्रष्टवाय 20-क में परिभाषित है, वहीं अब होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नम्बर 844, ब्लाक नम्बर 3 प्लाट नम्बर 9, नार्थ सिविल लाइन्स, जबलपुर ।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 6-5-1983

प्रकृप नाहाँ, टी. एन. एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 26 - भारा 26

नारतं सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोषाल

अजन रज, भाषाल भौपाल, दिनांक 6 मई 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3609—अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उपित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं म्युनिसिपल नम्बर 42 है तथा जो नेताजी सुभाष मार्ग, इन्दौर में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1982

- को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया मया प्रतिफल, निम्नलिक्ति उद्योग्य से उक्त अंतरण लिक्कि में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---
 - (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बीधीनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और या
 - (क) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था किया में सुविधा के लिए;

 श्री कृष्णा पिता शंकर निवासी---200/सी राजेन्द्र नगर, इन्दौर ।

(अन्तरक)

 (1) प्रेमचन्द पिता मोतीलाल
 (2) श्रीमती यणोदाबाई पत्नी प्रेमचन्द निवासी—20, भोई मोहल्ला, इन्दौर

(अन्तरिती)

3. श्रीमती धदवाई वाले 42, नेताजी सुभाष मार्ग, इन्दौर। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह सूचना पारम्क रके पूर्वांक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुए।

जबत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्प्रकाकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

म्युनिसिपल नम्बर 42, नेताजी सुभाष मार्ग, इन्दौर में स्थित मकान ।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ज की उपभारा (1)

🖷 जभीन्, निम्निचित्त व्यक्तियों, जर्थात् :---

मारीख: 6-5-1983

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मृ (1) के अधीन सूचना

भारत स्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 मई 1983

निदेश सं० आई० ए० मी०/अर्जन/भोपाल/3610—श्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रापए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 260 है, तथा जो श्रीनगर एक्टेंशन कालोनी, इंदौर में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची सें और पूर्ण रूप में विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की आंकत उन्तर अधि-नियम के अभीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अत: अव, उस्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मीं, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अभीन, निम्नलिखित स्मन्तियों, न्यांत:— श्री राजेश सरदारो लाल खन्ना, निवासी 33, प्लाउडन रोड, महू।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री रामचन्द सोहन लाल
 - 2. गीता देवी' सोहन लाल
 - कलावती देवी शिवरतन, निवासी 27/1, शंकर बाग कालोनी, इंदौर ।

(अन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ए---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी वा से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य स्थावल द्वारा स्थाहस्ताक्षरी के शास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उन् अध्याय में दिया गमा है।

अनुसूची

प्लाट नं० 260, श्रीनगर कालोनी, इंदौर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोषाल

नारीख : 6-5-1983

भोहर :

प्ररूप आइ. टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 - प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोषाल

भोपाल, दिनांक 6 मई 1983

निदेश सं० आई० ए० सी'०/अर्जन/भोपाल/3611—अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 261 हैं, तथा जो श्रीनगर एक्टेंगन कालोनी, इंदौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसुची में और पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 24 सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) 'और अंतरिती (अन्तरितिया) के बींच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीत कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आफितथों जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के नित्ए;

जतः जब, उत्तर अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती नीरा खन्ना पित राजेश, निवासी 33, प्लाउड़न, रोड, महू।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्रीमती चन्दा देवी
 - 2. रमेश कुमार सोहन लाल
 - भगवान मोहन लाल निवासी 27/1, शंकर बाग कालोनी, इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जकत संपत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 261, श्रीनगर एक्सटेंशन कालोनी, इंदौर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 6-5-1983

मोहर ध

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 मई 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/ 3612--अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 29 है, तथा जो संविद नगर, साकेत रोड, इंदौर में स्थित है (और इससे ज्याबद्ध अनुसूर्चा में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1 सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विववास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीध एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शाबता, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या जससे बचने में सृविधा के लिए और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की. जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री बी० गणेशत,
 निवार्सः 29/4,
 संविद नगर,
 सांकेत रोड,
 इंदौर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती चन्द्रावलमूदश पत्नी स्व० श्री बद्री नीरायण मूंदश, 2. श्रीमती कममलता पत्नी

 श्रीमती कुसुमलता पत्नी श्री ईश्वर मूंदड़ा, निवासी 87, कैनाण पार्क, इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यां का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

मकान नं० 29. संविद नगर, साकेत रोड, इंदौर में स्थित ़ है ।

> देवप्रिय पन्त मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

नारीख : 6-5-1983

मोहर 🖫

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस.-----

स्रायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत संरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 मई 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3613—अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 23 है तथा जो प्रिस यगवन्त रोड, इंदौर में स्थित है 'और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1 सितम्बर, 1982

को पूर्वोकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंन्यह प्रतिशत से अध्यक्ष है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उव्वदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त्-विक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए-और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1१) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, वा धन कर अधिनियम, वा धन कर अधिनियम, वा धन कर वहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती माधुरी पति कमन चुग, निवासी 87 विवेणी कालोनी, इंदौर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती नर्वानदबाई पति बंसीलालजी, निवासी 23, प्रिस यशवन्त रोड कालोनी, इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृषांकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई मा बाक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि । बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधीह स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं॰ 23, प्रिस यशवन्त रोड, कालोनी इंदौर में स्थित है (एक भाग) ।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

अतः अवः, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, जक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख : 6-5-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 मई 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3614-- ग्रतः मुझे, देवप्रियउपन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. सं अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 307 है, तथा जो विष्णुपुरी एनेक्स कालोनी, इंबीर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदीर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2 सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूक्षे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंचह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्त्यिक रूप से कथित नहीं कवा गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त जिमित्रम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्थ में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां करे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिमान में मृत्रिधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——
15—116GI/83

(1) श्री सरवार अमरजीत सिंह पिता आत्मा सिंह, निवासी मकान नं० 65, रेडियो कालोनी, इंदौर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सी० माणकबाई पति राजेन्द्र कुमार दगदी, निवासी 77, राधानगर कालोनी, इंदौर।

(अन्तरिती)

का यह तुषा वारी करके पुर्वाकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 चिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की कारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध-किसी जन्य व्यक्ति स्वाय अधोहस्साक्षरी के पास सिस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ं अनुसूची

प्लाट नं० 307, विष्णुपुरी एनेक्स कालोनी, इंदौर में स्थित है ।

> देवप्रिय पन्स सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 6-5-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (१) के अधीन सुभा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, विनांक 6 मई 1983

निदेश सं० आई० ए० सी० /अर्जन/भोपाल/3615——अतः मुझे, देवप्रिय पन्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) _(जिसे इसर्मे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि सं० खसरा नं० 803 है, तथा जो जूनियर देवास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देवास में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के देश्यमान बृह्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का प्रवित बाजार मूह्य, उसके वृश्यमान

प्रतिफल से ऐसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशंत से अधिक है और अंतरक (अंसरकों) और अंतरिसी (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिसित व्यक्तियों अर्थात् :---

- (1) 1. श्री रामचन्द्र पिता लक्ष्मण
 - 2. जगदीश पिता लक्ष्मण
 - 3. मनीबाई पत्नी फकीरचन्द
 - 4. कमला बाई पत्नी शिवलाल
 - 5. प्रेम कुमार पिता फकीर चन्व नम्बर 1 में 5 तक के आम मु० फकीर चन्व पिता सिद्ध नाथ जी माली निवासी-आनन्द पुरा, देवास।

(अन्तरक)

(2) श्री कुन्वन लाल पिता तोताराम जी, निवासी-28, गोघा कालोनी, देवास ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की ताबील से 30 दिन की अविधि, आरे भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा मकोंगे।

स्पध्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो जक्त कि कि नियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा ह्यों उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि खसरा नं० 803, जूनियर देवास में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपास

ता**रीख** : 6-5-1983

प्रकल आहाँ. टी. एन. एस.,------

अधिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 मई 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3616--- प्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि खसरा नं० 803 है, तथा जो देवास जूनियर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देवास , में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नुलिखित उद्देश्यों से उक्त बन्तरण लिखित में बारतिबक रूप से कथित नहीं किया गया है %--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) 1. श्री रामचन्द्र पिता लक्ष्मण
 - 2. जगदीश पिता लक्ष्मण
 - 3. मनी बाई पति फकीरचन्द
 - 4. कमला बाई पति शिवलाल
 - प्रेमकुमार पिता फकीरचन्व निवासी-देवास तर्फ आम मु० फकीर चन्द पिता सिद्धनाथ जी माली, निवासी-आनन्द पुरा, वेवास ।

(अन्तरक)

(2) श्री कुन्यन लाल पिता तोता राम जी, 28, गोघा कालोनी, इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पद्धीक रण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

भूमि खसरा नं० 803, जूनियर देवास में स्थित है।

देवप्रिय पन्स् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 6-5-1983

प्ररूप आहें.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 6 मई 1983

ि निदेश सं० आई० ए० सी० /अर्जन/भीपाल/ 3617—-अतः

मुझे, देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 402/2, एवं 402/3 एवं प्लाट नं० 4/1 का हिस्सा, ब्लाक नं० 33 है, तथा जो साउथ सिविल लाइन्स, जबलपुर में स्थित है (और इससे उपाबज्ञ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10 सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रथमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उच्न अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्भरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थत् :-- (1) श्रीमती पद्मा बिनानी फेमली द्रस्ट द्वारा चन्द्र मोहन द्रस्टी राजा गोकल दास पैलेस हनुमान ताल, जबलपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री ब्योहार राम प्रताप सिन्हा, श्रीमती सावित्री सिन्हा, साथिया कुंआ, जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीयस संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की क्षारींख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीत र उक्त स्थावर सम्परित में हित- बर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 402/2, 402/3, प्लाट नं० 4/1 का हिस्सा बलाक नं० 33 साउथ सिविल लाइन्स, जबलपुर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 12-5-1983

प्ररूप आर्ष टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 12 मई 1983

निदेश सं० आई० ए० सी० /अर्जन/भोपाल/3618—अतः मुझे, देवप्रिय पन्त

भायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट नं० 4/1 का छठा हिस्सा, ब्लाक नं० 33 है, तथा जो साउथ सिविल लाइन्स, जबलपुर में स्थित है (और इससे उपाबत अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1 सितम्बर, 1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिबित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिकित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीग, निम्निलिस्तु व्यक्तियों, अर्थासु :— (1) श्रीमती पद्मा बिनानी फेमली ट्रस्ट इस्टेंट, हनुमानताल, जबलपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुशीला सिंह, साउथ सिविल वलाइन्स, जबलपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्मित्ति के अूर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 43 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्विक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध साद में समाप्त होती हो , के भीतर पृवासत स्वित्यों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपरित में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्याच अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्रिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसक्ष अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं 4/1 का हिस्सा, ब्लाक नं 33, साउथ सिविल लाइन्स जबलपुर में स्थित हैं ।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 12-5-1983

प्ररूप आहर्र, टी. एन. एस.------

धायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 मई 1983

निवेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3619--अतः मुझे, देवप्रिय पन्त भ्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्ष्वात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है); की घारा 2.69-ख के ग्रधीम सक्षम प्राधिकारीको, यह विश्वास करनेका कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र• से बाबक है और जिसकी सं० प्लाट नंबर 26 का हिस्सा है, तथा जो मौजा आमनपुर में स्थित है (और इससे उपाबज अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4 सितम्बर, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृह्य सेकम के द्श्यमान प्रतिकश के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उपत घन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या
- (ऋ) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या ग्रम्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिविनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिविनयम, या ग्रन-कर ग्रिविनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना काहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) 1. श्री सरदार अवतार सिंह
 2. श्री तिलोचन सिंह
 पिता सरदार राम सिंह
 निवासी नेपियर टाऊन,
 जबलपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री रिवन्द्र कुमार चौकसे आत्मज श्री सहदेव चौकसे, निवासी राईट टाऊन, जबलपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों मा भे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विम के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अक्षेहस्ताक्षरी के पास विस्ता में किए पा सकोंगे।

स्पष्टोक रण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

खुला प्लाट नं० 26 का हिस्सा, खसरा नं० 69/4, शीट नं० 9, मौजा आमनपुर नरसिंह वार्ड, जिला जबलपुर में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

अंत: अंबे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, वर्धात् :—

तारीख: 11-5-1982

प्रकृष जाहाँ, ही, एन , एस , -------

आयकर अधिनियम, 196; (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यात्तय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोवाल, दिनांक 11 मई 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3620--अतः मुझे, देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहलात 'जिक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. में अधिक है

और जिसकी सं० खुला प्लाट नं० 69/4 का हिस्सा है, तथा जो आमनपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यानय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीच्य 4 शितम्बर, 1982 को पूर्वों के सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह जिल्हास करने का कारण है कि यथाप्वों कत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एने इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्व रो अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंपूरिती (अन्तरितियाँ) के बीच अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्वाह्य में उन्तर अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—~

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/भा
- (ख) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ज्वारा प्रकट नहीं किया गया आ या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत्:— 1. श्री सरदार अवतार लिंह,
 2. सरदार त्रिलोचन सिंह
पिता राम सिंह,
 निवासी नेपियर टाउन,

जबनपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री गोविन्द कुमार चौकसे आत्मज श्री सहदेव चौकसे, निवासी नेपियर टाउन, जवलपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा बत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमबूध किसी अन्य स्थावित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिकरणः-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

खुला प्लाट नं० 69/4 का हिस्सा, शीट नं० 9 प्लाट नम्बर 26 का हिस्सा मौजा आमन पुर, नरसिंह वार्ड, जबलपुर में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

नारीख: 11-5-1983

प्रकृष बाहै, की. एन. एस्.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 मई 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3621—अतः मुझे, देवप्रिय पन्त

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मूख्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० खुला प्लाट ख० नं० 69/4 है, तथा जो मौजा आमनपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में र्राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4 सितम्बर, 1982

(1908 का 16) के अधान, ताराख 4 सितम्बर, 1982 को पृत्रों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमन प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, जसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वर्षय से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइं किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा केलिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अन, उक्त निधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. सरदार अवतार सिंह
 2. सरदार त्रिलोचन सिंह पिता
 - सरदार न्निलाचन । सह । पत। सरदार रामिसह, निवासी नेपियर टाऊन, जबलपूर।

(अन्तरक)

(2) श्री अरिवन्द कुमार चौकसे आत्मज श्री सहदेव चौकसे, निवासी राइट टाउन, जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यक् में प्रकाशन की तारी खंसे 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

खुला प्लाट ख॰ नं॰ 69/4 का हिस्सा, गीट नं॰ प्लाट नं॰ 26 का हिस्सा मौजा आमनपुर, नरसिंह वार्ड, जबलपुर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 11-5-1983

प्ररूप आई. दी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-म (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 मई 1983

निदेश सं० आई० ए० सी० /म्रर्जन/भोपाल/3622—अतः मुझे, देवप्रिय पन्स

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्णास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं खुला प्लाट खसरा नं 69/4 का हिस्सा है, तथा जो मौजा आमनपुर में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4 सितम्बर, 1982 को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिल में बास्सिक क्य से कथित नहीं किया ग्या है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

बत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निस्तीक्षिक व्यक्तियों, अर्थात्:——, 16—116GI/83

(1) सरदार अवतार सिंह
2. सरदार क्रिलोचन सिंह
पिता सरदार राम सिंह,
निवासी नेपियर टाऊन,
जबलपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री सहदेव चौकसे आत्मज स्व० नन्हें लाल चौकसे, निवासी राष्ट्रट टाऊन, जब लपुर ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 विन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबक्ष किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरण:—इसमें प्रयुक्त कब्दों और पर्वों का, जो उन्नत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया ही।

अनुसूची

खुला प्लाट खासरा नम्बर 69/4 का हिस्सा, शीट नं०9, प्लाट नं० 26 मौजा आमतपुर, नर्रासह वार्ड, जिला जबलपुर में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

मारीख: 11-5-1983

प्ररूप काई.टी.एन.एस,------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्भना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 मई 1983

निदेण मं० आई० ए० मी०/अर्जन/भोपाल/3623—अतः मुझे, देयप्रिय पन्त

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य, 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं अभि खसरा नं 463, 464, 465/3 है, तथा जो ग्राम वावजिया कला में स्थित है (और इससे उपाबख अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोगाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1 सितम्बर, 1982 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उिषत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उिचत बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिय नय पाया गया प्रतिफल निम्नलिकत उद्देश्य में उकत अन्तरण निश्चित में बाम्तविक रूप में किथत नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरण के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; मौर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, छिणाने में सृषिभा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्री रघुनाथ बल्द भैरो नाल, निवासी ग्राम बावडिया कला, जिला भोपाल ।

(अन्तरक)

(2) अल्प आय शासकीय कर्मचारी गृह सहकारी समिति मयादित भोपाल द्वारा अध्यक्ष रामभन्द्रजी भगवान छोला हनुमान मंदिर परिसर, भोपाल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

अबत सम्पृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में बडेई भी जाकोप;---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर सक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास् जिस्त में किए था सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि खसरा नं० 463, 464, 465/3 ग्राम बाबजिया कला, तहसील हजूर जिला भौपाल में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 12-5-1983

माहर 💠

प्ररूप आई० टी॰ इन॰ एस●-

आपकार अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूपना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर जायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 12 मई 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3624—अतः मुझे, देवप्रिय पन्त

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रमात 'उक्क अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- स अधिक है

और जिसकी मं० खसरा नं० 104, 105 है, तथा जो ग्राम आदमपुर छावनी में स्थित है (और इसमे उपाबढ़ अनुमूची में और पूर्ण रूप से विगत है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यात्व, जिला भोगाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अबीन तारीख 29 सितम्बर, 1982

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्मालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे सचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूनिधा के लिए;

अतः अद्यं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) के अधीनः निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री केशर सिंह वस्त कमल सिंह निवासी आदमपुर छावनी सहसील हजूर जिला भोपास ।

(अन्सरक)

(2) डा० राजकुमार बिसाया आस्मज श्री राधेबिहारी लाल निवासी एन-5/24 कस्तूरबा अस्पताल भोपाल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के प्रजॅन के लिए कार्ववाहियां करता हूं।

चक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति होता;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- वर्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्थळकोकरणः — ६ तमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जबत बिधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिट हौ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में क्या गया है।

अमुसूची

भूमि खसरा नं० 104, 105 ग्राम आदमपुर छावनी तहसील हजूर जिला भोपाल में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज भोपाल

तारीखा : 12-5-1983

प्रकृष कार्यः टी. एस., एस., ------

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नुभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर वायुक्त (नि<u>र</u>क्षिण) अर्जन रेंज भोपाल

भोपाल दिनांक 12 मई 1983

निर्देश सं० भाई० ए० मी०/अर्जन/भोपाल/3625/ स्रतः मुझे देवप्रिय पन्त

नायकर निधित्यम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परकात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्प्यसि, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि खसरा नं० 69 है तथा जो अमोनी तहसील हजूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणिक्ष है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 25 सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गमा था किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निक्षित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) 1 श्री फजरूख मियां बल्द श्री शाहमोहम्मद याकुब,
 - मोहस्मद मसूद वल्द मोहस्मद अय्यूब, निवासी ग्राम आमोनीः तहसील हजूर, जिला भोपाल।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री जवाहर सिंह बल्द श्री दौलत सिंह
 - श्री ज्ञान सिंह वल्द दौलत सिंह, बारा वली संरक्षक जवाहर सिंह वल्द श्री दौलत सिंह, निवासी करहोदकलाँ

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृत्रांवित संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में तथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

भूमि खसरा नं० 69, ग्राम अमोनी, तहसील हजूर, जिला भोपाल में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारी**ख**ः 12-5-1983

प्ररूप आहर्ष, टी. एन. एस. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 मई 1983

निर्देश सं० आई० ए० मी०/म्रर्जन/भोपाल/3626—अतः मुक्ते, देवप्रिय पन्त,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० प्लाटनं० 6 है, तथा जो नादिर कालोनी ण्यामला हिल्स, भोपाल में स्थित (और इससे उपाबड अनुसूची में और पूर्ण रूप में विशत है, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30 सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्स सम्पित्स के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भत. अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) 1. श्री साहबजादा यात्रर रशीद पिता श्री नवावजादा रशीदुज्जफर साह ब आ० मु० वास्ते
 - बेगम सुरध्या रशीद पत्नी श्री नवाबजादा रणीददुज्जफर खां
 - साहिबजादी महबानों पिता नवाबजादा रंगीदुज्जफर
 - साहिबजाबी नीलोफर पिता नवाबजादा रशीददुज्जकर
 - साहिबजादा नादिर रशीद पिता नवाबजादा रशीदुज्जकर निवासी शिमला कोठी, भोपाल।

(अन्तरक)

(2) श्री काजिम अली खान पिता श्री साहिबजादा साजिद अली निवासी शिमला कोठी, भोपाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि प्लाट न० 6, नादिर कालोनी, श्यामला हिल्स, भोपाल में स्थित हैं। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका. विवरण अंतरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित हैं।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 13-5-1983

प्रकृप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 263-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 मई 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3627—अतः मुझै, देवप्रिय पन्त,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 222, ई-3 है, तथा जो अरेरा कालोनी, भोपान में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23 सितम्बर, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की., जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गय था या किया जाना चाहिए था., छिपाने में सृविधा क लिए;

(1) श्री योगेन्द्र पाल सिंह, आत्मज श्री सुरेन्द्र पाल सिंह, निवासी ई-53/144, अरेरा कालोनी, भोपाल ।

(अन्तरक)

(2) श्री देवेन्द्र कुमार जैन आत्मज श्री नन्नू लाल जन, निवासी साउथ टी॰ टी॰ नगर, भोपाल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूजा कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उका स्थावर सम्भत्ति में हितबद्ध किस। ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा नकोंगे।

स्वध्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पृदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 222, ई-3, अरेरा कालोनी, भोपाल में स्थित है

> देवप्रिय पन्तं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)

के वधीन, निम्नीलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 12-5-1983

प्ररूप आहु . टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक,र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 12 मई 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3628---अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि खसरा नं० 21 है तथा जो ग्राम अगरिया चोपड़ा में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायसेन में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 29 सितम्बर 1982

को प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते बह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहेयमान प्रतिफल ते, इस रक्यमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पावा गया प्रतिक्रण कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त- विक रूप से किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वोने के जंतरक के दौयत्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मुविधा के लिए;

जतः अन्, उन्त निधिनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, नर्धात् ----

(1) श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा आत्मज श्री गोपाल शर्मा. निवासी 155 ई-1 अरेरा कालोनी भोपाल।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती भागवती भारद्वाज पत्नी स्व० श्री एस० के० भारद्वाज निवासी 22 एन०, 5 हबीब गंज. भोपाल।

(अन्तरिती)

को यह त्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पृतितः के वर्षन के स्मिए कार्वमाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन् के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबब्ध किंती जन्य व्यक्ति द्वारा, क्योहस्ताक्षरी के पात विवित्त में किंगे जा सकींगे।

स्पक्किरण: ---इसमें प्रयुक्त गुब्दों जौर पद्यों का, जो उक्त औधनियम, के अध्याम 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिवा गया है।

अन्सूची -

भूमि खसरा नं० 21. ग्राम अगरिया चोपड़ा, तहसील व जिला रायसेन में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

नारीख: 12-5-1983

प्ररूप आई.टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियज, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 मई 1983

निदेण सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भीपाल/3629—अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रहा से अधिक ही

और जिसकी सं० भिम खसरा नं० 25 है, तथा जो ग्राम अगरिया चौपड़ा तहसील रायसेन में स्थित हैं (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में दिणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायसेन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29 सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुफे यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिष्ठित उद्देश्य से उन्त अंतरण निस्तित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिषधा के लिए:

अतः अब, रुक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री क्याराम आत्मज श्री गोपाल राम णर्मा, निवासी-ई-1/155, अरेरा कालोनी, भोपाल।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती भगवती देवी भारवाज पत्नी श्रं: स्व० श्री एस० के० भारवाज, निवासी-22 एन०-5. ह्बीबगंज , भोपाल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तांमील से 30 दिन की अविधि, आंभी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्ब द्धू किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास् तिकित में किये जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुस्ची

भूमि खासरा नं० 25, ग्राम अगरिया चौपड़ा तह०व जिला रायसेन में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीखा : 11-5-1983

प्ररूप बाह् .टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 12 मई 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3630 अत: मसे वेबिप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्तु अधिनियम' कहा गया हो, की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक ही

और जिमकी सं० प्लाट है, तथा जो टैगोर कालोनी, खंड़वा में स्थित है और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खंड़वा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 4 सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उाचित बाजार मृत्य, उसके रूथमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किशा गया है।——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय मा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अप: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-स की उपधारा (1) के अधीर निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री बसन्त भसई पिता नानाभाई ठक्कर, निवासी—टैगोर कालोनी, खंड्या।

(अन्सरक)

(2) खंड़वा कालोनाइजर्स खंड़वा के भागीदारान अमरचन्द व फूलचन्द कटारिया, राधाकृष्ण मंशाराम मैथिल, अनिल कुमार, सुरेन्द्र कुमार, जैन तथा सौ० मुशीला पति राधेश्यामलाल खंडेलवाल, खंडवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन की अविध या तत्से बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास किये जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हु⁴, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुया हु⁸।

अनुसूची

प्लाट, खसरा नं० 425/2, 425/1 सी जो शीट नं० 8, ब्लाक नं० 1 : ब : प्लाट नं० 44, टैंगोर कालोनी, खंड़वा में स्थित हैं।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

सारीख: 12-5-1983

प्रकथ आई० टी० एन० एस०-----

भायकर पश्चितियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 12 मई 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3631—अतः मुझे, देवप्रिय पन्त मुझे, देवप्रिय पन्त मायकर मिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्षात् 'उक्त मिविनयम' कहा गया है), की भारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/- द० से

अिंदिक हैं
और जिसकी सं० प्लाट नं० 104 है, तथा जो श्रीनगर
एक्सटेंगन कालोनी, इंदौर में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, इंदौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 25 सितम्बर, 1982
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह
प्रतिकृत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल निम्नलिखिन उद्देश्य से उकत अन्तरण जिखित में वास्तविक
कम सं किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से तुई फिसी प्राप्त की बावन उम्त स्रवि नियम के अक्षीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसमें अर्थन म सुविधा के लिए। स्रोर/मा
- (ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या भन्य भास्तियाँ की, जिन्हें भारतीय भायकर मिलिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिलियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः ग्रन, उस्त ग्रांविनियम का बारा 269-न के मनुसरण में, में, उश्व अधिनियम को धारा 269-व की उपवारा (1) के के जभीन, निम्न/लिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती प्रभादेवी जय पति
श्री देवी दास जी जय,
निवासी—सागर बिहार,
23 अब्दुल गफार खान रोड़,
बम्बई-28 तरफे खास मुखत्यार
सीताराम जोशी पिता
श्री बसंत जोशी,
निवासी—78, बीमा नगर,
इंदौर ।

(अन्तरक)

(2) श्री रखबचन्द सकलेचा पिता श्री पृथ्वीराजजी सकलेचा, निवासी—-ग्राम मेघनगर, जिला खंड़वा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथा कि सम्पत्ति के कर्णन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेपु :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्मत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, जधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वकारणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर अधिनियम, के अध्याय 20 क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

प्लाट नं० 104, श्रीनगर एक्सटेंशन कालोनी, इंदौर में स्थित हैं।

> ्देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 12-5-1983

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस.-----

भायकरु अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 मई 1983

निवेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3632--अतः मुझे, वेयप्रिय पत

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो ग्राम मंगालिया में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्हीर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिचत बाज़ार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उिचत बाज़ार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंच्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उष्दियों से उक्त अन्तरण लिखित में भारतिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—— सेंट्रंस एवरोस्टोन लिमिटेड्र,
 3/1, मनोरमा गंज
 इंदौर तरफे डायरेक्टर
 मोहन प्रकाण खंडेसवाल।

(अन्तरक)

(2) कोहिनूर इलेक्ट्रानिक लिमिटेड, इंदौर तरफे डायरेक्टर श्री नवीनचन्द्र जैन, पिता श्री जोधराज जैन, निवासी—सीता बिस्डिंग, इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कार्क भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के खाजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं
 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों की, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची भूमि व मकान, ग्राम मांगल्या तहसील सावेर में **है**।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 13-5-1983

प्ररूप आंड टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सृष्णा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 13 मई 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3633—अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

अरे जिसकी सं० भूमि खसरा नं० 120 है, तथा जो ग्राम कालूखेड़ी, तहसील देवास में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, देवास में रिजस्ट्रेजकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30 सितम्बर, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्वर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य, उसके द्वर्यमान प्रतिफल का जन्दह प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरित्यों) के बीच एमें अन्तरिण के लिए तय पाया गति किन दिस्तिविंग उद्युविंग से उन्तर अन्तर्ण कि लिए तय पाया गति किन दिस्तिविंग उद्युविंग से उन्तर अन्तर्ण कि लिए तय पाया गति किन दिस्तिविंग उद्युविंग से उन्तर अन्तर्ण कि लिए तय पाया गति किन दिस्तिविंग उद्युविंग से उन्तर अन्तर्ण कि लिए तय पाया गति किन दिस्तिविंग उद्युविंग से उन्तर अन्तर्ण कि लिए तय पाया गति किन दिस्तिविंग उद्युविंग से उन्तर अन्तर्ण कि लिए तय पाया गति किन सिंग विश्वति उद्युविंग से उन्तर अन्तर्ण कि लिए त्या पाया प्रति-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की पालरा, उका सिंधिनियम के अधीन कर गोने ये जन्मरक के बायिस्य में कमी करने मा जससे जनने में मृतिधा के लिए, अपि /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

(1) श्री राम सिंह पिता लाल जी कलौता, निवासी ग्राम कालूखेड़ी, तहसील देवास।

(अन्तरक)

(2) मैंसर्स देवास मैंटल सेक्शन प्राइवेट लि०, देवास ।

(अन्तरिती)

स्थे यह स्वना जारी करके पृशांक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स सै 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- खब्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसुधी

भूमि खसर नं० 120, ग्राम कालूखेड़ी, तहसील देवास में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 13-5-1983

मोहर :

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :---- प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

मायुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 मई 1983

निदेश मं० आई० ए० मो०/अर्जन/भोपाल/3634--अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक **ह**ै

और जिसकी सं० भूमि खसरा नं० 54/3 है, तथा जो ग्राम कालुखेड़ी, तहसील देवास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुभूची में और पूर्णा रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देवास में र्राजस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14 सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य संकम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास **करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संप**त्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अध्यमान प्रतिफल से, एसे अध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एस अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्बेश्य से उक्त मंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) संतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के जभीन कर दोने के अंतरक के पायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; जौर/या
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अप्तः अब, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) कॅ कथीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् ः---

- (1) 1. श्री चैंन सिंह
 - 2. श्री गंगा राम
 - 3. श्री दौलत सिंह
 - 4. श्री हरी सिह प्वगण राम रतन कलौता
 - गट्बाई विधवा रामरतन कलौता. निवासी-कालुखेड़ी,

तहसील देवास ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स स्टील ट्यूबं आफ इंडिया लि० पंजीयन कार्यालय स्टील ट्यूब रोड, देवास म० प्रः०। तरफे मैनेजर श्री ए० सी० जायसवाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परितः के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सर्केंगें।

स्पच्चीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्छ अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भूमि खसरा नं० 54/3, ग्राम काल्खोड़ी, तहसील देवास में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 13-5-1983

प्ररूप आहे. टी. एन. प्स. -----

भावकर अभिनियम, 1961 (1961 um 43) की

भारा 269-वं (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 मई 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3635—अक्षः मुझे, देवप्रिय पन्त,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास कारने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि खसरा नं० 14 है, तथा जो ग्राम बंभाड़ा, तहसील बुरहानपुर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बुरहानपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29 सितम्बर, 1982 का पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वाकित संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्धिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क्क) अन्तरण चेहुई किसी आयुक्ती बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जल्तरक के बाबित्व में कभी करने या उससे ब्चने में सुविधा के लिए; और/वा
- (च) एसी किसी आय या किसी भग या जन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अक्ष, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री विनेक भन्य बल्द मोती लाल जैन, निवासी-सनवारा, तहसील बुरहान पुर

(अन्तरभ)

(1) 1. रतीराम

2. शालिग्राम वहद काशी राम महाजन, निवासी बैलसवाड़ी, पोस्ट पिपरीनांदू, जिल जलगांव।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त गम्पति के सर्वन के लिए कार्यशाहियां शुरू करता हूं।

उन्त मन्पति के अर्जन के सन्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकासन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य स्थित द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए, जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पत्तों का; जो जनत अधिनियम के बक्याय 20का में परिचाचित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस मक्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि खसरा नं० 14, ग्राम बंभाड़ा तह० बुरहानपुर में स्थित है। जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सस्यापित फार्म 37-जी में निहित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपास

सारी**ख**: 13-5-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एसं. :-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 मई 1983

निदेश सं० आई० ए० सी'०/अर्जन/भोपाल/3636--अतः मुझो, वेचप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात 'उबत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खेत जिसका नया नम्बर 131 , है तथा जो ग्राम महमदपुरा, तह० बुरहान पुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बुरहानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25 सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण सिकत में बास्तविक रूप से क्षित नहीं किया गया है:---

- (स) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर धेने के अन्तरक, के दायित्य में अभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें. जिन्हों भा तीय शांय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या. किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निक्कासिसित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) 1. श्री सोहन लाल पितांबर दास शाह
- चन्द्र कांत पिता सोहन लाल शाह, गुजरासी मोड़, निवासी सीलिमपुरा वार्ड, णिकारपुरा, बुरहानपुर।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्रीमती छाया देवी पत्नी ठा० महेन्द्र सिंह
 - संध्या देवी पत्नी
 ठाकुर चन्द्र प्रकाश सिंह,
 निवासी-मोमिन पुरा,
 बुरहान पुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरुः करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सूवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्सूची

खेत, जिसका नया नंबर 131 है, ग्राम महमदपुरा तहसील बुरहान पुर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 13-5-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 30 अप्रैल 1983

निदेश सं० सी० ए०-5/861/एसं० आर० बम्बई/83-84-अतः महो, शशिकांत कुलकर्णी,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं अर्थे नं 17 हिस्सा नं 3, सर्वे नं 13, हिस्सा नं 4 मेतगुलड गांव तालुका महाबलेण्यर कर्वे रोड है तथा जो जिला सातारा में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुरयम निवंधक, बम्बई में रिजस्ट्रीवरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7 सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिटों) के बौच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे कचने में सविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की. जिन्हां भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अभिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्खित व्यक्तियों, अर्थात् हि—— (1) इंडियन एग्रो फार्मस्,
 6/1, स्तनाम अपार्टमेंट्स,
 कफे परेड,
 वम्बई-400005 ।

(अन्तरक)

(2) श्री काणी प्रसाद चिरंजी लाल मोरारका,
 42, गौतम अपार्टमेंट्स,
 जुहू रोड,
 साताकुज (वेस्ट),
 यगोरे रोड कार्नर,
 बम्बई-400005 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहियां करसा हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति ;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्दीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भिम सर्वे नं० 17, हिस्सा नं० 3, सर्वे नं० 18, हिस्सा नं० 4. मेत्रगुलडणांब, तालुका महाबलेण्वर जिला सातारा। क्षेत्र 2 हेक्ट्यर 42 आर० और 2 हेक्ट्यर 48 आर० में जमीन का 1/8 भाग। (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख कम 2009 तारीख 7-9-1982 को दुय्यम निबंधक बोंम्बे के दफ्तर में लिखा है।)

शणिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 30-4-1983

मोहर

प्ररूप आर्द्ध, टी. एन. एस. ----- ora-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना पुना, दिनांक 30 अप्रैल 1983

पूना, विनास ३० अत्रल १५८८ जिल्ला सं क्षेत्र मान्स्री १६० विकास स्टाउ

निदेश सं० सी० ए.०-5/859/एस० आर० बम्बई-83-84-अतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात 'उक्त अधिनियम' कहां गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकार्य को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी संव सर्वे नंव 17, हिस्सा नंव 3, सर्वे नंव 18, हिस्सा नंव 4, मेनगुलंडगांव है सथा जो जिला सातारा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुय्यम निबंधक, बम्बई में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन नारीख 7 सितम्बर 1982

को पूर्वक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह धिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके धश्यमान प्रतिफाल से, एसे धश्यमान प्रतिफाल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सविधा के लिए; और/सर
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- 8-116G1/83

(1) इंक्रियन एमो कार्मस्
 6/1, सतनाम अपार्टमेंट्स,
 कफे परेड,
 श्रम्बई-400005 ।

(अन्तरक)

(2) श्री कमलेश विजय कुमार गनेरी वाला. श्री बिल्डिंग, एस० व्ही० रोड, और जुहू रोड,

साताऋुज (वेस्ट),

बम्बई-4000054।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविध या तत्सं बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकागे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भग्सूची ।

भूमि सर्वे नं० 17 हिस्सा नं० 3 और सर्वे नं० 18 हिस्सा नं० 4 मेगुलडगांव नालुका महाबलेश्वर, जिला है सातारा

जिसका क्षेत्र 2 हेक्टेयर 42 आरं और 2 हेक्टेयर 48 आरं में जमीन का 1/8 हिस्सा ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख कम 2012 तारीख 7-9-1982 को दुव्यम निबंधक, बम्बई के दफ्तर में लिखा है।)

> णणिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना,

तारीख: 30-4-1983

प्रकृष् कार्षः टी. एन. एस. ------

भायकर प्रश्निनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूणे

पूना, दिनांक 30 अप्रैल 1983

निदेश सं० सी० ए०-5/862/एस० आर० वस्वई/83-84-अत: मुझे, णशिकांत कुलकर्णी,

आयकर श्रिष्ठितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात 'उन्त श्रिष्ठितियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित माजार मृह्य 25,000/- दं से प्रिष्ठक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 17, विस्सा नं० 3, सर्वे नं० 18, हिस्सा नं० 4, मेतगुलाड, तालुका महाबलेण्वर में हैं तथा जो जिला सतारा में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वस्वई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7 सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने की कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अम्लरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अम्लरण के लिए तम पाम गया प्रतिफल, निम्नित्यित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिक्ति में वास्तिक स्थान की किया गया है:——

- (क) धन्तरण ते हुई किसी आय की बाबत, उन्त ग्रीधिनियम के प्रधीन कर देने के शन्तरक के दा/पेश्व मंक्षती करने या उसमे अपने में सुबिध। के सिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी अाथ या जिसी धन या अस्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1923 का 11) या जिक्का अधिनियम, या अन-कर पश्चिनियम, या अन-कर पश्चिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उप-धारा (1) डे अधीन, निस्नलियित व्यक्तियों, स्थात् हिन्तः (1) मैसर्स इंडियन एमो फार्मस्, 6/1, सननाग अपार्टगेंट्स, कफे परार्ड, अम्बई-400005

(अन्तरक)

(2) श्री चिरंजीलाल युधिष्ठिर प्रसाद सिंघानिया, डी-1/26, खीरा नगर, सांताकुज (वेस्ट), बम्बर्ध-400054

(अन्मरिती)

को मह सुचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी खाखेप 1---

- (क) इस सूचना के राजप्रश्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवश्चिया तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवश्चि, जो भी भवश्चि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ब) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीबा से 45 दिन के मीतर उत्तर स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हपक्कीकरण:---इसमें प्रयुक्त सन्दों भीर पदों का, ा। स्वत श्रक्षितियम के श्रष्ट्याय 20-क में परिभावित है. बही श्रवें होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

बत संची

भूमि सर्वे नं० 17 हिस्सा नं० 3 और सर्वे नं० 18 हिस्सा नं० 4, मेलगुताङ, तालुका महाबलेख्वर, जिला सतारा।

क्षेत्र 2 हेक्टेमर 42 आर० और 2 हेक्टेयर 48 आर० में जमीन का 1/8 भाग।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख कम 2010 तारीख 7-9-1982 की दुस्यम निबंधक, बम्बई के दफ्तर में लिखा है।)

> णणिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी कहाबक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारी**व** : 30-4-1983

मोहर 🖟

प्ररूप काई. टी. एम्. एस. ----

बावकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्काशण)

अर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 30 अप्रैल 1983

निदेश सं० सी० ए०-5/860/एस० आर० बम्बई/83-84--अतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

अरेग जिसकी मंग सर्वे नंग 17, हिस्सा नंग 3, सर्वे नंग 18, हिस्सा नंग 4, मेलगुटाड लालुका महाबलेश्यर है, तथा जो जिला सिनारा में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण क्य में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई, दुय्यम निबंधक में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7 सितम्बर, 1982 को पूर्वोंक्त संपत्ति के जिनत बाजार मूल्य से कम को दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरक कि लए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्ववस्थों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाब्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्टियों करों जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब अक्त अधिनियम की भार 269-ग के अनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की भार 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नीतीसत व्यक्तियों, अधीत्:— (1) इंडियन एग्रो फार्मस, 6/1 सतनाम अपार्टमेंट्स, कफे पराई, बस्बई-400005

(अन्तरक)

(2) सत्यभामा विजय कुमार गनेरी बाला, डी-1/26, खीरा नगर, सांताकुज (वेस्ट), बम्बई-400054

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्ष्य :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पाक्तीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को जो जाक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हु⁵, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मे**ं दि**या गया हु⁶।

मनसूची

भूमि सर्वे नं० 17 हिस्सा नं० 3, सर्वे नं० 18, हिस्सा नं० 4, मेतगुटाड, तालुका महा बलेश्वर जिला सतारा। क्षेत्र 2 हेक्टेयर 42 आर० और 2 हेक्टेयर 48 आर० में जमीन का 1/8 भाग।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख कम 2011 तारीख 7-9-82 के दुय्यम निर्माधक, बम्बई के दफ्तर में लिखा है।)

> गणिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पूना

तारीख : 30-4-1983

प्ररूप आई. टी. एन., एस..-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के सुधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रंज, पूर्ण

पूना, दिनांक 30 अप्रैल 1983 निदेश सं० सी० ए०5/एस० आर० बम्बई/82/83 अतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

कायकर अधिनिय्म, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'उक्त अधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं अर्थ नं 17, हिस्सा नं 3 व सर्वे नं 18, हिस्सा नं 4, मेलगुटाड गांव, तालुक महाबले स्वर है तथा जो जिला सतारा में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुय्यम निबंधक, बम्बई में रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुय्यम निबंधक, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7 सितम्बर, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिशत से बिधक है और अन्तरण (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरिता से बिधक हो और अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिल उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी वाय की बाब्त, जनत् वर्षित्यम के अधीन कर दोने के बन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बच्चे में सुविधा के लिए; ब्रॉट/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, पिन्ह मारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए;

नतः अन, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-भ की उपनारा (1) को अधीन, निम्नुलि**श्चिति व्यक्तियों, अर्थार् —**— (1) इंडियम एग्रो फार्मस्,
 6/1, सतनाम अपार्टमेंद्स,
 कफे पराडे,
 बम्बई-400005

(अन्तरक)

(2) श्री योगेश विजय कुमार गनेरी वाला (अज्ञान), श्री बिल्डिंग एस० वी० रोड, और जुहू रोड, सांताक्रुज (वेस्ट), बम्बई-400054 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों कत् सम्परित के वर्जन के जिल्ल कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की उत्ति भा तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वाना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मुचना के राजपण मो प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हिलबक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए आ सकींगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमं प्रयुक्त शब्दों और दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिड है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिस्स गया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे नं० 17, हिस्सा नं० 3, और सर्वे नं० 18, हिस्सा नं० 4, मेतगुताड गांव, नालुका महाबालेश्वर, जिला सतारा ।

(क्षेत्र 2 हे॰ 42 आर॰ और 2 हे॰ 48 आर॰ में जमीन का 1/8 हिस्सा।

(जैसे कि रिजिस्ट्रीकृत विलेख कम 2015 तारीख 7-9-1982 को दुय्यम निषंधक, बम्बई के दफ्तर में लिखा है)।

> शशिकांत कुलकणीं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्तु (निरीक्षण) अर्जन रौज, पूना

तारीख : 30-4-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 30 अप्रैल 1983

निदेश सं० सी० ए०-5/858/एस० आर० बम्बई/83-84--अत: मुझे, णशिकांत कुलकर्णी,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 17, हिस्सा नं० 3, सव नं० 18, हिस्सा नं० 4, मेतगुटाड गांव, तालुका महा बलेश्वंर है तथा जो जिला सतारा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबन्धक, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 7-9-82

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का भन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के जिंद ह्य पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनजरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिखित व्यक्तियों, जर्थात् ६(1) इंडियन एक्रो फार्मस्,
 6/1, सतनाम अपार्टमेंट्स,
 कफे पराडे,
 बम्बई-400005 ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मीना काशी प्रसाद मोरारका, 42, गौतम अपार्टमेंट्स, जुहू रोड, सांताफुज (वेस्ट), बम्बई-400054 ।

(अन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचनर की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख थे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन-बद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो सक्त प्रक्षि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो सस अध्याय में दिया गुणा है।

अनसची

भूमि सर्वे नं० 17 हिस्सा नं० 3, सर्वे नं० 18, हिस्सा नं० 4, मेतगुटाड तालुका महाबलेश्वर जिला सतारा।

(क्षेत्र 2 हेक्टेयर 42 आर० और 2 हेक्टेयर 48 आर० में जमीन का 1/8 भाग) । (जसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख कं० 2014 तारीख 7-9-82 को दुय्यम निबंधक, बम्बई के दफ्तर में लिखा है।)

शशिकांत कुलकणीं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॅंज, पुना

तारीख 30-4-1983 मोहर :

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वभीन सूचना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बाद्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 30 भ्रप्रैल 1983

निर्देश सं० सी० ए०-5/856/एस० श्रार० बम्बई/83-84--- म्रतः सुद्दो, शशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 17, हिस्सा नं० 3, सर्वे नं० 18, हिस्सा नं० 4, मेतगुत इ, तालुका महाबलेश्वर, 1/8 हिस्सा है, तथा जो जिला सितारा में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुय्यम निबंधक, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7 सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीक एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्लित में शास्त्रिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त बाधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के सिए;

अतः अब, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अधीत्:—— (1) इंख्यिन एग्रो फार्मस्,
 6/1, सतनाम अपार्टमेंट्स,
 कफे पराडे,
 बम्बई-400005 ।

(अन्तरक)

(2) श्री विजय कुमार श्री गोपाल गणेरीवाला, (एच० यू० एफ०) ''श्री बिल्डिंग'', एस० वी० रोड, जुहू रोड, सांताकुज (वेस्ट), बम्बई-400054 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपृत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाम निश्चित में किए जा सकारी।

स्पव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

भूमि सर्वे नं० 17, हिस्सा नं० 3 और सर्वे नं० 18, हिस्सा नं० 4, मेतगुताड, तालुका महाबलेखर, जिला सितारा। 2 हे० 42 आर० और 2 हे० 48 आर० में जमीन का 1/8 हिस्सा ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख कि 2008 तारीख 7-9-1982 को दुय्यम निबंधक, बम्बई के दफ्तर में लिखा है।)

> शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अंजन रेंज, पूना

नारीख: 30-4-1983

मोहर 🗵

प्रस्प भाइ . टी. एम. एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन तुचना

भारत सर्वात

कार्यालय, सहायक प्रायकर भागुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 30 अप्रैल 1983

निर्देण सं० सी० ए०-5/ 863/एस० आर० बम्बर्ड/83-84-- श्रतः मुझे, णणिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 17, हिस्सा नं० 3, सर्वे नं० 18, हिस्सा नं० 4, मेलगुतड गांव, तालुका महाबलेश्वर है तथा जो जिला सितारा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुय्यम निबंधक, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 क 16) के अधीन, तारीख 7 सितम्बर, 1982

को पूर्वोंक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के शरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्षेत्र निम्नितियात उक्षेत्र से उक्त बन्तरण जिचित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण पं हुई किसी नाम की नामत उक्त अधि-स्थित को नभीन कर दोने के अन्तरक को दावित्य में कभी करने या उससे अपने में सुविधा के सिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

सत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की जपधारा (1) को अधीन, निम्नीलिख्त व्यक्तिरों, अर्थात् क्र~~ (1) इंडियन एग्रो फार्मस्, 6/1, रातनाम अपार्टमेंट्स, कफे परार्ड, बम्बई-400005 ।

(अन्तरक)

(2) श्री विमल कुमार चिरंजीलाल सिघानिया, डी-1/26, खीरा नगर, सांताऋुज (वेस्ट), बम्बई-400054।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति संपत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहिमां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुआरा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

भूमि सर्वे नं० 17, हिस्सा नं० 3 और सर्वे नं० 18, हिस्सा नं० 4, मेतगुलड गांव, तालुका महाबलेण्यर, जिला सतारा।

क्षेत्र 2 हेक्टेयर 24 आर॰ और 2 हेक्टेयर 48 आर॰ में जमीन का 1/8 भाग ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत बिलेख कं० 2013, तारीख 7-9-1982 को दृय्यम निबंधक, बम्बई के दफ्तर में लिखा है ।)

> शशिकांत कुलकर्णी संक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 30-4-1983

प्रकल आर्ड. टी. एन. एसं.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 मई 1983

निदेश सं० ए० पी० नं० 4328-- श्रतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव किंगरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल सं, एसे दरयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखिड उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन सर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थार [:--- (1) श्रीमित जगतार कौर पुत्री करतार सिंह, बासी 579, माइल टाऊन, जालन्धर स्वयं तथा जी० ए० नरेन्द्र कौर विधवा कुलतार कौर अवियास करतार कौर पुत्री करतार सिंह, बासी 187, माइल टाऊन, जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्री बंसी लाल पुत्र बूटा मल, वासी डब्ल्यू० एफ०-167, जी० टी० रोड, पुली अली मोहल्ला, जालन्धर।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है। (बह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 4364 दिनांक सितम्बर, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारी**ज** : 13-5-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, विनांक 12 मई 1983

निदेश स० चण्डी०/160/82-83—अतः मुझे, सुखदेव

चन्स्,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है और जिसकी सं मकान नं 3192 है तथा जो सेक्टर 27-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पर्ण कर्य से अधिकारी के कार्याक्य

डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दहयमान प्रतिफल से, एसे दहयमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छियाने में सिवधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :-19-116GI/83

(1) श्रीमती देववन्ती पत्नी श्री भगत राम निवासी एस० सी०एफ० नं० 30, अनाज मण्डी, चण्डीगढ़ मार्फत श्री राजेन्त्र कुमार शगन लाल बासी गली नं० 12, अबोहर ।

(अन्तरक)

(2) श्री सूरजकात पुत्र श्री वेद प्रकाश निवासी छत्ता बाजार, होशियार पुर ।

(अन्तरिती)

(3) श्री जेला सिंह वासी मकान नं० 3192, सेक्टर 27-डी,

चण्डीगढ़ । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग

में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोच्छा सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 विन की अधिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीक रणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृस्ची

मकान नं० 3192 जो कि 27 सेक्टर, चण्डीगढ़ में है। (जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 957 माह सितम्बर, 1982 में वर्ज है।)

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 12-5-1983

प्रकृष बाई॰ ही • एवं • एवं •-----

आयतर प्रवित्यमः, 1961 (1961 वर्ग 43) की बारा 269-म (1) के प्रवीत सुवना जावा बरकार

कार्यासय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 11 मई 1983 निदेश सं० चण्डी०/149/82-83— अत: मुझे, सुखदेव

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त जिधिनियम' कहा गवा हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं मकान नं 555 है तथा जो सेक्टर 8-बी खण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से क्षम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुन्ने यह विश्वास करने का फारण है कि बभाप्चें ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ने यह विश्वास वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से इंड किनी प्राय की बाबत; उका प्रधि-जिबन के अधीन अर देते के खन्तरक के दायित्व में समी करने या एनमे बचने में बुबिना के चिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी घन या भ्रम्ब भारितयों को जिस्हें भारतीय भायकर संविनियम, 1922 (1922 का 11) या उसने अधिनियम, या धर्म-कर प्रविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए चा, कियाने में सुविधा के निष्

श्रतः श्रंब, उरा धविनियम की बारा 269-ग के श्रवृत्तरण में में, उरु पश्चितियम की बारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन, निस्तिवित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती इन्द्रा ढींगरा पत्नी श्री एच० सी० ढींगरा निवासी मकान नं० 291, सेक्टर 33-ए, चण्डीगढ़ ।

(अन्तरक)

(2) श्री जगन्नाथ सुपृत्र श्री वेबी क्याल व श्रीमती मीनागोहरी पत्नी श्री गुलगन लाल, मकान नं० 1219, सेक्टर 8-सी, श्रण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

(3) मैसर्स सनातन धर्म एजूकेशन सोसाइटी (श्री सनातन धर्म जूनियर मार्डन स्कूल), मकान नं० 555, सैक्टर 8 बी, चण्डीगढ़।

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

ममुद्राची

मकान नं० 555, सेक्टर 8-बी, चण्डीगढ़ में है । (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 853 महीना सितम्बर, 1982 में दर्ज है ।)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 11-5-1983

प्रकृषे भाई॰ दी॰ एन॰ एस॰---

नामकर मिनियन, 1961 (1961 का 43) की बादा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 12 मई 1983

निदेश सं० चण्डी ०/147/82-83--- ग्रतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संप्रित जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं 1/2 हिस्सा मकान नं 2329 है तथा जो सेक्टर 35-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूधी में और पूर्ण रूप से बर्णित है) रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, घण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर, 1982

को प्वांक्त स्म्पत्ति के उणित बाजार मून्य से कम के दरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उणित बाजार मूस्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, ऐसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखत उद्वेदय से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्वाप्त प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ उपधारा (1) की सधीन, निम्नीलिक्त व्यक्तियों अर्थात् ६--- (1) श्रीमती कुलवन्त कौर पत्नी स्वर्गीय श्री बलवन्त सिंह, निवासी 2329, सेक्टर 35-सी, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री इन्द्रपाल सिंह सुपुत्र श्री करतार सिंह, निवासी गोमिया (बिहार राज्य) ।

(अन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वों क्स सम्परित के अर्थन के जिए कार्यनाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजवज में प्रकाशन को तारी का से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रवाश;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया गया है।

अनुसुधी

1/2 हिस्सा मकान नं० 2329, सेक्टर 35-सी, चण्डीगढ़ में है।

(जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 843 महीना सितम्बर में दर्ज है।)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 12-5-1983

भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 मई 1983

निवेश सं० चण्डी ०/151/82-83—अतः मुझे, सुखदेव चन्द भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं प्लाट नं0 1543 है सथा जो सैक्टर 33-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास केरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण ते दूई किसो बाय हो नावा, उसत प्रक्षि-नियम के संबीत कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसो बनने में मुविधा के लिए, बौर/या
- (क्ष) ऐसी किसी बात या किनी बन या चन्य कास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) यो उक्त पिधिनियम, या जम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाणे अक्तरियो द्वारा अकट नहीं किया गण या या किया जाना चाहिए वा, खिलान में सुविधा के लिए;

(1) लैफ्टिनेंट कर्नल देवेन्द्र सिंह सुपुत श्री मंगल सिंह, 453, देहाली कन्ट्रक्टर यूनिट मार्फत 99 ए० पी० ओ०)।

(अन्तरक)

(2) श्री वेद प्रकाश (एच० यू० एफ०), पुत्र स्वर्गीय तेज राम, वासी 18, इण्डस्ट्रीयल एरिया, चण्डीगढ ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना बारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्थव्हीकरणः - इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

मकान नं० 1543 सेक्टर 33-डी, चण्डीगढ़ में है। (जायबाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय, के विलेख संख्या 859 महीना सितम्बर, 1982 में दर्ज है।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज, लुधियाना

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 10-5-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ---- ---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज, लुधियाना

लुधियाना विनांक 12 मई, 1983

. निदेश सं 0 चण्डी ०/142/82-83—-प्रनः, मुझ, सुखदेवधन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० मकान नं० 3462 है तथा जो सेक्टर 23 डी चण्डीगढ़ में स्थित है (और इसमे उपाब अनुसूची में और पूर्ण रूप मे वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उपित याजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मुल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तराकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिषक इप से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) फे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :— (1) श्रीमती उमा वती पत्नी श्री मोहन लाल णर्मा वासी 25 वसन विहार जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती विमला देवी पत्नी श्री प्रीपमदास व श्री सुनील कुमार सुपुत्र श्री जगदीश चन्द निवासी 3438 सेक्टर 23 डी चण्डीगढ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता ह**ू**।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोइ भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 3462 सेक्टर 23 डी भण्डीगढ़ में है। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्जीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 825 महीन सितम्बर, 1982 में वर्ज है।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज लुधियाना

तारीख: 12-5-1983

प्रारूप आई. टी. एन. एस. ------

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 11 मई 1983

निवेश सं० पानीपत/228/82-83—अतः, मुझे, रा० के० भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रूट. से अधिक है

25,000/- रु. से अधिक हैं
और जिसकी सं० प्लाट नं० 908 वर्ग गज है तथा जो
शिव नगर पानीपत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूधी
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय पानीपत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1982 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार
मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और
अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण
मिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयके र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जानां चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अस, उसत अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उसत अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिभित अधिकत्यों,अर्थात् ः—— (1) श्री रामेश्वर दास पुक्ष श्री रघुनांथं सहाय गऊ शाला मण्डी पानीपत ।

(अन्तरक)

- (2) म० टक्सटाइल मिल्ज पानीपत द्वारा
 - 1. श्रीमती कुन्ती देवी पत्नी चुन्नी लाल।
 - 2. नीलम गोयल पत्नी सुशील गुप्ता।
 - 3. प्रदीप जन पुत्र श्री विमल कुमार।
 - 4. शीला देवी पत्नी विमल कुमार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप : --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

सम्पत्ति जमीन 908 वर्ग गज जो कि पानीपत में स्थित है और जिसका अन्य विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय रजिस्ट्री सं० 3789 विनांक 20-9-82 में दिया हुआ है।

> रा० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहयक आधकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

तारीज : 11-5-1983

मोहच:

प्ररूप आहें.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज रोहतक

रोहतक, दिनांक 12 मई 1983

निदेश सं० नरवाना/21/82-83—अतः, मुझे; रा० के० भयाना आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं:

और जिसकी सं० जमीन 503 3/4 वर्ग गंज है तथा जो नरवाना में स्थित है (और इससे उपाबन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नरवाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान पतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृद्धे यह विश्वास अरने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, ज़सके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय जाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

झत: अख, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण इं, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्निचित्तत व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) श्री बनवारी लाल राम स्वरूप दलीप सिंह सुपुत्र श्री बिहारी लाल पुत्र बिसम्बर दास नरवाना

(अन्तरक)

(2) सर्वश्री जय भगवान देवी प्रसन राजेन्द्र कुमार, विनोद कुमार पुत्नगण श्री हरिकेश मार्फत हरिकेश देवी प्रसन क्लाथ मर्चेण्ट नरवाना मण्डी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुत्रुची

सम्पत्ति जमीन $503 \ 3/4$ वर्ग गज जो नरवाना में स्थिस है व जिसका अन्य विवरण रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी नरवाना के कार्यालय रिजस्ट्री दिनांक 7-9-82 में दिया हुआ है ।

रा० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

सारीख: 12-5-1983

प्ररूप आर्घ . टी . एन . एस . ------

आयकर ब्रांबिनियम, 1961 (1961 का 43) की द्वारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक रोहसक, दिनांक 16 मई 1983

निदेश सं० करनाल/149/82-83—अतः, मुझे, आर० के॰ भयाना

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रु. से अधिक है

25,000/- र. सं अधिक हैं
और जिसकी सं उद्कान नं XVII-670 हैं तथा जो पुराना
सर्राक्ता बाजार करनाल में स्थित हैं और इससे उपाअनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय करनाल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बरं 1982
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूओ यह विश्वास
करने का कारण हैं कि ब्भाप्बेंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे व्ययमान प्रतिफल का
पन्यह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितयों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया
भया प्रतिफल, निम्नलिवित उद्विचय से उक्त बंतरण लिवित में
बास्तविक रूप से कियात नहीं किया गवा हैं:—

- (क) वंतरण से हुं इं किसी नाम की नावता, उक्त वीधनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; वरि/वा
- (क) प्रेसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नृहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए,

भतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उल्धारा (1) के अधीन, निम्नलिकित स्थित्यों, अधीत है—

(1) श्री म्याम लाल पुत्र जोगी दारा पुत्र मांगे राम श्रीमती शांति देवी पत्नी म्याम लाल जोगी दास निवासी होली मोहल्ला करनाल।

(अन्तरह)

(2) सर्वश्री भगवान दास गिरधर
पुत्र राम सिंह
निवासी समाल ा मण्डी
तहसील पानीपत_
कृष्ण लाल पुत्र मेहर जन्द.
पुत्र रूचि राम सनेजा.
निवासी रमाना, रमानी
तहसील करनाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति हा,
- (व) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी है है 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वाय, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए वा सकेंगे।

स्वच्छीकरण: --- इसमें प्रयुक्त कवाँ और पर्यों का, वो उक्त विध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया भवा है।

अनुसुची

सम्पत्ति दुकान नं XVII-670 पुराना सर्राफा बाजार, करनाल में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, के कार्यालय करनाल में रजिस्ट्री संख्या 2692 विनांक 1-9-82 पर दिया है।

> आर० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 16-5-1983

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 16 मई 1983

निदेश सं० जगाधरी/123/82-83—अक्षः मुझे, आर० के० भयाना

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान है, तथा जो रादौर रोड, कैम्प, यमुना नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगाधरी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1982

को पूर्वेक्त सम्मित के उिचत बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्येक्ति सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्षिण में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (स) प्रतरम से हुई किसी आय ही शबत, उस्त प्रधिनियम के प्रधान कर हुन के अन्तरक वाथिस्व में कमी क्रथन या उससे श्रभने में प्रविधा के लिए: और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मुविधा के लिए।

भ्रतः भ्रव, उक्त समिनियम की भ्रारा 269-गं के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपभारा (1) के अधीन, निम्तिसित स्यिक्तियों, अर्थीत :—— 20—116 GI/83 (1) भी कांशी राम सुपुत श्री जम्मू राम, रादौर रोड कैंप, यमुना नगर,

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सत्या देवी
पत्नी देशराज,
श्रीमती सावित्नी देवी
पत्नी श्री ईश्वर चन्द्र,
निवासी गांव ममोदी,
त० जगाधरी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के िनए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविध्या तल्यम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविध्य, जो भी बविध्य बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष में 45 दिन के भीतर उक्त म्थावर सम्पत्ति में हित-बय्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त गाधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

संपत्ति दुकान रादौर रोष्ठ कैंप, यमुना नगर में स्थित हैं जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगाधरी में रजिस्ट्री संख्या 4182 दिनांक 20-9-82 पर दिया है।

> आर० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 16-5-1983

भोहर :

प्ररूप आर्च. टो. एन. एस. - - - ----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीम स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 16 मई 1983 देश सं० बल्लबगढ/99/82-83–-अतः मझे, अ

निदेश सं० बल्लक्षगढ़/99/82-83—-अतः मुक्ते, आर०के० ----

भयानाः

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी मं० भूमि 40 कनाल 4 मरले हैं, तथा जो पहलाद पुर माजरा डींग में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकृर्ता अधिकारी के कार्यालय बल्लबगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्हें यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रहें प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, मिम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धाम्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कैसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सर्विधा के लिए:

अतः अवः उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनसरण भौ, भौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :--- (1) श्रीमती स्यावती पत्नी श्री एस० के० शर्मा, नि० 11, वेस्ट एवन्यू, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री विरेन्द्र सिंहु पुत्र श्री स्वरूप सिंह, श्रीमती गोमती देवी पत्नी स्वरूप सिंह, नि० तिगांव रोड फार्म, सरूप नगर, बल्लबगढ़।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा त्रधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरण -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 40 कनाल 4 भरले पहलाद पुरमाजरा में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बल्लभगढ़ में रजिस्ट्री संख्या 6648 दिनांक 13-9-82 पर दिया है।

> आर० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,रोहतक

तारीखा : 16-5-1983

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

रोहनक, दिनांक 16 मई 1983

निदेश सं० बल्लभगढ़/100/82-83---अतः मुझे, आर० के० भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 53 कनाल 5 मरले हैं, तथा जो पहलादपुर माजरा डींग में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बल्लभगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके खरयमान प्रतिफल से, एंसे खरयमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती दयावती पत्नी श्री एस० के० शर्मा, 11, वेस्ट एवन्यू, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री बिजेन्द्र सिंह पुत्न स्वरूप सिंह, श्रीमती गोमती देवी पत्नी श्री स्वरूप सिंह, नि० तिगांव रोड फार्म, स्वरूप नगर, बस्लभगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिक्तित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीक रण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया ही।

अन्स्ची

संपंति भूमि 53 कनाल 3 मरले पहलाद पुर माजरा डींग में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बल्लबगढ़ में रजिस्ट्री संख्या 6649 दिनांक 15982 पर दिया है।

> आर० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

नारीख: 16-5-1983

प्ररूप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 मई 1983

निदेश सं० जगाधरी/137/82-83—अतः मुझे, आर० के० भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य, 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं भूमि 9 कनाल 9 मरले हैं, तथा जो गुलाब नगर, त० जगाधरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगाधरी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धून या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1057 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री अजमेर सिंह व अकाल सिंह पुत्रान चरण सिंह पुत्र कर्म सिंह, नि० तेली माजरा, तहसील जगाधरी।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कुसुम लता पत्नी श्री कृशन दास पुत कांशी राम, नि० 40, अनाज मंडी, जगाधरी।

(अन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य काबित द्वारा प्रधारता की पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्यष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

संपत्ति भूमि 9 कनाल 9 मरले गुलाब नगर में स्थित हैं जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ती के कार्यालय, जगाधरी में रिजस्ट्री संख्या 4394 दिनांक 30-9-82 पर दिया है।

> आर० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी, सहायक आंयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज रोहतक

तारीख: 16-5-1983

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 मई 1983

निदेश सं० गुड़गाँवा/117/82-83---

यतः, मुझे, मार० के० भयाना,

आयकर मिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी क्षो, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 297 कनाल 15 मरले हैं तथा जो हरमरु जि॰ गुड़गाँवा में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय गुड़गाँवा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मस्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती. (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, जिम्निजित उद्देहिय से उक्त अन्तरण निर्मित में वास्तविक रूप से किथा गया है :---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आम को मानत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (६) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हाँ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ति अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तीयती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सिविधा के निष्;

अतः व्रथ, उक्त विभिनियम की भारा 269-म के वनुसरण में, में, उक्त विभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात :—

(1) मैं० युनिवर्सैल पाल्ट्री फार्म (ब्रीडिंग, हरसरू जि० गूड़गौंदा क्षंजरिये श्री हरिन्द्र कत्याल पुत्र भगवान दास नि० 21, बंगलो रोड, देहली-6।

(अन्तरक)

(2) सरदार इन्द्रजीत सिंह सोरी पुत्र सरदार कुलबन्त सिंह सोढ़ी, नि० ए-5, रिंग रोड, नारायणा विहार, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई आक्षोप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अभूसूची

मंपत्ति भूमि 297 कनाल 15 मरले गांव हरसरू में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, गुड़गांव में रजिस्ट्री संख्या 1962, दिनांक 24-9-82 पर दिया है

> आर० के० भयाना सक्षम प्राघिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहसक

दिसांक : 16-5-1983

प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर अमतसर, दिनांक 10 मई 1983

निर्देश सं० एफ०बी०आर०/83-84/29--यतः, मुझे, हरदयाल सिंह, आइ आर० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उवत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या एक भूमि का प्लाट है तथा जो राधा स्वामी रोड अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिषात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उन्क्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्ज में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्र/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा(1) के अधीन, निम्नलिखित क्यक्तियों, अर्थात् :--

 श्रीमती प्रभा देवी पत्नी श्री हीरा लाल नारंग मेहरा एपार्टमेंट बम्बई द्वारा आर० ए० बोगा जी० टी० रोड, अमृतसर।

(अन्तरक)

 श्री हरभजन सिंह चड्ढा एच० यू० एफ० द्वारा फर्म मैं० देवा सिंह शाम सिंह चाटी विंड गेट, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायदार हो।

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं) 4. और कोई

> (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अभोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **स से**45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर
 सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारित से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

वन्त्र्यी

एक भूमि का प्लाट जो राधा स्वामी रोड, अमृतसर में है जैसा मेल डीड नं० 10277/ 24-9-82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर।

> हरदयाल सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक 10-5-83 मोहरः प्रकप आहर्र. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर अमृतसर, दिनांक 10 मई 1983

निर्वेश सं० ए०एस०आर०/83-84/24--यतः मुझे, हरदयाल सिंह, आई०आर०एस०

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या एक भूमि का प्लाट है तथा जो राधा स्वामी रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अतः अध उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रीमती प्रभा देवी पत्नी श्री हीरा लाल नारंग वासी
मेहर एपार्टेमेंट रोड बम्बई द्वारा जनरल अटारनी
आर०ए० बोगा पुत्र ए० डी० बोगा डी० टी० रोड,
अमृतसर।

(अन्तरक)

 श्री हरभजन सिंह चठा बारा फर्म मै० देवा सिंह शाम सिंह बाहर चाटी विंड गेट अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायदार हो।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पर्शि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवीध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवीध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टींकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि प्लाट जो राधा स्वामी रोड अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 9682/13-9-82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

> हरदयाल सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 10-5-83

प्रकर बाई• टी• एम• एस•--

नायफर मीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, असृतसर अमृतसर, दिनांक १ म**ई** 1983

निदेश सं० ए०एस०आर०/83-84/25---यतः, मुझे, हरदयाल सिंह, आई०आर०एस०,

बामकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो जी०टी० रोड अतमृसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत निम्नलिखित उद्देश्य से उथत अन्तरण निखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त जिथ-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिएन में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/वा
- (स) ऐसी किसी नाम या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्ह भारतीय नायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रस्ट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए;

बतः बब, उबत जीधनियम की धारा 269-ग के, जमुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसिए व्यक्तियों, वर्धाद्यः

- श्री वाबा पूरन नाथ चेला बाबा गयान नाथ वासी राम तीर्थ महान रिशी बालमीकी मंदिर अमृतसर हारा बहादुर सिंह पुत्र वरियाम सिंह चौक मोनी अमृतसर। (अन्तरक)
- 2. श्री ठाकुर सिंह, जय सिंह, पिरथी पाल सिंह पुत्रान ठाकुर बलीप सिंह जी० टी० रोड, अमृतसर ।

(अन्तरिती)

3. जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो,

(बहु अयक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

4. और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सृचना जारी करके पृथाँकत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियों करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुबारा;
- (व) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बंद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए आ सकीगे।

स्पेक्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

एक जायदाद जो जी० टी० रोड सामने हरीगेशन आफिसर अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 9205/2-9-82 रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी अमतसर में दर्ज है।

> हरदयाल सिंह आई०आर०एस० सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारी**ख** 9-5-1983 मो**हर** : प्ररूप आर्ष्ट्. टी. एन. एस.:=----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-घ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 10-5-83

निर्देश सं० ए०एस०आर०/83-8/26—यतः मुझे हरदयाल सिंह आई०आर०एस०

भागकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या एक जायदाद वटाला रोड़ अमृतसर में है, तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उजाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई ही और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की अधत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ऑर/या
- (स) एसे किसी बाय या किसी धन या अन्य आरितयों को, जिन्हों भारतीय झायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) ही प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः सब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- 21—116GI/83

 श्री ओम् प्रकाश पुत्र दीवान चन्द वासी पवन नगर अमृतसर।

(अन्तरक)

 श्री तिलक राज पुत्र इणर दास पवन नगर अभृतसर।

(अन्तरिती)

- जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पृतित हैं)
- 4. डऔर कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पर्वकित्य :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

एक जायदाद 450 वर्ग गज जो बटाला रोड. अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 9441/7-9-82 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में धर्ज है।

जे० एस० गिरधर सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 10-5-83

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर अमृतसर, दिनांक 10 मई, 1983

निर्वेश सं ० ए०एस०आर०/83-84/27—अतः मुझे हरदयाल सिंह आइ०आर०एस०

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद जो बटाला रोड अमृतसर में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 19 सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्र हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वरयमान प्रतिफल से, एसे द्वरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया , गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वर्षय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिमियम के अधीन कर दोने की अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सिवधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अला आरिता। को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था लियाने में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (।) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात्:— श्री ओम प्रकाश पुत्र वीवान चन्द वासी।
 पवन नगर, अमृतसर ।

(अन्तरक)

 श्री अविदरपाल सिंह पुत्र मेहर सिंह अलोवाल जिला होशियारपुर ।

(अन्तरिती)

जैसा ऊपर मं० 2 में कोई किराएदार हो।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

- और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
- है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है।

को **यह सूचना जारी करके पूर्वोक्**त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता ह<u>ै</u>।

उक्त सम्पत्ति कं अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त रुधावर सम्पत्ति मों हित-यव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

वनुसूची

एक जायदाद 297 वर्ग गज जो टी० पी० स्कीम नं० 53, बटाला रोड, अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 9440/7-9-82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है ।

हरदयाल सिंह, आई०आर०एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 10-5-83

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 मई, 1983

निर्देश सं ० ए०एस०आर०/83-84/28---यतः मुझे हरदयाल सिंह आई०आर०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि है तथा जो गांव जौड़ा छितरां, जिला गुरदासपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुरदास-पुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सृविधा के लिए और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकरे अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के लिए;

अक्षः अषः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अन्सरणं मों, मों, उक्त अधिनियमं की धारा 269-शं की उपधाद्वा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्रोमंतो पुरो पुत्री जीवा व पत्नी घनन सिंह गांव जीड़ा छितरां तहसील जिला गुरदासपुर ।

(अन्तरक)

2. श्री हरभजन सिंह पुत्र जोगिन्दर सिंह वासी गांव जौड़ा छितरां तहसोल व जिला गुरदासपुर।

(अन्सिर्दिती)

3. जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभौग में सम्पत्ति है)

4. और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्<mark>जन के लिए</mark> कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धों व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

कृषि भूमि 50 कताल 19 मरले जो गांव जौड़ा छितरां गुरदासपुर जैसा मेल डीड नं० 3998/23/9/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गुरदासपुर में दर्ज हैं ।

हरदयाल सिंह, आई०आर०एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 9-5-83

प्ररूप आइ.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जनरेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 10 मई 1 983

निर्वेश सं० ए०एस०आर०/83/84/30--यतः मुझे हरदयाल सिंह आई०आर०एस०

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्तं अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम् प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या एक भूमि का प्लाट है तथा जो राधा स्वामी रोड, अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) आरे अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए स्थ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है .--

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त धिध-नियम के प्रधीन कर दने के मन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। भौर/या
 - (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में ,मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन-, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् हिन्स

- श्रीमती प्रभा देवी विधवा हीरा लाल वासी
 मेहर एपार्टमेंट रोड बबड द्वारा जनरल अटारनी आर०
 ए० बोगा पुत्र ए०द० बोगा जी० टी० रोड, अमृतसर।
 (अन्तरक)
- श्री प्रताप सिंह पुत्र कल्याण सिंह वासी तरन तारन जिला अमृतस्र ।

(अन्तरिती)

- 3. जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभ्रोग में सम्पत्ति है)
- 4. और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंधे में कांई आक्षोप :---

- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनु**सू**ची

एक भूमि का प्लाट जो राधा स्वार्मी रोड अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 10750/30-9-82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी में दर्ज है।

> हरदयाल सिंह आई०आ.र०एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक: 10-5-83

प्ररूप आर्ड. टी. एत. एस.-----

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ्अर्जन रेंज, अमृतसर

अमतसर, दिनांक 9 मई 1983

निदेश सं० ए० एस० आर० 83-84/31--यतः मुझे हरवयाल सिंह आई आर एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो कटड़ा मोती राम अमृतसर स्थित है (और इससे उपावह अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1982

को प्योंक्स सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे अधने मों सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी लाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिक व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री विजय कुमार पुत्र पिशोरी लाल कटडा मोती राम अमतसर

(अन्तरक)

(2) श्री बनारसी दास चोपडा पुत्र चूनी लाल चोपड़ा 128 कटड़ा मोती राम, अमृतसर

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएवार हो (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई

(वह व्यक्ति, जिलके तार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह स्चना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बस्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

एक जायदाद जो कटडा मोती राम अंदर हाथी गेट अमृसतर में हैं जैसा सेल डोड़ नं० 9924/20-9-82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

> हरदयाल सिंह, आई० आर० एस सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज श्रमृतसर

तारीख 9-5-83 मोहर : प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-व् (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 मई 1983

निवेश सं० ए० एम० आर० 83-84/32--यतः मुझे, हरदयाल सिंह आई आर एम

आयकर अधिनियम., 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्सास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० एक जयदाद है तथा जो कटड़ा मोती राम अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनसुची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यात्रय अमृतसर् में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके श्र्यमान प्रतिफल से, एसे द्र्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी अाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री नंद किशोर पुत्र पिशोरी लाल कटड़ा मोती राम भ्रमुतसर

(अन्तरक)

(2) श्री बनारसी दास चोपड़ा पुत्न चूनी लाल चोपड़ा वासी 128 कटड़ा मोती राम अमृतसर (अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर मं०2 में कोई किराएदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

(4) और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्वनाहियां करता हूं।

उचत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या नित्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के शीगर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

एक ज़ायदाद जो कटड़ा मोती राम अंदर हाथी गेट सेल डीड नं० 9922/20-9-82 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर अधिकारी में दर्ज है।

हरदयाल सिंह, आई० आर् एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, अमृतसर

तारीख 9-5-82 होनः

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज; अमृतसर अमृतसर, दिनांक 9 मई 1983

सं० ए० एस० आरं०/83-84/33-यतः मुझे हरदयाल सिंह आई आर एस आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त-अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्नाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं एक जयदाद है तथा जो कटड़ा मोती राम अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृसतर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरंग से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए:

जतः जब, उक्त जिभिनियम की धारा 269-ए के जनसरण में, में उक्त अभिनियम की धारा 259-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तित्यों, अर्थात् :— (1) श्रीमती राम पियारी विधवा पिशोरी लाल कटड़ा मोती राम अमृतसर

(अन्तरक)

- (2) बनारसी दास चोपड़ा पुत्र चूनी लाल चोपड़ा वासी 123 कटड़ा मोती राम अमृतसर (अन्तरिती)
- (3) जैसा उपर सं० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई और (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी गाक्षेप :--

- (क) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों इत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति ह्वाता;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित । अद्ध किया क्यांच्य क्यांच्य द्यारा अधोहस्ताक्षरीं के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक जाय**दाद** जो कटड़ा मोती राम <mark>ग्रंदर हाथी गेट</mark> ग्रमृतसर में है जेसा सेल डीड नं० 9923/20-9-82 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी ग्रमृतसर में **द**र्ज है।

> हरदयाल सिंह, आई० आर० एस सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 9-5-83

प्ररूप **वार्ड** .टी . **एत् . एस**् ु------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के कथीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सष्टायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 मई 1983

निदेश सं० ए० एस० आर०/83-84/34-यतः मझे हरदयाल सिंह आई० आर० एस०

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रङ. से अधिक है^{*}

और जिसकी मं० एक भूमि की प्लाट जो सरकुलर रोड़ अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रुप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्द्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मुल्य, असको दरयमान प्रतिकाल से, ऐसे दरयमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, जिम्नलिवित उद्वेषम सं उक्त अन्तरण लिवित में भारत-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयु की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स्त) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हु भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविभाके लिए;

मतः मजः, उत्रकः स्थिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

.(1) श्री रांधे शाम खाना पुत्र अमोलक राम खाना -35 रेस `कोर्स रोड अमृतसर ।

(अन्तरक)

(2) श्री म्नील धवन पुत्र बार्लाकशन धवन 12 दसोंधा सिंह रोड अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा अपर गं० 2 में कोई किराएदार हो (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) ओर कोई (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उन्त सम्पत्ति के कर्जन के गम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप 🖫

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की **तारीय ते** 45 विन की अवधिया तरसम्बन्धी अयक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति दवारा:
- (स) इस सूचना के राजपद में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधो**हस्ताक्षरी के पास्** लिखित में किए जा अकोंगे।

स्पर्कीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

अनुसूची

एक जायदाद जो सरकुलर रोड अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 10276/ 24-9-82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज[्]है।

> हरदयाल सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 9 मई 1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर अमृनसर, दिनांक 9 मई 1983

निदेश सं० ए० एस० आर०/83-84/35--यतः मुझे, हरदयाल सिंह, आई आर० एस०

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो सरकुलर रोड अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्मालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1982

को प्वेंक्स सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझ यह बिदवास करने का कारण है कि यथापूर्वेंक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंचह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदियों से उक्त अंतरण निखित में बास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूबिधा के लिए;

जतः अग, उक्त अधिनियम की धारा 260-ग के अनसरण में. में नक्त अधिनियम की धारा 260-घ की उपधारा (1) वास्तिविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—— 22—116G1/83 (1) राधे शाम खाना पुत्र अमोलक राम खाना 35 रेस कोर्स रोड अमृतसर ।

(अन्तरङ)

(2) श्री कपिक्ष धवन पुत्र बालिकणन धवन 12 दसोंधा सिंह रोड अमृतसर

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उपर मं० 2 में कोई किराएदार हो (बह ब्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्ट्रीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

अनसची

एक जायदाद जो सरकूलर रोड अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं 0.0416 / 27 - 9 - 82 रिजिस्टीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

हरदयाल सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

प्तारीख: 9-5-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयुक्तर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 16 मई 1983

निवेश सं० III-727/अर्जन/83-84—अतः मुझे, प्रबोध कुमार दुवे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पी० एस० नं० 343 जमाबन्दी 122/358, वार्ड नं० 30, हौं० नं० 405, 836 वर्तमान 472 है, तथा जो मोहल्ला गन्नी पुर शहर, मुजपफरपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुजपफरपुर में रजिस्ट्रीकर्रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3 सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; आर/या
- (ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अदिधीत्यम, 1922 (1922 का 11) या उत्कत अधिनियभ या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा को लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) की अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिस्यों, अर्थात:—-

(1) श्री शिव शंकर सिंह पिता श्री ए० एम० सिंह, मोहल्ला गनीपुर,पोस्ट गनीपुर नीम चौक के समीप, शहर और जिला मुजफ्फरपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री संजीवा नन्द ठाकुर,
पिता श्री श्यामा नन्द ठाकुर,
ग्राम बलुआडीह पोस्ट और थाना पलासी,
जिला पूर्णिया वर्तमान पता
मोहल्ला गनीपुर, पोस्ट गनीपुर, नीम चौक के समीप,
शहर और जिला मुजफ्फर पुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितं- बक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों आरे पदों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सची

जमीन जिसका रकवा 13 धुर जो मोहल्ला गनीपुर, थाना और पोस्ट गनीपुर गहर मुजफ्फरपुर में स्थित है तथा जो पूर्ण रूप से वसिका संख्या 15868 दिनांक 3-9-1982 में बर्णित है तथा जिसका निबंधन जिला अवर निबंधक पदाधिकारी म्जफ्फरपुर के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> प्रक्रोध कुमार दूवे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पटना, बिहार

तारीख : 16-5-1983

प्रका बार्ड. टी. एन्. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्मना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पटना पटना, दिनांक 16 मझ 1983 निदेश सं० III/741/अर्जन/83-84--अत: मुझे,

प्रबोध कुमार दूवे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मौजा धनबाद सं० 51, होल्डिंग संख्या 215/203 है, सथा जो बैंक मोड़ के नजदीक, कतर रोड पर जिला धनबाद में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विशिष्त है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, धनबादमें रिजस्ट्रीकरण अधिनियम

(1908 का 16) के अधीन, तारीख 14 सितम्बर, 1982 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुक्तें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सें, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और वंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की आवत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के बिए; और/या
- (स) एंसी किसी अय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्त्रिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विभा के लिए;

(1) श्री पूरन लाल बी० धावड़ा वल्द स्व० बी० जी० घावड़ा, मैनेजिंग टस्टी, वास्ते घाला भाई विद्योतोजवः मण्डल निवासी कतरास रोड, जिला धनबाव ।

(अन्तरक)

(2) श्री सुनील कुमार सिंह वल्क श्री राम बहादुर सिंह, ब्रारा ऊषा टाकिज, 'पोस्ट झरिया, जिला धनबाक ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

इक्स सम्परित के कर्पन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तबष्ध किसी अन्यं व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकेये।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वा उससे अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन मय मकान जिसका रकवा 6 कट्ठा 11 छटांक हैं तथा जो बैंक मोड़ के नजदीक कतरास रोड पर जिला धनबाद में स्थित हैं एवं पूर्ण रूप से विसका संख्या 10722 विनोक 14-9-1982 में विणित है और जिला अवर निबंधक पद्माधिकारी, धनबाद के द्वारा पंजीकृत हैं।

> प्रकोध कुमार दूबे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बिहार, पटना

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नसिंखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तपरीख: 16-5-1983

मोहर 🗓

प्रारूप बाई.टी.एन.एत.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन मुखना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 16 मई 1083

निदेश सं । III-747/अर्जन/83-84—अतः मुझे, प्रबोध कुमार दुवे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिलका उवित बाजार मन्य 25,000/रा. से अधिक हैं

और जिसकी मं० आर० एस० प्लाट संख्या 855, खाता संख्यां 21 है, तथा जो बरियातु, थाना जिला रांची में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकर्राण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18 सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एवसमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके एरयमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितियार) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्बेश्य से उक्त अन्तरण लिखित भे यास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/व
- (क) ऐसी किसी आय था किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भरतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के निए।

जतः अव, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, जक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास् ६——

- (1) 1. श्री ग्रनिश चन्त्र सिन्हा
 - श्री अधीम चन्द्र सिन्हा,
 - श्री विकास चन्द्र सिन्हा, सभी निवासी 59-ए, बी० टी० रोड, कलकत्ता-2।

(अन्तरक)

(2) श्री लाल धरेन्द्र नाथ सहदेव, निवासी खूंटी, पोस्ट/जिला रांची ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्परित कें अर्थन के लिए कार्यनाहियां शुरू कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से
 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसची

सिर्फ जमीन जिसका रक्ष्या 23 कट्ठा 12 छटांक है तथा जो बरियातु, थाना/जिला रांची में स्थित है एवं पूर्ण रूप से वसिका सख्या I-8244 दिनांक 18-9-1982 में वर्णित है और जिसका निबंधन सब रजिस्ट्रार आफ एसोंरेंस कलकत्ता के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

प्रबोध कुमार दूबे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बिहार पटना

तारी**ख** : 16-5-1983

प्रकप आई.टी.एन एस. ------

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 16 मई 1983

निदेश सं० III-744/अर्जन/83-84---अतः मुझे, प्रबोध कुमार दूबे बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक

भायकर आधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रूत से अधिक हैं

और जिसकी सं० मौजा धनबाद सं० 51, होस्डिंग सं० 215/203 है, तथा जो बैंक मोड़ के नजदीक, कतरास रोड, पर जिला धनबाद में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के

पूरा रूप से वाणत ह), राजस्ट्राकता आधिकारा के कार्यालय, धनबाद में राजस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14 सितम्बर, 1982 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) भन्तरण से हुई किसी माम की बाबत उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमा करनं या उससे अवनं ये मृतिधा के सिए; बार/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियरं को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री पूरन लाल बी० चावड़ा बल्व स्व० बी० जी० चावड़ा, मैनेजिंग टस्ट्री, वास्ते घाला भाई विद्योत्तोजक मंडल, निवासी कतरास रोड, जिला धनबाद ।

(अम्तरक)

(2) श्री संजय सिंह वस्त श्री राम बहादुर सिंह, द्वारा ऊषा टाकिज, पोस्ट झरिया, जिला धनबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए। कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 विन की अविभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त, स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्कीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

बगुलूची

जमीन मय मकान रक्षवा 6 कट्ठा 11 छटांक तथा जो बैंक मोड़ के नजदीक, कतरास रोड पर, जिला धनबाद में स्थित है एवं पूर्ण रूप से वसिका संख्या 10719 दिनांक 14-9-82 में विणित है और जिला औवर निबंधक पदाधिकारी, धनबाद के द्वारा पंजीकृत है ।

> प्रबोध कुमार दूवें सक्षम प्रांधिकारी सहायक 'आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बिहार, पटना

दिनांक : 16-5-1983

प्रकाप आहें. टी. एत्. एस. ---

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना पटना, दिनांक 16 मई 1983

निदेश सं० III-743/अर्जन/83-84—अतः मुझे, प्रबोध कुमार दुवे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित गाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं।

और जिसकी सं० मौजा धनबाद सं०-51, होल्डिंग सं० 215/203 है, तथा जो बैंक मोर के नजदीक, कतरास रोड पर, जिला-धनबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, धनबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14 सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक ही और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिस्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी अय की बाबत, उपल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसते क्वने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसा किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भाषा किया जाना जाहिए भा, कियाने में सुविभा के लिए;

जतः अस उचत अभिनियम कीः भारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

(1) श्री पूरन लाल भी० चावड़ा थल्द स्व० भी० जी० चावड़ा, मैनेजिंग ट्रस्टी, वास्ते घाला भाई विद्योत्तेजग मंडल निवासी कतरास रोड, जिला धनबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरेन्द्र सिंह वल्द श्री राम बहादुर सिंह, द्वारा ऊषा टॉकीज, पोस्ट झरिया, जिला धनबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध काद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ग।

स्पक्तिकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनसची

जमीन मय मकान जिसका रकबा 6 कट्ठा 11 छटांक है तथा जो बैंक मोर के नजवीक कतरास रोड पर, जिला धनबाद में स्थित है एवं पूर्ण रूप से वसिका सं० 10720 दिनांक 14-9-1982 में वर्णित है और जिला अवर निबंधक पदाधिकारी, धनबाद के द्वारा पंजीकृत है।

> प्रबोध कुमार दूबे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बिहार, पटना

तारीख: 16-5-1983

प्ररूप आहर्. टी. एन. एस. ----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालम्, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 16 मई 1983

निदेश सं० 111-739/अर्जन/83-84—अतः मुझे, प्रबोध कुमार दूबे आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० मौजा धनबाद सं० 51, होस्डिंग सं० 215/203 है, तथा जो बैंक मोड़ के नजवीक, कतरास रोड पर, जिला धनबाद में स्थत है (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्च। में और पूर्ण रूप से घणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, धनबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)

के अधीन, तारीख 14 सितम्बर, 1982 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे ख्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (मा) अन्तर्ध ८ १६ किमी स्नाय की बाबत अवत अधिनियम के अधीत कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने पा उसक बचने में मुविधा के लिए; और/णा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अध्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ध्रायकर श्रिष्ठितियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम या वनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वया या या जिया जाना चाहिए वा विपान में सुविधा के निय ;

धतः वन, उनत बिविनियम की धारा 269-य के धन्सरण में, में, उनत अविनियम की बारा 269-म की उधारा(1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः -

(1) श्री पूरन लाल भी० चावड़ा बल्द स्व० भी० जी० चावड़ा, मैनेजिंग ट्रस्टी, वास्ते घाला भाई विद्योत्तोजक मंडल, निवासी कतरास रोड, जिला धनबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री माधो सिंह वल्द श्री राम बहादुर सिंह, द्वारा ऊषा टाकीज, पोस्ट झरिया, जिला धनबाद ।

(बन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्ज प्रजीवत संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

· उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में को**ई भी बाक्षेप**ः—--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उच्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकने।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयमः के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

अनुस्ची

जमीन मय मकान जिसका रकवा 6 कट्ठा 11 छटांक है तथा जो बैंक मोड़ के नजदीक कतरास रोड पर जिला धनबाद में स्थित है एवंम पूर्ण रूप से विसका संख्या 10724 दिनांक 14-9-82 में विणित है और जिला अवर निबंधक पदाधिकारी, धनवाद के द्वारा पंजीकृत है।

> प्रबोध कुमार दूबे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पटना बिहार

तारी**ख** : 16-5-1983

माहर 🦠

प्ररूप भाइ. टी. एन. एस. ----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, पटना

पटना, विनांक 16 मई 1983

निवेश सं० III-742/अर्जन/83-84—अतः मुझे, प्रबोध कुमार दुबे

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक हैं

और जिसकी सं० मौजा धनबाद सं० 51, होस्डिंग सं० 215/203 है, तथा जो बँक मोड़ के नजदीक, कतरास रोड़ पर, जिला धनबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, धनबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 14-9-82

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्यों से उक्त अन्तरण निसित में बास्तिमक रूप से किथत नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरण के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एंसी किसी अय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अन उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तिसयों, अर्थात् :--- (1) श्री पूरन लाल भी० चावड़ा वल्द स्व० भी० जी० चावड़ा, मैनेजिंग ट्रस्टी वास्ते घाला भाई विद्योत्तेजक मंडल, निवासी कतरास रोड जिला धनबाद ।

(अन्सरकः)

(2) श्रीमती जयन्ती वेवी जौजे श्री राम बहादुर सिंह, द्वारा ऊषा टाकीज, पोस्ट झरिग्रा, जिला धनबाव ।

(अस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी ध्यिक्तयों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति इतारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन मय अकान जिसका रकवा 6 कट्ठा 11 छटांक है तथा जो बैंक मोड़ के नजदीक कतरास रोड पर जिला धनबाद में स्थित है एवं पूर्ण रूप से वसिका संख्या 10721 दिनांक 14-9-82 में वॉणित है और जिला अवर निश्वंधक पदाधिकारी, धनबाद के द्वारा पंजीकृत है।

> प्रबोध **कु**मार दूबे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पटना

तारीख : 16-5-1983

प्ररूप आहें. टी. एन. एस. -----

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना विनांक 16 मई 1983

निवेश सं० III-746/अर्जन/83-84—अतः मुझे, प्रबोध कुमार दुबे,

नायकर मिर्पनियम, 1961 (1961 का 43) जिन्ने इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25000 द० से प्रधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० प्लाट संख्या 845, खाता संख्या 21 है, तथा जो बरियातु, थाना/जिला रांची में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलक्सा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18 सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दूरयमान प्रतिकल से, एसे दूरयमान प्रतिकल का पढ़ प्रतिस्ति से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विभिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अमकर अधिनियम, या अमकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिवाने मे स्विका के लिए;

मतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिखित व्यक्तियों, वर्धात ह—— 23—116GI/83

- (1) श्री अतिश चन्द्र सिन्हा,
 - 2. श्री अधीश चन्द्र सिन्हा,
 - श्री विकास चन्द्र सिन्हा, सभी निवासी 59 ए, बीठ टीठ रोड, कलकत्ता-2।

(अन्तरक)

(2) श्री लाल पुष्पेन्द्र नाथ सहवेव, निवासी खूटी, पोस्ट/जिला रांची ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उथत सम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविष मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी क्विभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथीं कर क्यांक्त क्यांक्त में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस स्कृता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के साथ लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पद्धक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहु वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सिर्फ जमीन जिसका रकवा 23 कट्ठा 7 कछांक है तथा जो बरियातु, थाना/जिला रांची में स्थित है एवं पूर्ण रूप से वसिका संख्या I-8243 दिनांक 18-9-1982 में वर्णित है और जिसका निबंधन सब रजिस्ट्रार आफ एसोरेंस के द्वारा सम्पन्न हुआ।

> प्रबोध कुमारड् दूबे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पटना

तारीज : 16-0-1983

प्रकप गाइ. टी. एन. एस. - - - ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायभ आयकर भायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पटना
पटना, दिनांक 16 मई 1983

निदेश सं० 111-748/अर्जन/83-84--- स्रतः मुझे, प्रबोध कुमार दूबे,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० प्लाट संख्या 855 खाता संख्या 21 है, तथा जो बरियातु, थाना/जिला रांची में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18 सितम्बर, 1982

की पूर्वोक्स सम्मित के उचित बाजार मून्य से कन के क्रममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है जौर मुक्ते नह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नीतिश्वत व्यक्तियों, अर्थात् :---

श्री अलिण चन्द्र सिन्हा,
 श्री अधीण चन्द्र सिन्हा,
 श्री विकाण चन्द्र सिन्हा,
 सभी निवासी 59 ए,
 बी० टी० रोड, कलकत्ता -2 ।

(अन्तरक)

(2) श्री उदय नारायण सिंह, निवासी अरच्आ,हरिहरगंज, जिला पलाम्।

(अन्तरिती)

करों ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उसत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हांसी हो, के भीतर पुर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुस्थी

सिर्फ जमीन जिसका रकबा 25 कट्ठा 11 छटांक है तथा जो बरियातु, थाना/जिला-रांची में स्थित है एवं पूर्ण रूप से विसका संख्या I-8245 दिनांक 19-9-1982 में विणत है और जिसका निबंधन सब-रजिस्ट्रार आफ एस्योरेंस, कलकत्ता के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> प्रबोध कुमार दूबे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पटना

तारीख: 16-5-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारान संराक्तर

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, पटना पटना, दिनांक 16 मई 1983

निदेश सं॰ III - 740/अर्जन/83-84--अतः मुझे, प्रबोध कुमार दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- क. में अधिक है

और जिसकी सं० मौजा धनबाद सं० 51, होल्डिंग संख्या 215/203 है, तथा जो बैंक मोड़ के नजदीक, कतरास रोड पर, जिला धनबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याखय, धनबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14 सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में बास्त-विक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण ये हुई िकसी आय को यानत उक्त लिप-नियम के बधीन कर दोने के अम्सरक के दायित्य को कमी करने या उससी बचने मों सुविधा के लिये; और या
- (क) एसी किसी खाय या किसी धन या अन्य नास्तिया की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में , मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीत. निम्निलिचित स्यक्तियों, अर्थीत :---

(1) श्री पूरन लाल भी० चावड़ा बल्द स्व० भी० जी० चावड़ा, मैनेजिंग ट्रस्टी बास्ते घाला भाई विद्योजत्तोक मंडल, निवासी कतरास रोड, जिला धनबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री माधवेन्द्र सिंह वल्द श्री जंग बहादुर सिंह, द्वारा ऊषा टाकीज, पोस्ट–क्षारिया, जिला धनबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवोंक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ख व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टोकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अम्सूची

जमीन मय मकान जिसका रक्खा 6 कट्ठा 11 छटांक है तथा जो बैंक मोड़ के नजदीक कतरास रोड पर, जिला धनबाद में स्थित है एवं पूर्ण रूप से वसिका संख्या 10723 दिनांक 14-9-1982 में विणित है और जिला अवर निबंधक पदा-धिकारी, धनबाद के द्वारा पंजीकृत है।

> प्रबोध कुमार दूबे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पटना

तारीख: 16-5-1983

मोहरः

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत त्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण) अर्जन. रेंज, पटना पटना, दिनांक 16 मई 1983

निवेश सं० III-745/अर्जन/83-84---अतः मुझे, प्रबोध कुमार दुवे,

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृख्य 25,000/- रुपये से अधिक है

25,000/- रुपय से अधिक हैं
और जिसकी सं० मौजा धनवाद, सं० 51, होस्डिंग संख्या
215/203 है, तथा जो बैंक मोड़ के नजदीक, कतरास रोड
पर, जिला धनवाद में स्थित है (और इससे उपावथ अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, धनवाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 14 सितम्बर, 1982
को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्थमन
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उजित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, एसे दस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय
पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण
लिखित में बास्तियक रूप से किथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वादित्व में कभी करने या उत्तरे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आयन्या किसी थन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने कें सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त बिधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के सभीन, निस्निधित व्यक्तियों, सभीत्ः— (1) श्री पुरन पुलाल भी० चावड़ा वल्द स्व० भी० जी० चावड़ा, मैनेजिंग द्रस्टी वास्ते, चाला भाई विद्योक्तीजक मंडल, निवासी कतरास रोड जिला जिला धनवाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री साधो सिंह वल्द श्री राम बहादुर सिंह, द्वारा ऊषा टाकीज, पोस्ट झरिया, जिला धनबाद ।

(अन्तरिती)

को बहु सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्वनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बच्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण :---इसमें प्रयुक्त सन्धों और पदों का; जो उक्त ऋधिनियम के ऋष्याय 20का में परिभाषित है, वहीं भ्रषं होगा; जो उस अध्याय में दिया स्या है।

वरमची

जमीन मय जिसका रिकबा 6 कट्ठा 11 छटांक है तथा जो बैंक मोड़ के नजबीक, कतरास रोड पर, जिला धनबाद में स्थित है एवं पूर्ण रूप से वसिका सं० 10718 दिनांक 14-9-1982 में विणित है और जिला अवर निबंधक पदा-धिकारी, धनबाद के द्वारा पंजीकृत है।

> प्रबोध कुमार दूबे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्ट (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पटना

तारीख: 16-5-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक सायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 4 मई 1983

निदेश सं० एम० 803/82/एक्यू०/मंसूरी— अतः मुझे, विवेक बनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/~ रुं. से अधिक हैं

और जिसकी सं कृषि भूमि है तथा जो कुआनवाला, वेहरादून में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मंसूरी में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 14-9-82 को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिद्यात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत , उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूत्रिधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी भन या बन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री मुल्कराज बन्ना एवं पुन्नगण चन्द्र भूषण बन्ना व भारत भूषण बन्ना; निवासी निरंजन पुरं जिला देहरादून ।

(अन्सरक)

(2) मै० शकुन्त सोलवेन्टस एण्ड केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड डी० 1/11 अगोक विहार-II विल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थहोगाजो उस अध्याय में दिया गया है।

भन्सूची

कृषि भूमि स्थित ग्राम कुआन वाला जिला वेहरादून ।

विवेक बनंजीं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

तारीखा : 4-5-1983

माहार 🗓

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 6th May, 1983

No. A. 11016/1/83-Admn. III—The President is pleased to appoint the following Assistants of the office of Union Public Service Commission to officiate as Section Officers on ad-hoc basis for the periods indicated against each or until further orders, whichever is earlier:

| S. No. | Name | Period for which promoted |
|----------------|--|--|
| 2, 3. 4. | S/Shri Raj Kumar Gurdass D.P. Arora Bhagwati Charan Shri S. K. Bansal | 1-5-83 to 25-5-83 7-5-83 to 31-5-83 6-4-83 to 31-5-83 26-3-83 to 27-5-83 1-5-83 to 28-5-83 |

No. A. 11016/1/83-Admn. III—The President is pleased to appoint the following Section Officers of the Union Public Service Commission to perform the duties of Desk Officer in the office of the Union Public Service Commission for the periods indicated against each or until further orders, whichever is earlier:—

| S. Name No. | Period |
|-----------------------|---|
| S/Shri | · · · · · · · · · · · · · · · · · · · |
| 1. Krishan Kumar | 1-5-83 to 25-5-83 |
| 2. N. M. L. Bhatnagar | 26-5-83 to 4-4-83 and |
| 3, K, P, 1yer | 6-4-83 to 31-5-83 18-4-83 to 31-5-83 |

The above officers shall draw Special Pay @ Rs. 75/- per month in terms of D. O. P. & A.R.O. M. No. 12-/1/74-CS I dated 11th December, 1975.

Y.R. Gandhi, Under Secy. Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DEPARTMENT OF PERSONNEL & AR CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 24th May 1983

No. N/2/70/Ad. V.—The services of Shri N. L. Ramanathan, Dy. Supdt. of Police on deputation to Central Bureau of Investigation from Tamil Nadu Police on repatriation, were placed at the disposal of Govt. of Tamil Nadu with effect from 30th April, 1983 forenoon.

No. A/19036/6/83/Ad. V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police/Special Police Establishment hereby appoints Shri S, Somasekharan Nair, Inspector of Police, Kerala State Police as officiating Dy. Superintendent of Police in C.B.I./SPE on deputation with effect from 30th April, 1983 forenoon, and until further orders.

No. A-20024/2/83-Ad. V.—The Director, Central Burgau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri Mahendra Pratap Singh as Assistant Public Prosecutor, C.B.I. with effect from forenoon of 30th April, 1983

CENTRAL FORENSIC SERVICE LABORATORY

The 28th May 1983

No. 1-27/81-CFSL4517—In continuation of notification No. 1-27/81-CFSL dated 22nd Sept. 1982, the President is pleased to appoint Dr. S. K. Lahori, Senior Scientific Assistant, Central Forensic Science Lab., C.B.I., New Delhi as Senior Scientific Officer (Gr. II), (Lie-Detector) in the Central Forensic Science Laboratory, C.B.I., New-Delhi w.e.f. 19-2-83 (Forenoou) on ad-hoc basis for a further period upto 30-6-83 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

R. S. NAGPAL Admn. Officer (c) Central Bureau of Investigation

LAL BAHADUR SHASTRI NATIONAL ACADEMY OF

ADMINISTRATION

Mussoorie, the 6th May 1983

No.2/7/81-I-ST.—In partial modification of Department of Personnel & Administrative Reforms (Ministry of Home Affairs), New Delhi's Notification No. 13019/9/81-Trg. II dated the 17th March, 1982 Smt. Manjulka Singh, Hindi Instructor in the LBS National Academy of Administration, Mussoorie assumed the charge of the post of Assistant Professor of Hindi the LBS National Academy of Administration, Mussoorie in the forenoon of 1st January, 1982.

A. K. DAS Dy. Director.

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi, the 21st May 1983

No. D-I-17/81-Estt-I.—Consequent on his appointment on deputation to ITDC as General Manager (Vigilance), Shri S. P. Singh Commandant Asst. Director (Training) II, Dte. Genl. CRPF, relinquished the charge of the post of AD (Trg) II on the afternoon of 26-4-1983.

A. K. SURI Asstt, Dir. (Estt)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENER AL, INDIA

New Delhi-11, the 25th May, 1983

No. 10/29/80-Ad. I—The President is pleased to appoint, on deputation, the undermention officials as Assistant Director (Data Processing) in the offices as mentioned against their names on a purely temporary and ad-hoc basis, for a further period upto the 31st August, 1983 or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier:—

| Sl. No. | Name of the officials | Office in which working | Prescribed headquarters |
|--------------|-----------------------|---------------------------|----------------------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| | S/Shri | | |
| 1. | O.P. Ahuja | RGI, New Delhi | New Delhi |
| 2. | S.R. Garg | RGI, New Delhi | New Delhi |
| 3. | K.B. Rohtagi | RGI, New Delhi | New Delhi |
| 4. | P.N. Baweja | RGI, New Delhi | New Delhi |
| 5. | R.N. Pongurlekar | DCO, Maharashtra | Bombay |
| 6. | A.V. Vallinathan | DCO, T amil Nadu | Madras |
| 7. | G.D. Aggarwal | DCO, Rajasthan | Jaipur |
| 8. | G.C. Mishra | DCO, Bihar | Patna |
| 9. | M.M.A. Beg | DCO, Uttar Pradesh | Lucknow |
| 10. | B.K. Patel | DCO, Gujarat | Ahmedabad |
| 11. | A.G. Oak | DCO, Madhya Pradesh | Bhopal |
| 12. | R.Y. Revashetti | DCO, Karnataka | Bangalore |
| 13, | L.C. Sharma | RGI, New Delhi | New Delhi |
| 14. | N. K. Bhatnagar | RGI, New Delhi | New Delhi |
| 15.] | K.B. Lakhan Pal | DCO, U.T. Chandi- garh | Chandigarh |
| 16.] | N. K. Purohit | DCO, Rajasthan | Jaipur |
| 17. | Ch. P.C. Rao | DCO, Andhra Pradesh | Hyderabad |
| 18.] | K. K. Sharma | DCO, Andhra Pradesh | Hyderabad |
| 19.] | D. P. Chatterjce | DCO, West Bengal | Calcutta |
| 20. 3 | S. Jayashanker | DCO, Kerala | Trivandrum |

| 1 2 | 3 | 4 |
|-----------------------|-----------------------------|--------------------------|
| 21. A.S. Dhillon | DCO, Gujarat DCO, Orissa | Ahmedabad Bhubaneswar |
| 23. J. Thomas Machado | DCO, Maharashtra | Bombay |

The 25th May 1983

No. 11/11/82-Ad. I.—The President is pleased to appoint Shri M. Vidya Sagar, Investigator (Social Studies) in the Office of the Registrar General, India, New Delhi, as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Director of Census Operations, Madhya Pradesh, Bhopal on ad-hoc basis, for a period not exceeding one year, with effect from the forenoon of the 30th April, 1983 or till the post is filled in on a regular basis, whichever is earlier.

The headquarters of Shri Vidyasagar will be at Bhopal.

P. PADMANABHA Registrar General.

FINANCE COMMISSION

New Delhi, the 23rd May 1983

No. 8 F. C. 2 (32)-A/82.—Consequent on his transfer from the Bureau of Public Enterprises, New Delhi, Shii Chaman Lal, Stenographer Grade 'B' of the CSSSS has been appointed as Stenographer Grade 'B' in the Eighth Finance Commission in the scale of Rs. 610-1040 with effect from the forenoon of 11th May, 1983 and until further orders.

S. L. MATHUR Under Secy

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA New Delhi, the 21st May 1983

No. CA. I/64-70.—On his attaining the age of superannuation Shri M. S. Rama Rao, Audit Officer (Commercial) serving in the office of the Accountant General-I, Karnataka, Bangalore has retired for service with effect from 31-3-1983 A.N.

M. A. SOMESWARA RAO Joint Dir. (commission)

OFFICE OF THE D.A.C.R. ORDER

New Delhi-2, the 15th March 1983

O. No. Admn. II/PF-BU-265/1467.—In pursuance of Sub Rule (1) of Rules 5 of the C.C.S. (Temporary Service) Rules, 1965 a notice was issued terminating the services of Shri, B. S. Minhas, Auditor, from the date of expiry of a period of one month from the date on which the notice was served on or as the case may be tendered to him. The notice was returned undelivered by the postal authorities on 30-12-1982 with the ramarks "refused to receive and return to Delhi."

Now, therefore, taking the date of tendering the notice to the said Shri Minhas as 30-12-1982, the undersigned hereby terminates the services of Shri B. S. Minhas with effect from 29-1-1983 (A.N.) on the expiry of period of one month from 30-12-1982.

MRS. PARVEEN 'TRIPATHI Joint Dir. of Audit (Admn. II)

Station: New Delhi Date: 15-3-1983

Shri B. S. Minhas,

Ex-Auditor, Village Post Office Muradpur, Naryal, Via Bulhouel, Distt, Hoshiarpur, PUNJAB.

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

The 30th May, 1983

No. AN/II/2606/83-I--The undermentioned Accounts officers were transferred to the Pension Establishment with effect from the afternoon of the dates shown against each on their attaining the age of superannuation.

| Sl. Name with Roster No. No. | | | | Grade | Date from which transforred to Pension Estt. | Organisation |
|--------------------------------------|---|---|----|------------------------|--|--|
| (1) (2) | | | | (3) | (4) | (5) |
| S/Shri 1. Om Prakash Kapoor P/254 | | , | | Pt. Accounts Officer | 31-10-82 | Controller of Defence Accounts, Northern Command, Jammu |
| 2. M. R. Balasundaram (P/7) | • | • | • | Do, | 31-1-83 | Controller of Defence Accounts Southern Command, Poona. |
| 3. Vidya Sagar (P/336) | | • | ٠, | Do. | 31-1-83 | Controller of Defence Accounts (Other Ranks) North, Meerut. |
| 4. Jaswant Singh (P/195) | | | - | Do. | 31-1-83 | Do. |
| 5. S. D. Sharma (P/147) | | • | | Do. | 31-1-83 | Controller of Defence Accounts (Air Force) Dehradun |
| 6. P. K. Nrayanaswamy(P/157) | | | | Do. | 31-1-83 | Controller of Defence Accounts (Officers) Pune |
| 7. T. S. Venkataraman (0/184) | | ٠ | ٠ | Offg. Accounts Officer | 31-1-83 | Controller of Defence Accounts (Other Ranks) South Madras |
| 8. K. C. Dolc(P/199) | | , | | P., Accounts Officer | 31-1-83 | Do. |
| 9. K. L. Sharma (0/83) | • | • | | Offg. Accounts Officer | 31-1-83 | Controller of Defence Accounts (Headquarters) New Delhi |
| 10. K. V. Natarajan (0/82) | | | | Offg. Accounts Officer | 31-1-83 | Controller of Accounts (Fys) Calcutta |
| 11. M. C. Sarbagga (P/328) | | | | Pt. Accounts Officer | 31-1-83 | Do. |
| 12. K. V. Kathikeyan (P/13) | • | - | • | Do, | 31-1-83 | Controller of Defence Accounts) (Navy) Bombay |
| 13. P. Annaji Rao (P/160) | • | | ٠ | Do. | 28-2-83 | Controller of Defence Accounts (ORs) South, Madras |

| (1) | (2) | | | | (3) | (4) | (5) |
|------------------|----------------|-------|---|---|------------------------|---------|---|
| S/Shri | ···· | | | | | | |
| 14. D. K. Muki | herjee (0/394) | | | | Offg. Accounts Officer | 28-2-83 | Controller of Accounts (Fys) Calcutta |
| 15. R. Subramar | nian (P/163) | | | | Pt. Accounts Officer | 28-2-83 | Do. |
| 16. V. P. Bhaga | t (P/112) | | | | Pt. Accounts Officer | 28-2-83 | Controller of Defence Accounts (Air Force) Dehradun |
| 17. K. B. Lahiri | i (P/130) | | | | Do. | 28-2-83 | Do. |
| 18. R. L. Vohar | a (P/37) | | | | Do. | 31-3-83 | Do. |
| | (0/532) | | | | Offg. Accunts Officer | 31-3-83 | Do. |
| 20. Santokh Sin | gh (P/47) | - | • | | Pt. Accounts Officer | 31-3-83 | Controller of Defence Accounts (Pensions) Allahabad |
| 21. G. Viswanat | than (P/164) | , | | | Do. | 31-3-83 | Controller of Defence Accounts (Officers) Poona |
| 22. Nityananda | Chakravarty (0 | /330) | | | Offg. Accounts Officer | 31-3-83 | Controller of Accounts (Fys) Calcutta |
| 23. R. K. Sharr | | • | • | ٠ | Do. | 31-3-83 | Controller of Defence Accounts (ORS North, Meerut. |
| 24. N. N. Gosa | in (0/702) | | • | | Offg. Accounts Officer | 31-3-83 | Controller of Defence Accounts (ORS) North, Meerut. |
| 25. C. L. Chop: | ra (0/400) | - | | • | Do. | 31-1-83 | Controller of Defence Accounts, Western Command, Chandigarh. |
| 26. Satya Dev S | harma (P/141) | | | | Pt. Accounts Officer | 28-2-83 | Do. |
| 27. V. S. Trikh | a (P/90) | | | | Do. | 28-2-83 | Do, |
| 28. S. P. Gautar | ກ (0/408) | | | | Offg. Accounts Officer | 31-3-83 | Do. |
| 29. K. R. Venk | ataramanan (0/ | 64) | | • | Do. | 28-2-83 | Controller of Defence Accounts (ORs) Central Nagpur. |

| Sl. Name with Roster No: | Grade | Date of death | Struck off strongt | h Organisation |
|----------------------------------|------------------------|---------------|--------------------|---|
| 1. Shri Cherian Zachariah (0/78) | Offg. Accounts Office. | г 9-3-83 | 10-3-83(FN) | Controller of Defence Accounts (Navy) Bombay |
| | | | | |

A. K. GHOSH, Dy. C.G.D.A. (Admin)

MINISTRY OF DEFENCE INDIAN ORDANCE FACTORIES SERVICE ORDNANCE FACTORY BOARD

CORRIGENDUM

Calcutta-16, the 25th May 1983

No. 1297/A/G.—The following amendment is made to O. F. Board Gazette Notification No. 47/G/81 dated 2-12-81 relating to the appointment of S/Shri O. P. Mehrotra and A. K. Dam, GM (SG)/DDGCF Level-II:—

FOR : 1st Nov. 1981 READ : 2nd Nov. 1981

No. 23/G/83.—The President is pleased to accept the resignation of Shri N. D. Joshi, Offg. DADGOF (Pmt, TSO/AM) from I.O.F.S. with effect from 17th January, 1982 (F.N.), i.e. the date his permanent absorption at Uttar Pradesh Development Systems Corporation Limited, Lucknow.

V. K. MEHTA Directors/Est.

DIRECTORATE GENERAL FACTORY ADVICE SERVICE AND LABOUR INSTITUTION

Bombay-400 022, the 14th May 1983

No. 5/3/83-Estt.—The Director General. Factory Advice Service and Labour Institutes, Bombay is pleased to appoint the undermentioned officers in the grade of Additional Inspector Dock Safety now redesignated as Additional Assistant

Director (Dock Safety) in the Directorate General Factory Advice Service and Labour Institutes in a substantive capacity with effect from the date mentioned against their names:

Shri A. C. Kar w.e.f. 17-12-1981 Shri K. Narasimhan w.e.f. 31-12-1981

> DR. S. S. RAMASWAMY Director General

MINISTRY OF COMMERCE OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF

IMPORTS AND EXPORTS
New Delhi, the 21st May 1983
IMPORTS & EXPORTS CONTROL
(ESTABLISHMENT)

No. 6/1062/74-ADMN(G).—On attaining the age of superannuation, Shri K. L. Dube, Junior Analyst in this office has been permitted to retire from Government Service with effect from the afternoon of the 30th April, 1983.

The 23rd May 1983

No. 6/1385/82-admn.(G)/3927.—Shri V. K. Bhatia, permanent Grade IV officer of the CSS and an officiating Controller of Imports and Exports in this office expired on 21-4-1983.

Dy. Chief Controller of Imports & Exports For Chief-Controller of Imports & Exports,

- MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSION (SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 30th May 1983

No. 12(447)/64-Admn.(G).—The President is pleased to allow Shri N. S. Nayar, Deputy Director (IMT) in the Office of the Development Commissioner (Shall Scale Industries), New Delhi to retire voluntarily from Government service with effect from the afternoon of 31st May, 1983 in terms of FR 56 (K).

C. C. ROY. Dy. Dir. (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION A-6)

New Delhi, the 21st May 1983

No. A-6/247(514).—Shri R. Sampath, permanent Assistant Inspecting Officer (Met) in the Office of Director of Inspection, Bombay retired voluntarily from Government service on the afternoon of 7th May, 1983 in terms of Rule 48A of C.C.S. (Pension) Rules, 1972.

The 24th May 1983

No. A-6/247 (428).—The President is pleased to appoint Shri B. L. Rai, Assttt. Inspecting Officer (Met-Chem) in the office if Director of Inspection, Burnpur as Assistant Director of Inspector (Mt-Chem) (Grade III of Indian Inspection Service, Group 'A', Met-Chem Branch) on ad-hoc basis in the office of Deputy Director of Inspection (Met), Durgapur under Burnpur Inspectorate with effect from the forenoon of 28th April, 1983.

Shri Rai relinquished the charge of the post of Assistant Inspecting Officer (Met-Chem) at Burnpur on 27-4-83 (A.N.) and assumed charge of the post of Assistant Director of Inspection (Met-Chem) at Durgapur on the foreitoon of 28-4-1983.

S. L. KAPPOR Dy. Dir. (Admn.)

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA (KHAN VIBHAG) GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA Calcutta-16, the 23rl May 1983

No. 4679-B/A-19012 (4-JSB)/82-19D,—Shri Jasbir Siugh Bawa. S.T.A. (Drilling) of the Geological Survey of India is appointed as Driller in the same Department on pay-according to rules in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 23rd March, 1983, until further orders.

The 27th May 1983

No. 4792-B/A-19012 (KPG)/82/19A.--Shri K. P. Gautam is appointed as Administrative Officer in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 5-5-83 until further orders.

S. K. MUKERJEE Director General

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 23rd May 1983

No. A-19011 (110)/75-Estt.A.—It is informed with profound sorrow that Shri A. P. Deuskar, Deputy Mineral Economist (Int.) expired on the forenoon of 15th March, 1983 due to road accident. His name has been struck off the strength of the Indian Bureau of Mines.

24---116GI/83

No. A-19012 (161)/82-Estt. A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri K. Nagaraja, Permanent Senior Technical Assistant (Geology), Indian Bureau of Mines is promoted to officiate as Assistant Mining Geologist in this department in Group 'B' post w.e.f. the afternoon of 29-4-83 until further orders.

No. A-19012 (171)/83-Estt. A.—On the recommenation of the Departmental Promotion Committee, Shrimat M. N. Gaikwad, Officiating Senior Technical Assistant (Ore Dressing), Indian Bureau of Mines, has been promoted to officiate in the post of Assistant Research Officer (Ore Dressing), in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 29th April, 1983.

No. A-19012 (167/83-Estt. A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri S. Krishnamurthy, Permanent Senior Technical Assistant (M. Engg.) (S.G.), Indian Bureau of Mines is promoted to officiate as Assistant Mining Engineer in this department in Group 'B' post with effect from the forenoon of 27-4-1983, until further orders.

No. A-19012 (170)/83-Estt, A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri Y. K. Shami. officiating Senior Technical Assistant (O.D.). Indian Bureau of Mines has been promoted to officiate in the post of Assistant Research Officer (Ore Dressing), in the Indian Bureau of Mines with effect from the foreneon of 29th April, 1983.

The 28th May 1983

No. A-19012 (162)/82-Estt. A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri D. S. Karkare, Permanent Senior Technical Assistant (Geology), Indian Bureau of Mines is promoted to officiate as Assistant Mining Geologist in this department in Group 'B' post w.e.f. the afternoon, of 29-4-83 until further orders.

B. C. MISHRA Head of Office Indian Bureau of Mines.

SURVEY OF INDIA Dehradun-248001, the 23rd May 1983

No. C-5954/718-A.—The ad-hoc appointment of Shri A.B. Sarkar as Establishment and Accounts Officer in No. 102 (PLO) Printing Group (FC). Calcutta, notified vide this office Notification No. C-5928/718-A dated the 19th March, 1983, is extended for further period from 15-2-83 to 1-4-83 vice Shri G. C. Audy, Establishment and Accounts Officer extended his leave.

No C-5955/718, A.—Shri R. N. Sharma, Officiating Superintendent, Surveyor General's Office, is appointed to officiate as Establishment and Accounts Officer (GCS Group 'B' post) on ad hoc basis in North Western Circle Office, Survey of India Chandigarh in the Scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 31-3-83 (AN).

No. C-5956/707—The undermentioned officers are appointed to officiate as Officer Surveyor (Group 'B' post), Survey of India in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the date as shown against each, purely on adhoc provisional basts:

| Sl. Name and Designation | Unit/Office | With effect from |
|---|------------------------------------|------------------------|
| 1. Shri Yogeshwar Dayal, Surveyor Sel. Gd. | No. 47 Party (STI) Hyderabad | 27-1-83 (FN) |
| 2. Shri Hira Mani, Surveyor Sel. Gd. | No. 44 Party (CC) Indore | 21-2-83 (FN) |

G. C. AGARWAL,
Major General
Surveyor General of India
(Appointing Authority)

ALL INDIA RADIO
Mangalore-575004, the 25th May 1983
NOTICE OF TERMINATION OF SERVICE ISSUED
UNDER RULE 5(1) OF CENTRAL CIVIL SERVICES
(TEMPORARY SERVICE) RULES, 1965

Mangalore-575004, the 25th May 1983

No. MAN-21 (155)/83-S/7110.—In pursuance of sub-rule (1) of Rule 5, of the Central Civil Service (Temporary Service) Rules, 1965, I, S. R. PAVANA MURTHY, Station Engineer, All India Radio, Mangalore, hereby give notice to Srl K. Aboobakar, Technician. All India Radio, Mangalore (Probresser) that his carriers and India Radio, Mangalore (Probresser) that his carriers and India Radio, Mangalore (Brahmavar) that his services shall stand terminated with effect front the date of expiry of a period of one month from the date on which this notice is published in the Gazette of India.

> S. R. PAVANA MURTHY Station Engineer, All India Radio.

Sri K. Aboobakar, Rahmaniya House, Door No. 184. Bengare Casba, Mangalore-575001

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY MADRAS ATOMIC POWER PROJECT

Kalpakkam 603 102, the 25th May 1983

No. MAPP/9(1)/82-Rectt.—Consequent on his selection Officer, for appointment as Assistant Personnel Shri R. Thandavakrishnan, a permanent Selection Grade Clerk in the Madras Atomic Power Project, Kalpakkam is appointed as Assistant Personnel Officer in a temporary capacity with effect from the afternoon of April 30, 1983.

> T. RAMANUJAM, Administrative Officer for Project Director.

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-16, the 24th May 1983

No. AMD-16/3/82-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri O. Bharathan, a permanent Senior Stenographer, Atomic Minerals Division, to officiate as Assistant Personnel Officer in the same Division on an ad-hoc basis with effect from the forenoon of May 2, 1983 until further orders,, vice Shri P. O. Karunakaran, Assistant Personnel Officer deputed for training.

> T. D. GHADGE, Sr. Administrative & Accounts Officer

NARORA ATOMIC POWER PROJECT

Bulandshahr, the 30th May 1983

NAPP/Adm./1(167)/83-S/5716.—Consequent upon the expiry of his deputation terms, Shri M. M. Sharma. Section Officer (Accounts), in the office of the Controller General of Defence Accounts on deputation as Assistant Accounts Officer in Narora Atomic Power Project, relinquished charge of his post on reversion to his parent department in the forenoon of May 16, 1983.

> R. K. BALI, Administrative Officer-III

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

Thane, the 20th May 1983

No. TAPS/1/18(3)/77-R.—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station appoints Shri D. Surendran a permanent Junior Stenographer and officiating Senior Stenographer in Atomic Minerals Dviision to officiate as an Officer in Assistant Administrative Officer's grade (Rs. 650-30-740-35880-EB-40-960) in the Tarapur Atomic Power Station with effect from the forenoon of May 10, 1983, until further

> D. V. MARKALE, Chief Administrative Officer

REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam, the 13th May 1983

No. RRC/A 32023/1/77-R/7126.--In continuation of this Research Centre's Notification of even no. dated 25-1-83, the Director, Reactor Research Centre has extended the period of officiating promotion of Shri Vadivel Vembian, a permanent Upper Division Clerk of Madras Atomic Power Project and officiating Selection Grade Clerk of Reactor Research Centre, on ad-hoc basis as Assistant Administrative Officer in the same Centre with effect from 13-2-83 to 28-4-83.

> S. VENKATARAMAN Administrative Officer

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION

INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT New Delhi-3, the 31st May, 1983

No. A. 38019/II/83-E.I. The undermentioned officers of India, Meteorological Department have retired from the Government service on the dates mentioned against their names, on attaining the age of superannuation :-

| S. Name No." | | Designation | Date on which officers retired |
|---|-------|------------------------------|--------------------------------------|
| S/Shri | | | |
| 1. T.V. Vardarajan | | ' Assistant Meteorologist | 31-3-83 |
| 2. H. L. Chakraborty | | Do. | Do. |
| 3. A. K. Das | | Do. | Do. |
| 4. P.S. Nayar . | | Do. | Do. |
| 5. K. Sundaram (On expiry of extensi service) | on of | Do. | Do. |
| 6. Ishar Das . | | Do. | Do. |
| 7. N. Krishnamurthy | | Do. | 30-4-83 |
| 8, R.K. Das . | | Do. | Do. |
| K. Thanikachalam | | Do. | Do. |

K. MUKHERJEE, Meteorologist (Establishment) for Director General of Meteorology

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 30th May 1983

No. 1/101/83-Estt.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri R. P. Rai, Sub-Inspector, Central Reserve Police Force, as Security Officer. in an officiating capacity, in Headquarters office, Bombay, on deputation basis, with effect from the forenoon of the March, 1983 and until further orders.

> P. K. G. NAYAR Director (Admn.) For Director General

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 23rd May 1983

No. A.32014/7/82-EC(.).—The Director General of Civil Aviation is pleased to continue the ad-hoc appointment of the undermentioned Assistant Technical Officers for a further period upto 30-6-1983 or till the posts are filled on a regular basis whichever is earlier.

Sl. No. Name

S/Shri

H. R. Kundra.
 M. C. Dey Bhowmick.
 B. K. Bhasin.

| Sl. No. Name |
|--|
| S/Shri |
| 4. S. Ramaswamy. |
| 5. S. N. Sen Gupta. 6. A. C. Dutta, |
| 7. M. N. Dhasmana. |
| 8. H. N. Adhikarl. 9. S. N. Iyengar. |
| 10. R. S. Randhava. 11. V. C. Kulshrestha. |
| 12. Biswanath Dutta. |
| 13. Haripada Ghosh. |
| 14. Jog Dhan Rastogi.15. P. T. Gujratl.16. K. K. Sandilya. |
| 16. K. K. Sandilya. 17. S. S. Kang. |
| 18. H. S. Dua. |
| 19. Karan Sagar Debnath. 20. M. V. Nambiar. |
| Yogesh Kumar Kaushik, Gopal Misra. |
| 23. Ram Saran Singh Lota. |
| 24. K. K. Gandotra. 25. K. L. Bhatia. |
| 26. M. K. Gupta, 27. K. M. Suryanarayanan. |
| 28. K. Vankataraman. |
| 29. A. M. Gupta. 30. Nag Narain Singh. |
| 31. A. N. Paranjpe. 32. M. M. Chakravorty. |
| 33. M. S. Chauhan. |
| 34. Ramnath. 35. D. S. Jagirdar. |
| 36. Jagjit Singh. 37. B. S. Khuman. |
| 38. K. C. Goswamy. |
| 39. P. K. Kakaria. 40. Amalandu Dutta. |
| 41. D. K. Taneja. |
| 42. H. C. Sachdeva. 43. Harkishan Singh Bhatla. |
| 44. M. K. Narasimha Iyengar. 45. M. A. S. Prakash Rao. |
| 46. A. N. Bhatia, |
| 47. Mohd. Manzoor Ali. 48. S. P. Dhall. |
| 49, G. D. Dubey. 50. S. N. Gupta. |
| 51. K. K. Namboodri. |
| 52. Harbhajan Singh. 53. T. S. Dhunna. |
| 54. Roop Narain Mehta. 55. P. K. Sarker. |
| 56. G. N. Saha. |
| 57. K. K. Saxena.58. B. D. Bengali. |
| 59. N. Jayaraman.60. P. S. Sangara. |
| 61. Bishambar Lal. |
| 62. A. K. Abhaynkar. 63. Arbinder Singh. |
| 64. M. K. Pardeshi. 65. Joginder Pal Singh. |
| 66. M. L. Saini. |
| 67. N. D. Kapoor. 68. L. R. Sachdeva. |
| 69. J. R. Sethi. 70. K. V. G. Rao. |
| 71. Lakshman Ram. |
| 72. P. M. Gupta. 73. C. S. Prasad. |
| 74. Prithpal Singh Jolly, 75. Beant Singh. |
| 76. J. S. Dhillon. 77. K. K. Bhanot. |
| 78. K. C. Varma. |
| 79. V. V. Krishnamoorthy, 80. M. D. Bhor. |
| 81. K. K. Srimali. |
| 82. S. C. /Gopinath. 83. S. V. Pillai. |
| 82. S. C. ¡Gopinath. 83. S. V. Pillai. 84. P. S. Sekhan. 85. V. R. K. Sharma. |
| ob. V. K. K. Sharma. |

| Sl. No. Name | | | | | |
|--|------|------|---------|----------|-----|
| 86. M. C. Sharma | | | | | |
| 87. V. S. Nanda. | | | | | |
| 88. C. J. Udeshi. 89. S. C. Dutta. | | | | | |
| 89. S. C. Dutta. | | | | | |
| 90. S. R. Kalia. 91 K. S. Tanwar | | | | | |
| 91. K. S. Tanwar 92. E. K. V. Bab | J. | | | | |
| 93. N. Venkataran | nan. | | | | |
| 93. N. Venkataran 94. T. K. Ghoshal | ١. | | | | |
| 95. Bhoj Raj. | | | | | |
| 96, K. L. Bajaj. 97. Jagan Singh. | | | | | |
| 98. P. Kishan. | | | | | |
| 98. P. Kishan. 99. M. S. Warrier 100. S. V. Suba Ra | 1. | | | | |
| 100. S. V. Suba Ra | o. | | | | |
| I01. K. Anjaneyalu | | D | | | |
| 102. M. Puran Cha 103. S. Krishnan. | mara | Kao. | | | |
| 104. Ramesh Chang | ira. | | | | |
| 105. U. K. Yadav. | | | | | |
| 106. Mrinmoy Mall | ick. | | | | |
| 107. P. Vishwanath | an. | | | | |
| 108. B. S. Jujuha. 109. A. Srinivasan. | | | | | |
| 110. P. K. K. Nair | _ | | | | |
| 111. C. K. De. | | | | | |
| 112. T. S. Nair. | | | | | |
| 112. T. S. Nair. 113. V. Srinivasan. 114. S. D. Kulkarni | | | | | |
| 114. S. D. Kulkarii 115. Onkar Singh. | ١. | | | | |
| 116. D. L. N. Muri | thv. | | | | |
| 116. D. L. N. Muri 117. P. V. Rao. 118. O. P. Khurana | , | | | | |
| 118. O. P. Khurana | ١. | | | | |
| 119. M. S. Motwar | ıi | | | | |
| 120. A. S. Dolke. | | | | | |
| 121. A. B. Sengupta | ì. | | | | |
| 122. D. K. Gupta. | | | | | |
| 123. Avinash Chan | der. | | | | |
| 124. K. P. George. | | | | | |
| 125. J. S. Saib. | | | | | |
| 126. R. K. Verma, | | | | | |
| 127. A. V. Kulkarı | ıi. | | | | |
| 128. N. Tulsi Rama | an. | | | | |
| 129. A. S. Kaler. | | | | | |
| 130. Swaran Singh. | | | | | |
| 131. H. S. Dhaliwa | ı1. | | | | |
| 132. J. K. Nath. | | | | | |
| 133. C. M. Gairola | | | | | |
| 134. R. K. Deshpa | | | | | |
| 135. R. O. Regual. | | | | | |
| 136, S. K. N. Pilla | | | | | |
| 137. M. T. Rajani. | | | | | |
| 138. A. K. Narang | | | | | |
| | • | | | | |
| 139. K. B. Barve. | | | | | |
| | | | | O. P. | AGG |
| | | | Assista | nt Direc | |

GARWAL Assistant Director of Admn. for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 12th May 1983

No. A.38013/1/83-EA.—Shri M. N. K. Menon, Senior Aerodrome Officer office of the R. D. Madras retired from Government Services on the 30-4-1983 on attaining the age of superannuation.

The 25th May 1983

No. A.32014/2/82-EC(Vol.III).—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri P. S. Bagde, Communication Assistant, in the Civil Aviation Department to the grade of Assistant Communication officer on ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-1200 for a period of six months w.c.f. 10th December, 1982 (FN) and to post him at ACS. Bangalore.

O. P. AGGARWAL Assistant Director of Admn.

New Delhi, the 23rd May 1983

No. A.32014/3/83-ES.—The Director General of Civil Aviation is pleased to allow the continuance of ad-hoc appointment of Shri D. S. Dhurve, Store Assistant, to the post of Store Officer (Group 'B' Post) for a further period upto 9-7-1983 or till the post is filled upon regular basis, whichever is earlier, on usual terms and conditions.

J. C. GARG

Assistant Director of Administration

DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 21st May 1983

No. 12/83.—Shri Y. L. Malik, lately posted as Assistant Collector, Central Excise in the Delhi Collectorate, on transfer to the Headquarters Office of the Directorate of Inspection & Audit, Customs & Central Excise, New Delhi vide Department of Revenue Order No. 73/83 (F. No. A-22012/23/83-Ad.II) dated 26-4-83 assumed charge of the post of Assistant Director (Customs and Central Excise) Group 'A' w.e.f. 2-5-1983 (Forenoon).

No. 13/83.—Shri K. S. Chawla, lately posted as Inspecting Officer in the Directorate of Preventive Operations. Delhi assumed charge of the post of Inspecting Officer Group 'B' in the Headquarters Office of the Directorate of Inspection & Audit, Customs and Central Excise, New Delhi w.e.f. 30-4-83 (Afternoon) vide Directorate's letter C. No. 1041/50/82 dated 27-4-1983.

No. 14/83.—Shri S. C. Sibal, lately posted as Superintendent, Central Excise Group 'B' in the Directorate of Training, New Delhi, assumed charge of the post of Inspecting Officer Group 'B' in the Headquarters office of the Directorate of Inspection and Audit, Customs & Cenral Excise, New Delhi w.e.f. 2-5-1983 (FN) vide Directorate's letter C, No. 1041/50/82 dated 27-4-83.

The 24th May 1983

No. 15/83.—Shri M. L. Beri, lately posted as Assistant Narcotics Commissioner on transfer to the Delhi Beneh of the Appellate Tribunal, Customs, Excise and Gold (Control) vide Department of Revenue Order No. 207/82 (F. No. A-32012/8/80-Ad.II) dated 6-12-1982 assumed charge of the post of Junior Departmental Representative, Group 'A' in the Directorate of Inspection & Audit, Customs & Central Excise, New Delhi w.e.f. 9-5-83 (FN).

B. O. RASTOGI, Director of Inspection

CENTRAL WATER COMMISSION New Delhi, the 31st May 1983

No. 3(DA)/28/82-Adm. VI/Estt.VI.—In pursuance of Sub-rule (1) of Rule 5 of the Central Civil Services (Temporary Service), Rules, 1965, I, R. B. Shah, Secretary, Central Water Commission hereby give notice to Shri Mohd. Asif, Design Assistant that his services shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date of publication of this notice in the Gazette of India.

R. B. SHAH Secretary, Central Water Commission.

New Delhi, the 25th May 1983

No. A-19012/1029/83-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri Satish Kumar Arora, Design Assistant to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) on a purely temporary ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 for a period of one year or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier, with effect from the forenoon of 30th April, 1983.

The 27th May 1983

No. A-19012/910/81-Estt.V.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee (Group B), Chairman, Central Water Commission, hereby appoints Shri S. C. Mishra officiating as Extra Assistant Director/Assistant Engineer on ad-hoc basis in Central Water Commission on a regular basis in the same post and in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of 1-3-1983 until further orders.

2, Shri S. C. Mishra will be on probation in the grade of EAD/AE in the Central Water Commission for a period of two years with effect from the aforesaid date.

No. A-19012/1030/83-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri Vinod Chandra Gupta, Design Assistant to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) on a purely temporary and ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-358-880-40-1000-EB-40-1200 for a period of one year or till the post is filled on tegular basis, whichever is earlier, with effect from the forenoon of 20-5-1983.

R. R. ARVIND, Under Secy., Central Water Commission

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

Ernakulam, the 30th April 1983

No. 963/Lig/560(4)/R-2773.—Whereas, PIONEER CHIT FUND PRIVATE LTD., having its registered office at TRI-VANDRUM is being wound up.

And whereas the undersigned has reasonable cause to believe that the affairs of the company have been completely wound up and that statement of account (returns) required to be made by the liquidator have not been made for a period of six consecutive months;

Now, therefore, in pursuance of the provisions of sub-Section (4) of Section 560 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), notice is hereby given that at the expiry to three months from the date of this notice the name of PIONEER CHIT FUND PRIVATE LIMITED will, unless cause is shown to the contrary, be struck off the register and the company will be dissolved.

The 2nd May 1983

No. 427/Req./560(4)/R-2776/83.—Whereas, HAJEE V. M. SYED MOHAMMED RAWTHER AND SONS PRIVATE LTD. (in liquidation) having its registered office at Kanjirappally is being would up.

And whereas the undersigned has reasonable cause to believe that the affairs of the company have been completely wound up and that statement of account (returns) required to be made by the liquidator have not been made for a period of six consecutive months;

Now, therefore, in pursuance of the provisions of Subsection (4) of Section 560 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), notice is hereby given that at the expiry to three months from the date of this notice the name of HAJEE V. M. SYED MOHAMMED RAWHER AND SONS PVT. LTD. (in Liquidation) will, unless cause is shown to the contrary, be struck off the register and the company will be dissolved.

Sd./- ILI EGIBLE Registrar of Companies, Kerala, In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. AKBAR NADIR TRAVELS PVT. LTD.

Bombay-400002, the 23rd May 1983

Notification No. 647/19969/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. AKBAR NADIR TRAVELS PVT. LTD., unless causes is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

O. P. JAIN, Additional Registrar of Companies, Maharashtra, Bombay-2.

In the matter of Companies Act 1956 and of M/s. SRI RAMALASHMANA MILLS PVT. LTD.

Madras, the 25th May 1983

No. DN/2496/560/81|2496|560|81.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Sec. 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of SRI RAMALAKSHMANA MILLS PVT. LTD., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 of M/s. NEW INDIA TRADING COMPANY LTD,

Madras, the 25th May 1983

No. DN/1850/560/82.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. NEW INDIA TRADING COMPANY LTD. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

Sd./- ILLEGIBLE
Asst. Registrar of Companies
Tamil Nadu, Madras.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Dehradun.

(2) M/s. Shakunt Papers Pvt. Ltd.,

(Transferor)

(2) M/s. Shakunt Papers Pvt. Ltd., D-1/11, Ashok Vihar-II, Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE KANPUR

Kanpur, the 4th May 1983

Ref. No. M-802/82/ACQ|MUSSOORIE.—Whereas, I, BIBEK BANERJI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

As per Schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mussoorie on 14-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneyls or assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(1) Shri Mulk Raj Batra & sons Chander Bhushan Batra

Bharat Bhushan Batra & Jagat Bhushan Batra Resident of village Niranjanpur District

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at village Kuanwala District Dehradun.

BIBEK BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-5-1983

FORM NO. ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 29th April 1983

C.R. No. 62/36317/82|83|Acq.B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

New No. 2103 situated at Old Mand pet, Tumkur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tumkur under document No. 3733/82-83 on 15-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the deduction or evasion of the liability of the transftror to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shrimati H. Vishalakshi, W/o Sri T. S. Mallikarjunaiah, Someswara Extension, Tumkur.

(Transferor)

(2) Shri C. M. Shivananda S/o Sri C. R. Marulappa, Gandhinagar, Tumkur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANAT.ION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2733/-82-83, Dated 15-11-82). All that property bearing old No. 2-1799, New No. 2103 situated at old Mandipet, Tumkur.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Bangalore.

Date: 29-4-83.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri M. Abhimanyu Rao No. 1561, Banashankari I stage II Block, Bangalore-50.

(Transferor)

(2) Shri G. Harish Chandra & Smt. G. Lakshmi. No. 791, V Block, Rajaji Nagar, Bangalore-10.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore-560 001, the 12th May 1983

C. R. No. 62/35957/82-83|ACQ|B.-Whereas, I,

MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immoving a fair market value exceeding able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1561 situated at Bauashankani I stage, II Block,

Bangalore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basawanagudi under document No. 1843/82-83 on 1-9-82 for an apparent consideration which is less than the for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said proper y may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shal lhave the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1843/82-83, Dated 16-9-1982) All that property bearing No. 1561 situated at Banshankri I-stage, II Block, Bangalore-50.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore.

Date: 12-5-83. Seal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore-560 001, the 3rd May 1983

C. R. No. 62/36670/82-83[ACQ]B,—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 398 situated at West of Kanakapura road, Jayanagar VII Block, Bangalore-11,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) ni the office of the Registering Officer

at Jayanagar under document No. 1644/82-83 on 2-9-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument Af transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-25-116GI/83

(1) Shri K. S. Krishnappa No. 124, Infantry road, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shrimathi M. A. Vanitha No. 296, East Circle road V. V. Puram, Bangalore-4

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1644/82-83 Dated 2-9-82)
All that property bearing No. 398, situated at VII Block.
West of Kanakapura road, Jayanagar Bangalore-11.

MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range. Bangalore.

Date: 3-5-83

Scal:

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore-560 001,the 11th May 1983.

C. R. No. 62/35972/82-83|ACQ|B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. 589, situated at 80 ft. road, Il Block Rajajinagar

Bangalore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajajinagar under document No. 3345/82-83 on 13-9-82 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aroesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimathi M. L. Lalitha 59/1, 80 ft, road, 11 Block, Rajajinagar, Bangalore.

(Transferor)

 Shrimathi Afroze Fathima 46/1, Sri Ram mandir road, Basavangudi Bangalore-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2345/82-83 Dated 12-9-1982)
All that property bearing No. 589 situated at 80 ft. road,
II Block, Rajajinagar Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-taz
Acquisition Range
Bangalore

Date : 11-5-83

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore-560 001, the 12th May 1983

C. R. No. 62/36097/82-83|ACQ|B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 3/15 situated at Dr. B. R. Ambedkar Road, Dn. No.

48, Civil Station, Bangalore. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar and document No. 1879/82-83 on Sept., 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than illustration and that the iffteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Shri M. A. Lathief & others No. 7, Malika Manzil Kalasipalyan Extn., BG-2.

(Transferor)

(2) Shri Syed Noor Mohd. No. 5/2, Chinnaswmay Mudaliar Road, Taskar Town, Bangalore-51,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1879/82-83, dated Sept. 82) All that property bearing No. 3/15 situated at Dr. B. R. Ambedkar road, Dn. No. 48, Civil Station, Bangalore.

MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore.

Date: 12-5-83.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. BANGALORE-560001

Bangalore-560 001, the 12th May 1983

C. R. No. 6235932/82-83|ACQ|B.-Whereas, I, MANJU MADHAVAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. 108, 106/1, 106/4, 107/4 & 106/5, situated

at Garagandoor Village, Somwarpet Taluk, Kodagu.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Somwarpet under document No. 663/82-83 on 22-9-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transefree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Shri Kadira Apppaiah S/o. Dovalah. Somvarpet Town, Kodagu Distt.

(Transferor)

(2) Shri M. V. Moidu, S/o Mohd Haji Virajpet, Kodagu Mrs. Nefisa W/o. Sri Ibrahim, Sunticoppa, Kodegu,

(Transferee,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 663/82-83 dated 22-9-83). All that property bearing Sy. No. 108, 106/7, 101/4, 106/6, 107/4 & 106/5 situated at Garagandoor Village Somwarpet Tq., Kodagu.

MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 12-5-1983.

Scal:

Shri K. S. Rajendra 2. Sri K. S. Jayanantha kumar & 3. K. S. Nagendranath R/o Kolar Toun

(Transferors)

(2) Shri G. R. Lakshminarayanan No. 394 C M H road, II stage, Indiranagar, Bangalore-38.

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001.

Bangalore-560 001, the 12th May 1983

C.R. No. 62/36072/82-83/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN•

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 253/A, situated at 11 stage, Indinanagar Bangalore 38 (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar under document No. 1926/82-83 on 6-9-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Registered Document No. 1926/82-83 dated 6-9-82. All that property bearing No: 253/A situated at II stage, Indiranagar, Bangalore-38.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I- hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269B of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 12-5-1983. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001.

Bangalore-560 001, the 2nd May 1983

C.R. No. 62/36063/82-83/Acq. B.—Whereas, I, MANIU MADHAVAN being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 23/2 situated at Richmond Road, Bangalore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Shivajinkagar under document No. 1822/82-83 on 20-9-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Sushila Mary Albuquarque, G.P.A. Holder Mr. Louis Braganza 21/12, M. G. Road, Bangalore 560 001.

(Transferors)

(2) Smt. Shaqi Haneef, 3205, Arengate, Lasker Mohalla, Mysore-1.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 1822/82-83 dated 20-9-82. All that property bearing No. 23/2, situated at Richmond Road, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 2-5-1983.

FORM ITNS----

(1) Shri M. Ganesh Rao & 2 Other No. 63, G. No. 10th Street, Ulsoor, Bangalore.

(Trunsferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri M. Ahmed Hussain No. 14-15, Borebank road, Benson Town, Bangalore-46.

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX - ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001.

Bangalore-560 001, the 3rd May 1983

C.R. No. 62/36074/82-83/ACQ/B.--Whereas, I, MANJU MADHAVAN

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition

Range

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Portion of No. 4 (Old No. 7) situated at Davis road,

Richards town, Bangalore-5.

of transfer with the object of -

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar under document No.-1924/82-83 on Sept., 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between

the parties has not been truly stated in the said instrument

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 1924/82-83 dated Sept. 82. All that property bearing portion of No. 4 (old 7) situated at Davis road, Richards town, Bangalore-5.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 3-5-1983,

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX
ACQUISITION RANGE,
BANGALORF-560 001.

Bangalore-560 001, the 4th May 1983

C.R. No. 62/35930/82-83/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN Inspecting Assistent Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 394 situated at 9th Cross 1 Block, Jayanagar, Bangalore-11.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar under document No. 2045/82-83 on 16-9-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri K.-Hucha Rao C/o Sri B. Venkatachalaiah Sooraj Trading Company Geetha road, Robertsonpel, K. G. F.—563122.

(Trunsferors)

(2) Shri K. H. Ramesh 394/73, 9th cross, I Block Jayanagar, Bangalore-11.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2045/82-83 dated 16-9-82). All that property bearing No. 394 situated at 9th cross, I Block, Jayanagar, Bangalore-11.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 4-5-1983,

Seal

FORM I.T.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001.

Bangalore-560 001, the 12th May 1983

C.R. No. 62/36206/82-83/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN being the Competent Authority under Setion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/No. Sy. Nost. 237, 238/2 & 238/1, situated at Badaga Bangala Village, Amathinand, South Kodagu. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Virajpet, under document No. 379/82-83 on 30-9-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
26—116GI/83

 Shri Munuvanda Machaya Accawa, W/o Late. M. D Machaya, Holanyala Estate, Polibelta, Kodagu.

(Transferces)

(2) Shri Muruvenda M. Gauapathi, S/o Late. M. D. Machaya, Holawala Estate, Pollibetta, Kodagu.

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 379/82-83 dated 30-9-82

All that property bearing Sy. No. 237 of 5.87 acres. Sy. No. 238/2 of 4.68 acres & Sy. No. 238/1 of 8.11 acres situated at Badaga Banangala Village, Ammathi nad, South Kodagu.

MANIU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 12-5-1983,

Şeal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001.

Bangalore-560 001, the 12th May 1983.

C.R. No. 62/35931/82-83/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. RS No. 1679-A 1 (T.S. No. 13-2) situated at Kasaba Banjaar Village, Manglore city.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mangalore under document No. 428/82-83 on 23-9-82

for an apparent consideration which is less than reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :-

- (1) Shri B. Srinivas Rao
 2. Sri Manmohan Rao
 3. Sri B. Nagaraj Rao
 4. Sri B. Srihari Rao
 5. Sri B. Kishore Kumar, Ashoknagar M lore-57 5006.

(Transferees)

(2) M/s. Central Arccanut Marketing & processing co-operative Ltd. Sahakari Mahal Bandar M'lore-575001.

(Transferors)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 428/82-83 dated 23-9-82.

All that property bearing R.S. No. 1679 A 1 (T.S. No. 13-2) situated at Kasaba Banjaar Village, M'lore.

MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date: 12-5-1983.

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001.

Bangalore-560 001, the 12th May 1983 C.R. No. 62/35954/82-83/ACQ/B.—Whereas, I,

MANJU MADHAVAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. old No. 3, New No. 58 situated at Kanakapura road, Basavanagudi, B'lore-4.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Basavanagari, under document No. 1996/82-83 on 10-9-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri C. Ananda Rao, No. 58, Kanakapura road, Basavanagadi, B'lore-4.

(Transferees)

(2) Shri R. Ranganath, S/o K. Ranalingam, No. 70, H. B. Sanaja road, Basavanagadi, B'lore-4.

(Transferors)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 1966/82-83 dated 10-9-82. All that portion of property bearing No. 58 & 58/1 situated at Kanakapura Road, Basalanagadi, Blore-4.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 12-5-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 12th May 1983

C.R. No. 62/36108/ACQ/B.—Whereas, I,
MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
Sy. No. 631, Block No. 39 situated at
Harchalli Vllage, Vasana Hobli, Mysore Tq.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registration officer at
Mysore under Document No. 446/82-83 on September 1982
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Venkatappa S/o Mallappa
 No. 1712, I Cross, Chikkavokkaligari, Mandi Mohalla, Mysore.

(Transferor)

(2) Rev. Father M. Gregon's Ashoka Road, Laskar Mohalla, Mysore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a petiod of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Documnet No. 446/82-83 Dated 30-9-82). All that property bearing Sy. No. 631 situated at Harohalli Village, Vasana Hobli, Mysore Taluk.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,

Date: 12-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Shri B. M. Machiah S/o Late Muddappa Badaga Village, Kutta S. Kodagu.

(Transferee)

(2) Shri B. M. Uthappa, S/o Late Muddappa Palpare Estate Badya Village, Kutta, S. Kodagu.

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 12th May 1983

C.R. No. 62/37552/82-83/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having- a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Agri. land situated at Vill. Sedpur S No. 440, 441/2, 414/12, 438/2 and 437 situated at Badaga Village, South Kodagu (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mercara under document No. 21/82-83 on 13-9-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 21/82-83 Dated 13-9-1982] All that property bearing Sy. No. 440, 441/2, 414/4, 438/2 and 437 situated at Badaga Village.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 12-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 12th May 1983

C.R. No. 62/36104/82-83/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Sy. No. 71 (old, 62) situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Beenukuppe, Kengeri Hobli, Bangalore South Taluk

Bangalores outh Taluk under document No. 3710/82-83 on 22-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 et 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Thimmaiah, Beemakuppe, Kengeri Hobli, Bangalore South Taluk.

(Transferor)

(2) Shri Ramnadas M. Kanat, No. 25, Okalipuram, Bangalore-21.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3710/82-83 Dated. 22-9-82] All that property bearing Sy. No. 71 (old No. 62) situated at Beernakuppa Kengeri Hobl, Bangalore South Taluk,

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range,
Bangalore.

Date: 4-5-1983

Scal:

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 12th May 1983

C.R No. 62/56042/82-83/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

78/10 situated at III. Cross, II Block, Jayanagar Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jayanagar Under Documentt No. 1854/82-83 on 1-9-1982 for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 V. Gangamma, W/o Late V. Appaiah alias Maddurappa No. 78, III Cross, Kanakanapalya, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri M. Venkataswamy S/o Late Muni Venkatappa State Bank of Mysore, Bangalore Branch, Bangalore-9.

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1854//82-83 Dated 1-9-1982] All that property bearing No. 78/10 situated at III Cross, JJ Block Jayanagar, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incomotax
Acquisition Range,
Bangalore.

Date: 12-5-1983

FORM I.T.N.S,-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Shri M. Ganesh Rao and 2 others, No. 63, G. No. 10th Street, Ulsoor, Bangalore-8.

(Transferors)

(2)Smt. Saleema Mohammed Janu, No. 22/1, Viviyani Road, Richards Town, Bangalore-5.

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION, RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 3rd May 1983

CR. No. 62/36073/82-83/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

and bearing No. 4 (old No. 7) siuated at Davis Road,
Richards Town, Bangalore-5
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Shiv inagar under document No. 1925/82-83 on Sept., 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1925/82-83 Dated Sept. 1982]
All that property bearing No. 7, Old No. 7 situated at Davis Road, Richards Town, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 263C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 3-5-1983

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th May 1983

Ref. No. RAC 183/83-84.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 6-1-104 situated at Padmerao Nagur, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on September 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

27-116GI/83

 Sri Narayan Rao Chugi, 6-1-104 Padmaraonagar, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Shri M. Maniktao & others, BHEL Ramachandrapuram, Hyderabad, (6-1-104 Padmaraonagur, Secunderabad).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this actice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 6-1-104 Padmaraonagar Secunderabad area 1400 sq. yards registered with Sub-registrar Hyderabad vide Doc. No. 6431/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-5-1983.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th May 1983

Ref. No. RAC 184/83-84.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN

Azampura in September, 1982

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair marker value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. 16-7-436 situated at Azampura, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Khursheed Begum & others, GPA Mohd. Hameeduddin Khan 16-7-436 Azarpura, Hyderabad. (Transferor)

(2) Smt. Shobha Devi W/o Mahaveer Prosad and 2 others 21-1-311 Rikabgupi, Hyderabad. (Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 16-7-436 area 1671 sq. yds. at Azampura, Hyderabad registered with Sub-Registrar Azampura vide Doc. No. 3022/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-5-1983,

Scal:

FORM ITNS----

(1) Smt. N. Monorama Devi & others, 3-6-493 Himayat-nagar, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Patel Engineering Co. Ltd., Rep. By B. S. Reddy, 5-9-30/1/17 Bashirbagah, Hyderabad. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.) Hyderabad, the 13th May 1983

Rof. No. RAC 185/83-84.--Whereas, I,

M. JEGANMOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3-6-493, 493/A situated at Himayat Nagar, Hyderabad

No. 3-6-493, 493/A situated at Himayat Nagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikadpally in September, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or fee Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

House Property M. No. 3-6-493 and 493/A on a plot 900 sq. yards at Himayathnagar, Hyderabad registered with Sub registrer Chikadpally vide Doc. No. 921/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-5-1983

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th May 1983

Ref. No. RAC 186/83-84. -Whereas, I, M. JEGANMOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land S. Y. 174, 176 situated at Bollaram village, Narasapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Narsapur on September 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer: and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under aubsection (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

- (1) Smt. T. Chandramma, Sri T. Prabhakar Reddy, R/o Bollaram village, Narsapur, Taluk Medak Dt.
- (Trausferor) (2) M/s. Southern Formates Pvt. Ltd., H. No. 1-120, Tarnaka, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Dry Agricultural land 10 Acres in survey No. 174, 176 at Bollaram village Narsapur taluk, Medak Dt. registered with S. R. O. Narasapur vide Doc. No. 1425/82.

> M. JEGANMOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-5-1983.

 Smt. Godavari Bai & other GPA Sri Prakash Darak, Begumbazar, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Hart Co-operative Housing Society Ltd., S. Bhasakara Rao, Ashok Nagar, Hyderabad. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th May 1983

Ref. No. RAC 187/83-84.—Whereas, 1. M. JEGANMOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land situated at Allapur village, R. R. Dt,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

R. R. Dt. on September 82.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land in S. No. 29 area 3 Acres 32 guntas at Allapur village. Rajendranagar Toluk R. R. Dt registered with Sub-Registrar R. R. Dt. vide Doc. No. 7009/82.

> M. JEGANMOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hydorabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 13-5-1983.

(1) Shri P. Laxmaiah S/o P. Venkalah, C-30 A-11-541 (1-1-541) Bakaram, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Batla Krishnamurthy S/o Yadagiri, 1-1-385/31. Gandhinagar, Hyderabad.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD Hyderabad, the 13th May 1983

Ref. No. RAC 188/83-84.--Whereas, I, M. JEGANMOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

House situated at Gandhinagar, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Chakadpally in September, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 279D of said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from

the service of notice on the respective persons,

whichever period expires later;

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House at Gandhinagor Hyderabad registered with Sub-Registrar Chikadpally total area 936 sq. yards vide Doc. No. 870./82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 18-4-1983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th May 1983

Ref. No. RAC 189/83-84.--Whereas, I, M. JEGANMOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shed No. 164 situated at Jeedimetla, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Medchal in September, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely:—

(1) A. P. Industrial Infrastructure Corporation Ltd. 5-9-58/B. 6th floor Parisrama Bhavanam, Fathemaidan Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s. Balaji Paper Products, D-164, III Phase, ED.A. Jeedimetla, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shed No. 164 area 0.33 Acres in Phase III Industrial Development area Icedimetta registered with Sub-registrar Modebal vide Doc. No. 4418/82.

M, JEGANMOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-5-1983.

Scal:

FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

Shri Muturi Radhika D/σ M, Haridarshan, M/G Smt. Maturi Suvarna, 16-11-18/19 Malakpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Bhagwan Lal S/o Magraj, 5-2-687, Risala Abdullah, Hyderabad.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th May 1983

Ref. No. RAC 190/83-84.—Whereas, I, M. IEGANMOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. 5-3-497/1 situated at Risala Abdulla, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in September, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income, or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

II. No. 5-3-497/1 Risala Abdullah area 150 sq. yards registered with Sub-registrar Hyderabad vide Doc. No. 6517/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A,P,)

Date: 13-5-1983.

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 13th May 1983

Ref. No. RAC 191/83-84.--Whereas, I,

M. JEGANMOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 6A situated at Yellareddyguda, Hydcrabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in September, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair murlet value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:-

28-116GI/83

(1) M/s N. Vensimal India, Pr. Prakash Dharamdas Harjani, 681/B/2/8/74 Road No. 12, Banjara Hills, Hyderabad-34.

(Transferor)

(2) Sri Ravindra Narayan Asthana, 41-55/3RT Sanjeevareddynagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 6A and 6B total area 740 sq. yards in S. No. 127 at Yellareddyguda Ameerpet Hyderabad registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 6454/82.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 13-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

(1) Smt. Leela Devi w/o T. Narayana Reddy, 3-4-457 Narayanguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. A. Ramalakshmi W/o ANVSKM Rajeswar Rao, Powerpeta, Eluru, West Godavari District.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 13th May 1983

Ref. No. RAC 192/83-84,-Whereas, I. M. JEGANMOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat situated at Basheerbagh, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on September 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1006 in MCH No. 5-9-59 Basheerbagh, Hyderabad area 1020 sq. ft. registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 6381/82.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 13-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th May 1983

Ref. No. RAC 193/83-84.—Whereas I, M. JEGANMOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Flat situated at Shajahan Apis, Hyd.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Khairatabad in September 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor for more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s Shajahan Apartments, 6-2-974 Khairatubad Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Aqueela Khuddur, r/o Dr. Shaik A. Khuddus, 8-3-1007 Srinagar colony, Hyderabad,

(Transferee)

Objections, if any, to the soquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days form the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 606 in 6th floor and garrage No. 15 in Sajahan Apartments 6-2-974 Khairatabad Hyderabad registered with Sub-Registrar Khairatabad vide Doc. Nos. 6665/82 and 6666/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-5-1983

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th May 1983

Ref. No. RAC 194/83-84.—Whereas, I M. JEGANMOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land situated at Athwelly R.R. Dt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Medchal in September, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent coonsideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) M/s. Attavalli Farms Pvt. Ltd., 23 Lalbahadur Stadium, Hyderabad.

(Transferor) (2) Shrimati M. Bhanumathi W/o Raghunadha Rao Plot No. 57, Srinagar Colony, Yeliareddyguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 6 Acs 31 guntas at Attavalli village Medchal Taluk R.R. Dt. registered with Sub-Registrar Medchal Vide Doc. No. 4765/82.

> M. JEGANMOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-5-1983

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Sri N. Narahari S/o Vecra Mallaiah, 1-55 Hafeczpet village Rajendranagar taluk, R.R. Dt.

(2) Sri Mohd, Mazharul Haq & others, 10-3-12/4, Humayunnagar, Hyderabad.

(Transferor)

(Transferee)

GFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th May 1983

Ref. No. RAC 195/83-84.—Whereas, J. M. JEGANMOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land situated at Hafeezpet Village, R.R. Dt. (and more fully described in the Schdule annexed hereto), has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.R. Dt. in September, 1982

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Dry land bearing Sy. No. 82 area 2 Acrs 29 guntas at Hafeezpet village, Rajendranagar Taluk R.R. Dt. registered with Sub-Registrar R.R. Dt vide Duc. No. 7520/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-5-1983

(1) Smt. Kantha Devi, 23-8-42 Begumbazar, Hyderabad.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) Sri M. Tuljaram 14-9-833 Lower Dhoolpet, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th May 1983

Ref. No. RAC 196/83-84.—Whereas, (M. JEGANMOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land situated at Madanpally Shamshabad Tq. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

R.R. Dt. in September 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land with grapogarden in S. No. 77 at Madanapally village Shamshabad taluk registered with Sub-Registrar R.R. Dt. vide Doc. No. 7568/82 (total area 6 Acs 21 guntas).

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 13-5-1983

Scal:

FORM I.T.N.S.---

(1) M/s Bhagyanagar Studios Pvt Ltd. 1-1-79 RTC 'X' Roads Hyderabad.

(Tránsferor)

(2) Mr. K. Rangaprasad Rao 3-6-312/1 Hyderguda, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th May 1983

Ref. No. RAC 150/83-84.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Flat situated at RAC 'X' roads, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hyderabad in September 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at R.T.C. 'X' Road, Hyderabad area 6750-93 sq. ft. registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 6818/

> M. JEGANMOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hydernbad (A.P.)

Date: 11-5-1983

Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

 M/s Bhagyanagar Studios Pvt. Ltd. 1-1-79 RTC 'X' Road Hyderabad.

(Transferor)

(2) K. Kamaladevi D/o K. Raghava Rao, 3-6-312/1 Hyderguda, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th May 1983

Ref. No. RAC 151/83-84—Whereas, I M. JEGANMOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat situated at RTC 'X' road, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (15 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad in September 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at Musheerabad Hyderabad area 535 sq ft. registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 6817-82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 11-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th May 1983

Ref. No. RAC 152/83-84.—Whereas, I M. JEGANMOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and hearing

No. Flat situated at RTC 'X' roads, Hyderabad,

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in September 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
29—116GI/83

(1) M/s Bhagyanagar Builders, 1-1-79 RTC 'X' Roads, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri P. Prabhakar S/o P. Subbarayuda, 5-1-237/1 Sunder Bhavan, Jambagh, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat in 1-1-79 RTC 'X' Roads, Hyderabad area 1170 sq. ft. registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 6538 82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Hyderabad (A P.)

Date: 11-5-1983

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th May 1983

Ref. No. RAC 153. 83-84.—Whereas, I M. JEGANMOHAN,

being the Competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing ?

No. Flat situated at RTC 'X' Roads, Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad in September 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s Bhagyanagar Builders, 1-1-79 RTC 'X' Roads, Hyderabad.
- (2) Smt. Komala Ramaswamy W/o S. V. Ramaswamy 1-1-79 RTC 'X' Roads, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat in 1-1-79 RTC 'X' Roads, Hyderabad area 1170 sq. ft. registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 6842

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Hvderabad

Date: 11-5-1983

Sea

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th May 1983

Ref. No. RAC 154/83-84.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Flat situated at RTC 'X' Roads, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on September 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of th aforesaid property by the issue of this notice under pubsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 M/s Bhagyanagar Builders 1-1-79 RTC 'X' Roads Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. D. A. Lakshmi W/o Narayana Rao Flat No. 93, Taranaka Hyderabad

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 14th floor in 1-1-79 RTC 'X' Roads, Hyderabad area 1170 Sq. ft registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 6752/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 11-5-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th May 1983

Ref. No. RAC,155/83-84.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 153 in 5-1-908 situated at Putlibowli Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on September 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 M/s. Bhagyanagar Construction P. Ltd., 3-4-207 Tobacco Bazar Secunderabad

(Transferor)

(2) Smt. Sarada Rathi W/o Shashi Kumar Rathi 5-1-908 Putlibowli Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 153 in 5-1-908 Putlibowli Hyderabad area 253 sq. ft registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 6770/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under pubsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-5-1983.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269 (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th May 1983

Rof. No. RAC.156/83-84.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Office No. 1 situated at Unity House Hyderabad (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on September 1982

at Hyderabad on September 1962.

for an apparent consideration which is less that the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957); M/s Hindustan Builders Unity House, Abids Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri P. Ramakrishna Office No. 1, Unity House Abids, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 1. Unity House 4th floor Abids, Hyderabad area 242 sq. ft. registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 6445/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 11-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th May 1983

Ref No. RAC.157/83-84,—Whereas, I, M. JEGANMOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Office No. 2 situated at Unity House Abids, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed horeto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on September 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s Hindustan Builders Unity House, Abids Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri P. Ramkrishna Office No. 2, 4th floor Unity House, Abids Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 2, 4th floor Unity House Abids, Hydebad area 2!2 sq. ft registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc No. 6446/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 11-5-1983.

FORM ITNE

(1) M/s Hindustan Builders Unity House, Abids Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri A. Purnashandra Rao Office No. 4, 4th floor Unity House, Hyderabad.

may be made in writing to the undersigned-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th May 1983

Rcf. No. RAC.158/83-84.--Whereas, I. M. JEGANMOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Office No. 4 situated at Unity House Abids, Hyd.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on September 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely --

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immerable proprety, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 4 4th floor Unity House Abids. Hyderabad area 242 sq. ft. registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 6415/82.

> M. JEGANMOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hydernbad (A. P.)

Date: 11-5-1983.

Scot:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th May 1983

Ref. No. RAC.159/83-84.-Whereas, I, M. JEGANMOHAN, under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Office No. 7 situated at Unity House Abids, Hyderabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on September 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument oftransfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforasaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M/s Hindustan Builders Unity House, Abids Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri P. P. Narasimha Rao Kunavaram Badrachalam tq. Khammam dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 7, 4th floor, Unity House, Thids, Hyderabad registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 6404/82

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 11-5-1983.

(1) M/s Hindustan Builders Unity House, Abids Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INGOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri P. P. Narasimha Rao Kunavaram, Badrachalam Tq, Khammam Dt.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th May 1983

Ref. No. RAC.160/83-84.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Office No. 6 situated at Unity House Abids, Hyderabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at at Hyderabad on September 1982

has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at at Hyderabad on September 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persone whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 6, 4th floor Unity House, Abids, Hyderabad registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 6405/82

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisiton of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'said Act' to the fellowing persons, namely:—
30—116GI/83

Date: 11-5-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.) Hyderabad, the 11th May 1983

Ref. No. RAC.161/83-84.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Office No. 3 situated at Unity House Abids, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Hyderabad on September 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any

(1) M/s Hindustan Builders Unity House, Abids Hyderabad.

(Transferor)

(2) A. Poornachandra Rao Penamaluru P. O. Vijayawada Tq, Krishna Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Office No. 3, 4th floor Unity House, Abids, Hyderabad area 242 sq. ft. registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 6414/82.

> M. JEGANMOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 M/s Hindustan Builders Unity House, Abids Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri P. Srinivas Warangal 16/5 Meri Hostel Kakateeya Medical College

(Transferec)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th May 1983

Ref. No. RAC.162/83-84.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Office No. 5 situated at Unity House Abids, Hyd.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on

Scotemeber, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Aca, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Office No. 5, 4th floor unity house Abids, Hyderabad area 242 sq. ft. registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 6398/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Date: 11-5 1983.

Şeal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th May 1983

Ref. No. RAC.163/83-84.—Whereas, I,
M. JEGANMOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred

Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Office No. 24 situated at Unity House Abids, Hyderabad. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on September 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Hindustan Builders Unity House, Abids Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri Lal chand Mulchand Mirchandani 5-9-22/78 Adarshnagar Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 24, 4th floor unity house Abids, Hyderabad area 242 sq. ft. registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 6672/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 11-5-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th May 1983

Ref. No. RAC.164/83-84.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. Office 23 situated at Unity House Abids.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on September 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s Hindustan Builders Unity House, Abids Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri Lal Chand Mulchand Mirchandani 5--922/78 Adarshnagar Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 23, 4th floor Unity house, Abids, Hyderabad area 242 sq. ft registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 6671/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 11-5-1983.

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s Hindustan Builders Unity House, Abids Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri Vishandas M. Mirchandani 5-9-78 Adarshnagar Hyderabad.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th May 1983

Ref. No. RAC-165/83-84.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
Office No. 9 situated at Unity House Abids, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registeing Officer at at Hyderabad on September 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Office No. 9, 4th floor Unity House Abids, Hyderabad area 242 sq. ft registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 6499/82.

THE SCHEDULE

M. JEGANMOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following

persons, namely :-

Date: 11-5-1983.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th May 1983

Ref. No. RAC.166/83-84.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Office No. 10 situated at Unity House Abids, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on September 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M/s Hindustan Builders Unity House, Abids Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri Vishnudas M. Mirchandani 5-9-78 Adarshnagar Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 10, 4th floor Unity House Ahids, Hyderabad area 242 sq. ft registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 6498/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 11-5-1983.

FORM NO. ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th May 1983

Ref. No. RAC. 167/83-84.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Flat A-201/5, situated at Fathesultan Lane, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad in September 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Nandanam Apartments 5-8-42 Fathesultan lane Hyderabad

(Transferor)

(2) G. Ramachander 5-8-658 Station Road Hyderabad,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-201, 2nd floor in 5-8-42 Fathesultan lane Hyderabad area 1104 sq. ft, registered with Sub-Registrar vide Doc. No. 6438/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of Income tax)
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 11-5-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th May 1983

Ref. No. RAC.168/83-84.—Whereas, I. M. JEGANMOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat situated at Fathesultan Lane, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on September 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act.I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269B of the said Act to the following persons, namely:—
31—116GI/83

(1) M/s Nandanam Apartments 5-8-42 Fathesultan lane Hyderabad

(Transferor)

(2) Mrs M. A. Khan Asifnagar, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B 401/29 in 4th floor at Fathesultan lane Hyderabad Vide Doc, No. 6439/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 11-5-1983,

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th May 1983

Ref. No. RAC 169/83-84.-Whereas, 1,

M. JEGANMOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat situated at Fathesultan Lane Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hydernbad on September 1982
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M/s. Nandanam Apartments 5-8-42 Fathesultan Lane Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. K. Aruna W/o Shri K. Bapincedu, 5-4-405/A Nampally, Hyderabad.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C-102/34 1st Floor at Fathesultan lane Hyderabad area 1200 sq. ft. registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 6440/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 11-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th May 1983

Ref. No. RAC 170/83-84.--Whereas, I, M. JEGANMOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing
No. Flat situated at Fathesultan Lane Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on September 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

M/s. Nandanam Apartments
 5-8-42 Fathesultan Lane Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri K. Vibheeshan Reddy, 5-5-73 Khaleelwadi, Nizamabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C-804/78 at 5-8-42 Fathesultan lane Hyderabad area 1000 sq. ft. registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 6441/82.

> M. JEGANMOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 11-5-1983

Scal:

(1) M/s. Nandanam Apartments 5-8-42 Fathesultan Lane Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri C. Vallabha Das, 4-4-2 Sultanbazar, Hyderabad

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th May 1983

Ref. No. RAC 171/83-84.—Whereas, 1, M. JEGANMOHAN,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act"), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat situated at Fathesultan Lane Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on September 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-403/31 in 4th floor at 5-8-42 Fathesultan lane Hyderabad area 1104 sq. ft. registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 6457/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Seal:

Date: 11-5-1983

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th May 1983

Rci. No. RAC 172/83-84.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat situated at Fathesultan Lane Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on September 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Nandanam Apartments 5-8-42 Fathesultan Lane Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. N. B. DOMADIA, 5-2-976 N. S. Road, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-304/28 in 3rd floor at Fathesulian lane Hyderabad area 1104 sq. ft. registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 6458/82.

M. IEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 11-5-1983

Seai:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Nandanam Apartments 5-8-42 Fathesultan Lane Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri Ajoy C. Sanghani, Gaganmahal colony, Hyderabad.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th May 1983

Ref. No. RAC 173/83-84.--Whereas, I, M. JEGANMOHAN,

transfer with the object of:-

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat situated at Fathesultan Lane Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on September 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat B-301/25 in 3rd floor at Fathesultan lane Hyderabad registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 6459/82.

> M. JEGANMOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: --

Date: 11-5-1983

(1) M/s. Nandanam Apartments 5-8-42 Fathesultan Lane Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sri G. C. Shah, Essamia Bazar, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th May 1983

'Ref. No. RAC 174/83-84.—Whereas, I. M. JEGANMOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat situated at Fathesultan Lane Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on September 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1982 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

THE SCHEDULE

Flat No. B-302/26 at 3rd floor in 5-8-42 Fathesultan lane Hyderabad area 1104 sq. ft. registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 6460/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometux,
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 11-5-1983

(1) M/s. Nandanam Apartments 5-8-42 Fathesultan Lane Hyderabad.

may be made in writing to the undersigned:-

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. D. Bindusree, Arundal pet Guntur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th May 1983

Refc No. RAC 175/83-84.—Whereas, I,

M. JEGANMOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the incometax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat situated at Fathesultan Lane Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on September 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

Objections, if any, to the acquisition of the said property

45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

Flat No. B-203/23 in 2nd floor at Fathesultan Jane, Hyderabad registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 6670/82.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range
Hyderabad (A P.)

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269B of the said Act' to the following persons. namely:—

Date: 11-5-1983

Seal

FORM ITNS———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 11th May 1983

Ref. No. RAC. 176-83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat situated at Fathesultan Lane, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in September, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) M/s. Nadanam Apartments, 5-8-42, Fathesultan lane,

(Transferor)

(2) Kusumkumari, 5-7-579 Nampally Bazar, Lingampally Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
32—116GI/83

THE SCHEDULE

Flat No. A-102/2 in 1st 'floor at Fathesultan lane area 1104 sq. ft registered with Sub-Registrar Hyderabad vide No. 6669/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 11-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 11th May 1983

Rcf. No. RAC 177/83-84.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat situated at Fathesultan Lane, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in September, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Nandanam Apartments, 5-8-42, Fathesultan lane, Hyderabad,

(Transferor)

(2) Shri Sampathlal Jain, 5-7-579 Nampally Bazar, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat B-404/32 in 4th floor in Fathesultan Lanc, Hyderabad area 1104 sq. ft. registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 6668/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 11-5-1983

Seal ;

FORM I.T.N.S.-

(1) M/s. Kamini Builders, 4-1-1064, Tilak Road, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) G. Anuradha, D/o Narayanrao, 1-4-879/78, Gandhinagar, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 11th May 1983

Ref. No. RAC 178/83-84.—Whereas, I,
M. JEGANMOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property heaving a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. Flat situated at Tilakroad, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
at Hyderabad in September, 1982
for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value
of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in the
said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat in 1st floor in 1-8-556 Chikadpally Hyderabad area 950 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Doc. No. 6535/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-5-1983

ويون ورون والرون والويون والويون والويون والويون والويون والويون والويون والمالة والمنافقة والمنافقة والمنافقة والمنافقة والمالة والمنافقة والمناف

FORM ITNS

(1) Md. Abdul Khader, King Kothi, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Rajani Gupta & others, Hyderabad.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)
Hydernbad, the 11th May 1983

Ref. No. RAC 179/83-84.—Whereas, 1, M. JEGANMOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Office situated at Unity House, Hyderabad

No. Office situated at Unity House, Hyderabad (and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in September 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Office No. 36 4th floor Unity House, Hyderabad area 346 sq. ft. registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 6642/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-5-1983

Scal

 Smt. Parvathi Agarwal W/o Bharathkumar 21-1-773 to 775 Patel Market, Pathergatti, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Dr. Shri Azmat Ali Khan. S/o Ishrat Ali, H. No. 386/SpiB., Agapura, Hvderabad.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDFRABAD $(\Lambda, P.)$

Hyderabad, the 11th May 1983

Ref. No. RAC. 180/83-84.—Whereas, I, M. JFGANMOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 5-8-512 to 518/4/47 Abids, situated at Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at

of 1908) in the Office of the Registering officer at Hyderabad in September, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealmets of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPI ANATION:—The terms and expressions used therein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 5-8-512 to 518/44/47 Abids shopping centre Abid Road. Hyderabad area 220 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Doc. No. 6478/82.

M. JEGANMOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—.

Date: 11-5-1983

(1) Dr. Hyder Ali Khajani, 5-8-503, Chiragali lano, Hyderabad,

(Transferor)

(2) Dr. Syed Zaheer Iqbal, 329, Spl. B., New Mallepally, Hyedarabd-500 001.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 11th May 1983

Ref. No. RAC 181/83-84.—Whereas, I,
M. JEGANMOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
Shop No. 4 situated at Chiragali Lane, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Hyderabad in September, 1982
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of:—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 4 in 5-8-505 Chiragali lane Hyderabad area 276 sq. ft. registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 6849/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

M/s. Bhagyanagar Studios Pvt. Ltd., 1-1-79, RTC-X, Roads, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt, K. Saraswathi, W/o K. Raghavarao, 3-6-312/1, Hyderguda, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 11th May 1983

Ref. No. RAC 182/83-84.—Whereas, I. M. JEGANMOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat situated at Mushecrabad, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad in September, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat in 1-1-79 Musheerabad Hyderabad area 535 sq. ft. registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 6819/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 19th May 1983

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/3637.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Land situated at Village Malanpur Tehsil Gohad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gohad on 21-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ram Singh, Mahendra Singh S/o Shri Pyarelal, Ramkali wd/o Totaram, Mukesh Minor guardian S/o Shri Totaram, Minor guardian Ram Singh S/o Shri Pyarelal, R/o Malanpur, Gohad, M.P.

(Transferor)

(2) Shri Harish Kumar Sahu S/o Shri Vishwanath Singh, R/o 31 A Anita Napency Road, Bombay-6. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1.025 Hec situated at village Malanpur Tehsil Gohad M.P.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 19-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 19th May 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3638.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land situated at Village Malanpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gohad on 2110-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
33—116GI/83

(1) Shri Hukumsingh S/o Shri Barolal, Malanpur, Pargana-Gohad. (M.P.)

(Transferor)

(2) Gwalior Poli Pipes Limited,
1-New Kherapati Colony,
Gwalior, Director Shri Harishkumar S/o Vishvenathsingh,
R/o 21-A Anita Nepesi Road, Bombay.
(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1.3.16 Hec. situated at village Malanpur Tehsil Gohad M.P.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 19-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 19th May 1983

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/3639.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land situated at Village Malanpur Tehsil Gohad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on 21-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Ramwati Wd/o Shri Kaliyan, Shri Dharmvir, Shri Laxminarayan S/o Shri Kaliyan, Malanpur Tehsil Gohad (M.P.).

(Transferor)

(2) Kajal Export Pvt. Limited, C/o Director Shri Haribabu S/o Shri Vishvnath Singh, R/o 31-A Anita Nepensi Road, Bombay-6. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2.100 Hec situated at village Malanpur Tehsil Gohad M.P.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 19-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 19th May 1983

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/3640.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

House No. 80 situated at Rambagh Colony, Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on September 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Smt. Kamladevi W/i Shri Krishandutt Ji Sharma, R/o Taraganj Lashkar, Gwalior.

(Transferor)

(2) Shri Jiwandas Khatod S/o Shri Bithaldas Khatod, R/o Parakh Ji ka Bada Lashkar Distt. Gwalior. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bhawan No. 80 ward No. 6 situated Rambagh Colony Sindhe ki Chawani, Lashkar, Gwalior.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 19-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 19th May 1983

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/3641.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Sampatti Nigam No. 42/385 situated at Mandsod gali Lala

ka Bazar, Lashkar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lashkar, Gwalior on 18-9-82, for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Prabhudas S/o Shri Nihalchandji, R/o Lala Ka Bazar, Lashkar, Gwalior.

(Transferor)

(2) Smt. Jankidevi W/o Shri Nihalchand, Lala Ka Bazar, Lashkar, Gwalior.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Sampati Nigam No. 42/385, situated at Lala Ka Bazar, Lashkar, Gwalior. (M.P.).

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 19-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd May 1983

Ref. No. JAC/Acq/Bpl/3586.—Whereas, I. D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Land Kh. No. 382 situated at Village Pigdamber Teh. Mhow, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Oilice of the Registering officer at Mhow on 21-9-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been-truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:---

(1) Shri Ratanlal S/o Shri Mangilalji Kulmi, R/o Village Rao, Indore.

(Transferor)

(2) M/s Vaibhav Land Development Co., Portnership Firm 24/5, Laxmi Bai Nagar, Khila Maiden, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 382, at Village Pigdamber, Teh. Mhow, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 3-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/3587.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 363 situated at Indore Development Corporation Scheme No. 44,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 18-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Harmender Singh S/o Shri Santosh Singh Hora, R/o Poonam Co-operative Housing Society, 4/2. Ganji Compound, Indore.
 - (Transferor)
- (2) Shri Iqbal Singh S/o Shri Dershansinghji, R/o 6-A Premnagar Colony, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 363, Indore Development Corporation Scheme No. 44, at Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 3-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd May 1983

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/3588.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing
Plot No. 365 & Garrage, situated at Khatiwala Tank scheme
No. 44, Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 16 September 1982,

for an apparent consideration which is less than the falr market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Prakash S/o Shri Gulabrai Ramchandani, R/o House No. 70, Ladkana Nagar, Indore. (Transferor)
- (2) Shii Ravindrasingh S/o Shri Darshansingh, R/o House No. 6-A Prem Nagar, Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 365 and Garrige Khatiwala Tank, Scheme No. 44, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date : 3-5-1983

FORM NO. I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 4th May 1983

Ref. N. IAC/Acq/Bpl/3589.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. R. 356 & Garriage situated at Indore Development Corporation Scheme No. 44, Khatiwala Tank, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at Indore on September 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Narendrakumar Khanna S/o Shri Tejmanji Khanna, R/o 27 Siyaganj, Indore.
(Transferor)

(2) Shii Avtar Singh S/o Shri Darshan Singh, R/o 6-A Prem Nagar, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 356 Indore Development Corporation Scheme No. 44, Indore with garage,

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 26th April 1983

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/3590.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269D of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value area d'in able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land Survey No. 84/2 situated at Galchare, Dhanbad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dharampuri on 2-9-1982

for an apparent consideration which is less than the rair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisiton of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

34-116GI/83

- (1) (1) Shri Balu S/o Shri Narayan,

 - (1) Snri Balu S/O Shri Narayan,
 (2) Shri Champalal S/O Shri Sitaram,
 (3) Shri Onkar S/O Shri Sitaram,
 (4) Smt. Dagdi Bai Wd/O Shri Tulsiram,
 (5) Shri Bhagwan S/O Shri Jagannath,
 (6) Shri Nathu S/O Shri Jagannath,
 (7) Shri Radheshayam S/O Shri Jagannath,
 (8) Shri Devnarayan S/O Shri Jagannath,
 (9) Smt. Genda Bai Wd/O Shri Jagannath Patidar,
 Gulchara Dhampod Gulchara, Dhamnod.

(Transferor) (2) M/s. Shelendra Cotton Jinning & Pressing Factory, Dhamnod, Distt. Dhar, through P/F Shlendrakumar Agrawal, South Tukoganj, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Survey No. 84/2 Gulchare, situated Dhamnod,

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 26-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 26th April 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3591.—Whereas, I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land Kh. No. 83, situated at Gulchare, Dhamnod, Dhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dharampuri on 2-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 279D of the said Act, to the following persons, namely :--

Shri Rameshwar S/o Shri Kanhaiyalal Shri Murlidhar S/o Shri Rameshwar, Shri Vishnu Prasad S/o Shri Rameshwar etc., (3) R/o Dhamnod, Dhar.

(Transferor)

(2) Shailendra Cotton Jinning Dhamnod, 4, South Tukoganj, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 83 Gulchare Dhamnod.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 26-4-1983

(1) Shri Jagannath S/o Shri Chensingh, R/o Village Bilaveli, Dewas.

may be made in writing to the undersigned :-

- (Transferor)
- (2) Shri Jagdish S/o Shri Laxmanji Chouhan, R/o 58, Khari Bavari, Mohalla Dewas.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 4th May 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3592.—Whereas, I. D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land Kh. No. 87/2 situated at Village Bilaveli, Dewas, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Dewas on September 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 '(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 87/2 at Village Bilaveli, Dewas.

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 4-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 4th May 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bp1/3593.—Whereas, I. D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

movable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land Kh. No. 87/2 situated at Village Bilavcli, Dewas, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer

Dewas on September 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) (1) Shri Hirasingh, (2) Shri Bapusingh S/o Shri Chensingh, R/o Village Bilaveli, Dewas.

(Transferor)

(2) Shri Jagdish S/o Shri Laxmanji, R/o 58, Khari Bavari, Mohalla Dewas.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 87/2 at Village Bilaveli, Dewas.

D. P. PANTA
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-5-1983

- (1) (1) Shri Jagannath, (2) Shri Hirasingh,
 - (3) Shri Bapusingh S/o Shri Chensingh,

R/o Village Bilabeli, Dewas.

(Transferor)

(2) Shri Jagdish S/o Shri Laxmanji Chohan, R/o 58, Khari Bavadi, Mohalal-Dewas.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 4th May 1983

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/3594.—Whereas, f, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Kh. No. 87/2 situated at Village Bilabeli, Teh. Dewas

No. Kh. No. 87/2 situated at Village Bilabeli, Teh ? Dewas (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Dewas on September 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parteis has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the convealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 87/2 at Village Bilabeli, Dewas,

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE !NCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 4th May 1983

Rcf. No. IAC/Acq/Bpl/3595.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred so as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

House No. 120, situated at Biharilal arg, Shrimalivas, Ratlam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 6-9-1982

for an apparant consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument or transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian noome-tax Act, 1922 (1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Laxmikanth Trivedi S/o Shri Ganeshilal Trivedi, R/o 19, Maharani Road, Indore.

(Transferor)

(2) (1) Shri Ram Pyari Bai,
 (2) Smt. Basanti Bai W/o Shri Mangilalji,
 R/o 120, Biharilal Murg, Shrimalivas, Ratlam.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 120, Biharilal Marg, Shrimalivas, Ratlam.

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 4-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, M.P., the 3rd May 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3596.—Whereas, I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House constructed on Plot No. 22 situated at Burhanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Burhanpur on 22-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Haji Mohammad Salauddin & Mohammad Allauddin-alias-Oliya Saheb R/o Khankah, Burhanpur.
- (2) Babu Bhai & Ambalal Patel, R/o Ranoli, Baroda.

(Transferce)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Pacca House constructed on Block No. 31, Plot No. 22, Ward No. 23 at Khankab, Burhappur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 3-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, M.P., the 4th May 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3597.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot, Sheet No. 10, Survey No. 472 Sheet No. 20/1 situated at Sadar Bazar, Dhamtari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Dhamtari on 30-9-1982

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Pratap Kotari
S/o Gangaram,
Power of attorney,
Jamnadas
S/o Kheemji,
Owner,
Kheemji Nagji & Co.,
Bombay,
at present Motor Stand Ward,
Dhamtari.

(Transferor)

(2) Shri Kishore Kumar S/o Suganmal Shantilal S/o Suganmal, Minor—Guardian Father Sugnamal S/o Vasumal Jasuja, Motor Stand Ward, Dhamtari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot, Sheet No. 10, Survey No. 472, Sheet No. 20/1st Sadar Bazar, Dhamtari.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 4-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, M.P., the 3rd May 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3598,—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Plot, Sheet No. 10, Survey No. 572, Sheet No. 20/1 situated at Sadar Bazar, Dhamtari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhamtari, Raipur on September, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in . respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

35-116GI/83

(1) Pratap Kotari S/o Gangaram Kotari, R/o Makeshwar Para Ward Dhamtari, through—Power of attorney Shri Jamnadas S/o Kheemji, Partner, M/s Kheemji Nagji & Co., Bombay, at present R/o Sadar Bazar, Dhamtari.

(Transferor)

(2) Bhimandas S/o Gohimal Sindhi, R/o Risaipara, Dhamtari.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot, Sheet No. 10, Survey No. 572, Sheet No. 20/1 at Sadar Bazar, Dhamtari.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bñopal.

Date: 3-5-1983

FORM I.T.N.S. -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, M.P., the 3rd May 1983

Ref. No. IAC/ Λ cqn/Bpl/3599.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Open Plot, Kh. No. 80/8 (Portion) situated at Vill: Pitlyachar. Mahasamund

(and more fully described in the schedule annexed here(0) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Mahasamund on September, 1982

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arsining from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transftree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ing persons, namely:—

(1) Goverdhan
 S/o Narayan,
 Rajkunvur
 D/o Narayan Chandrakar,
 R/o Patiyachar, Mahasamund.

(Transferor)

(2) Firm Khemraj Nemichand Shrimal & Co., R/o Gandhi Chowk, Mahasabund, Teh.: Mahasamund, Raipur.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open Plot, Khasra No. 80/8 (Portion) at Vill: Pitivachar, Mahasamund, Raipur.

Acquisition Range,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 3-5-1983

FORM NO. I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, M.P., the 3rd May 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3600.—Whereas, 1, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Land Kh. No. 80/8 (Portion of Open land) situated af Vill: Pitiyachar, Tch.: Mahasamund

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mahasamund on 3 September, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 1. Goverdhan S/o Narayan,
 2. Rajkunvar Wd/o Narayan Chandrakar, R/o Patiyachar,
 Teh. : Mahasamund,

Raipur. (Transferor)

(2) Firm Khemraj Nemichand Shripal & Company, R/o Gandhi Chowk, Mahasamund, Ralpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of Land Kh. No. 80/8, Open land; at Vill. Pitiyachar, Mahasamund, Raipur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopel.

Date: 3-5-1983

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, M.P., the 3rd May 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3601.—Whereas, I, D. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Portion of land Kh. No. 190/1, Plot No. 4 situated at Pandrai Tarai, Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Paristration Act. 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Raipur on September, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair marke value of the aforesaid proprty and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-sald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Krishanlal Bhaseen S/o Sevakram Bhaseen, Bangalore, through—Power of attorney Chandra Prakash Tandon, R/o Kankalipara, Rainur.

(Transferor)

(2) Mangalshah S/o Amarnath Soni, R/o Kankalipara, Raipur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of land Kh. No. 190/1, Plot No. 4, at Vill: Pandri Tarai, Raipur,

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 3-5-1983

— (1) E. Ramendrarao S/oLate Shri Nagendra Rao, R/o Godpara, Bilaspur.

(Trensferor)

(2) Yogesh Pratap Singh S/o Late Shri Chandra Bhushan Singh, R/o Masanganj, Bilaspur.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd May 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3602.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 41, 40/2, 42 situated at Masanganj, Bilaspur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bilaspur on 27 September, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in

and/or

respect of any income arising from the transfer;

exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 40/2, 41, 42, Masangani, Bilaspur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Date : 3-5-1983 · Scal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd May 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bp1/3603.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land Kh. No. 1374/1 situated at Durg (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Durg on 29-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 260D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Nyas Shri Laxmi Narayan Maharaj Khila Mandir, Durg, through Shri Vinod Kumar Agrawal.

(Transferor)

(2) Jagatpal S/o Harnarwyan Singh, Durg.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 1374/1 at Durg.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 3-5-1983

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd May 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3604.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said 'Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Land Kh. No. 1373/1, 1374/1 situated at Durg (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Durg on 29-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 L) of the said Act, to the following persons, namely:—

 Nyas Shri Laxmi Narayan Maharaj R/o Kila Mandir, Durg, through Shri Vinod Kumar Agrawal.

(Transferor)

(2) Kamla Baiji W/o Shri Mannolal, R/o Durg.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 1373/1, 1374/1 at Durg.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 3-5-1983

Seal

FORM ITNE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF ENDIA

 Nyas Shri Laxmi Narayan Maharaj, Khila Mandir, Durg, through—'Pradhan', Nyas Shri Vinod Agrawal.

(Transferor)

 Usman Gani S/o Mohammad Umar, Durg.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd May 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3605.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Mucl. Kh. No. 1374/1 situated at Durg (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Durg on 25-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for, the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 1374/1 at Durg.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 3-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd May 1983

Ref. No. 1AC/Acqn/Bp1/3606.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot Kh. No. 438/29 & House situated at Pandri Teral, Raipur

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1968 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 3-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other amets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
36—116GI/83

 Rammanohar Lal S/o Shri Ram Swarooplal, Power of attorney Shri Bhajanlal S/o Rammanoharial, R/o Shantinagar, Raipur.

(Transferor)

(2) Arjunkumar S/o Nemamal etc. R/o Jawahar Nagar, Raipur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot, Kh. No. 438/29 & House, at Pandri Tarai, Raipur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagor, Bhopal.

Date: 3-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopul, the 6th May 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3607.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

House No. 2181 situated at Subhash Nagar, Wright Town Word, Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabahpur on September 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

 Triveni Bai Wd/o Premnarayan Saxena, R/o House No. 2181, Wright Town, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Shiel Kumari W/o Ravishchandra Agrawal, R/o 237, Napeer Town, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 2181, Sheet No. 153-C, Plot No. 500, Plot No. 71, Subbash Nagar, Wright Town, Jabalpur,

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Date : 6-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 6th May 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3608.—Whereas, I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, have a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

House No. 844, Block No. 3, Plot No. 9 situated at North

Civil Lines, Jabalpur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on September 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1') of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) E. P. O. Sullivan S/o Late Shri J. C. Pınto, R/o 844, North Civil Lines. Jabalpur.

(Transferor) (2) Catholic Chruch incorporated under the name of Diocesan Corporation of Jabalpur through Bishop Shri Teophana O. Praem S/o Shri Chacko, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 844, Block No. 3, Plot No. 9, North Civil Lines Jabalpur.

> D. P. PANTA Competent, Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 6-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhoped, the 6th May 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3609.—Whereas, I, D. P. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing Mucl. No. 42 situated at Netaji Subhash Marg, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on September, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market valve of the adversarial apparent services. market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of :-

(1) Krishna S/o Shanker, R/o 200/C, Rajendra Nagar, Indore.

(Transferor)

(2) 1. Premchand S/o Motilal,
2. Smt. Yeshodabai
W/o Premchand,
R/o 20, Bhoi Mohalla, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used being as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House Mucy. No. 42, at Netaji Subhash Marg, Indore.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :-

Date: 6-5-1983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhortal, the 6th May 1983

Ref. No. IAC/Acqu/Bpl/3610.—Whereas, I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 260 situated at Shrinagar Extension Colony, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Indore on September, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Rajesh Sardarilal Khanna, R/o 33, Plauden Road, Mhow.

(Transferor)

(2) 1. Ramchandia Sohanlal, 2. Geeta Devi Sohanlal,

 Kalavati Devi Shivratan, R/o 27/1, Shankerbagh Colony, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 260, at Shrinagar Extension Colony, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 6-5-1983

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 6th May 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3611.—Whereas, I, D. P. PANTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 261 situated at Shrinagar Extension, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 24-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Neera Khanna W/o Rajesh, R/o 33, Plauden Road, Mhow.

(Transferor)

(2) 1. Chanda Devi,

Rameshkumar Sohanlal,
 Bhagvan Sohanlal,
 R/o 27/1, Shankerbagh Colony,
 Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acqusition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 261 at Shrinagar Extension Colony, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-5-1983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 6th May 1983

Ref. No. IAC/Λcqn/Bpl/3612.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House No. 29 situated at Savid Nagar, Saketh Road, Indote

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 1-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) V. Ganeshan, R/o 29/4, Savid Nagar, Saketh Road, Indore.

(Transferor)

 (2) Chandrawal Mundra W/o Late Shii Badrinarayan Mundra,
 2. Smt. Kusumlata

W/o Shri Ishwar Mundra, R/o 87, Kailash Park, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 29, at Savid Nagar, Saketh Road, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhonul.

Date: 6-5-1983

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 6th May 1983

Ref. No. lAC/Acqu/Bpl/3613.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

House No. 23 situated at Prince Yeshwant Road, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 1-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been rtuly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Madhuri
 W/o Kamal Chug,
 R/o 87, Triveni Colony, Indore.

(Transferor)

 Navneed Bai W/o Bansilalji, R/o 23, Prince Yeshwant Road, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 23 at Prince Yeshwant Road, Indore (One portion).

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 6-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 6th May 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3614.—Whereas, I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

bering No. Plot No. 307 situated at Vishnupuri Annex Colony, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 2-9-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been ruly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ac, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—37—116GI/83

(1) Sardar Amarjitsingh S/o Aatmasingh R/o House No. 65, Radio Colony, Indore.

(Transferor)
(2) Smt. Manak Bai W/o Rajendrakumar Dagdi,
R/o 77, Radhanagar Colony, Indore.
(Transferec)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 307, Vishnupuri Annex Colony, Indore.

D. P. PANTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 6-5-1983

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 6th May 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3615.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and

baring No. Land Kh. No. 803 situated at Junior Dewas

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dewas in Sep. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Ramchandra S/o Laxman 2. Jagdish
S/o Laxman 3. Mani Bai W/o Fakirchand
 Kamla Bai W/o Shivlal 5. Premkumar
S/o Fakirchand, No. 1 to 5 through power of
attorney Sh. Fakirchand S/o
Sidhanathji Mali, R/o
Anandpura, Dewas.

(Transferor)

(2) Kundanlal S/o Totarmji, R/o 28, Godha Colony, Dewas.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 803, at Junior Dewas.

D. P. PANTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 6-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 6th May 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3616.--Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land Kh. No. 803 situated at Dewas-Junior.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dewas in Sept. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Ramchandra S/o Laxman 2. Jagdish S/o Laxman 3. Manibai W/o Fakirchand 4. Kamla Bai W/o Shivlai 5. Premkumar S/o Fakirchand, R/o Dewas-through Power of attorney Fakichand S/o Sidhanathji Mali, R/o Anandpura, Dewas.

(Transferor)

(2) Kundanlal S/o Totaramji, 28, Godha Colony, Indore.

Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 803, at Junior Dewas.

D. P. PANTA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal.

Date: 6-5-1983

Seal .

(1) Pedma Binani Family Trust through Chandra Mohan-Trustee-Raja Gokuldas Palace, Hanumantal, Jabalpur.

(Transferee)

(2) Beohar Ram Pratap Sinha Smt. Savitri Sinha, Sathiya Kua, Jabalpur.

(Transfeor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

> Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.) Bhopal, the 12th May 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3617.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and

bearing No. House No. 402/2 & 402/3 & Part of Plot No.

4/1, Block No. 33

situated at South Civil Lines, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

1908) in the office of the Registering of 1908) in the office of the Registering Officer at

Officer at Jabalpur in 10-9-1982

Officer at Jabalpur in 10-9-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House Nos. 402/2 & 402/3, Part of Plot No. 4/1, Block No. 33, at South Civil Lines, Jabalpur.

> D. P. PANTA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 12-5-1983

(1) Podma Binani Family Trust Estate, Hanumantal, Jabalpur.

(Transferee)

(2) Smt. Sushila Singh, South Civil Lines, Jabalpur.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transfeor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43, OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 12th May 1983

Ref. No. lAC/Acqn/Bpl/3618.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Part of Plot No. 4/1, Block No. 33 situated at South Civil Lines, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hercto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Jabalpur in 1-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee fer the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days

from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the

publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Plot No. 4/1, Block No. 33, at South Civil Lines, Jabalpur.

D, P. PANTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income--tax
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-5-1983

(1) Sardar Avtarsingh 2. Sardar Trilochan Singh S/o Sardar Ram Singh, R/o Napier Town, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Rvindrakumar Chouksey S/o Sh. Sahdev Chouksey R/o Wright Town, Jabalpur.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 11th May 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3619.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Portion of Plot No. 26 situated at

Vill. Amanpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur in 4-9-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of Open plot No. 26, Kh. No. 69/4 Sheet No. 9, at Vill. Amenpur, Narsingh Ward, Jabalpur.

> D. P. PANTA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : ...

Date: 11-5-1983

FORM LT.N.S.---

- (1) Sardar Avtar Singh 2. Sardar Trilochan Singh S/o Ram Singh, R/o Napier Town, Jabalpur.

 (Transferor)
- (2) Govindkumar Chouksey S/o Sh. Sahdev Chouksey R/o Napier Town, Jabalpur,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 11th May 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3620.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Open Plot No. 69/4 (Portion)

No. Open Plot No. 69/4 (Portion) situated at Amanpur, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Officer at Jabalpur in 4-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of open Plot No. 69/4, Sheet No. 9, Plot No. 26 (Portion) at Vill. Amanpur, Narsingh Ward, Jabalpur.

D. P. PANTA,
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax)
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-5-1983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

Bhopal, the 11th May 1983

exceeding Rs. 25,000/- and bearing being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Open Plot Kh. No. 69/4 situated at Vill. Amanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Jabalpur on 4-2-1982

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sardar Avtar Singh (2) Sardar Trilochan Singh S/o Sardar Ram Singh, R/o Napier Town, Jabalpur. (Transferor)
- (2) Arvindkumar Chouksey S/o. Shri Sahdev Chouksey, R/o. Wright Town, Jabalpur

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Potrion of Open Plot Kh. 69/4, Sheet No. 9, Plot No. 26 (Portion), at Vill: Amanpur, Narsingh Ward, Jabalpur.

D. P. PANTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar,
Bhopal

Date: 11-5-83

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 11th May 1983

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|3622.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding 'Rs. 25,000/No. Portion of Open Plot Kh. No. 69/4 situated at Vill. Aamanpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jabalpur on 4-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fall market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument. of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in piersons of the seriou (1) of Section 769. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following section (1) of Section 269D of the said Act, to the following section (1) of Section 269D of the said Act, to the following section (1) of Section 269D of the said Act of the section 269D of the said and section

- (1) Sardar Avtar Singh (2) Sardar Trilochan Singh \$/o Sardar Ramsingh, R/o Napier Town, Jabalpur. (Transferor)
- (2) Sahdev Choksey S/o. Late Nanhelal Chouksey R/o Wright Town, Jabalpur.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of Open Plot Kh. No. 69/4, Sheet No. 9, Plot No. 26, at Vill. Amanpur, Narsingh Ward, Jabahpur.

D. P. PANTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar.
Bhopal

Date: 11-5-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th May 1983

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|3623.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land Kh. No. 463, 464, 465/3, situated at Vill. Bavadiva Kala.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhortal on 1-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Raghunath S/o, Bherolal,
 R/o Vill. Bavadiya Kala, Bhopal.

(Transferor)

(2) Alpa Aya Government Employers Griha Nirman-Sahakari Samiti Ltd., Bhopal through Chairman Bhagvan Chola, Near Hanuman Mandir, Bhopal. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 463, 464, 465/3 at Vill. Bavadiya Kala, Teh. Huzur, Bhopal,

D. P. PANTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar.
Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-5-1983

 Keshar Singh S/o. Kamal Singh, R/o Chavani, Teh. Huzur, Bhopal. **A**dampur

(Transferor)

(2) Dr. Rajkumai Bisaya S/o Shri Radhebiharilal, R/o N-5/24, Kasthurba Hospital, Bhopal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th May 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl|3624.—Whereas, I. D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. Land Kh. No. 104, 105 Vill. Adampur, Chavani, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer.

1908) in the office of the Registering Officer

Bhopal on 29-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 104, 105 at Vill. Adampur, Chavani, Teh. Huzur, Bhopal.

> D. P. PANTA. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar. Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 12-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th May 1983

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|3625.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Land Kh. No. 69 situated at Amoni, Teh. Huzur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 25-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——

 Fazrooq Miya S/o Shri Shah Mohd. Yakoob (2) Mohd. Masood S/o. Mohd. Ayoob, R/o Vill. Aamoni, Teh. Huzur, Bhopal.

(Transferor)

(2) Jawahar Singh Son Shri Daulat Singh (2) Gyansingh Son Daulatsingh through Guardian Jawahar Singh Son Shri Daulatsingh Roo Kar Hodkala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 69, at Vill. Amoni, Tehsil Huzur, Bhopal.

D. P. PANTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar,
Bhopal

Date: 12-5-1983

Scal:

FORM IINS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th May 1983

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|3626.-Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Plot No. 6, situated at Nadir Colony, Shyamla Hills

Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 30-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : -

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this noice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : --

- (1) Sahebzada Yavar Rashid S/o Shri Nawabzada Rashidhuzafar Sahib Power of attorney (2) Begum Suraiyya Rashid Wo Shri Nawabzada Rashiduzafar Rhan, (3) Sahibzadi Mebbano D/o Shri Nawabzada Rashiduzafar Khan (4) Sahibzadi Nilofar D/o Shri Nawabzada Rashiduzafar Khan, R/o Simla Kothi, Bhopal, (5) Sahibzada Nadir Rashid S/o. Nawabzada Rashiduzafar Khan, R/o Simla Kothi, Bhopal. (Transferor)
- (2) Kazim Ali Khan S/o Shri Sabibzada Sajid Ali, R/o Simla Koti, Bhopal. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later; .
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Plot 6 at Nadir Colony, Shyamla Hills, Bhopal. This is the immovable property described in the form No. 37-G verified by the transferec.

> D. P. PANTA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal

Date: 12-5-1983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 12th May 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3627.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Plot No. 222, E-3, situated at Arera Colony, Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhopal on 23-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (110f 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:--

- (1) Yogendrapal Singh S/o Surendra Pal Singh, R/o E-53/144, Arera Colony, Bhopal.
- (2) Devendrakumar Jain S/o Sh. Nannoolal Jain, R/o South T. T. Nagar, Bhopal.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 222, E-3, Arera Colony, Bhopal.

D. P. PANTA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal.

Date: 12-5-1983 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 12th May 1983

· Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3628.--Whereas, 1, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land Kh. No. 21 situated at Vill. Agarlya Chopra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rasien on 29-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said-Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Rajendrakumar Sharma S/o Sh. Gopal Sharma R/o 155, F-I, Arera Colony, Bhopal,
 - (Transferor)
- (2) Bhagwati Bharadwaj W/o Late Sh. M. K. Bharaduag R/o 22 N. 5, Habibganj, Bhopal.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 21 at Vill. Agariya Chopra Teh. Raisen.

D. P. PANTA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal.

Date: 12-5-1983

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TA'S ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Davaram S/o Sh. Gopal Ram Sharma, R/o E-1/155, Arera Colony, Bhopal.

(Transferor)

(2) Bhagwati Devi Bharadulaj W/o Sh. Late S. K. Bharaduaj, R/o 22-N-5, Habibganj, Bhopal. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 11th May 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3629.-Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.
land Kh. No. 25 situated at
Vill. Agariya Chopra, Teh: Raisen
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at Raisen on 29-9-1982
for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 25, at Vill. Agariya Chopra, Raisen.

D. P. PANTA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely:-

Date: 11-5-1983

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOM! TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 12th May 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3630.—Wheres, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Plot situated at

Tagore Colony, Khandwa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khandwa on 4-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforceasid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Vasant Bhai S/o Nana Bhai Thakkar, R/o Tagore Colony, Khandwa.

(Transferoi)

(2) Khandwa Colonisers Khandwa-Partner-Amarchand & Phoolchand Katariya, Radhakrishna Mansharam Maithel, Anil Kumar, Surendra Kumar Jain & Smt. Susheela W/o Radheshyamlal Khandelwal, Khandwa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot, Kh. No. 425/2, 425/1 C at Sheet No. 8, Block No. 1-B, Plot No. 44, Tagore Colony, Khandwa.

> D. P. PANTA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely -- 39--116G1 (93

Date: 12-5-1983

(Transferor)

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 12th May 1983

Ref. No. 1AC/Acqn/Bpl/3631.—Whereas, 1. D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value execeeding Rs. 25,000/- and

Plot No. 104 sitated at

Shrinagar Extension Colony, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Indore on 25-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Prabha Devi Jai W/o Sh. Devidasji Jai, R/o Sagar Bihar, 23, Abdul Gaffar Khan Road, Bombay-28-through Power of attorney Sitaram Joshi S/o Sh. Basant Joshi, R/o 78, Beema Nagar, Indore.
- (2) Rekhabchand Sakhlecha S/o Sh. Prithvrajji Sakhlecha, R/o Vill. Meghnagar, Khandwa. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 104, at Shrinagar Extension-Colony, Indore,

D. P. PANTA. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal.

Date: 12-5-1983 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 13th May 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3632.—Whereas, L.

D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. House situated at

Vill. Mangaliya (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Indore on September 1982
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or trasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:---26--96GI/83

(1) Central Everstone Pvt. Ltd., 3/1, Manoramaganj Indore through— Director, Mohan Prakash Khandelwal

(Transferor)

(2) Kohinoor Electronic Ltd. Indore through Director Sh. Navinchandra Jain, S/o Sh. Jodhraj Jain, R/o Sita Building,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and House at Vill. Mangaliya, Teh. Saver.

D. P. PANTA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal.

Date: 13-5-1983

Scal:

FORM ITNS----

(1) Ramsingh S/o Lalji Kalotha, R/o Vill. Kalukheri, Teh. Dewas.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Dewas Metal Section Pvt. Ltd., Dewas.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 13th May 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3633.—Whereas, I. D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing bearing No. Land Kh. No. 120 situated at

Vill. Kalukheri, Tch. Dewas (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dewas on 30-9-1982 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the ken market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the considuation fb. And transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of (--- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land Kh, No. 120, at Vill. Kalukheri, Tch. Dewas.

D. P. PANTA, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: --

Date: 13-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 13th May 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3634.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Vill. Kalukheri Tch. Dewas

(and more fully described in the Shedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Dewas on 14-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have ceasen to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Chainsingh 2. Gangaram 3. Daulatsingh
 Harisingh Sons of Ramratan Kalotha
 Gattu Bai Wd/o Ramratan Kalotha,
 R/o Vill. Kalukhei, Teh. Dewas.

(Transferor)

(2) M/s Steel Tube of India Ltd., Registered Office Steel Tube Road, Dewas M.P. through Manager Sh. M. C. Jaiswal. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION S—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 54/3 at Vill. Kalukheri, Tch. Dewas.

D. P. PANTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 13-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 13th May 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3635.--Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Land Kh. No. 14 situated at

Vill, Bhambhara, Burhanpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering
Officer at Burhanpur on 29-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Vinelchand S/o Motilal Jain, R/o Sanyara, Tch. Buranpur.

(Transferor)

 1. Ratiram 2. Shaligram S/o Kashirm, Mahajan, R/o Bailsavari (PO) Piprinandu, Jalgaon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 14 at Vill. Bhambhara, Teh. Burhanpur, which is described in the form No. 37-G and verified by the transferee.

D. P. PANTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 13-5-1983

FORM I'INS-

Sohanial Pitambardas Shah
 Chandrakant S/o Sohanial Shah
 Gujrati Mode, R/o Silimpura, Ward,
 Shikurpura, Burhanpur.

(Transferor)

(2) 1. Chaya Devi W/o Thakur Mahendrasingh 2. Sandhya Devi W/o Thakur Chandraprakash Singh R/o Mominpura, Burhanpur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

SIONER OF INCOME-IAA,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 13th May 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3636.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Agrl. land New No. 131 situated at

Vill. Mahmendpura, Teh. Burhanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering

Officer at Burhanpur on 25-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agrl. land New No. 131 at Vill. Mahmendpura, Teh: Burhanpur.

D. P. PANTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE PRAPTIKAR SADAN, 60/61 ERANDAVANE, POONA-4

Poona-4, the 30th April 1983

Ref. No. CA-5/861-SR-Bombay/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 17, Hissa No. 3 S. No. 18-Hissa No. 4 situated at Village Metgutad, Tal. Mahableshwar Dist. Satara. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Bombay on 7-9-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- M/s. Indian Agro Farms,
 6/1, Satnam Apartments,
 Cuffe Parade, Bombay-400 005.
- (2) Shri Kashi Prasad Chiranjilal Morarka, 42, Gautam Apartment, Juhu Road, Santacruz (W) Tagore Road, Corner, Bombay-400 054.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-I'he terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land No. 17, Hissa No. 3, S. No. 18—Hissa No. 4, Metgutad, Village Tal. Mahableshwar, Distt. Satara. (Area—2-H and 42R—and 2H and 48R) 1/8 Hissa. (Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Bombay under document No. 2009 dt. 7-9-82).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Date: 30-4-83

FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PRAPTIKAR SADAN, 60/61 ERANDAVANE, POONA-4

Poona-4, the 30th April 1983

Ref. No. CA-5/859-SR-Bombay/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 17, Hissa No. 3 S. No. 18-Hissa No. 4 situated at Village Metgutad, Tal. Mahableshwar Dist. Satara. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering officer at S. R. Bombay on 7-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
40—116GI/83

M/s. Indian Agro Farms,
 6/1, Satnam Apartments,
 Cuffe Parade, Bombay-400 005.

(Transferor) (HUF)

(2) Shri Kamlesh Vijakumar Gancriwala Shree Bldg., Corner of S. V. Road., and Juhu Road., Santacruz (W) Bombay-400 054.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or p period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land No. 17, Hissa No. 3, S. No. 18—Hissa No. 4, Metgutad, Village Tal. Mahableshwar, Distt. Satara. (2H-42R and 2H 48R)

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Bombay under document No. 2012 dt. 7-9-82)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 30-4-83

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PRAPTIKAR SADAN, 60/61 ERANDAVANE, POONA-4

Poona-4, the 30th April 1983

Ref. No. CA-5/862/SR.Bombay 83-84.—Whereas. J. SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 17, Hissa No. 3 S. No. 18-Hissa No. 4 situated at Village Metgutad, Tal. Mahableshwar Dist. Satara. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S. R. Bombay on 7-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- M/s. Indian Agro Farms,
 6/1, Satnam Apartments,
 Cuffe Parade, Bombay-400 005.
- (2) Shri Chiranjilal Yudhisthir Prasad, Singhania, D/1/26, Khiranangar Sanetacruz (W) Bombay-400 054.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land No. 17, Hissa No. 3, S. No. 18—Hissa No. 4, Metgutad, Village Tal. Mahableshwar, Distt. Satara. (Area—2H 42R and 2H-48R) 1/8 Hissa.

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Bombay under document No. 1010 dt. 7-9-82).

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range, Poona,

Date: 30-4-83

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PRAPTIKAR SADAN, 60/61 ERANDAVANE, POONA-4

Poona-4, the 30th April 1983

Ref. No. CA-5/860-SR-Bombay/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 17, Hissa No. 3 S. No. 18-Hissa No. 4 situated at Village Metgutad, Tal. Mahableshwar Dist. Satara. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Bombay on 7-9-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

M/s. Indian Agro Farms,
 Satnam Apartments,
 Cuffe Parade, Bombay-400 005.

(Transferor)

(2) Smt. Satyabhama Vijaykumar Ganeriwala, 13-1/26, Khiranagar, Santacruz (W) Bombay-400 054.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immonable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land No. 17, Hissa No. 3, S. No. 18—Hissa No. 4, Mctgutad, Village Tal. Mahableshwar, Distt. Satara.

(Area—2H 42R and 2H 48R) 1/8 share.)

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Bombay under document No. 2011 dated 7-9-82).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Date: 30-4-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME ТАХ АСТ, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Cuffe Parade, Bombay-400 005. (2) Shri Yogesh Vijaykumar Ganeriwala, (Minor)

(1) M/s. Indian Agro Farms. 6/1, Satnam Apartments,

(Transferor)

Shree Bldg., Corner of S. V. Road, and Juhu Road, Santacruz (W) Bombay-400 054.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE PRAPTIKAR SADAN, 60/61 ERANDAVANE, POONA-4

Poona-4, the 30th April 1983

Ref. No. CA-5/857 SR-Bombay 83-84.—Whereas, I, SHASHIKAN'T KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 17, Hissa No. 3 S. No. 18-Hissa No. 4 situated at Village Metgutad, Tal. Mahableshwar Dist. Satara. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Bombay on 7-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land No. 17, Hissa No. 3, S. No. 18—Hissa No. 4, Metgutad, Village Tal. Mahableshwar, Distt. Satara. (Area—2H 48R and 2-H-42R)

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Bombay under document No. 2015 dt. 7-9-82).

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poorla.

Date: 30-4-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOMETAX ACT, 1981 (43 OF 1961)

 M/s. Indian Agro Farms, 6/1, Satnam Apartments, Cuffe Parade, Bombay-400 005.

(Transferor)

Smt. Meena Kashi Prasad Morarka,
 Gautam Apartments,
 Juhu Rd., Santacruz (W).
 Tagore Road, Corner Bombay-400 054.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PRAPTIKAR SADAN, 60/61 ERANDAVANE, POONA-4

Poona-4, the 30th April 1983

Ref. No. CA-5/858-SR.Bombay/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 17, Hissa No. 3 S. No. 18-Hissa No. 4 situated at Village Metgutad, Tal. Mahableshwar Dist. Satara. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Bombay on 7-9-1982 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Inian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land No. 17, Hissa No. 3, S. No. 18—Hissa No. 4, Village Metgutad, Tal. Mahableshwar, Distt. Satara. (Area-2H-42A and 2H 48R)

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Bombay under document No. 2014 dated 7-3-82 with the Sub-Registrar, Bombay).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Date: 30-4-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PRAPTIKAR SADAN, 60/61 ERANDAVANE, POONA-4

Poona-4, the 30th April 1983

Ref. No. CA-5/856-S.R.Bombay/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 17, Hissa No. 3 S. No. 18-Hissa No. 4 situated at Village Metgutad, Tal. Mahableshwar Dist. Satara: (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Bombay on 7-9-1982 for an apparent consideration which is less than the fair

S. R. Bombay on 7-7-1702 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M/s. Indian Agro Farms,
 6/1, Satnam Apartments,
 Cuffe Parade, Bombay-400 005.

(2) Shri Vijaykumar Shreegopal Ganeriwala (HUF) Shree Building, Corner of S. V. Road and Juhu Road, Santacruz (W) Bombay-400 054.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land No. 17, Hissa No. 3, S. No. 18—Hissa No. 4, Metgutad, Village Tal. Mahableshwar, Distt. Satara. (Area—2H 42R and 2H 48R—1/8 Hissa)

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Bombay under document No. 2009 dt. 7-9-82).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 30-4-83

(1) M/s. Indian Agro Farms, 6/1, Satnam Apartments, Cuffe Parade, Bombay-400 005.

(Transferor)

(2) Shri Vimalkumar Chiranjilal Singhania, D/1/26, Khirangar, Santacruz (W) Bombay-400 054.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PRAPTIKAR SADAN, 60/61 ERANDAVANE, POONA-4

Poona-4, the 30th April 1983

Ref. No. CA-5/863-SR.Bombay/83-84,---Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing S. No. 17, Hissa No. 3 S. No. 18-Hissa No. 4 situated at Village Metgutad, Tal. Mahableshwar Dist. Satara. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrating Officer.

1908) in the office of the Registering Officer
S. R. Bombay on 7-9-1982
for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other sesets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giv m in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land No. 17, Hissa No. 3, S. No. 18—Hissa No. 4, Metgutad, Village Tal. Mahableshwar, Distt. Satara. (Area—2H-42R & 2-H 48R) 1/8 share.

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Bombay under document No. 2013 date d7-9-82).

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona,

Date: 30-4-83

Scal;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th May 1983

Ref. No. A. P. No./4328.—Whereas, I. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No as per schedule situated at V. Kingra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on Sept. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Jagtar Kaur D/o Kartar Singh r/o 579, Model Town, Jalandhar self and G. A. Narinder Kaur wd/o and Kultar Kaur alias Kartar Kaur D/o Kartar Singh r/o 187, Model Town, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Bansi Lal S/o Buta Mall r/o WF-167, G. T. Road Puli Ali Mohalla, Jalandhar.

(Transferee)

(3) as S. No. 2 above

(Person in occupation of the property)

(4) Any other persn interested in the property (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a perold of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 4 Kls. situated in V. Kingra & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 4364 of September, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar,

Date: 13-5-1983.

€cal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 12th May' 1983

Ref. No. CHD|160|82-83.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 3192, Secor 27-D, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in het office of he Registering Officer at Chandigarh in September 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
41—116GI/83

 Smt. Dev Wanti wo Sh. Bhagat Ram, ro SCF No. 30, Grain Market Chandigarh through Sh. Rajinder Kumar Shagan Lal, Street 12, Abohar.

(2) Shri Suraj Kant S|o Shri Ved Parkash, r|o Chhatta Bazar, Hoshiarpur.

(Transferee)

(3) Sh. Zela Singh r|o H. No. 3192, Sector 27-D, garh.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 3192, situated in Sector 27-D, Chandlgarh. (The property as mentioned in the registered deed No. 957 of 9|82 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,

Date: 12-5-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, he 12th May 1983

Ref. No. CHD 149 82-83.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

and bearing No.

H. No. 555, Sector 8-B, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in September 1982

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsecion (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Indra Dhingra woo Sh. H. C. Dhingra roo H. No. 291, Sector 33-A. Chandigarh.
- (Transferor)
 (2) Sh. Jagan Nath s|o Sh. Devi Daya| & Smt. Meena
 Gohri w|o. Shri Gulshan La| r|o 1219, Sector 8-C,
 Chandigarh.
- (3) M/s. Santan Dharam Education Society (Sh. Sanatan Dharam Junior Modern School) H. No. 555, Sector 8-B, Chandigarh.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 555, Sector 8-B, Chandigarh. (The property as mentioned in the Registered Deed No. 853 of 9|82 of the Registering Authority, Chandigarh). Date: 11-5-1983.

SUKHDEV CHAND, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 12-5-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Kulwant Kaur wo Shri Late Balwant Singh rlo 2329, Sector 35-C, Chandigarh. (Transferor)

Gomia (Bihar State)

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(2) Shri Inder Pal Singh soo Late Shri Kartar Singh ro

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 12th May' 1983

Ref. No. CHD|147|82-83.--Whereas, I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 1/2 share of H. No. 2329, situated at Sector 35-C Chandingth

Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in September 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from

the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4 share of H. No. 2329, situated in Sector 35-C, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 843 of September, 1982 of he Registering Authority, Chandigarh.)

> SUKHDEV CHAND, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 12-5-83

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 10th May 1983

Ref. No. CHD|151|82-83.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. P. No. 1543, Sector 33-D, situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1998 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in September 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for each transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

- Lt. Col. Devinder Singh s|o Shri Mangat Singh 453, Pehali Contact Unit c|o. 99 APO.
- (Transferor)
 (2) Shri Ved Parkash (HUF) slo Late Shri Tej Ram rlo
 18, Industrial Area, Chandigarh.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 1543, situated in Sector 33-D, Chandigarh. (The property as mentioned in the Registered deed No. 859 of 9|82 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range,
Ludhiana

Date: 10-5-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 12th May' 1983

Ref. No. CHD|142|82-83.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

H. No. 3462, Sector 23-D, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chandigarh in September 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Uma Wati w|o. Shri Mohan Lal Sharma r|o 25, Vasan Vihar, Juliundur.

(Transferor)

(2) Smt. Bimla Devi w|o Shri Pritam Dass & Shri Sunil Kumar s|o Shri Jagdish Chand r|o 3438, Sector 23-D, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 3462, situated in Sector 23-D, Chandigarh, (The property as mentioned in the Registered deed No. 825 of 9|82 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 12-5-83 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

D.L.F. COLONY

Rohtak, the 11th May 1983

Ref. No. PNP/228/82-83.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot area 908 sq. yards situated at Shiv Nagar, Panipat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Panipat in September 1982
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—.

(1) Shri Rameshwar Dass S|o Shri Raghunath Sahai r|o Gaushala Mandi, Panipat.

(Transferor)

(2) M|s. Kumar Textile Mills, Panipat through Smt. Kunti Devi w|o. Shri Chuni Lal 33|100 share Smt. Neelam Goyal w|o Shushila Gupta 33|100 Shri Pardeep Jain S|o Vimal Kumar 17|100 share Smt. Sheela Devi W|o. Shri Vimal Kumar 17|100 share.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesnid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter:

THE SCHEDULE

Property being land measuring 908 sq. yards situated at Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3789 dated 20-9-1982 with the Sub Registrar, Panipat.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Rohtak

Date: 11-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROHTAK, D.L.F. COLONY

Rohtak, the 12th May 1983

Ref. No. NWN/21/82-83.—Whereas I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe 'that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

No. Land measuring 5033 sq. yards, situated at Narwana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Narwana in September 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesnid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' is the following persons, namely:—

- Shri Banwari Lal, Ram Sarup & Dalip Chand ss/o Shri Behari Lal S/o Sh. Bishamber Dass, Narwana, Mandi.
- (2) S/S. Jai Bhagwan, Devi Parshan & Rajinder Kumar, Vinod Kumar ss/o Shri Harikesh S/o Sh. Radba Krishan, C/O M/S Harikesh Devi Parshan, Cloth Merchants, Narwana Mandi, Narwana Distt. Jind.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Property being plot measuring 503½ sq. yards situated at Narwana and as more mentioned in the sale deed registered on 7-9-1982 with the Sub Registrar, Narwana.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 12-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROHTAK, D.L.F. COLONY

Rohtak, the 16th May 1983

Ref. No. KNL/149/82-83.—Whereas I,

R. K. ΒΗΑΥΛΝΑ. R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. Shop No. XVII-670 situated at Purana Sarafa Bazar,

Karnal.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in September 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Iucome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Sh. Shyam Lal s/o Jogi Dass s/o Sh. Mange Ram, Smt. Shanti Devi w/o Sh. Shyam Lal s/o Sh. Jogi Dass r/o Holi Mohalla, Karnal.

(Transferor)

(2) S/Sh. Bhagwan Dass Girdhar s/o Sh. Ram Singh r/o Samalkha Mandi, Teh. Panipat. Krishan Lal s/o Sh. Mehar Chand s/o Ruchi Ram Taneja R/o Ramana Ramani, Teh, Karnal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Property being shop No. XVII-670 Purana Sarafa Bazar, Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2692 dated 1-9-1982 with the Sub Registrar, Karnal.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak

Date: 16-5-1983

 Shri Kanshi Ram S/o Sh. Jammu Ram, Radaur Road Camp, Yamunanagar.

(Transferor)

(2) Smt. Satya Devi W/o Sh. Des Raj, Smt. Savitri Devi W/o Sh. Ishwar Chand, R/o Vill. Mamodo Teh. Jagadharl.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROHTAK, D.L.F. COLONY Rohtak, the 16th May 1983

Ref. No. JDR/123/82-83.—Whereas I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shop at Radur Road Camp, Yamunanagar, situated at

Yamunanagar,

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagadhari in September 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparents consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforespid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

42---116GI/83

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being shop situated at Radaur Road Camp, Yamunanagar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4182 dated 20-9-1982 with the Sub Registrar, Jagadhari.

R. K. BHAYANA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 16-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROHTAK, D.L.F. COLONY

Rohtak, the 16th May 1983

Ref. No. BGR/99/82-83.—Whereas I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land measuring 40 Kanals 4 marla situated at Pehladpur Majra Ding

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in September 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

(1) Smt. Dayawanti W/o Sh. S. K. Sharma, 11 West Avenue Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Birender Singh S o Sh, Sarup Singh, Smt. Gomati D.vi W.o Sh. Sarup Singh, R/o Tigaon Road Farm, Sarup Nagar, Ballaband.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being Land measuring 40 kanals 4 marla situated at Pehladpur Majra Ding and as more mentioned in the sale deed registered at No. 6648 dated 13-9-1982 with the S.R. Ballabheach.

R. K. BHAYANA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 16-5-1983

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROHTAK, D.L.F. COLONY

Rohtak, the 16th May 1983

Ref. No. BGR/100/82-83.—Whereas I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land measuring 53 kanals 5 marla situated at Pehladpur Maria Ding.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ballabgarh in September 1982,

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Snit. Daya Wanti W/o Sh. S. K. Sharma, 11 West Avenue, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Bijender Singh S'o Sh. Sarup Singh, Smt. Gomti Devi W/o Sh. Sarup Singh, R. o Tigaon Road Farm, Sarup Nagar, Ballabgarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 53 kanals 5 marla situated at Village Pehladpur Majra Ding and as more mentioned in the sale deed registered at No. 6649 dated 15-9-1982 with the S.R. Ballabgarh.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtuk

Date: 16-5-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROHTAK, D.L.F. COLONY

Rohtak, the 16th May 1983

Ref. No. JDR/137/82-83.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land 9 kanals 9 Marlas, Vill. Gulab Nagar Teh. Jagadhari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagadhari in September 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Sh. Ajmer Singh and Sh. Akal Singh ss/o Sh. Charan Singh s/o Sh. Karam Singh r/o Teli Majra Teh. Jagadhari.
- (2) Smt. Kusham Lata w/o Sh. Siri Kishan, Dass s/o Kanshi Ram r/o 40-Anaj-Mandi, Jagadhari.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land 9 kanals 9 marlas situated at Vill. Gulab Nagar, Tch. Jagadhari and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4394 dated 30-9-1982 with the Sub Registrar, Jagadhari.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 16-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROHTAK, D.L.F. COLONY

Rohtak, the 16th May 1983

Ref. No. GRG/117/82-83.—Whereas I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Land 297 Kanal 15 marlas situated at Vill. Harsaru

Distt. Gurgaon,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gurgaon in September 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Universal Poultry Farm, (breeding) Harsaru Distt. Gurgaon through Sh. Harinder Katial s/o Sh. Bhagwan, Dass r/o 21 Bungalow Road, Delhi-6.

(Transferor)

(2) S. Inderjeet Singh Sodhi s/o S. Kalwant Singh Sodhi, A-5, Ring Road, Naraina Vihar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapte: XXA of the said Act, shall have the sam, meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being agricultural land 297 kanals 15 marlas situated at village Harsaru Distt. Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1962 dated 24-9-82 with the Sub Registrar, Gurgaon.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Kange, Rohtak

Date: 16-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURJ. TAYLOR ROAD AMRITSAR

Amritsar, the 10th May 1983

Ref. No. ASR/83-84/29.—Whereas, I, HARDAYAL SINGH, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. One property situated at Radha Swami Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in September 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Prabha Devi W/o Sh. Hira Lal Narang, Mehra Apartment, Bombay, through B.A. Boga, G.T. Road, Amritsar. (Transferor)
- (2) Sh. Harbhajan Singh Chatha, RUF through Firm M/s Deva Singh Sham Singh, r/o Chatiwind gate, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above tenants if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at Radha Swami Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 10277 dated 24-9-82 of the registering authority, Amritsar.

HARDAYAL SINGH IRS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 10-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD AMRITSAR

> > Amritsar, the 10th May 1983

Ref. No. ASR 83-84/24.—Whereas, 1

HARDAYAI SINGH, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One plot of land situated at Radha Swami Road,

Amritsar,

(and more fully described in the Schedule Ennexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in September 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the ransferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Smt. Prabha Devi Wd/o Sh. Hira Lal Narang, 1/o Mehar Apartment Road, Bombay through General Attorney Sh. R.A. Boga 8/o Sh. A. R. Boga, G.T. Road, Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Harbhajan Singh, Chatha through firm M/o Deva Singh Sham Singh, r. o Outside Chatti Wind Gate, Amritsar,
- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land situated at Radha Swami Road, Amritsur, as mentioned in sale deed No. 9682 dated 13-9-1982 of registering authority, Amritsar.

> HARDAYAL SINGH IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar

Date: 10-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD AMRITSAR

Amritsar, the 9th May 1983

Ref. No. ASR/83-84/25.—Whereas, I HARDAYAL SINGH, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. One property situated at G.T. Road, Amritsar, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Amritsar in September 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Baba Puran Nath Chela, Baba Gian Nath r/o Ram Tirath Mahan Rishi Balmik Mandir, Amritsar, through S. Bahadur, Singh s/o Warian Singh, r/o Chowk Moni, Amritsar

(Transferor)

- (2) Thakur Mangal Singh, Jai Singh, Prithipal Singh ss/o Thakur Dalip Singh, r/o G.T. Road, Amritsar.
- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
- (Person in occupation of the property)

 (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at G.T. Road, Opp. Irrigation Office, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 9205 dated 2-9-82 of the registering authority, Amritsar.

HARDAYAL SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 9-5-1983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISIION RAUGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 10th May 1983

Ref. No. ASR/83-84/26.—Whereas, I HARDAYAL SINGH, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the lamovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

One property situated at Batala Road, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Amritsar in September 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
43—116GI/83

 Sh. Om Parkash s/o Shri Diwan Chand, r/o Pawan Nagar, Amritsar.

(Transferor)

 Sh, Tilak Raj s/o
 Sh. Ishar Dass, r o Pawan Nagar, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any,

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property measuring 450 sq. yds., situated at Batala Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 9441 dated 7-9-82 of the registering authority, Amritsar.

HARDAYAL SINGH IRS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 10-5-1983

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISION RAUGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 10th May 1983

Ref. No. ASR/83-84/27.—Whereas, I HARDAYAL SINGH, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property situated at Batala Road, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in September 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a, facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Sh. Om Parkash s/o Shri Diwan Chand, r/o Pawan Nagar, Amritsar.

(Transferor)

(2) S. Jatinderpal Singh s/o Shri Mehar Singh r/o Alhowal Distt. Hoshlarpur.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property measuring 297 sq. yds., situated at T.P. Scheme No. 53, Batala Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 9440 dated 7-9-82 of the registering Authority, Amritsar.

HARDAYAL SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 10-5-1983

FORM NO. I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISIION RAUGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 9th May 1983

Ref. No. ASR/83-84/28.—Whereas, I HARDAYAL SINGH, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land situated at Vill. Jaura Chhittran, Distt. Gurdaspur,

Gurdaspur,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registeration Act 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
S.R. Gurdaspur in September 1982,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Smt. Puro d/o Smt. Jiwan, w/o Shri Chanan Singh, r/o Vill. Jaura Chhittran, Teh. & Distt. Guraspur.

(Transferor)

(2) Sh. Harbhajan Singh s/o Sh. Joginder Singh, r/o Vill. Chamiari, now at Vill. Jaura Chhittran, Teh. & Distt. Gurdaspur.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any. (Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 50 kanals 19 marlas, situated in Vill. Jaura Chhittran, Teh. Gurdaspur, as mentioned in sale deed No. 3968 dated 23-9-1982 of the registering authority Gurdaspur.

> HARDAYAL SINGH IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range, Amritsar

Date: 9-5-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD **AMRITSAR**

Amritsar, the 10th May 1983

Ref. No. ASR/83-84/30.-Whereas, I, HARDAYAL SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One plot of land situated at Radha Swami Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Amritsar on Sept., 1982

S. R. Amritsar on Sept., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

- (1) Smt. Prabha Devi Wd./o Shri Hira Lal R/o Mehar Apartment Road, Bombay through General Attorney Sh. R. A. Boga s/o Sh. A. E. Boga, G. T. Road, Amritsar,
- (Transferor) (2) Sh. Prithpal Singh s/o Shri Kalyan Singh r/o Tarn Taran, Distt. Amritsar.

(Transferee) (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.

(Person in occupation of the property) (4) Any other (Person whom the undersigned knows to be interested in hte property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land situated at Radha Swami Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 10750 dt. 30-9-82 of the registering authority, Amritsar.

> HARDAYAL SINGH IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Amritsar

Date: 10-5-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD AMRITSAR

Amritsar, the 9th May 1983

Ref. No. ASR/83-84/31.--Whereas, I, HARDAYAL SINGH, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One property situated at Katra Moti Ram, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Amritsar on Sept., 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Vijay Kumar s/o Shri Pishori Lal r/o Katra Moti Ram, Amritaar.

(Transferor)

(2) Sh. Banarsi Dass Chopra s/o Shri Chuni Lal Chopra r/o 128 Katra Moti Ram, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other
 (Person whom the undersigned knows to be interested in hte property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at Katra Moti Ram, Inside Hathi Gatc, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 9924 dt. 20-9-82 of the registering authority, Amritsar.

HARDAYAL SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Amritan

Date: 9-5-83 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD AMRITSAR

Amritsar, the 9th May 1983

Ref. No. ASR/83-84/31.—Whereas, I. HARDAYAL SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property situated at Katra Moti Ram, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Amritsar on Sept., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Nand Kishore s/o Shri Pishori Lal r/o Katra Moti Ram, Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Banarsi Dass Chopra s/o Shri Chuni Lal Chopra r/o 128 Katra Moti Ram, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other
(Person whom the undersigned knows to be interested in hte property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at Katra Moti Ram, Inside Hathi Gate, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 9922 dt. 20-9-82 of the registering authority, Amritsar.

HARDAYAL SINGH IRS

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range

Amritsar

Date : 9-5-83 Scal :

Smt. Ram Piari
 Wd./o Shri Pishori Lal
 r/o Katra Moti Ram,
 Amritsar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Banarsi Dass Chopra s/o Shri Chuni Lal Chopra r/o Katra Moti Ram, Amritsar,

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other (Person who

(Person whom the undersigned knows to be interested in hte property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD AMRITSAR

Amritsar, the 9th May 1983

Ref. No. ASR/83-84/33.—Whereas, I, HARDAYAL SINGH, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

One property situated at Katra Moti Ram, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S. R. Amritsar on Sept., 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the snid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at Katra Moti Ram, Inside Hathi Gate, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 9923 dt. 20-9-82 of the registering authority, Amritsar.

HARDAYAL SINGH 1RS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rang
Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-5-83

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD AMRITSAR

Amritsar, the 9th May 1983

Ref. No. ASR/83-84/34.—Whereas, I, HARDAYAL SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

One plot of land situated at Circular Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Amritsar on Sept., 1982

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Sh. Radha Shyam Khanna s/o Sh. Amolak Ram Khanna r/o 35 Race Course Road, Amritster.

(Transferor)

(2) Sh. Sunil Dhawan s/o Shri Balkishan Dhawan, r/o 12, Dasondha Singh Road, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other
 (Person whom the undersigned knows to be interested in hte property)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at Circular Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 10276 dt. 24-9-82 of the registering authority, Amritsar.

HARDAYAL SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range
Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 9-5-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD AMRITSAR

Amritsar, the 9th May 1983

Ref. No. ASR/83-84/35.--Whereas, I,

HARDAYAL SINGH, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

One plot of land situated at Circular Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at

S. R. Amritsar on Sept., 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act., I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely 44--116Gf/83

(1) Sh. Radha Shyam Khanna s/o Sh. Amolak Ram Khanna r/o 35 Race Course Road, Amritsor.

(Transferor)

(2) Sh. Kapil Dhawan s/o Shr. Balkishan Dhawan, r/o 12, Dasondha Singh Road, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other (Person whom the undersigned knows to be interested in late property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at Circular Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 10416 dt. 27-9-82 of the registering authority, Amritsar.

> HARDAYAL SINGH IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range Amritsar

Date: 9-5-83

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF, 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna-800001, the 16th May 1983

Ref. No. III-727/Acq/83-84.—Whereas, I, P. K. DUBEY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. P. S. No. 343, Jamabandi 122/358, Ward No. 30, Holding No. 405, 836, Present H. No. 472 situated at Moballu-Gannipur, Town Muzaffarpur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarpur on 3-9-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) Shri Siv Shankar Singh 8/0 Shri, A. M. Singh At & P.O. Gunnipur, Near Neem Chowk, South of Ganga Babu house (Bhatha merchant) Town and Dist. Muzaffarpur.
- (2) Shri Sanjiva Nand Thankur s/o Shri Shyam Nand Thakur Village Baluayodhi, P. O. & P. S. Palasi, Dist. Purnia. At Present: At & P.O. Gunnipur, Near Neem Chowk, South of Ganga Babu house (Bhatha merchant) Town and Dist. Muzaffarpur.

(Transferce)

(Thansferer)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the suid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 13 Dhurs with house situated in Mohalla Gannipur, P.S. & P.O. Muzaffarpur, Dist. Muzaffarpur and morefully described in deed no. 15868 dated 3-9-82 registered with D.S.R. Muzaffarpur.

> P. K. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 16-5-83

FORM I.T.N.S.....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna-800001, the 16th May 1983

Ref. No. III-741/Acq/83-84.—Whereas, I, P. K. DUBEY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereInafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Mouza Dhanbad No. 51, Holding No. 215/203 situated at Near Bank Mor, on Katras Rotad, Distt-Dhanbad

(and more fully described in the Schedule annexed bereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Dhanbad on 14-9-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) tacilitating to reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 tespect of any income arising from the transfer;
 and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Puranlal V. Chawda s/o Late V. G. Chawda, Managing Trustee, For Ghallabhai Vidyotojak r/o Katras Doad, Dist. Dhanbad.

(Transferor)

(2) Shri Sunil Kumar Singh S/o Sri Ram Bahadur Singh C/o Usha Talkies, P.C.-Jharia, Dist-Dhanbad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used inerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6 Katha 11 Chatak with house situated near Bank Mor, on Katras Road, Dist-Dhanbad and more-fully described in deed No. 10722 dt. 14-9-82 registered with D.S.R. Dhanbad.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Competent Authority
Acquisiton Range, Bihar, Patna

Date : 16-5-83

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT; 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Shri Alish Chandra Sinha
 Sri Adhish Chandra Sinha
 Sri Bikash Chandra Sinha,
 All r/o 59A, B. T. Road,
 Calcutta-2.

(Transferer)

(2) Shri Lal Dharendra Nath Sahdeo, r/o Khunti, P.O./Dist-Ranchi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BIHAR
BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna-800001, the 16th May 1983

Ref. No. III-747/Acq/83-84.—Whereas, I, P. K. DUBEY

being the Competent Authority under Section 269B of the Licome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

R.S. Plot No. 855, Khata No. 21 situated at Bariatu, P.S./Dist-Ranchi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 18-9-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein asare defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Open land measuring 28 Kathas 12 Chatak situated at Barlatu, P. S./Dist-Ranchi and morefully described in deed No. I-8244 dt. 18-9-82 registered with Sub-Registrar of Assurances at Calcutta.

P. K. DUBLY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisiiton Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following, persons, namely:—

Date: 16-5-83

Scal:

FORM IINS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna-800001, the 16th May 1983

Ref. No. III-744/Acq/83-84.—Whereas, 1, P. K. DUBEY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Mouza Dhanbad No. 51, Holding No. 215/203 situated at

Near Bank Mor on Katras Road, Dist-Dhanbad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dhanbad on 14-9-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fari market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :--45--116GI/83

(1) Shri Puranlal V. Chawda s/o Late V. G. Chawda, Managing Trustee, For Ghailabhai Vidyotoiak Mandal, R/o Katras Road, Dist-Dhanbad.

(Transferer)

(2) Shri Sanjay Singh s/o Sri Ram Bahadur Singh, C/o Usha Talkies, P.O.-Jharia, Dist-Dhanbad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measurin 6 Katha 11 Chatak with house situated near Bank M or on Katra Road, Dist-Dhanbad and morefully described in deed No. 10719 dt. 14-9-82 registered with D.S.R. Dhanbad.

> P. K. DUBEY Competent Authority inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 16-5-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA

Patpa-800001, the 16th May 1983

Ref. No. III-743/Acq/83-84.—Whereas, I, P. K. DUBEY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Mouza Dhanbad No. 51, Holding No. 215/203 situated at Near Bank Mor on Katras Road, Dist-Dhanbad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhanbad on 14-9-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Puranlal V. Chawda s/o Late V. G. Chawda, Managing Trustee, For Ghallabhai Vidyotoiak Mandal, R/o Katras Road, Dist-Dhanbad.

(Transferor)

(2) Shri Surendra Prasad Singh s/o Sri Ram Bahadur Singh, C/o Usha Talkies, P.O.-Jharia, Dlst-Dhanbtid.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or α period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6 Katha 11 Chatak with house situated near Bankmor on Katra Road, Dist-Dhanbad and morefully described in deed No. 101720 dt. 14-8-82 registered with D.S.R. Dhanbad.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 16-5-83

(1) Shri Puranlal V. Chawda s/o Late V. G. Chawda, Managing Trustee, For Ghallabhai Vidyotoiak Mandal, R/o Katras Road, Dist-Dhanbad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Madho Singh s/o Sri Ram Bahadur Singh, C/o Usha Talkies, P.O.-Jharia, Dist-Dhanbad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BIHAR

Patna-800001, the 16th May 1983

BORING CANAL ROAD, PATNA

Ref. No. III-739/Acq/83-84.—Whereas, I, P. K. DUBEY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Mouza Dhanbad No. 51, Holding No. 215/203 situated at
Near Bank Mor on Katras Road, Dist-Dhanbad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Dhanbad on 14-9-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the afroesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6 Katha 11 Chatak with house situated near Bank Mor on Katras Road, Dist-Dhanbad and morefully described in deed No. 10724 dt. 14-9-82 registered with D,S.R. Dhanbad,

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisiton Range, Bihar, Patna

Date: 16-5-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 Q01, the 16th May 1983

Ref. No. III-742/Acq./83-84.—Whereas, I, P. K. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Mouza Dhanbad No. 51, Holding No. 215/203 situated at Near Bank Mor, on Katras Road, Dist-Dhanbad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhanbad on 14-9-1982 for an apparent consideration which is less than the fair resolve to live of the oferecold avenuate and I have reason to

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Puranlal V. Chawda S/o Late V. G. Chawda, Managing Trustee, For Ghallabhai Vidyotojak Mandal, R/o Katras Road, Distt. Dhanbad. (Transferer)

(2) Smt. Jayanti Devi W/o Srl Ram Bahadur Singh, C/o Usha Talkies, P.O. Jharia, Distr. Dhanbad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 4\$ days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6 Katha 11 Chatak with house situated near Bank Mor, on Katras Road, Distt. Dhanbad and more-fully described in deed No. 10721, dated 14-9-1982 registered with D.S.R. Dhanbad.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 16-5-1983.

Scal:

FORM IINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri Alish Chandra Sinha (2) Sri Adhish Chandra Sinha (3) Sri Bikash Chandra Sinha, All R/o 59A, B. T. Road, Calcutta-2.

(Transferer)

(2) Shri Lal Puspendra Nath Sahdeo, R/o Khunti, P.O. District. Ranchi.

may be made in writing to the undersigned-

whichever period explres later;

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BIHAR

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 16th May 1983

Ref. No. III-746/Acq./83-84.—Whereas, I, P. K. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

R.S. Plot No. 855, Khata No. 21 situated at Bariatu, P.S./

District Ranchi,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 18-9-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesad property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agred to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tea Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publications of this notice
in the Official Gazatte or a period of 30 days from

the service of notice on the respective persons.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land measuring 23 Kathas 7 Chatak situated at Bariatu, P.S./Distt. Ranchi and morefully described in deed No. I-8243 dated 18-9-1982 registered with Sub-Registrar of Assurances at Calcutta.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 16-5-1983.

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 16th May 1983

Ref. No. III-748/Acq./83-84.—Whereas, I, P. K. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

R.S. Plot No. 855, Khata No. 21 situated at Bariatu, P.S./ . District Ranchi,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 18-9-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (9) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the salid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferceald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Alish Chandra Sinha (2) Sri Adhish Chandra Sinha (3) Sri Bikash Chandra Sinha, All R/o 59A, B. T. Road, Calcutta-2.

(Transferer)

(2) Shri Uday Narain Singh, R/o Ararua Harihargani, Distt. Palamaue. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersimed.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 38 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereis as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land measuring 25 Kathas 11 Chatak situated at Bariatu, P.S./Distt. Ranchi and morefully described in deed No. I-8243 dated 18-9-1982 registered with Sub-Registrar of Assurances at Calcutta.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar Patna

Date: 16-5-1983.

at Dhanbad on 14-9-1982

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961) (1) Shri Puranlal V. Chawda Soo Late V. G. Chawda, Managing Trustee, For Ghallabhai Vidyotojak Mandal, R/o Katras Road, Distt. Dhanbad.

(Transferer)

(2) Shri Madhabendra Singh, S/o Sri Jang Bhadur Singh, C/o Usha Talkies, P.O. Jharia, Dist. Dhanbad. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 16th May 1983

Ref. No. III-740/Acq./83-84.—Whereas, I, P. K. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Mouza Dhanbda No. 51, Holding No. 215/203 situated at Near Bank Mor, on Katras Road, Distt. Dhanbad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6 Khatha 11 Chatak with house situated near Bank Mor, on Katras Road, Distt, Dhanbad and morefully described in deed No. 10723, dated 14-9-1982 registered with D.S.R. Dhanbad.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition or the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, ramely:—

Date: 16-5-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Puranlal V. Chawda S/o Late V. G. Chawda, Managing Trustee, For Ghallabhai Vidyotojak Mandal, R/o Katras Road, Distt. Dhanbad.

(ransferor)
(2) Shrì Sadho Singh S/o Sri Ram Bahadur Singh,
C/o Usha Talkies, P.O. Jharia, Distt. Dhanbad.
(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 16th May 1983

Ref. No. III-745/Acq./83-84.—Whereas, I, P. K. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

movable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Mouzo Dhanbda No. 51, Holding No. 215/203 situated at Near Bank Mor, on Katras Road, Distt. Dhanbad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Office.

1908) in the office of the Registering Officer nt Dhanbad on 14-9-1982

nt Dhanbad on 14-9-1982
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6 Khatha 11 Chatak with house situated near Bank Mor, on Katras Road, Distt. Dhanbad and morefully described in deed No. 10718, dated 14-9-1982 registered with D.S.R. Dhanbad.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 16-5-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE

Kanpur, the 4th May 1983

Ref. No. M-803/82/Acq|MUSSOORIE.--Whereas, I, BIBEK BANERJI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value encoding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mussoorie on 14-9-1982 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mulk Raj Batra & sons Chander Bhushan Batra, and Bharat Bhushan Batra, Resident of village Niranjanpur District Dehradun.

(Transferor)

(2) M/s. Shakunt Solvents & Chemicals Pvt. I.td., D-1/11, Ashok Vihar-II, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at village Kuanwala District Dehradun.

BIBEK BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Kanpur.

Date: 4-5-1983

Seal:

PRINTED BY THE MANAGER GOVERNMENT OF INDIA PRESS, FARIDABAD AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1983